केन्द्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान परिषद्

वार्षिक प्रतिवेदन 2001–2002
परीक्षित लेखा

CENTRAL COUNCIL FOR RESEARCH IN HOMOEOPATHY
SIMILIA SIMILIBUS CURENTUR

(भारतीय चिकित्सा पद्धतियाँ एवं होम्योपैथी विभाग
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
भारत सरकार)

615532

मुद्रक: युगान्तर प्रकाशन प्रा. लि., मायापुरी, नई दिल्ली - 110 064 दूरभाष: 28115949, 28116018

विषय सूची

प्रमुख आकर्षण 1

प्रशासनिक प्रतिवेदन 7

– संगठन 7

– शासी निकाय 7

– स्थायी वित्तिय समिति 8

– वैज्ञानिक सलाहकार समिति 9

– के.हो.अ.प. पुर्नगठन उपसमिति 9

– साहित्यिक अनुसंधान उपसमिति 9

– के.हो.अ.प. का संगठनात्मक ढांचा 10

– बजट प्रावधान 10

– परिषद में अनुसूचित जाति/जनजाति का प्रतिनिधित्व 11

– के.हो.अ.प. के बाहय/अतरंग रोगी विभागों दवारा चिकित्सा सहायता 11

तकनीकी प्रतिवेदन

नैदानिक अनुसंधान कार्यक्रम 12

अमीबा रूग्णता 13
सामान्य क्षेत्र में
जनजातीय क्षेत्र में

संधि शोथ 15
जनजातीय क्षेत्र में

आचरण दोष 15
सामान्य क्षेत्र में

श्वसनिका दमा 16
सामान्य क्षेत्र में
जनजातीय क्षेत्र में

श्वसनी शोथ 18
जनजातीय क्षेत्र में

ग्रैव अपकशेरूता 18
सामान्य क्षेत्र में

ग्रभाशय ग्रीवा अपरदन एवं शोथ 19
सामान्य क्षेत्र में

मधुमेह
सामान्य क्षेत्र में
जनजातीय क्षेत्र में

शिशुदस्त रोग
सामान्य क्षेत्र में

पेचिश
सामान्य क्षेत्र में
जनजातीय क्षेत्र में

अपस्मार (मिरगी रोग)
सामान्य क्षेत्र में

फाइलेरिया
सामान्य क्षेत्र में
जनजातीय क्षेत्र में

जठरशोथ
सामान्य क्षेत्र में

जठरांत्रशोथ
जनजातीय क्षेत्र में

जियार्डिया रूग्णता
सामान्य क्षेत्र में

कृमिरूग्णता
सामान्य क्षेत्र में
जनजातीय क्षेत्र में

जिगर शोथ / यकृतशोथ (वी.)
सामान्य क्षेत्र में

एच.आई.वी. संक्रमण
सामान्य क्षेत्र में

अतिनिम्न घनत्व लाइपोप्रोटीनिमिया
सामान्य क्षेत्र में

उच्च रक्तचाप
सामान्य क्षेत्र में

बांझपन, डी.यू.बी., पी.आई.डी.
सामान्य क्षेत्र में

विरामी ज्वर
सामान्य क्षेत्र में

क्षुब्ध वृहदान्त्र संलक्षण
सामान्य क्षेत्र में

जापानी मस्तिष्कशोथ
सामान्य क्षेत्र में

मलेरिया 36
सामान्य क्षेत्र में
जनजातीय क्षेत्र में

मानव भ्रूण की कुस्थिति 37
सामान्य क्षेत्र में

अतिरज 37
सामान्य क्षेत्र में

अस्थिसन्धिशोथ 38
सामान्य क्षेत्र में
जनजातीय क्षेत्र में

पैप्टिक व्रण 40
जनजातीय क्षेत्र में

अन्तराकशेरूभंश 40
सामान्य क्षेत्र में

पुरस्थ विवर्धन / प्रोस्टेट ग्रन्थि में वृद्धि 41
सामान्य क्षेत्र में

गुर्दा पथरी 42
सामान्य क्षेत्र में

रूमेटाइड संधिशोथ 42
सामान्य क्षेत्र में

नासाशोथ 42
जनजातीय क्षेत्र में

सिक्कल सैल अनीमिया 43
'सामान्य क्षेत्र में

वायुविवरशोथ 44
सामान्य क्षेत्र में
जनजातीय क्षेत्र में

त्वचा विकार 45
सामान्य क्षेत्र में
जनजातीय क्षेत्र में

तुण्डिकाशोथ 46
सामान्य क्षेत्र में
जनजातीय क्षेत्र में

उपरी श्वासनली संक्रमण 47
सामान्य क्षेत्र में

विटिलिगो / प्राथमिक श्वित्र 49
सामान्य क्षेत्र में
जनजातीय क्षेत्र में

* महामारियों के दौरान नैदानिक अनुसंधान
* नैदानिक सत्यापन अनुसंधान कार्यक्रम
* औषध परीक्षण अनुसंधान कार्यक्रम
* औषध अनुसंधान कार्यक्रम
    * औषधीय पादपों का सर्वेक्षण तथा सग्रंहण
    * औषध मानकीकरण
* साहित्यिक अनुसंधान कार्यक्रम
* प्रलेखन तथा पुस्तकालय
* प्रकाशन
* संपन्न परियोजनाँए
* भावी योजनाँए
* के.हो.अ.प. के अधीन संस्थान/इकाईया
* लेखा प्रतिवेदन
* लेखा परीक्षा प्रमाण पत्र
* लेखा परीक्षित वार्षिक लेखा

प्रमुख आर्कषण

केन्द्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान परिषद की स्थापना भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के भारतीय चिकित्सा पद्धति एवं होम्योपैथी विभाग के अधीन एक स्वायत संस्थान के रूप में 30 मार्च 1978 को हुई, जिसका उद्देश्य होम्योपैथी में अनुसंधान को सूत्रीबद्ध, समन्वित, विकसित तथा प्रोत्साहित करना है। इसका पूरा व्यय भारत सरकार वहन करती है। आज यह परिषद होम्योपैथी में संगठित अनुसंधान में कार्यरत देश की एक शीर्ष संस्थान है।

यह परिषद अपने लक्ष्यों तथा कार्यों को देश के विभिन्न भागों में स्थित 51 संस्थानों तथा इकाईयों के माध्यम से कार्यान्वित करती है। यह संस्थान तथा इकाईयां होम्योपैथी के विभिन्न पहलुओं पर अनुसंधान कर रहे हैं। सामान्य तौर पर जिसका वर्गीकरण इस प्रकार किया गया है।

(क) नैदानिक अनुसंधान

(ख) औषध परीक्षण अनुसंधान

(ग) नैदानिक सत्यापन अनुसंधान

(घ) औषध मानकीकरण तथा औषध अनुसंधान

(ड.) औषधीय पौधों का सर्वेक्षण, संग्रहण एवं कृषि

(च) साहित्यिक अनुसंधान

विभिन्न अनुसंधान कार्यक्रमों के अन्तर्गत इस वर्ष किए गए कार्यों का संक्षिप्त विवरण आगे दिया गया है।

परिषद अपने संस्थानों तथा इकाईयों के बहिरंग व अन्तरंग रोगी विभागों के माध्यम से लोगों को चिकित्सा सुविधांए प्रदान कर रही है। इस वित्तीय वर्ष के दौरान 7,22,022 रोगियों का उपचार किया गया। इसमें नये तथा पुराने (सामान्य एवं अनुसंधान वाले) दोनों ही प्रकार के रोगी शामिल हैं।

10 अगस्त, 2001 को नई दिल्ली में भारतीय चिकित्सा पद्धति एवं होम्योपैथी विभाग के संयुक्त सचिव श्री एल. प्रसाद की अध्यक्षता में स्थायी वित्तीय समिति की 37 वीं बैठक रखी गई जिसका उद्देश्य परिषद् द्वारा प्रस्तुत विभिन्न प्रस्तावों पर विचार करना था।

10.10.2001 को सचिव (भारतीय चिकित्सा पद्धति एवं होम्यापेथी विभाग) द्वारा अनुसंधान परिषदों की गतिविधियों के पुनरवलोकन हेतु रखी गई बैठक के कार्यवृत में दिए गए सुझावों के अनुसार परिषद् के निदेशकों द्वारा क्षेत्र इकाईयों के कार्यों के पुनरवलोकन के लिए नियमित बैठकें आयोजित करने की आवश्यकता को व्यवहार में लाया गया।

प्रथम पुनरीक्षण बैठक परिषद् के मुख्यालय, नई दिल्ली में 19–20 नवम्बर, 2001 को आयोजित की गई जिसका उद्देश्य औषध मानकीकरण एवं औषध परीक्षण अनुसंधान कार्यक्रमों की प्रकिया का पुनरवलोकन करना था। इस बैठक में इन अनुसंधान कार्यक्रमों में कार्यरत 13 अनुसंधान कार्यकताओं ने हिस्सा लिया। अनुसंधान इकाईयों/संस्थानों में अनुसंधान कार्यक्रमों को चलाने में पेश आ रही मुश्किलों पर विचार विमर्श किया गया तथा प्रत्येक इकाई/संस्थान के कार्यों का पुनरवलोकन किया गया। पुनरीक्षण बैठक में कुछ सुझाव रखे गए जिन्हें वैज्ञानिक सलाहकार समिति के समक्ष अनुमोदन के लिए रखा जाएगा।

व्दितीय पुनरीक्षण बैठक 1 दिसम्बर, 2001 को नैदानिक अनुसंधान इकाई (हो.) चेन्नई में आयोजित की गई जिसमें विभिन्न संस्थानों/इकाईयों से प्रभारी/कार्यक्रम अधिकारी (विशेषतया प्रशासन एवं लेखा से संबंधित) शामिल थे। के.हो.अ.प. के निदेशक,

सहायक निदेशक (प्रशासनिक), लेखा अधिकारी एवं वरिष्ठ आशुलिपिक, परिषद/मुख्यालय के साथ–साथ परिषद् की दस क्षेत्र इकाईयों से प्रभारी अधिकारियों ने भी बैठक में हिस्सा लिया।

तृतीय पुनरीक्षण बैठक 29 जनवरी, 2002 को के.हो.अ.प. के मुख्यालय, नई दिल्ली में संधि विकारों की परियोजनाओं में कार्यरत अनुसंधान कार्यकर्ताओं के साथ आयोजित की गई। 14 अनुसंधान संस्थानों एवं इकाईयों से अनुसंधान कार्यकर्ताओं ने बैठक में हिस्सा लिया तथा कार्य के संशोधन हेतु आवश्यक परिवर्तनों/मुश्किलों/सुझाावों के बारे में परिषद् के निदेशक एवं के. हो.अ.प. मुख्यालय के कार्यकम अधिकारियों से विचार विमर्श किया।

चतुर्थ पुनरीक्षण बैठक 18 एवं 19 फरवरी, 2002 को होम्योपैथी के राष्ट्रीय संस्थान, कोलकाता में जठरांत्र विकारों से संबन्धित कार्य के पुर्नावलोकन एवं विचार विमर्श हेतु आयोजित की गई। इस बैठक में विभिन्न संस्थानों/इकाईयों में इन परियोजनाओं में कार्यरत अनुसंधान कार्यकर्ताओं, के.हो.अ.प. के निदेशक एवं परिषद् के मुखलय में इस परियोजना की देखरेख कर रहे कार्यकम मुख्यालय अधिकारियों ने हिस्सा लिया। इस परियोजना को चला रहे संस्थानों/इकाईयों की प्रगति का पुनरीक्षण किया गया तथा उचित प्रतिवेदन एवं मुख्यालय में समय पर प्रतिवेदन भेजने के लिए कुछ सुझाव/हिदायतें दी गईं।

नैदानिक अनुसंधान

देश भर में फैले 6 अनुसंधान संस्थानों तथा 13 इकाईयों में 27 रोग संबंधी परियोजनाओं तथा 14 औषध संबंधी परियोजनाओं पर नैदानिक अनुसंधान अध्ययन प्रगति पर है। यहां भारतीय जनसाधारण में आम तौर पर होने वाले रोगों तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण रोगों जैसे फाइलेरिया, मलेरिया एवं एच.आई.वी./एड्स पर अध्ययन किया जा रहा है।

फाइलेरिया को एक चिरकालिक मियादी रोग, जिसकी अतिपात्ती तीव्रतांए भी होती है, होने की वजह से लम्बी चिकित्सा तथा अनुवर्तन की आवश्यकता होती है। 2001–02 में 294 रोगियों के अनुवर्तन का मूल्यांकन करने से यह पता चला है कि इस रोग के व्यक्तिनिष्ठ तथा वस्तुनिष्ठ लक्षणों, विशेषतया अतिपाती रोगियों में बहुत सुधार हुआ है। चिकित्सा द्वारा परिवर्ती स्तर पर पूर्ण रूप से सुधार एक महीने से लेकर साढे पांच सालों में प्राप्त हुआ है। बिना भारी विघ्नकारी परिवर्तन वाले अतिपाती रोगियों में होम्योपैथिक चिकित्सा से बहुत अच्छी प्रतिक्रिया पाई गई। अतिपाती एवं चिरकारिक दोनों रोगियों में ज्वर, लसीका वाहिनी शोथ एवं लसीकापर्वशोथ में उपचार से लाक्षणिक प्रतिक्रिया मिली। सबसे विलक्षण प्रतिक्रिया लसीका सोफ ग्रेड एक में देखी गई जो 64/82 रोगियों में पूर्ण रूप से लुप्त हो गया एवं 33 में सुधार आया, लसीका सोफ ग्रेड दो 20/60 रोगियों में लुप्त हो गया तथा 18 रोगियों में परिवर्ती स्तर पर सुधार हुआ। हाथीपांव के चिरकालिक रोगियों में प्रतिक्रिया सीमित रही क्योंकि उनमें अपरिवर्तनीय परिवर्तन आ चुके थे। परन्तु अतिपात्ती दौरों में अच्छी खासी कमी पाई गई। फाइलेरिया की दर्दों के साथ–साथ हाथीपांव वाली टांग के चमरोग तथा भारीपन के अहसास से भी राहत मिली और रोगी अपनी रोजमर्रा की गतिविधियों को पहले से भी बेहतर तरीके से करने के काबिल हो गया। सुधरने वाले रोगियों में (अतिपात्ती तथा चिरकालिक दोनों) रस टाक्स, ब्राओनिया एल्बा, एपिस मेलीफिका तथा सल्फर दवाऐं कारगर रही है। समय–समय पर पुनरावृत होने वाले दौरों को रोकने के लिए चिकित्सा के दौरान मध्यवर्ती एन्टीमियासमेटिक दवाओं की आवश्यकता है। इस वर्ष 14 रोगी जिनमं एम.एफ पाजिटिव पाया गया था, अनुवर्तन के लिए आए, उनमें से 12 में नैदानिक स्तर पर सुधार हुआ तथा केवल 2 रोगियों में माइकोफाइलेरिया लुप्त हो गया।

केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, कोट्टायम में 1997 से मार्च 2002 तक 95 अपस्मार के रोगियों का अनुवर्तन किया गया। 52 रोगियों में अच्छा खासा सुधार आया (इस अवधि के दौरान कोई पुनरावृति नहीं हुई) जिनमें से 31 रोगी ग्रैड माल, 15 रोगी पेटिट माल, 3 रोगी लाक्षणिक, 1 रोगी जी.ई.टी.सी. एवं 3 रोगी उन्मत आक्षेप के थे। मध्यम सुधार वाले 13 रोगियों में से (इस अवधि के दौरान कम तीव्रता में पुरावृति हुई) 6 रोगी ग्रैंड माल, 5 रोगी पेटिट माल , 1 रोगी लाक्षणिक एवं 1 रोगी जी.ई.टी.सी. के थे तथा ग्रैंड माल के 6 रोगियों में से 4 उपचाराधीन हैं एवं 2 रोगी ज्यों के त्यों हैं, पेटिट माल के 2 रोगियों में निम्न स्तर पर सुधार आया तथा 21 रोगियों की कोई सूचना नहीं मिली। इन रोगियों में जो औषधियां प्रभावकारी रहीं वे इस प्रकार हैं :– हायोसायमस 200, कैल्केरिया कार्बोनिका 200, 1 एम., बैलाडोना 200, नक्स वोमिका 30,200, 1 एम0, नक्स मौसकेटा 1 एम0, जैलसीमियम 30,200, इग्नेशिया 200, 1 एम., अर्जेन्टम नाइट्रिकम 1 एम., कास्टिकम 30, लैकेसिस 30, आर्सेनिकम एल्बम 200 एवं स्ट्रेमोनियम 30।

औषध मानकीकरण ईकाई, हैदराबाद में चल रही उच्चरक्तचाप की परियोजना में यह देखा गया कि पिछले 1 साल से लेकर साल 7 माह से अनुवर्तमन में चल रहे 81 रोगियों, जिनका पूर्व रक्तचाप प्रकुंचन 140 से 190 मि.मि. मरकरी तथा अनुशिथिलन 00 से 110 मि.मी. मरकरी था में से 12 रोगियों का रक्तचाप अब सामान्य श्रेणी में पाया गया है। 54 रोगियों में मूत्र में श्वेतक ाया गया एवं उपचार के पश्चात् 23 रोगियों में यह लुप्त हो गया। 13 रोगियों में से जो होम्योपैथिक औषधियों के साथ एलोपैथिक ौषधियॉ भी ले रहे थे, एलोपैथिक औषधियॉ हटा ली गई हैं एवं 14 रागियों में दवा की मात्रा कम कर दी गई। ब्रायोनिया, ाइकोपोडियम, रावोल्फिया सर्पेन्टीना तथा स्ट्रोफेन्थस आदि एलोपैथिक औषधियॉ प्रभावकारी पाई गईं।

रिषद् ने वर्ष 2001–02 से स्त्रीरोगविज्ञान एवं प्रसूतिविज्ञान विभाग, ई.एस.आई. अस्पताल, बसई दारापुर, नई ल्ली के साथ

संयुक्त रूप से बांझपन, अपक्रियात्मक गर्भाशय रक्तस्त्राव तथा पेडु का शोथयुक्त रोग में अध्ययन प्रारम्भ किया गया है। जिन गियों को उपचार की किसी अन्य विधियों से लाभ नहीं पहुंचा अथवा दुष्कर रोगियों को होम्योपैथिक उपचार के लिए भेजा गया।

बांझपन : बांझपन के 75 रोगी होम्योपैथिक उपचार के लिए भेजे गए इनमें से 47 नियमित रूप से उपचार के लिए आये। पचार के दौरान यह देखा गया कि जो रोगी मासिक धर्म से सम्बन्धित कष्टों जैसे अनियमित मासिक धर्म, बदबूदार अल्पमात्रा रजोधर्म एवं कष्टार्तव, सकष्टसंगम से पीडित थे उन्हें उपचार के एक माह के दौरान अपने कष्टों से मुक्ति मिल गई चाहे वे 3 ह से एक वर्ष तक बांझ रहीं। प्रारम्भ में यह अध्ययन केवल प्राथमिक अज्ञातहेतुक बांझपन के लिए था परन्तु व्दितीय बांझपन भी कुछ रोगी उपचार हेतु भेजे गए। प्राथमिक बांझपन के 6 रोगियों एवं व्दितीयक बांझपन के 2 रोगियों ने 3 महीने से एक र्ष तक चले उपचार के दौरान (निर्दिष्ट होम्योपैथिक दवाओं से) गर्भधारण कर लिया। इनमें से 2 का सामान्य प्रसव हुआ एवं एक ा अन्तर्गभाशयी विकास विलंबन की वजह से शल्यजनन किया गया। 4 रोगियों में गर्भावस्था जारी है तथा एक रोगी का र्भावस्था के प्रथम त्रिमास में गर्भपात हो गया।

श्वसनिका दमा, सिक्कल सैल अनीमिया, अस्थिसंधिशोथ, वायुविवरशोथ, तुण्डिकाशोथ, विभिन्न त्वचा विकारों, विरामी ज्वर यादि में नैदानिक परीक्षण से प्राप्त परिणाम भी महत्वपूर्ण हैं। इन रोगों में होम्योपैथिक औषधियों के एक समूह की (उनके श्वसनीय लक्षणेंा के साथ) पहचान कर ली गई है एवं उन्हें और आगे नैदानिक सत्यापन के लिए रखा जा रहा है।

नजातीय क्षेत्रों में नैदानिक अनुसंधान

सर्वेक्षण के दौरान देश के विभिन्न जनजातीय आंतरनिवासों में सर्वाधिक व्यापक जिन 19 सामान्य रोगों की पहचान की गई , उन पर नैदानिक अनुसंधान इस वर्ष भी जारी रहा। कुछ रोगों जैसे अमीबा–रूग्णता, पेचिश, कृमिरोग, अस्थिसंधिशोथ, साशोथ, श्वसनीशोथ, वायुविवरशोथ इत्यादि में निर्धारित की गई दवाओं के समूह में से सबसे प्रभावकारी दवाओं की पहचान गई है। इन दवाओं के विश्वसनीय लक्षणों की भी पहचान की गई है परन्तु इनका और अधिक नैदानिक प्रमाणीकरण किया रहा है। साइनोडोन डैक्टाइलान, एल्सटोनिया कंस्ट्रिकटा, एटिस्टा इंडिका, फाइकस इंडिका, एमेटिन, होलेर्हिना एन्टीडायसेन्टेरिका ट्रोम्बीडयम अमीबा रूग्णता एवं पेचिश में सबसे प्रभावकारी रही। इनसे सुधरे हुए रोगियां में से 45 प्रतिशत को लाभ पहुंचा। मेरोग में निर्दिष्ट औषधियों में से सैन्टोनिनम, फिलिक्स मास, सिनैपिस एल्बा, चिलॉन, एम्बेलिया राइब्स एवं वैरनोनिया टीहैल्मिनटिका सबसे प्रभावकारी रही तथा इनसे सुधरे हुए रोगियों में से 91 प्रतिशत को लाभ पहुंचा।

षध परीक्षण

औषध परीक्षण अथवा होम्योपैथिक रोगोत्पादक परीक्षण (एच.पी.टी.) इस परिषद की सबसे महत्वपूर्ण गतिविधि है। परिषद ने योपैथिक रोगोत्पादक परीक्षण के लिए डबल ब्लाईंड तकनीक की योजना तथा पूर्वलेख विकसित किया है जिसे अंतरराष्ट्रीय र पर भी स्वीकार किया गया है तथा एच.पी.टी. से लक्षण प्राप्त करने की प्रक्रिया को भी मानकित किया गया है। इस प्रणाली ान की सफलता का मूल्यांकन रोगजनन परीक्षण के नैदानिक सत्यापन अध्ययन से किया जा सकता है जिसमें कई लक्षण, न पर नुस्खा आधारित होता है, बार–बार सत्यापित हो रहे हैं। परिषद ने अपनी योजना के अन्तर्गत केवल स्वदेशी दवाओं तथा शेक रूप से प्रमाणित दवाओं के परीक्षण पर जोर दिया है। अभी तक ऐसी 62 दवाओं का परीक्षण हो चुका है। इस वर्ष के दौरान

4 कोड की हुई दवाओं (2 लम्बी अवधि के परीक्षण कोड नं. 68,69 तथा 2 कम अवधि के परीक्षण कोड नं. 58 एवं 74) का पू पूर्ण किया गया है। कोड नं. 65,67 वाली 2 औषधियों का दीर्घकालीन परीक्षण एवं कोड नं. 71 का लघु परीक्षण इस वर्ष वि औषध परीक्षण इकाईयों में दूसरी बार प्रारमी किया गया। इन औषधियों का संकलन प्रगति पर है। कोरनुअस सरसिनेटा ट्री टैरेसट्रिस तथा ओसिमम सैकटम के परीक्षण आंकड़ों का संकलन कर लिया गया है ताकि इसे केन्द्रीय होम्योपैथिक अनु परिषद की वैज्ञानिक सलाहकार समिति के समक्ष अनुमोदन के लिए रखा जा सके। बाकि दवाओं के परीक्षण आंकड़ों का सं अभी चल रहा है।

नैदानिक सत्यापन

65 औषधियों की लाक्षणिकी का नैदानिक सत्यापन किया जा रहा है ताकि उनके सबसे विश्वसनीय लक्षणों, जिन के आ पर नुस्खा लिखा जाता है, तथा सबसे प्रभावकारी पौटेंसियों को स्पष्ट किया जा सके। उन्हीं औषधियों का अध्ययन किया जा है जिनका या तो के.हो.अ.प. द्वारा अपने औषध परीक्षण केन्द्रों पर परीक्षण हो चुका है अथवा जो आंशिक रूप से प्रमाणित है। से ज्यादातर स्वदेशी मूल की है। इस वर्ष के दौरान इस कार्यक्रम में कार्यरत संस्थानों/इकाईयों में 18,120 रोगी अनुसंधा अंतर्गत पंजीकृत किए गए। इन औषधियों के नैदानिक सत्यापन आंकडों का प्रचार समय–समय पर के.हो.अ.प. की त्रैमा पत्रिका/के.हो.अ.प. समाचार में प्रकाशित करके अथवा सम्मेलनों, सेमिनारों तथा कार्यशिविरों के माध्यम से किया जाता है त इन्हें व्यवसाय में इस्तेमाल किया जा सके।

औषध अनुसंधान

1. औषध मानकीकरण

औषधियों के विभिन्न गुणात्मक लक्षणों के अध्ययन के लिए एक बहुआयामी अभिगम, जिसमें भेषज अभिज्ञान, रासायनिक तथा भेषज गुणविज्ञान के पैरामीटर सम्मिलित है, को शामिल किया गया है। इस वर्ष में 8 औषधियों के भेषज अभि तथा 6 औषधियों के भौतिक रासायनिक मानदण्ड निर्धारित किए गए है। भारतीय चिकित्सा पद्धति एवं होम्योपैथी विभाग द्वा नियत की गई सूची के अनुसार डैटाबेस के लिए औषधीय पौधों की जानकारी के अंतर्गत क्यूमिनम साइमिनन एवं अन्य के में एकत्रित जानकारी का संकलन किया जा रहा है।

2. औषधीय पादपों का संग्रहण, सर्वेक्षण तथा कृषि

उद्यागमंडलम (ऊटी), तमिलनाडू में स्थित इकाई सर्वेक्षण के पश्चात औषधीय पादपों की पहचान तथा संग्रहण करके अपरिष्कृत नमूने मानकीकरण अध्ययन करने वाले संस्थानों/इकाईयों को भेजती है। इस वर्ष इस इकाई ने उद्भिज संग्रह के 165 क्षेत्र संख्याओं का संग्रहण किया, जिससे चालू क्षेत्र संख्या बढकर 7,509 हो गई, 153 क्षेत्र संख्याओं की पहचान एवं प्रमाणित किया गया तथा 11 अपरिष्कृत औषधीय पादम सामग्री मानकीकरण अध्ययन के लिए भेजी गई। इसके अतिरिक्त के लिए तथा होम्योपैथी में प्रयोग होने वाले औषधीय पादपों (विशेषतया विदेशी) की लघु स्तर पर कृषि के लिए तमिलनाडु से पट्टे पर ली गई 12.7 एकड़ भूमी पर एक औषधीय पादप उद्यान विकसित किया जा रहा है। सिनरेरिया मैरिटिमा, डिजी परप्यूरिया, एकिलिया मिलिफोलियम सैनटोलिना कैमेसाईपैरिसस, वायला आडोरेटा, रोसामैरिनस ओफिसिनैलिस, सेन्टेला एशि तथा सिल्विया ओफिसिनैलिस का नियमित रोपण, छटांई, नर्सरी, उगाना, अनुरक्षण तथा रखरखाव किया जा रहा है। प्रदर्शन–भू पर उपजाए गये 10 पौधों के जननद्रव्य के संग्रह की भी देखमाल की जा रही है तथा बृहत् स्तर पर उनकी कृषि के लिए निष्पादन का अध्ययन किया जा रहा है।

साहित्यिक अनुसंधान

साहित्यिक अनुसंधान कार्यक्रम में परिषद् ने "कैन्ट (कुन्जली) की रैपर्टरी का पुनरवलोकन एवं संशोधन–अन्य कार्यों के में बोरिक रैपर्टरी से कैन्ट रैपर्टरी में अभिवर्द्धन" परियोजना के अन्तर्गत कैन्ट की रैपर्टरी को संशोधित करने का उत्तरदायित्व लि है। अभी तक 15 अध्यायों का संशोधन तथा प्रकाशन किया गया है। इस परियोजना पर और आगे कार्य परिषद् की वैज्ञा सलाहकार समिति के विचाराधीन होने की वजह से नहीं किया जा रहा है।

प्रकाशन

परिषद् ने एक "कम्पैन्डियम आफ रिसर्च पेपर्स" प्रकाशित किया है जो केन्द्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान परिषद् के जारी अनुसंधान कार्यक्रमों पर परिषद् के वैज्ञानिकों द्वारा लिखे गए निबंधों में से कुछ चुनिन्दा निबंधों का संकलन है जिसे परिषद् की त्रैमासिक पत्रिका के विभिन्न अंकों तथा अन्य होम्योपैथिक पत्रिकाओं (भारतीय एवं विदेशी दोनों) में प्रकाशित किया जा चुका है। "होम्योपैथी आन वेब" एक चौपन्ना भी प्रकाशित किया गया। यह चौपन्ना केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद के वैबसाइट पर दिए गए विषयवस्तु की रूपरेखा को दर्शाता है। इसके अतिरिक्त 'मलेरिया के उपचार एवं रोकथाम', 'होम्योपैथी मिथक एवं तथ्य', 'होम्योपैथी का समष्टि उपगम', 'मोतियाबिंद का होम्योपैथी द्वारा उपचार' तथा 'मातृ एवं शिशु देखभाल' चौपन्नों का भी पुनःप्रकाशन किया गया है।

'सी.सी.आर.एच. – ए बर्डस आई व्यू' के संशोधित अनुवाद को भी प्रकाशित किया गया। इस वर्ष में के.हो.अ.प. की त्रैमासिक पत्रिका के अंक 23 (1 एवं 2) तथा (3 एवं 4) और के.हो.अ.प.समाचार के 28वें अंक को प्रकाशित किया गया। "रूमटॉइड संधिशोथ के रोगियों के जीवन स्वरूप को सुधारने में होम्योपैथी की भूमिका" कार्यशाला मे प्रस्तुत किए गए कुछ लेख भी व्यवसाय में इस्तेमाल के लिए त्रैमासिक पत्रिका के अंक 23 (3 एवं 4) में प्रकाशित किए गए।

सेमिनारों/कार्यशिविरों/प्रदर्शनियों का आयोजन

केन्द्रीय होम्योपैथीक अनुसंधान परिषद् ने विश्व स्वास्थ्य संगठन से प्राप्त वित्तीय अनुदान से अपने मुख्यालय, जनकपुरी, नई दिल्ली में 10 से 12 सितम्बर, 2001 तक "रूमेटाईड संधिशोथ के रोगियों के जीवन स्वरूप को सुधारने में होम्योपैथी की भूमिका" र तीन दिन की कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में 63 लोगों ने हिस्सा लिया जिनमें के.हो.अ.प. के वैज्ञानिक, दिल्ली प्रशासन के दवाखानों से चिकित्सा अधिकारी, विभिन्न होम्योपैथिक महाविधालयों से शिक्षक वर्ग तथा गैर सरकारी चिकित्सक शामिल थे। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य रोगनिदान तथा विशेषतया होम्यापैथी द्वारा देखभाल से सम्बन्धित नवीनतम उन्नति के बार में आधुनिकतम जानकारी का प्रसार करना था।

केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद् ने 27 सितम्बर, 2001 को नई दिल्ली में "सैमिनार आन डिवलिंग एन इन्टरएक्शन बिटवीन सी.सी.आर.एच. एन्ड द होम्योपैथिक फार्मेसियूटिकल इन्डस्ट्री " का आयोजन किया। इस दो दिन के सेमिनार का आयोजन के.हो.अ.प. द्वारा विश्व स्वास्थ्य संगठन से प्राप्त वित्तीय अनुदान से किया गया। इस सेमिनार में होम्योपैथिक औषधीय उद्योग के 25 प्रतिनिधियों/अध्यक्ष/सी.ई.ओ. को मिलाकर 80 लोगों ने हिस्सा लिया। यह सेमिनार अपने आप में प्रथम एक ऐसा सेमिनार था जिसमेकं के.हो.अ.प. के वैज्ञानिक , के.हो.प. के अधिकारी, शिक्षक वर्ग एवं उधागपती एक समान प्लेटफार्म पर होम्योपैथिक चिकित्सा प्रणाली के विकास के लिए निरंतर संवाद स्थापित करने के लिए तथा ऐसे क्षेत्र जहां के.हो.अ.प. एवं उधोग सहयोग दे सकें, उनके बारे में समझने एवं विचार विमर्श करने के लिए मिले। हिस्सा लेने वालों से प्राप्त पुनर्निवेशन के अनुसार यह सेमिनार सफल रहा। यद्यपि यह अपने आप में इस प्रकार का प्रथम सेमिनार था तथा केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद में उधोग का अनुसंधान की आवश्यकताओं और राष्ट्र एवं समाज के भविष्य की अपेक्षाओं की वास्तविकता से एक तरह का परिचय था। इस सेमिनार की इससे अधिक और सफलता क्या हो सकती थी कि होम्योपैथिक औषधीय उधोग ने राज्यों में उधोग संस्थाओं की गतिविधियों को समन्वित करने के लिए एक समान मंच–फेडरेशन आफ होम्योपैथिक मॅन्यूफैक्चरर्स आफ इंडिया का निर्माण किया जिसकी नींव इस सेमिनार में रखी गई। परिषद् के अनुसधान कार्यकताओं ने विभिन्न होम्योपैथिक संगठनों द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलनों/सेमिनारों/कार्य– शालाओं में भाग लिया तथा परिषद् की गतिविधियों एवं उपलब्धियों पर वैज्ञानिक लेख प्रस्तुत किए गए।

स्वास्थ्य मेले

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने भारत के विभिन्न राज्यों में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभागों एवं भारतीय चिकित्सा पद्धतियों एवं होम्योपैथी विभागों के साथ संयुक्त भागादारी में स्वास्थ्य मेले आयोजित करने की योजना बनाई जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय जनसंख्या पालिसी के प्रचार एवं समर्थन को सुधारने के साथ राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण कार्यक्रमों अंतर्गत प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य, एच.आई.वी./एडस, मलेरिया उन्मूलन, नेत्रहीनता नियंत्रण, कुष्ठरोग एवं तपेदिक एवं इन सबके

आगे पीछे के संबंधों के अंतर्गत बढती जानकारी को प्रोत्साहन **देना था**। के.हो.अ.प. ने जिन मेलों में ।हिस्सा लिया उनलका विव
इस प्रकार हैः–

15 एवं 16 सितम्बर, 2001 को बादल गांव (पजाब), 2 से 8 अक्टूबर, 2001 को स्वदेशी मेला, इंदौर, 30 अक्टूबर से 2 नवंब 2001 को गाजीपुर (उत्तर प्रदेश), 21 से 24 दिसम्बर, 2001 को नजफगढ, दिल्ली, 27 जनवरी से 5 फरवरी, 2002 को संग इलाहाबाद (उत्तर प्रदेश), 8 से 10 मार्च, 2002 को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मेला, रियासी, उदमपुर (जम्मू कश्मीर), 22 से 2 दिसम्बर, 2001 को नौतन्वा, जिला महाराजगंज (उत्तर प्रदेश) में स्वस्थ दिवस, 7 से 12 फरवरी, 2002 को स्वदेशी आरोग्य मे नई दिल्ली, 15 से 18 मार्च, 2002 को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मेला, मथुरा (उत्तर प्रदेश)। मेले में बहुत बडी संख्या में लो आए तथा उन्होंने के.हो.अ.प. द्वारा जी जा रही मुफत चिकित्सा एवं दवा वितरण की सुविधाओं का लाभ उठाया। परिषद द्वा होम्योपैथी के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाशित साहित्य भी सामान्य जनता की जानकारी के लिए मुफत बांटा गया।

प्रदर्शनियां

15 से 18 दिसम्बर, 2001 को प्रगति मैदान, नई दिल्ली में आरोग्य 2001, भारतीय चिकित्सा, होम्योपैथी एवं स्वास्थ्य देखभा की सबसे पहली ऐसी व्यापक प्रदर्शनी का आयोजन भारतीय चिकित्सा पद्धति एवं होम्योपैथी विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्या मंत्रालय एवं इंडियन ट्रेड प्रमोशन आर्गेनाईजेशन द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य आयुर्वे यूनानी, सिद्ध, योग, प्राकृतिक चिकित्सा एवं होम्योपैथी द्वारा स्वास्थ्य देखभाल के बारे में जानकारी देना एवं इसे विकसित कर था तथा इन प्रणालियों की वैज्ञानिकता को दर्शाते हुए इस धारणा को दूर करना था कि ये रहस्यात्मक विज्ञान है। यहां इ पद्धतियों के श्रेष्ठ विशेषज्ञों/चिकित्सकों द्वारा भारतीय चिकित्सा पद्धति एवं होम्योपैथी पर जनता के लिए व्याख्यान दिए ग जिनका उद्देश्य आम जनता को इन पद्धतियों की क्षमता एवं जिन क्षेत्रों में, यह जनता के स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं को पू कर सकती हैं अथवा मदद कर सकती हैं, के बारे में जानकारी देना था। होम्योपैथी में डा. दीवान हरीश चन्द, उपाध्यक्ष, शा निकाय, के.हो.अ.प. ने 'एडस एवं होम्योपैथी' पर तथा डा.जुगल किशोर, सदस्य, शासी निकाय, के.हो.अ.प. ने 'माई एडवेन्चर्स इ होम्योपैथी' पर व्याख्यान दिए जिसे जनता की बहुत अच्छी प्रतिकिया मिली। के.हो.अ.प. ने भारतीय चिकित्सा पद्धति एवं होम्योपै विभाग के मूल विषय मण्डप में भी प्रदर्शन किया। मण्डप में बाहयरोगी चिकित्सा परामर्श के लिए दो कक्ष भी लगाए गए।

बजट

वर्ष 2001–2002 में योजना के अंतर्गत परिषद् का वास्तविक व्यय 388.46 लाख तथा योजनातेर के अंतर्गत 398.70 ला था।

निदेश
के.हो.अ

प्रशासनिक प्रतिवेदन

संगठन

केन्द्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान परिषद् की स्थापना 30 मार्च, 1978 को सोसाइटीज राजिस्ट्रेशन अधिनियम 1860 का इक्कीसवां के अंतर्गत की गई थी, जिसके मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित हैं :

1. होम्योपैथी में वैज्ञानिक पद्धति पर अनुसंधान के उद्देश्य और प्रणाली तैयार करना।
2. होम्योपैथी में कोई अनुसंधान या अन्य कार्यक्रम शुरू करना।
3. अनुसंधान का परिचालन तथा सहायता करना, रोगों के कारणों, फैलने के तरीकों और उनके निवारण के संबंध में सामान्य ज्ञान और प्रयोगात्मक उपायों का प्रचार करना।
4. होम्योपैथी के विभिन्न पहलुओं मूलभूत एवं अनुप्रयुक्त दोनों में, वैज्ञानिक अनुसंधान प्रारंभ करना, उसकी सहायता, विकास और समन्वय करना तथा रोगों के अध्ययन, उनके निवारण, कारणों और उपचार आदि के लिए अनुसंधान संस्थानों को बढ़ावा एवं सहायता करना।

31 मार्च, 2002 को समाप्त हुई समीक्षाधीन अवधि के दौरान परिषद् की सोसाइटी और शासी निकाय की सदस्यता इस प्रकार है :

शासी निकाय

पुर्नगठित शासी निकाय के सदस्य निम्नलिखित हैं :

1.	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री नई दिल्ली।	–	अध्यक्ष
2.	डा. दिवान हरिश्चन्द्र, 1, हनुमान लेन, नई दिल्ली।	–	उपाध्यक्ष
3.	सचिव (भारतीय चिकित्सा एवं होम्यो. पद्धति) या उनका भारतीय चिकित्सा एवं होम्योपैथिक पद्धति विभाग, नई दिल्ली।	–	सदस्य
4.	संयुक्त सचिव (वित्तीय सलाहकार), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली।	–	सदस्य
5.	डा0 बी0 एन0 चक्रवर्ती 5, सुबोल कोले लेन, हावडा (पश्चिम बंगाल)	–	सदस्य

6.	डा0 जुगल किशोर, 86, गोल्फ लिंकस, नई दिल्ली।	–	सदस्य
7.	डा. वी.टी. आगस्टीन 401, मंदाकिनी एन्कलेव, अलकनन्दा, नई दिल्ली।	–	सदस्य
8.	डा. एम0 पी0 आर्य, ओबराय हाउस, प्रथम तल, 67/2, नल स्टॉप, कार्वे रोड, पुने–411 004 (महाराष्ट्र)	–	सदस्य
9.	डा. रवि एम0 नायर, आरामम, कलादी, कर्माना, पोस्ट आफिस तिरूवन्नतपुरम (केरल)	–	सदस्य
10.	डा. उर्मिला थाटे, 167–एफ, डा0 अम्बेडकर रोड, दादर मुंबई–400 014 (महाराष्ट्र)।	–	सदस्य
11.	प्रो. ए0के0 भटनागर, बोटनी विभाग, दिल्ली विश्वविधालय, दिल्ली।	–	सदस्य
12.	डा0 सी0 अरूमुगम, नं0 70, पोर्तुगेस चर्च गली, चेन्नई – 600 001 (तामिल नाडु)।	–	सदस्य
13.	निदेशक, राष्ट्रीय होम्योपैथिक संस्थान, ब्लाक– जी0ई0, सैक्टर–II, साल्ट लेक, कलकत्ता–700 016 (पश्चिम बंगाल)	–	सदस्य
14.	डा. आर. शॉ, निदेशक, केन्द्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली।	–	सदस्य सचिव

शासी निकाय, परिषद् के कार्यों की प्रगति का अवलोकन तथा वैज्ञानिक सलाहकार समिति तथा स्थायी वित्त समिति अनुमोदित नयी योजनाओं की स्वीकृति, वार्षिक बजट प्रावधान इत्यादि का पुनरीक्षण करती है।

स्थाई वित्तीय समिति

1.	भारतीय चिकित्सा पद्धति के संयुक्त सचिव स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली।	–	अध्यक्ष
2.	संयुक्त सचिव (वित्तीय सलाहकार), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली।	–	सदस्य

3.	डा. वी0टी0 अगस्टीन, 401, मन्दाकिनी एन्कलेव, अलकनन्दा, नई दिल्ली।	–	सदस्य
4.	डा. आर. शॉ, कार्यभारी निदेशक, केन्द्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली।	–	सदस्य सचिव

परिषद् द्वारा प्रस्तुत किए गए विभिन्न प्रस्तावों पर विचार विमर्श करने के लिए स्थायी वित्तीय समिति की 37 वीं बैठक 10 गस्त, 2001 को नई दिल्ली में श्री0 एल0 प्रसाद, संयुक्त सचिव, भारतीय चिकित्सा पद्धति एवं होम्योपैथी विभाग के अध्यक्षता ं हुई।

वैज्ञानिक सलाहकार समिति

पहली वैज्ञानिक सलाहकार समिति का कार्यकाल मई, 2000 में पूरा हो गया है तथा नई वैज्ञानिक सलाहकार समिति का ठन होना है अतः वर्ष 2001–2002 में वैज्ञानिक सलाहकार समिति की कोई भी बैठक नहीं पाई है।

न्द्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान परिषद् के पुर्नगठन के लिये उपसमिति

केन्द्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान परिषद् के चालू अनुसंधान कार्यक्रमों एवं संगठनात्मक संरचना का पुर्नविलोकन करने के ये जुलाई, 1997 में परिषद् के पुर्नसंगठन के लिये एक उपसमिति का गठन किया गया जिसके सदस्य निम्नलिखित हैं :

1.	सचिव (भारतीय चिकित्सा एवं होम्यो. पद्धति विभाग), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली।	–	अध्यक्ष
2.	संयुक्त सचिव (वित्तीय सलाहकार), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली।	–	सदस्य
3.	डा. के.पी. मजूमदार, मुंबई।	–	सदस्य
4.	डा. वी.के. गुप्ता, नई दिल्ली।	–	सदस्य
5	डा. आर. शॉ, कार्यभारी निदेशक, केन्द्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली।	–	सदस्य सचिव

केन्द्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान परिषद् पुर्नगठन उपसमिति की 5वीं, 6ठीं तथा 7वीं बैठकें 9 जुलाई 1999, 23 जुलाई 1999 ा 20 अक्टूबर 1999 क्रमशः को सचिव (भारतीय चिकित्सा एवं होम्यो पद्धति) के कक्ष, नई दिल्ली में की गई।

साहित्यिक अनुसंधान उपसमिति

वर्ष 2001–02 के दौरान साहित्यिक अनुसंधान उपसमिति की कोई भी बैठक नहीं हो सकी क्योंकि उपसमिति का कार्यकाल , 2000 में पूरा हो चुका था तथा वैज्ञानिक सलाहकार समिति के विचार करने तक परियोजनाओं पर कोई भी कार्य नहीं चल ा है।

संगठनात्मक नेटवर्क

परिषद् के अंतर्गत 51 इकाईयों/संस्थानों जिसमें 21 इकाईयाँ आदिवासी क्षेत्रों में स्थित है, में अनुसंधान कार्य चल

– केन्द्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान संस्थान	1	कोट्टायम (केरल)।
– होम्योपैथिक औषध अनुसंधान संस्थान	1	लखनऊ (उ.प्र.)।
– क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान	3	नई दिल्ली, मुंबई (महाराष्ट्र), गुड़िवाड़ा (आन्ध्र प्र
– होम्योपैथिक अनुसंधान संस्थान	2	पुरी (उड़ीसा), जयपुर (राजस्थान)।
– नैदानिक अनुसंधान इकाई	13	भोपाल (म.प्र.), वाराणसी (उ.प्र.), बहादुरगढ़ (ह, पटियाला (पंजाब), शिमला (हि.प्र.), उड्डुपी (क, पोर्टब्लेयर (अंडमान एवं निकोबार), तिरूपति, गोरखपुर (उ.प्र.), गोहाटी (आसाम), चैन्नई (तमि, इम्फाल (मणिपुर), जम्मू (जम्मू व कश्मीर)।
– नैदानिक अनुसंधान इकाई (जनजातीय क्षेत्र)	21	अगरतला (त्रिपुरा), एजावल (मिजोरम), भरमौर, भारूच (गुजरात), थोबल (मणिपुर), दण्डेली (क, दीमापुर (नागालैण्ड), डिफू (आसाम), गंगटोक (सि, इद्दूकी (केरल), ईटानगर (अरूणाचल प्रदेश), (म.प्र.), जैपोर (उड़ीसा), लेह (जम्मू व कश्मीर), (तमिलनाडु), रांची (बिहार), सेलम (तमिलनाडु), (उड़ीसा), शिलांग (मेघालय), सिलिगुडी (प.ब.), विजयवाढ़ा (आंध्र प्रदेश)।
– होम्योपैथिक उपचार केन्द्र	1	सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली।
– औषध परीक्षण इकाई	3	कलकत्ता (प. बंगाल), मिदनापुर (प. बंगाल), गाजियाबाद (उ.प्र.)।
– औषध मानकीकरण इकाई	2	गाजियाबाद (उ.प्र.), हैदराबाद (आ.प्र.)।
– चिकित्सा सत्यापन इकाई	3	गाजियाबाद (उ.प्र.), पटना (बिहार), वृंदावन (उ.प्र
– औषधीय पादप का सर्वेक्षण एवं संग्रहण इकाई	1	ऊटी (तमिलनाडु)।

बजट प्रावधान (लाखों में)

	वास्तविक व्यय 2000–01	बजट अनुमान 2001–02	संशोधित व्यय 2001–02	वास्तविक व्य 2001–02
योजना	342.20	400.00	400.00	388.46
आयोजना–भिन्न	377.50	400.00	395.30	398.70
योग	719.17	800.00	795.30	787.16

* प्राप्तिकाओं का उपयोग तथा अग्रिम धन का समायोजन शामिल है।

परिषद् की सेवाओं में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजातियों का प्रतिनिधित्व एवं उनके लिए कल्याणकारी कार्य:–

परिषद् की सेवाओं में अनुसूचित जातियों/जनजातियों के आरक्षण तथा प्रतिनिधित्व के संबंध में भारत सरकार द्वारा समय–समय पर जारी आदेशों एवं निर्देशों का पालन किया जा रहा है। भर्ती/पदोन्नति रोस्टर सूत्रों के अनुसार की जाती है, परिषद् में 31.3.2002 तक कार्यरत अनुसूचित जाति/जनजातीय तथा अन्य पिछड़े वर्ग के कर्मचारियों की संख्या इस प्रकार है:

अनुसूचित जाति	–	91
अनुसूचित जनजाति	–	22
अन्य पिछड़े वर्ग	–	49

वर्ष 2000–01 में नैदानिक अनुसंधान द्वारा चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराना

परिषद् ने अपने विभिन्न इकाईयों एवं संस्थानों में बहिरंग रोगी विभाग एवं अंतरंग रोगी विभागों में अनुसंधान के ज़रिये से चिकित्सा सहायता प्रदान करना जारी रखा है। इय चर्ष के दौरान बहिरंग रोगी विभाग एवं अंतरंग रोगी विभागों की उपस्थिति का विवरण इस प्रकार है।

(क) सामान्य क्षेत्रों में :

1. सामान्य बहिरंग रोगियों की संख्या :
   - नये पंजीकृत रोगियों की संख्या — 86,108
   - पुराने रोगियों की उपस्थिति — 2,14,795

   योग — 3,00,903
2. अनुसंधान के अंतर्गत रोगियों की संख्या'

   बहिरंग रोगी विभाग :
   - नये पंजीकृत रोगी — 2,901
   - उपस्थित हुए पुराने रोगी — 9,255

   योग — 12,156'

(ख) आदिवासी क्षेत्रों में :

1. सामान्य बहिरंग रोगियों की संख्या — 2,51,033
2. अनुसंधान के अंतर्गत रोगियों की संख्या — 3,356''

(ग) रोगी जो नैदानिक सत्यापन इकाईयों में उपचारित किये गये :

1. बहिरंग रोगियों की संख्या — 1,70,134
2. अनुसंधान के अंतर्गत रोगियों की संख्या — 18,120''

कुल रोगियों की संख्या जिनका उपचार किया गया — 7,22,070

' (क) 1 के अंतर्गत शामिल रोगी।

'' (ख) 1 एवं (ग) के अंतर्गत शामिल रोगी।

नैदानिक अनुसंधान कार्यक्रम

नैदानिक अनुसंधान कार्य परिषद् द्वारा सामान्य एवं आदिवासी क्षेत्रों में स्थापित इकाईयों / संस्थानों में जारी है एवं ... एवं चिरकारी रोगों में चिकित्सीय मूल्यांकन किया जा रहा है जिसमें राष्ट्रीय स्वास्थ्य समस्याएँ जैसे कि फाईलेरिया / मलेरि... आई.वी. / एड्स, मधुमेह शामिल है।

(क) सामान्य क्षेत्रों में नैदानिक अनुसंधान कार्यक्रम

दो प्रकार के अध्ययन, औषधोन्मुखी एवं रोगोन्मुखी नैदानिक अनुसंधान के अंतर्गत जारी हैं। छः अनुसंधान संस्था... नैदानिक अनुसंधान इकाईयों तथा एक नैदानिक अनुसंधान इकाई (आदिवासी) में कुल 39 विषयों पर अनुसंधान कार्य ज... (जिनमें 28 रोगोन्मुखी एवं 11 औषधोन्मुखी चिकित्सा अनुसंधान शामिल हैं)। औषध मानकीकरण इकाई, हैदराबाद की ... इकाई में भी यह कार्य जारी है।

रोगोन्मुखी नैदानिक अनुसंधान

इस अनुसंधान का उद्देश्य है कि एक रोग विशेष अवस्था में होम्योपैथिक औषधियों की प्रभावकारिता का अध्ययन तथा... विश्वसनीय लक्षणों, पोटेन्सी तथा औषध सेवन की खुराक मात्रा एवं अन्य औषधियों से संबंध ज्ञात करना। निम्नलिखि... अवस्थाओं में यह अनुसंधान कार्य जारी है।

अमीबाएसिस, आचरण दोष, मंदबुद्धि बच्चों में आचरण दोष, श्वसनिका दमा, गर्भाश्य ग्रीवा शोथ एवं अपरदन, शिशु द... पेचिश, अपस्मार, फाईलेरिया, आमाशय शोथ, जियार्डिएसिस, जिगर शोथ बी., एच.आई.वी. संक्रमण, अति निम्नधनत्व लाइप्रोटी... उच्च रक्तचाप, विरामी ज्वर, रक्ताल्पता, क्षुब्ध वृहदान्त संलक्षण, मलेरिया, अस्थि संधि शोथ, प्रोस्टेट ग्रन्थि में वृद्धि, गुर्दा... रूमेटाइड संधि शोथ, सिक्कल सैल अनीमिया, साईनुसाइटिस, त्वचा रोग (एलर्जिक त्वचा शोथ, अर्टिकेरिया) एवं तुण्डिका...

औषधोन्मुखी नैदानिक अनुसंधान

रोगोन्मुखी अध्ययन के अंतर्गत प्रभावकारी औषधियों की पहचान के बाद उनके निर्दिष्ट लक्षणों की पहचान भी की जा... इन आंकड़ों की संपुष्टि हेतु औषधोन्मुखी अनुसंधान कार्य किया जा रहा है। कई अन्य औषधियाँ भी ज्ञात है जो अंग वि... प्रभावकारी होती हैं या जो पारंपरिक रूप से विशेष रोग अवस्था में प्रभावकारी पाई गई हैं। यह औषधियाँ भी इस अध्ययन में ... हैं। औषधोन्मुखी अध्ययन निम्नलिखित रोग अवस्थाओं में जारी है।

अमीबाएसिस, ग्रैव अपकशेरुता, गर्भाशय ग्रीवा अपरदन एवं शोथ, मधुमेह, फाईलेरिया, जापानी एन्सैफलाईटिस, , कृमि... मानव भ्रूण की कुस्थिति, अतिरज, अस्थि संधि शोथ एवं विटिलिगो।

(ख) आदिवासी क्षेत्रों में नैदानिक अनुसंधान

सर्वेक्षण से ज्ञात 18 सामान्य रोग अवस्थाओं में, 20 आदिवासी चिकित्सा इकाईयों में औषधोन्मुखी चिकित्सा अनुसंधा... जारी है। होम्योपैथिक मेटीरिया मेडिका में कई औषधियों का दुःष्प्रभाव एवं रोगसाध्यक क्षमता का उद्धरण है। इनमें कुछ औ... का प्रयोग काफी कम है परन्तु पारंपरिक रूप से प्रभावकारी ज्ञान होने के कारण इनकी चिकित्सीय संपुष्टि आवश्यक है। इ... 18 विभिन्न रोग अवस्थाओं में इन औषधियों पर अध्ययन जारी है। इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य निर्दिष्ट औषधियों के विश... लक्षणों को ज्ञात करना है।

निम्नलिखित रोग अवस्थाओं में चिकित्सीय अध्ययन देश के विभिन्न भागों में स्थित आदिवासी इकाईयों में जारी...

अमीबाएसिस, अस्थि संधि शोथ, श्वसनिका दमा, श्वसनी शोथ, गर्भाशय ग्रीवा शोथ एवं अपरदन, मधुमेह, पेचिश, फाईलेरिया, ...ठरांत्र शोथ, कृमिरूग्णता, विटिलिगो, मलेरिया, अस्थि संधि शोथ, पेप्टिक अल्सर, नासा शोथ, त्वचा रोग, साईनुसाईटिस, ...ण्डिका शोथ।

1. अमीबाएसिस / अमीबा–रूग्णता

...क) सामान्य क्षेत्रों में :

...) रोगोन्मुखी नैदानिक अनुसंधान

एमीबाएसिस रोग पर अनुसंधान का कार्य, नैदानिक अनुसंधान इकाई, तिरूपति (1982–83) से चल रहा है।

...र्ष 2001–02 के दौरान उपलब्धियाँ

	नये
रोगियों की संख्या	45

...धार अनुक्रमणिका

आरोग्यता / अभिसाधित	01
सुधार :	
– अति	02
– मध्यम	19
– अल्प	12
उपचाराधीन	11

...लोकन

लगभग सभी रोगी अमीबा पेचिश (आंत्र एमीबिएसिस)से पीड़ित थे। औषधियाँ नक्स वोमिका 30, 200, 1 एम., एलोज ...कोटरिना 30, 200, एवं लाईकोपोडियम 30, 200, 1 एम. अमीबा रूग्णता के लक्षणों एवं चिन्हों में सुधार लाने में सहायक सिद्ध ...हैं एवं इन्होंने इस रोग के लक्षणों से मुक्त करवाने में बहुत सहायता की है। कुछ रोगियों में एन्टअमीबा हिस्टोलिटिका कृमिकोष ...तरह से लुप्त हो गया। इन रोगियों में लाइकोपोडियम, सल्फर एवं पल्सैटिला मध्यवर्ती दवाओं के रूप में प्रभावकारी पाई गई। ...निक सलाहकार समिति के सुझावानुसार यह परियोजना तिरूपति स्थित नैदानिक अनुसंधान इकाई में जारी रहेगी तथा इसे ...ल 2000 से गुवाहाटी स्थित नैदानिक अनुसंधान इकाई से हटा लिया गया है।

...औषधोन्मुखी नैदानिक अनुसंधान

निम्नलिखित औषधियों की प्रभावकारिता का अमीबाएसिस में चिकित्सीय मुल्यांकन :

एकैरिन्थिस एस्पैरा, ईगल फोलिया, ईगल मार्मिलोस, आर्सनिकम एल्बम, एटिस्टा इंडिका, सिन्कोना आफिसिनेलिस, कोलचिकम, ...लोसिन्थिस, साएनोडोन डैक्टाईलोन, होलेर्हिना एन्टीडायसैन्टेरिका, इपिकाकुन्हा, मर्क्युरियस कोरोसिवस, मर्क्युरियस सोल्युब्लिस, ...न वोमिका एवं सल्फर

नैदानिक अनुसंधान इकाई, पोर्टब्लेयर (1989 से) एवं नैदानिक अनुसंधान इकाई, गुवाहाटी (1985 से) में इस परियोजना पर ... चल रहा है।

वर्ष 2001–02 के दौरान उपलब्धियाँ

	नये	पुराने
रोगियों की संख्या	78	13
सुधार अनुक्रमणिका		
सुधार :		
– अति	61	03
– मध्यम	06	10
असूचित	02	--
उपचाराधीन	09	--

अवलोकन

पंजीकृत रोगी अमीबा–पेचिश के हैं। नियत की हई दवाऐं एमीबिएसिस के व्यक्तिनिष्ठ एवं वस्तुनिष्ठ लक्षणों को ... में बहुत प्रभावकारी पाई गई हैं। यह देखा गया है कि देशी दवाइयां जैसे ईगल फोलिया, एटिस्टा इंडिका, एवं ... एन्टीडायसैन्टरिका से लाभ पहुचां है एवं एटिस्टा इंडिका चिरकालिक एमीबिएसिस में सबसे अधिक प्रभावकारी पाई गई। ... एवं 5 पुराने रोगियों में 2–3 महीनों में, 10 नये एवं 4 पुराने रोगियों में 3–6 महीनों में किसी भी कष्ट की पुनरावृति नहीं ... 22 नये एवं 2 पुराने रोगियों मकं कम तीव्रता में पुनरावृति हुई। 11 रोगी, जिनमें एन्टअमीबा हिस्टोलिटिका सिरट पाया ... उपचार के पश्चात 9 रोगियों में वह लुप्त हो गया। यह परियोजना जारी रहेगा।

(ख) आदिवासी क्षेत्रों में :

एमीबिएसिस में निम्नलिखित औषधियों का चिकित्सीय मुल्यांकन :

एल्स्टोनिया कन्सट्रिक्टा एम्ब्रोसिया, एस्क्लेपियास टयुब्रोसा, एटिस्टा इंडिका, साएनोडोन डैक्टाईलोन, एमेटिन ... इंडिका, हेलीबोरस, होलेरहिना एण्टीडाइसैन्टेरिका (कुर्ची), लैप्टेण्डरा, रेफनस, ट्रोम्बीडियम, जैन्थोजाईलम, जिंकम सल्फ...

नैदानिक अनुसंधान इकाई (आदि.) अगरतला, डन्डेली, दीमापुर, गंगटोक, ईटानगर, जैपोर तथा खोगजोम में इस प... पर कार्य हो रहा है।

वर्ष 2001–02 के दौरान उपलब्धियाँ

इस समय के दौरान 475 नये रोगियों का पंजीकरण किया गया और नियत की गई दवाऐं 321 रोगियों में प्रभाव... गई। इन रोगियों में परिवर्ती मात्रा में सुधार पाया गया।

अवलोकन

नियत की गई दवाओं में से साइनोडोन डैक्टाइलान, एल्सटोनिया कंस्ट्रीकटा, एटिस्टा इंडिका, फाइकस इंडिका, ... एमेटिन एवं कुर्ची अत्याधिक प्रभावकारी पाई गई है। ये दवायें सुधरे हुए रोगियों में से 92 प्रतिशत रोगियों में लाभकारी ... इन दवाओं के विश्वसनीय लक्षणों की और अधिक जांच की जा रही है।

2. संधि शोथ

...) आदिवासी क्षेत्रों में

संधिशोथ पर निम्नलिखित औषधियों के प्रभाव का नैदानिक रूप से मूल्यांकन करना :

एक्टिया स्पाईकेटा, एन्गयुस्चूरा वेरा, कलकेरिया फलोरिकम, कोलोफाईलम, फार्मिका रूफा, फार्मिक एसिड, गोलथेरिया, ...कम लिथियम कार्बोनिकम, मैग्नोलिया ग्रेन्डीफलोरा, मलेरिया आफिसिनेलिस, मेडोरिनम, ओस्टियोओर्थराईटिस नोसोड, रेडियम ...टम, रैमनस कैलिफोरनिका तथा स्टेलेरिया मीडिया, एक्स रे।

नैदानिक अनुसंधान इकाईयों (आदिवासी) अगरतला, भरमौर, भरौच, डान्डेली, इडुकी, जगदलपुर, लेह एवं सिलीगुड़ी में इस योजना पर कार्य हो रहा है।

2001–02 के दौरान उपलब्धियाँ

रोगियों की संख्या	--	253
लाभान्वित रोगियों की संख्या	--	150

...लोकन

इस वर्ष के दौरान एक्टिया स्पाईकेटा, एन्गयस्चूरा वेरा, कोलोफाईलम, फार्मिका रूफा, मैगनोलिया ग्रेन्डिफलोरा, रेडियम ...टम एवं स्टेलेरिया मीडिया प्रभावकारी पाई गई। सुधरे हुए 8 रोगियों में मैडोराइनम मध्यवर्ती दवाओं के रूप में कारगर रही।

3. व्यवहार जन्य विकृतियाँ / आचरण दोश

सामान्य क्षेत्रों में

रोगोन्मुखी नैदानिक अनुसंधान

केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, कोट्टायम (केरल) में व्यवहारजन्य विकृतियों में होम्योपैथिक औषधियों की प्रभावकारिता के ...ांकन का अध्ययन किया जा रहा है।

2001–02 के दौरान उपलब्धियाँ

इस वर्ष के दौरान संस्थान में विभिन्न,मानसिक–विकृतियों के 212 रोगी पंजीकृत किए गए। इनमें से 135 रोगियों में परिवर्ती ... पर सुधार हुआ।

342 पुराने रोगी अनुवर्तन के लिए उपस्थित हुए। इनमें से 19 रोगी अभिसाधित हुए, तथा 134 रोगियों में परिवर्ती स्तर पर ...र हुआ।

...लोकन

आचरण दोषों पर यह परियोजना हनिमैन दवारा किए गए मानसिक विकृतियों के वर्गीकरण के आधार पर प्रारम्भ की गई ...ं पंजीकृत रोगियों का वर्गीकरण भी इसी के अनुसार किया जा रहा है। ऐसा देखा गया है कि भावनात्मक मनोविकृतियों के ...यों में सुधार की दर दूसरी मानसिक बीमारियों की तुलना में ज्यादा है। इसकी तुलना में खंडित मनस्कता के रोगियों में सुधार ...र कम है। बैलाडोना, पल्सेटिला, इग्नेशिया, फासफोरस, सीपिया, नैट्रम म्यूरैटिकम, स्ट्रैमोनियम, सल्फर एवं टयूबरक्यूलाइनम ...कारी पाई गई है। यह परियोजना जारी रहेगी।

4. श्वसनिका दमा

(क) सामान्य क्षेत्रों में

(अ) रोगोन्मुखी नैदानिक अनुसंधान

परिषद् ने 1979 में यह परियोजना श्वसनिका दमा में होम्योपैथिक दवाओं की क्षमता का मूल्यांकन एवं जांच करने के आरम्भ की। सबसे प्रभावकारी दवाओं (उनके विश्वसनीय लक्षणों के साथ) की पहचान की गई। परन्तु 1996–97 से के.हो.अ. वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक में दिये गये सुझावो के अनुसार इस परियोजना में किंचित परिवर्तन कर दिया गया है अब हनीमैन की धारणा पर आधारित निम्नलिखित विषयों पर अध्ययन किया जा रहा है।

- मियाज्मैटिक पृष्ठभूमि का पता लगाना
  नैदानिक अनुसंधान इकाई, शिमला तथा क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान, गुडिवाडा।
- सतत् अवस्था वाले दमा में उपयोगी होम्योपैथिक औषधियों का पता लगाना
  क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान, गुडिवाडा.।
- मौसम–परिवर्तन के दौरान और अधिक बीमार हो जाने वाले रोगियों के लिए होम्योपैथिक औषधियों का पता ल
  नैदानिक अनुसंधान इकाई, उडूपी तथा नैदानिक अनुसंधान इकाई, पटियाला।
- एलोपैथिक दवाओं पर निर्भरता कम करने के लिए होम्योपैथिक औषधियों की खोज करना
  नैदानिक अनुसंधान इकाई, शिमला, नैदानिक अनुसंधान इकाई, उडूपी, तथा नैदानिक अनुसंधान इकाई, पटि

वर्ष 2001–02 के दौरान उपलब्धियाँ

	नये	पुराने
अध्ययन किए गए रोगियों की संख्या	147	115
सुधार अनुक्रमणिका		
अभिसधित	---	---
सुधार :		
– अति	29	48
– मध्यम	39	46
– अल्प	47	15
असंशोधित	01	02
असूचित	13	---
उपचाराधीन	16	02
छोड दिए गए	12	02

अवलोकन

यह अवलोकित हुआ है कि 08 नए रोगियों एवं 08 पुराने रोगियों में किसी भी कष्ट की पुनरावृति नहीं हुई तथा 52 न 61 पुराने रोगियों में बहुत कम तीव्रता में पुनरावृति हुई।

मौसम परिवर्तन के दौरान प्रभावकारी पाई गई औषधियाँ – आर्सेनिक एल्बम, काली कार्बोनिकम, नैट्रम सल्फ्यूरिकम, हिपर ल्फ्यूरिस, टयूबरक्यूलाइनम, कार्बो वेजीटेबिलिस, लैकेसिस, नक्स वोमिका, फासफोरस एवं पल्सेटिला।

एलोपैथिक एवं अन्य औषधियों पर निर्भरता कम करने में प्रभावकारी पाई गई औषधियाँ – अमोनियम कार्बोनिकम, आर्सेनिकम ल्बम, एंटीमोनियम टार्टेरिकम, काली कार्बोनिकम, काली म्यूरियाटिकम, सैंबुकस नाइगरा, सल्फर, फासफोरस, पल्सैटिला, किसिस, सीपिया तथा हिपर सल्फ्यूरिस कैल्केरियम।

निम्नलिखित रोगियों में एलोपैथिक दवाओं की मात्रा कम कर दी गई अथवा बंद कर दी गई।

	एलोपैथिक दवाओं की मात्रा	रोगियों की संख्या		
		उपचार पूर्व कमी हुई	उपचार के पश्चात्	समाप्त
1.	पफ	21	---	07
2.	मुख से (श्वसनी विस्फारक)	21	---	14
3.	प्रतिएलर्जी	12	05	---
4.	कास रोधी	05	---	05
5.	प्रति जैविकी	12	---	10
6.	स्टीरोएड	03	---	02
7.	जिन्हें उपचारपूर्व आक्सीजन थैरेपी एवं दवाओं के लिए हस्पताल मे दाखिल होने की आवश्यकता पडी।	13	---	09
	अन्य उपचार			
1.	नासा फुहार	05	---	03
2.	एस्थेलिस से नेबुलाइजेशन	01	---	01

ए एवं पुराने (अनुवर्तन में चल रहे) रोगियों के आंकड़े शामिल है।
यह आंकडे नैदानिक अनुसंधान ईकाई, शिमला में किए गए अध्ययन पर आधारित हैं।

ब) आदिवासी क्षेत्रों में

श्वसनिका दमा में निम्नलिखित औषधियों के प्रभाव का चिकित्सीय रूप से मूल्यांकन करना :

एम्ब्रोसिया आर्टिमिसिफोलिए, कैलेडियम, कैसिया सोफेरा, कोका, ग्रिंडेलिया रोबस्टा, हाइड्रोसायनिक एसिड, काली ोरिकम, मोस्कस, नाज़ा ट्रिपुडियंस, पोथोस फिटिडस।

यह परियोजना डंडेली एवं लेह स्थित नैदानिक अनुसंधान इकाइयों (आदिवासी) में जारी है।

र्ष 2001–02 के दौरान उपलब्धियाँ

अध्ययन किए गए रोगियों की संख्या	:	31
लाभान्वित रोगियों की संख्या	:	24

अवलोकन

नैदानिक अनुसंधान ईकाई, लेह से किसी रोगी की सूचना नहीं मिली।

पोथेस, एम्ब्रोसिया, तथा ग्रिंडेलिया सबसे ज्यादा प्रभावकारी औषधियाँ रहीं।

5. श्वसनी शोथ

(क) सामान्य क्षेत्रों में

रोगोन्मुखी नैदानिक अनुसंधान

श्वसनी शोथ में होम्योपैथिक औषधियों के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए परिषद् ने अप्रैल, 2001 से नैदानिक अनु ईकाई, गुवाहाटी में अनुसंधान अध्ययन प्रारम्भ किया है।

इस परियोजना के अंतर्गत इस वर्ष 50 रोगी पंजीकृत किए गए। यह देखा गया है कि निर्दिष्ट औषधियों में से आ डल्कामारा, हिपर सल्फ, कास्टीकम एवं रस टाक्स अतिपाती दौरों को नियंत्रित करने में लाभकरी रहीं। यह परियोजना रहेगी।

(ख) आदिवासी क्षेत्रों में

श्वसनी शोथ में निम्नलिखित औषधियों की चिकित्सीय प्रभावकारिता का मूल्यांकन :

अमोनिएकम, डिरोनिया, एण्टीमोनियम आयोडेटम, युकैलिप्टस, जस्टीशिया एधाटोडा, काली आयोडेटम, लोबेलिया इन्फ्ले लुफ्फा आपेकुलेटा, सेनेगा, सोलेनम एसिटिकम।

यह अध्ययन नैदानिक अनुसंधान इकाई (आदिवासी), गंगटोक तथा जैपोर में जारी है।

वर्ष 2001–02 के दौरान उपलब्धियाँ

रोगियों की संख्या	:	86
लाभान्वित रोगियों की संख्या	:	13

अवलोकन

श्वसनी शोथ के लिए नियत दवाओं में से सेनेगा, काली आयोडेटम, एवं एन्टीमोनियम आयोडेटम सबसे अधिक प्रभाव पाई गई। इन दवाओं के अधिकतर सूचन लक्षणों की पहचान कर ली गई है तथा उनकी जांच की जा रही है। परन्तु इसकी अ अधिक नैदानिक पुष्टीकरण की आवश्यकता है।

6. ग्रैव अपकशेरुता

(क) सामान्य क्षेत्रों में

(अ) रोगोन्मुखी नैदानिक अनुसंधान

निम्नलिखित औषधियों की प्रभावकारिता का ग्रैव अपकशेरुता में नैदानिक मूल्यांकन :

कैल्केरिया फ्लोरिकम, सिमिसिफ्यूगा, ग्वैकम, काली कार्बोनिकम, फाइटोलाका, रस टाक्स एवं स्टिक्टा पल्मोनेरिया।

नैदानिक अनुसंधान इकाईयों, पटियाला तथा उडुपी में अगस्त 1997 से इस परियोजना पर कार्य हो रहा है।

र्ष 2001–02 के दौरान उपलब्धियाँ

	नये	पुराने
रोगियों की संख्या	17	13
सुधार अनुक्रमणिका		
अति सुधार	––	05
मध्यम सुधार	––	02
अल्प सुधार	10	06
असूचित	04	––
छोड दिए गए	01	––
उपचाराधीन	02	––

वलोकन

यह देखा गया है कि ग्रैव संधियों की दर्द सूजन, अकड़न तथा चक्करों को नैदानिक रूप से बहुत कम समय में सफलतापूर्वक यंत्रित कर लिया गया (कुछ रोगियों में लुप्त भी हो गए)। परन्तु विकृति के साथ इसके परस्पर संबंधों की जानकारी अभी वश्यक है क्योंकि अध्ययन की अवधि तथा अध्ययन किए जा रहे रोगियों की संख्या अभी बहुत कम है। इन रोगियों में मिसिफ्यूगा, कल्केरिया फलोरिकम तथा रस टॉक्स प्रभावकारी पाई गई। यह परियोजना अभी जारी है।

7. गर्भाशय ग्रीवा अपरदन एवं शोथ

) सामान्य क्षेत्रों में

) रोगोन्मुखी नैदानिक अनुसंधान

परिषद् ने यह परियोजना नैदानिक अनुसंधान इकाई, शिमला में अप्रैल 1989 से, नैदानिक अनुसंधान इकाई, इम्फाल में अप्रैल 89 से तथा नैदानिक अनुसंधान इकाई, तिरूपति में नवंबर 1988 से शुरू की है।

र्ष 2001–02 के दौरान उपलब्धियाँ

	नये	पुराने
अध्ययन किए गए रोगियों की संख्या	81	45
सुधार अनुक्रमणिका :		
– अभिसाधित	––	30
– अति सुधार	07	08
– मध्यम सुधार	22	27
– अल्प सुधार	36	09
असंशोधित	02	01
असूचित	11	––
उपचाराधीन	02	––
छोड दिए गए	01	––

अवलोकन

अध्ययन की प्रक्रिया के दौरान यह देखा गया कि निर्दिष्ट होम्योपैथिक दवाओं जैसे आर्सेनिक एल्बम, बोरैक्स, क्रियोसो
लैकिसिस, सिपिया तथा पल्सैटिला आदि ने न केवल गर्भाशय ग्रीवा शोथ एवं अपरदन से सम्बन्धित व्यक्तिनिष्ठ तथा वस्तुनि
लक्षणों जैसे श्लेष्मपूयाव स्त्राव, संभोग के पश्चात रक्तस्त्राव, पीठ दर्द, सकष्टसंगम, बारम्बार मूत्रण एव गर्भाशयग्रीवा रक्तसंकुल
में राहत पहुंचाने में बल्कि उन्हें समाप्त करने में भी बहुत सहायता की है। रोगियों के सामान्य स्वास्थ्य मे सुधार आया जो कि रो
में हीमोग्लोबिन प्रतिशत, 1 रोगी में इ.एस.आर. के स्तर, 2 रोगियों में डिफरेन्शियल कांउट, 37 रोगियों में अपरदन साधारण च
के लुप्त होने, 2 रोगियों में अंकुरकवत् अपरदन के लुप्त होने से विदित था। नये तथा पुराने 4 रोगियों में किसी भी कष्ट
पुनरावृति नहीं पाई गई तथा 49 रोगियों में कम तीव्रता से पुनरावृति हुई। यह परियोजना अभी जारी है।

(ब) औषधोन्मुखी नैदानिक अनुसंधान

गर्भाशय ग्रीवा अपरदन एवं शोथ में निम्नलिखित औषधियों की प्रभावकारिता का नैदानिक मूल्यांकन :

एल्यूमिना, आर्सेनिकम एल्बम, बोरैक्स, कैल्केरिया कार्बोनिका, काली कार्बोनिकम, क्रिओजोट, लैकिसिस, मर्क्युरियस सोलुबिलि
नैट्रम म्युरियाटिकम, पल्सैटिला तथा सेपिया।

नैदानिक अनुसंधान इकाई (होम्यो.), तिरूपति 1995 से तथा नैदानिक अनुसंधान इकाई (होम्यो.), वाराणसी 1990 से
परियोजना पर कार्य कर रही हैं।

वर्ष 2001–02 के दौरान उपलब्धियाँ

	नये	पुराने
अध्ययन किए गए रोगियों की संख्या	79	31
सुधार अनुक्रमणिका :		
– अति	18	07
– मध्यम	21	17
– अल्प	32	05
असंशोधित	01	02
असूचित	07	––

अवलोकन

इस वर्ष के दौरान बोरैक्स, नैट्रम म्युरियाटिकम, कैल्केरिया कार्बोनिक तथा सिपिया व्यापक सुधार के साथ–साथ व्यक्तिनि
तथा वस्तुनिष्ठ लक्षणों से राहत पहुंचाने में सबसे प्रभावकारी औषधियां रही। निर्दिष्ट दवाओं के कुछ विश्वसनीय लक्षणों की
पुष्टि की गई परन्तु पुनःपुष्टिकरण के लिए उनके प्रमाणीकरण की आवश्यकता है। नये तथा पुराने रोगियों को मिला कर 25 रोगि
में किसी भी कष्ट की पुनरावृति नहीं पाई गई तथा 17 रोगियों में कम मात्रा में पुनरावृति हुई। यह परियोजना जारी रहेगी।

8. मधुमेह

(क) सामान्य क्षेत्रों में

(अ) औषधोन्मुखी नैदानिक अनुसंधान

मधुमेह में निम्नलिखित औषधियों की प्रभावकारिता का नैदानिक मूल्यांकन :

सिफेलैण्डरा इंडिका, रहस ऐरोमेटिका तथा चियोनैन्थस।

परिषद् ने यह परियोजना क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली में अप्रैल 1987 से, नैदानिक अनुसंधान इकाई, चेन्नई में अप्रैल 1989 से तथा औषध मानकीकरण इकाई, हैदराबाद विस्तार इकाई में जुलाई 1992 से शुरू की है।

वर्ष 2001–02 के दौरान उपलब्धियाँ

	नये	पुराने
अध्ययन किए गए रोगियों की संख्या	129	121
(क) सिफलेण्डरा इंडिका से	61	41
(ख) रस एरोमेटिका से	12	07
(ग) शियोनेन्थस से	08	10
(ध) कोई दवा नहीं (बंद कर दी गई)	––	01

केवल सूचित रोगियों से संबन्धित

सुधार अनुक्रमणिका

			नये	पुराने
1.	(क)	केवल होम्योपैथिक औषध से उपचारित (सिफलैण्डरा)	49	21
		लाभान्वित	47	18
		उपचाराधीन	––	––
	(ख)	होम्योपैथी के साथ–साथ एलोपैथिक उपचार	10	20
		लाभान्वित	09	16
		उपचाराधीन	04	––
2.	(क)	केवल होम्योपैथिक औषध से उपचारित (रस एरोमैटिका)	09	06
		लाभान्वित	07	05
		उपचाराधीन	––	––
	(ख)	होम्योपैथी के साथ–साथ एलोपैथिक उपचार	23	44
		लाभान्वित	02	35
		उपचाराधीन	––	––
3.	(क)	केवल होम्योपैथिक औषध से उपचारित (शियोनेनथस मदर टिंक्चर)	04	05
		लाभान्वित	03	04
		उपचाराधीन	––	––
	(ख)	होम्योपैथी के साथ–साथ एलोपैथिक उपचार	04	05
		लाभान्वित	04	03
		उपचाराधीन	––	––

अवलोकन

पंजीकृत किए गए अधिकांश रोगी इंसुलिन पर निर्भर नहीं करने वाले मधुमेह से पीडित हैं। 24 पुराने रोगी औषध मानकी इकाई, हैदराबाद में बाहयस्नायु रोग के साथ उपस्थित हुए, उनमें से 12 में सुधार आया जो 24 पुराने रोगी सवहनी रोग (आंतरा क्लाडीकेशन) से पीडित थे, उनमें से 12 में अनुवर्तन के दौरान सुधार पाया गया। 25 पुराने रोगियों में मूत्र में श्वेतक पाया एवं उपचार के उपरांत 16 रोगियों में वह लुप्त हो गया, 2 पुराने रोगियों में क्रियात्मक शोफ पाया गया एवं उपचार के पश्चात रोगी में सुधार आया, 5 पुराने रोगियों में भगशोथ एवं लिंगमुण्डशोथ पाया गया तथा 2 रोगियों में अनुवर्तन के बाद सुधार आ क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली में आने वाले 101 रोगियों में से 38 रोगी एलोपैथी दवा डायनिल ले रहे थे, जो धीरे-धी हटा ली गई अथवा उपचार के पश्चात बंद कर दी गई। यह परियोजना जारी है।

(ख) आदिवासी क्षेत्रों में

मधुमेह में निम्नलिखित औषधियों के प्रभाव का नैदानिक मूल्यांकन :

एब्रोमा आगस्टा, सिफैलेण्डरा इंडिका, चिमाफिला अम्बेलेटा, चियोनैन्थस, ग्लिसराईनम, इन्सुलिन, इनूला, लैक डिफ्लोरे लैक्टिक एसिड, साइजिजियम जैम्बोलेनम, थायरोएडिनम एवं यूरेनियम नाइट्रिकम।

यह परियोजना नैदानिक अनुसंधान इकाई (आदिवासी), पांडिचेरी, सेलम एवं विजयवाड़ा में चल रही है।

वर्ष 2001–202 के दौरान उपलब्धियाँ

अध्ययन किए गए रोगियों की संख्या	–	178
लाभान्वित रोगियों की संख्या	–	26

अवलोकन

इस परियोजना में निर्दिष्ट औषधियों में से सिफैलेण्डरा इंडिका, चिमाफिला अम्बेलैटा, सिजियजियम जैम्बोलेनम त यूरेनियम नाईट्रिकम प्रभावकारी पायी गई।

इसमें नैदानिक अनुसंधान ईकाई (आदिवासी) विजयवाडा के आंकडे गलत प्रतिवेदन की वजह से शामिल नहीं किए ग

9. शिशु दस्त रोग

(क) सामान्य क्षेत्रों में

(अ) रोगोन्मुखी नैदानिक अनुसंधान

परिषद् ने अगस्त 1997 से, होम्योपैथिक अनुसंधान संस्थान, जयपुर में, बच्चों में दस्त की बीमारी में होम्योपैथिक औषधि की प्रभावकारिता पर एक अध्ययन योजना शुरू की है।

वर्ष 2001–02 के दौरान उपलब्धियाँ

	नये	पुराने
अध्ययन किए गए रोगियों की संख्या	41	25
सुधार अनुक्रमणिका :		
अभिसाधित	15	18
सुधरे हुए		
– अति	19	13
– अल्प	07	04

अवलोकन

33 रोगियों में उपचार की अवधि के दौरान किसी भी कष्ट की पुनरावृति नहीं देखी गई। एथ्यूजा 30, कैल्केरिया फास 30, कैमोमिला 30, इपिकाक 30 तथा पोडोफाईलम 30 व्यक्तिनिष्ठ तथा वस्तुनिष्ठ लक्षणों में राहत पहुंचाने में सबसे प्रभावकारी रही। नये तथा पुराने रोगियों के मिला कर उपचार के दौरान 33 रोगी अभिसाधित हुए। यह परियोजना जारी है।

10. पेचिश

(क) सामान्य क्षेत्रों में

(अ) रोगोन्मुखी नैदानिक अनुसंधान

अप्रैल 1988 से, क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.) गुडिवाड़ा में पेचिश में होम्योपैथिक औषधियों की प्रभावकारिता का चिकित्सीय मूल्यांकन करने के लिए परिषद् द्वारा एक अध्ययन शुरू किया गया है।

वर्ष 2001–02 के दौरान उपलब्धियाँ

	नये	पुराने
अध्ययन किए गए रोगियों की संख्या	50	100
सुधार अनुक्रमणिका :		
– अति सुधार	05	42
– मध्यम सुधार	09	34
– अल्प सुधार	13	19
उपचाराधीन	20	05
असूचित	03	—

अवलोकन

अध्ययन किए गये सभी रोगी अमीबा पेचिश के थे। निर्दिष्ट होम्योपैथिक दवाऐं व्यक्तिनिष्ठ/वस्तुनिष्ठ लक्षणों में राहत पहुंचाने में तथा अतिपाती दौरे को नियंत्रित करने में बहुत सहायक रही हैं। रोगात्मक जांच दोहराने पर देखा गया कि 10 नये एवं 66 पुराने रोगियों में हीमोग्लोबिन बढ़ गया, 02 नये एवं 15 पुराने रोगियों में ई.एस.आर. सामान्य स्तर पर आ गया तथा 10 नये एवं 69 पुराने रोगियों में एन्ट अमीबा हिस्टोलिटिका कृमिकोष लुप्त हो गया। नक्स वोमिका, कार्बो वेज, लाईकोपोडियम तथा सल्फर चिरकालिक रोगियों में प्रभावकारी रही तथा अतिपाती रोगियों में मरक्यूरियस सोलुबिलिस और एलोसोकोट्रिना ने सर्वोतम परिणाम दिखाए। यह परियोजना जारी रहेगी।

(ख) आदिवासी क्षेत्रों में

पेचिश रोगियो में निम्नलिखित औषधियों के प्रभाव का नैदानिक मूल्यांकन:

एल्सटोनिया कंस्ट्रीक्टा, एम्ब्रोसिया, एस्कलेपियास ट्यूब्रोसा, एटिस्टा इंडिका, साइनोडोन डैक्टाइलोन, एमेटिन, फाइकस इंडिका, हेलेबोरस, होलर्हेना एंटिडाइसेंटेरिका, लेप्टेण्डरा, सिल्फियम, रेफेनस, ट्रोम्बिडियम, जैन्थोसाइलम तथा जिंकम सल्फ्यूरिकम।

नैदानिक अनुसंधान इकाइयाँ (आदिवासी), ऐजवाल, भारूच, लेह, शिलोंग, विजयवाड़ा तथा सिलिगुडि में इस परियोजना पर कार्य चल रहा है।

वर्ष 2001–02 के दौरान उपलब्धियाँ

अध्ययन किए गए रोगियों की संख्या	–	331
लाभान्वित रोगियों की संख्या	–	207

* लेह एवं विजयवाडा के आंकडे गलत प्रतिवेदन की वजह से शामिल नहीं किए गए।

अवलोकन

भारतीय औषधियां यानि साइनोडोन डैक्टाइलोन (दूब घास), एटिस्टा इंडिका (वानिंबु), फाइकस इंडिका तथा हो एण्टीडायसैण्टेरिका (कुरची) आदि भारतीय औषधियाँ लाभान्वित रोगियों में से 51 प्रतिशत में प्रभावकारी रहीं। इनके अ ट्रोम्बिडियम, एल्सटोनिया कंस्ट्रिक्टा, तथा एमेटिन भी 47 प्रतिशत लाभान्वित रोगियों में प्रभावकारी रही। यह परियोजना रहेगी।

11. मिरगी रोग / अपस्मार

(क) सामान्य क्षेत्रों में

(अ) रोगोन्मुखी नैदानिक अनुसंधान

परिषद् ने केन्द्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान संस्थान, कोट्टायम में 1980 से तथा क्षेत्रीय होम्योपैथी अनुसंधान संस्थान, गुडि (आंध्र प्रदेश) में अप्रैल, 1988 से यह परियोजना शुरू की है।

वर्ष 2001–02 के दौरान उपलब्धियाँ

	नये	पुराने
अध्ययन किए गए रोगियों की संख्या	47	40
सुधार अनुक्रमणिका :		
– अति सुधार	12	04
– मध्यम सुधार	18	06
– अल्प सुधार	02	29
असूचित	06	—
उपचाराधीन	07	01
असंशोधित	02	—

अवलोकन

होम्योपैथिक दवाओं ने न केवल मिरगी रोग से संबधित व्यक्तिनिष्ठ तथा वस्तुनिष्ठ लक्षणों में राहत पहुंचाने में बल्कि समाप्त करने तथा उनके दौरों की अवधि, प्रबलता व प्रायिकता को कम करने में भी बहुत सहयोग दिया है। मिरगी रोग स्ट्रेमोनियम, क्यूपरम मेटैलिकम, नैट्रम म्यूरिएटिकम, नैट्रम सल्फयूरिकम तथा पल्सैटिला की चिकित्सीय प्रभावकारिता देखी ग उपचार के दौरान 17 रोगियों में से किसी में भी मिरगी के दौरों की पुनरावृति नहीं हई परन्तु इससे अधिक अनुवर्तन की आवश्य

है। 1997 से 2002 तक केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, कोट्टायम में 95 रोगियों का अनुवर्तन किया गया। अच्छे खासे सुधार वाले 52 रोगियों (इस अवधि में इन रोगियों में कोई पुनरावृति नहीं हुई) में से 31 रोगी ग्रैडमाल,15 रोगी पेटिट माल, 3 रोगी लाक्षणिक, एक रोगी जी.ई.टी.सी. तथा 3 रोगी उन्मत आक्षेप के थे। मध्यम सुधार वाले 13 रोगियों में से (इन रोगियों में इस अवधि के दौरान कम तीव्रता में पुनरावृति हुई) 6 रोगी ग्रेड माल, 5 रोगी पेटिट माल,एक रोगी लाक्षणिक एवं एक रोगी जी.ई.टी.सी. के थे तथा ग्रेंडमाल के 6 रोगियों में 4 उपचाराधीन हैं एवं 2 रोगी ज्यों के त्यों हैं, पेटिट माल के 2 रोगियों में निम्न स्तर पर सुधार हुआ है। इस अवधि में 21 रोगियों की कोई सूचना नहीं मिली। इन रोगियों में जो

औषधियां प्रभावकारी रहीं, वे इस प्रकार हैं : हायोसायमस 200, कैल्केरिया कार्बोनिका 200, 1 एम0, बैलाडोना 200, नक्स वोमिका 30,200, 1 एम, नक्स मोस्केटा 1 एम0, जैल्सीमियम 30,200, इग्नेशिया 200, 1 एम0, अर्जेन्टम नाईट्रिकम 1 एम0, कास्टिकम 30, लैकेसिस 30, आर्सेनिकम एल्बम 200 तथा स्ट्रैमोनियम 30। यह परियोजना अभी जारी है।

12. फाइलेरिया

(क) सामान्य क्षेत्रों में

(अ) रोगोन्मुखी नैदानिक अनुसंधान

नैदानिक अनुसंधान इकाई तिरूपति में 1980 से फाइलेरिया पर रोगोन्मुखी अनुसंधान शुरू किया गया है।

वर्ष 2001–02 के दौरान उपलब्धियाँ

	नये	पुराने
अध्ययन किए गए रोगियों की संख्या	58	60
सुधार अनुक्रमणिका :		
अभिसाधित	..	12
– अति सुधार	06	14
– मध्यम सुधार	12	12
– अल्प सुधार	21	15
कोई सुधार नहीं	06	07
उपचाराधीन	08	—
असूचित	05	—

अवलोकन

रहस टॉक्सीकोडेंड्रोन तथा ब्रायोनिया एल्बा ने कई रोगियों में न केवल फाइलेरिया से संबंधित कष्टों से राहत पहुचाने में बल्कि उन्हें लुप्त करने में तथा आवेगी दौरों की तीव्रता को कम करने में भी बहत सहयोग दिया है। लसीका शोफ की प्रांरभिक अवस्था में विशेषतया दाबगर्तक किस्म चिकित्सा से वशवर्ती है तथा अदाबगर्तक किस्म, हाथीपांव, लसीका शोथ में मात्र कुछ सीमा तक सुधार आया जो निम्नलिखित सारणी से विदित है। यह परियोजना जारी है।

वस्तुनिष्ठ लक्षणों का मूल्यांकनः

	उपचार से पूर्व	उपचार के पश्चात (लुप्त हो गए)	कम [illegible]
लसीका शोफ ग्रेड – I	14	05	[illegible]
लसीका शोफ ग्रेड – II	32	07	[illegible]
लसीका शोफ ग्रेड – III	06	–	[illegible]
लसीकापर्व विकृति	47	26	[illegible]
लसीका वाहिनी शोथ	34	26	[illegible]

(ब) औषधोन्मुखी नैदानिक अनुसंधान

फाइलेरिया में निम्नलिखित औषधियों की प्रभावोत्पादकता का नैदानिक तौर पर मूल्यांकन :

एपिस मेलिफिका, बैलाडोना, ब्रायोनिया एल्बा, लाइकोपोडियम, मर्क्यूरियस सोल्युब्लिस, नैट्रम म्युरियाटिकम, प[...] रोहडोडेण्ड्रान, रहस टॉक्सीकोडेण्ड्रोन तथा सल्फर।

यह परियोजना होम्योपैथिक अनुसंधान संस्थान, पुरी में 1981 से तथा क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान, गुडिवाड़ा में 1985 [...] जारी है।

वर्ष 2001–02 के दौरान उपलब्धियाँ

	नये	पुराने
रोगियों की संख्या	530	397
सुधार अनुक्रमणिका :		
– अभिसाधित	08	05
– अति सुधार	05	65
– मध्यम सुधार	23	116
– अल्प सुधार	25	80
कोई सुधार नहीं	03	50
उपचाराधीन 437	54	
असूचित	18	11
बदत्तर	11	16

अवलोकन

फाईलेरिया एक चिरकालिक आवर्ती रोग है जिसमें अतिपाती तीव्रताऐं आती रहती है, इसे लम्बे उपचार एवं अनुव[...] आवश्यकता होती है। वर्ष 2001–02 के दौरान अनुवर्तन के लिए आए 294 रोगियों के मूल्यांकन से यह पता चलता है कि [...] के व्यक्तिनिष्ठ तथा वस्तुनिष्ठ लक्षणों विशेषतया अतिपाती रोगियों में, बहुत सुधार आया है। 1 माह से से 5.6 वर्ष तक चले [...] के दौरान परिवर्ती स्तर पर सुधार पाया गया.। बिना किसी विघ्नकारी परिवर्तन वाले अतिपाती रोगियों में होम्योपैथिक उप[...] अच्छा प्रभाव पड़ा। ज्वर, लसीकावाहिनी शोथ एवं लसीकापर्वशोथ में अतिपाती एवं चिरकालिक दोनों प्रकार के रोगियों में [...]

से लाक्षणिक प्रतिक्रिया मिली। सबसे विलक्षण प्रतिक्रिया लसीका शोफ ग्रेड एक में देखी गई जो कुछ रोगियों में पूर्ण रूप से लुप्त हो गया एवं 33 रोगियों में सुधार आया तथा लसीका शोफ ग्रेड दो 20/60 रोगियों में लुप्त हो गया तथा 18 रोगियों में परिवर्ती स्तर पर सुधार आया। हाथी पांव वाले चिरकालिक रोगियों में अपरिवर्तनीय बदलावों की वजह से उपचार का प्रभाव सीमित रहा परन्तु अतिपाती दौरों के कई मामलों में उल्लेखनीय कमी पाई गई। फाईलेरिया की दर्दों के साथ–साथ हाथीपांव वाली टांग के चमडीरोग एवं भारीपन के एहसास से भी राहत मिली तथा रोगी अपनी रोजमर्रा की गतिविधियों को पहले से बेहतर तरीके से करने के काबिल हो गया। सुधरे हुए रोगियों को (अतिपाती एवं चिरकालिक दोनों) रस टाक्स, ब्रायोनिया एल्बा, एपिस मेलिफिका तथा सल्फर से लाभ पहुंचा है। समय–समय पर पुनरावृत होने वाले दौरों को रोकने के आंतरायिक एन्ओीमियासमेटिक दवा की आवश्यकता रहती है। चालू वर्ष के दौरान 14 रोगी, जिनमें माइक्रोफाइलेरिया पाया गया था, अनुवर्तन के लिए आए, इनमें से 12 में नैदानिक स्तर पर सुधर आया एवं 2 रोगियों में माईक्रोफाइलेरिया लुप्त हो गया। क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान, गुडिवाडा में व्यक्तिनिष्ठ एवं वस्तुनिष्ठ लक्षणों के सुधर आने के साथ–साथ विकृतिजन्य प्रतिवेदन भी सामान्य हो गया।

	रोगियों की कुल संख्या	
	उपचार पूर्व अंसामान्यता	उपचार उपरांत सामान्यता के सीमा में
रक्त		
1. इयोसिनरागी – कोशिका बहुलता	64	13
2. उदासीनरागी – कोशिका बहुलता	36	15
3. उदासीनरागी – कोशिकाल्पता	48	11
4. लसीकाकोकशिका बहुलता	66	19
5. श्वेतकोशिका बहुलता	77	25
6. ई.एस.आर. (बढा हुआ)	48	19
मूत्र जांच		
1. श्वेतक (एलब्यूमिन)	39	13
2. पूयकोशिका	51	18
3. उपकलापरक कोशिका	47	15

वाटर मैथड के उत्प्लावन से एवं टेप मैथड से लिए गए शोफज आयतन के माप का विस्तृत विवरण, बार–बार लिए गए उनके सुधार सूचकों के साथ दिया गया तथा इन दोनों विधियों से पाठयांकों में कंचित परिवर्तन के साथ शोफ में कमी देखी गई। त्रुटियां टालने के लिए दोनों में से न्यूनतर पाठयांक अंतिम परिणाम के रूप में लिया गया।

	नये	पुराने
दांयी टांग का शोफ	27	40
सुधार		
अति	––	05
मध्यम	07	08
निम्न	09	10
बदत्तर	07	08
असंशोधित	01	01
असूचित	02	04
राहत	01	04

बायीं टांग का शोफ	41	42
सुधार		
अति	04	03
मध्यम	10	12
निम्न	07	19
बदत्तर	04	04
असंशोधित	01	—
असूचित	09	04
राहत	05	—
उपचाराधीन	01	—

(ख) आदिवासी क्षेत्रों में

फाइलेरिया में निम्नलिखित औषधियों के प्रभाव का नैदानिक तौर पर मूल्यांकन करना :

एपिस मेलिफिका, बैलाडोना, ब्रायोनिया एल्बा, लाइकोपोडियम मर्क्यूरियस सोलुबिलिस, माइक्रोफाइलेरिया, नैट्रम म्युरियाटि- रोडोडेंड्रोन, कॉडिड औषधि।

यह परियोजना चिकित्सा अनुसंधान इकाई (आदिवासी), राँची में जारी है।

वर्ष 2001–02 के दौरान उपलब्धियाँ

इस वर्ष में फाईलेरिया के 69 नये रोगी पंजीकृत किए गए तथा 22 रोगियों में परिवर्ती स्तर पर सुधार देखा गया।

अवलोकन

निर्दिष्ट औषधियों में से 30 पोटेंसी में ब्रायोनिया एल्बा सबसे अधिक उपयोगी औषधि रही। 22 लाभान्वित रोगियों में से रोगियों में केवल ब्रायोनिया से सुधार हुआ।

13. जठर शोथ

(क) सामान्य क्षेत्रों में

(अ) रोगोन्मुखी नैदानिक अनुसंधान

यह अध्ययन नैदानिक अनुसंधान इकाई, इम्फाल में अक्टूबर 1987 से चल रहा है।

वर्ष 2001–02 के दौरान उपलब्धियाँ

इस वर्ष मे जठरशोथ के 20 रोगी अध्ययन के लिए पंजीकृत किए गए। इनमें से 16 में परिवर्ती स्तर पर सुधार आ-

अवलोकन

इस परियोजना के अंतर्गत पंजीकृत किए गए रोगी दीर्घकालिक जठर शोथ से पीड़ित हैं। इसमें प्रभावकारी औषधि- :–एनाकार्डियम, नक्स वोमिका, आर्सेनिक एल्बम। इनसे व्यक्तिनिष्ठ तथा वस्तुनिष्ठ लक्षणों में बहुत राहत मिली तथा 09 रो- में कष्टों की पुनरावृति कम तीव्रता में हुई। यह परियोजना जारी रहेगी।

14. जठरांत्र शोथ

(ख) आदिवासी क्षेत्रों में

जठरांत्र शोथ में निम्नलिखित औषधियों की प्रभावकारिता का नैदानिक तौर पर मूल्यांकन :

साइनोडोन डैक्टाइलान, गम्बोजिया, जलापा, जैट्रोफा, पोडोफाइलम।

यह परियोजना नैदानिक अनुसंधान इकाई (आदिवासी), इददूकी में जारी है।

वर्ष 2001–02 के दौरान उपलब्धियाँ

इस वर्ष के दौरान जठरांत्रशोथ के 05 रोगी पंजीकृत किए गए। इनमें से 03 रोगियों में जैट्रोफा कर्कास द्वारा सुधार आया।

15. जियार्डिया रूग्णता

(क) सामान्य क्षेत्रों में

(अ) रोगोन्मुखी नैदानिक अनुसंधान

परिषद ने जियार्डिया रूग्णता में होम्योपैथिक औषधियों की भूमिका का पता लगाने के लिए नैदानिक अनुसंधान इकाई, तिरूपति, नैदानिक अनुसंधान इकाई, गुवाहाटी तथा नैदानिक अनुसंधान इकाई, पोर्ट ब्लेयर में अगस्त 1997 से एक अध्ययन शुरू किया है।

र्ष 2001–02 के दौरान उपलब्धियाँ

इस परियोजना के अंतर्गत इस अवधि के दौरान नैदानिक अनुसंधान ईकाई, पोर्ट ब्लेयर में 24 रोगी पंजीकृत किए गए, दानिक अनुसंधान ईकाई, गुवाहाटी एवं तिरूपति में कोई रोगी पंजीकृत नहीं किया गया।

वलोकन

इस रोग के व्यक्तिनिष्ट तथा वस्तुनिष्ट लक्षणों को कम करने में होम्योपैथिक दवाऐं एटिस्टा इंडिका, चाइना, पोडोफाइलम था सल्फर उपयोगी रहीं। 24 रोगियों में उपचार के उपरांत जियार्डिया लैम्बलिया लुप्त हो गया। परन्तु यह रोगी अभी अनुवर्तन है। एक चिरकालिक रोग होने की वजह से जियार्डिया–रूग्णता को लम्बे समय तक अनुवर्तन की आवश्यकता है इसलिए यह गी उपचाराधीन है। यह परियोजना जारी रहेगी।

16. कृमिरूग्णता

क) सामान्य क्षेत्रों में

) औषधोन्मुखी नैदानिक अनुसंधान

कृमिरूग्णता में निम्नलिखित औषधियों के प्रभावोत्पादकता का नैदानिक तौर पर मूल्यांकन :

चिलोन ग्लैब्रा, सिना, क्युप्रम ऑक्सीडेटम नाइग्रम, एम्बैलिया राइब्स, टयुक्रियम मेरम वेरम तथा थाइमोल।

नैदानिक अनुसंधान इकाई, गुढगांवं में 1980 से यह परियोजना प्रारम्भ की गई है।

वर्ष 2001–02 के दौरान उपलब्धियाँ

रोगियों की संख्या	नये	पुराने
सुधार तालिका	57	09
– अति		
– मध्यम	34	09
उपचाराधीन	17	—
अवलोकन	06	—

निर्धारित की गई दवाओं में से सिना तथा टयूक्रियम सबसे प्रभावकारी होम्योपैथिक औषधियां पाई गई। निर्दिष्ट दवा कीड़ों के निष्कासन में भी मदद की एवं सामान्य स्वास्थ्य में सुधार आया, भूख में, दांत किटकिटाने मे सुधार आया तथा कुछ रो में उपचार के पश्चात पेट दर्द पूर्णरूप से लुप्त हो गया। 51 रोगियों में किसी भी कष्ट की पुनरावृति नहीं हुई। यह परि जारी रहेगी।

(ख) आदिवासी क्षेत्रों में

(ब) औषधोन्मुखी नैदानिक अनुसंधान

कृमिरूग्णता में निम्नलिखित औषधियों के प्रभाव का नैदानिक तौर पर मूल्यांकन :

चिलोन, एम्बैलिया राइब्स, फिलिक्स मास, ग्रेनेटम, कोसो, सेण्टोनिनम, स्किरहिनम, साइनैपिस एल्बा, थायमोल, वेर एंथेलमिंटिका।

यह परियोजना सेलम, भरमौर, डिफू, दीमापुर, ईटानगर, जैपोर, खोंगजोम (मणिपुर) तथा गंगटोक स्थित नैदानिक अनु इकाइयों (आदिवासी) में चल रहीं है।

वर्ष 2001–02 के दौरान उपलब्धियाँ

रोगियों की संख्या	551
लाभान्वित रोगियों की संख्या	332

अवलोकन

इस वर्ष सबसे ज्यादा प्रभावकारी पायी जाने वाली औषधियाँ निम्नलिखित थीं – सेण्टोनिनम, फिलिक्स मास, सि एल्बा, ग्रेनाटम, चिलोन तथा वेरनोनिया एंथेल्मिण्टिका। लाभान्वित रोगियों में से 91 प्रतिशत रोगियों को इन्हीं औषधियों से पहुँचा।

17. यकृतशोथ (बी0)

(क) सामान्य क्षेत्रों में

(अ) रोगोन्मुखी नैदानिक अनुसंधान

क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान, मुंबई में अगस्त, 1997 से यह परियोजना शुरू की गई। इसका पूर्वलेख भारतीय अनुसंधान प की निर्देशक रेखानुसार तैयार किया गया है। इस वर्ष में कोई भी रोगी पंजीकृत नहीं किया गया।

18. एच.आई.वी. संक्रमण में होम्योपैथिक उपचार का मूल्यांकन

यह अध्ययन होम्योपैथिक क्षेत्रीय अनुसंधान मुम्बई तथा होम्योपैथिक नैदानिक अनुसंधान इकाई, चेन्नई में "एच.आई.वी. संक्रमण में होम्योपैथिक चिकित्सा का मूल्यांकन" के उद्देश्य के साथ प्रारम्भ किया गया। परिषद् के मुख्यालय, नई दिल्ली में एच.आई.वी. / एडस के अनुसंधान में भाग ले रहे अन्य संगठनों द्वारा भेजे गए एच.आई.वी. से संक्रमित रोगियों का उपचार भी किया गया।

वर्ष 2001–02 की उपलब्धियाँ

वर्ष 2001–02 के दौरान 175 रोगी पंजीकृत किये गये जिनमें से 64 रोगी क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान, मुंबई में, 41 रोगी नैदानिक अनुसंधान इकाई, चेन्नई में तथा 70 रोगी नई दिल्ली में पंजीकृत किये गये।

होम्योपैथिक औषधियाँ जो प्रभावकारी पाई गई

निम्नलिखित होम्योपैथिक औषधियाँ अध्ययन के दौरान इस्तेमाल की गई :

एलो. सोकोट्रिना, एन्टीमोनियम क्रूडम, एन्टीमोनियम आर्स, अर्जेन्टम नाईट्रिकम, आरम मैट, ब्रायोनिया, एमेल्यिम निट्रोसम, आर्सेनिकम एल्बम, अजैदिरैक्ता इंडिका, बैलाडोना, कैल्केरिया कार्बोनिका, कैल्केरिया फॉस्फोरिकम, कैल्केरिया सल्फयुरिकम, कैन्थरिस, कास्टिकम, कार्बो वेज, चाईना आफिसिनेलिस, साइकलोस्पोरिन, हिपर सल्फ्यूरिकम, काली बाइक्रोमिकम, काली कार्बोनिकम, लैकेसिस, लाईकोपोडियम क्लेवेटम,कार्सिनोसिन, कोक्यूलस, फैरम मैट, जैलसीमियम, ग्रेफाइटस, ग्वैकम, इपिकाक, लिडमपाल, मैडोरिनम, मर्कयुरियस सोल्युविलिस, मिजिरियम, नैट्रम म्युरियाटिकम, नैट्रम सल्फयुरिकम, नाईट्रिक एसिडम, नक्स वोमिका, फॉस्फोरस, पल्सैटिला, रहस टॉक्सीकोडेन्डरान, साईलिशिया, रयूमैक्स, सैन्यूनेरिया कैन, सल्फर, सिफिलिनम, थुजा आक्सीडेन्टिलिस, टयुर्बकुलाइनम एव वेरैट्रम एल्बम।

अवलोकन

अभी तक होम्योपैथिक दवाओं का कोई भी प्रतिकूल प्रभाव नहीं देखा गया है। अभी तक के प्राप्त परिणामों से यह संकेत मिलता है कि लक्षणरहित एच.आई.वी. संक्रमण में तथा एच.आई.वी. से संबधित नैदानिक परिस्थितियों का संचालन करने में होम्योपैथिक दवाऐं एक निश्चित भूमिका अदा करती है। यह सब जांच परिणाम एच.आई.वी. से संक्रमित रोगियों के जीवन स्वरूप को सुधारने, इस संक्रमण को रोकने तथा इसकी प्रगति में बाधा डालने में होम्योपैथिक दवाओं की भूमिका को रेखांकित करते हैं। आज इन्हीं तर्कों को एच.आई.वी. रोग के विरूद्ध प्रभावशली चिकित्सा साधन विकसित करने में महत्व दिया जा रहा है।

भावी योजना

एक समान पूर्वलेखन तथा प्रयोगशाला जांच पड़ताल के साथ एक बहुकेन्द्रीय अध्ययन की योजना बनाई जा रही है।

19. अति निम्न घनत्व लाईपोप्रोटीनिमिया

(क) सामान्य क्षेत्रों में

(अ) रोगोन्मुखी नैदानिक अनुसंधान

अति निम्न घनत्व लाईपोप्रोटीनिमिया में होम्योपैथिक औषधियों की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली में अप्रैल, 1992 से एक अध्ययन शुरू किया गया है।

वर्ष 2001–02 के दौरान उपलब्धियाँ

	नये	पुराने
रोगियों की संख्या	26	30
सुधार अनुक्रमणिका :		
– अति सुधार	05	06
– मध्यम सुधार	09	18
– अल्प सुधार	06	06
असूचित	03	–
उपचाराधीन	03	–

अवलोकन

	रोगियों की संख्या	
	उपचार पूर्व	उपचार पश्चात
कुल ट्राईग्लिसराइडस 170 मि.ग्रा./170 मि.ली. से अधिक	42	33
कुल कोलेस्ट्राल 200 मि.ग्रा./डे.लि. से अधिक	42	34
एल.डी.एल. 150 मि.ग्रा./100 मि.ली. से अधिक	22	17
वी.एल.डी.एल. 50 मि.ग्रा./100 मि.ली. से अधिक	11	05
एच.डी.एल. 35 मि.ग्रा./100 मि.ली से कम	04	04

जैसा कि उपर्युक्त सारणी से स्पष्ट है, अध्ययन से प्राप्त परिणाम उत्साहवर्द्धक हैं तथा अति निम्न घनत्व लाईपोप्रोटीनि के उपचार में होम्योपैथिक औषधियों की प्रभावकारिता की पुष्टि करते हैं। नैदानिक रोगात्मक प्राप्तियों में सुधार के साथ–साथ सम्बद्ध कष्टों से भी राहत मिली जिससे सामान्य स्वास्थ्य लाभ हुआ। एब्रोमा अगस्टा, कैल्केरिया कार्बोनिक, कार्बो लाइकोपोडियम, नक्स वोमिका, जैलसिमियम तथा लैकेसिस प्रभावकारी औषधियाँ रहीं। यह परियोजना जारी रहेगी।

20. उच्च रक्तचाप

(क) सामान्य क्षेत्रों में

(अ) रोगोन्मुखी नैदानिक अनुसंधान

यह परियोजना अप्रैल 1990 से औषधि मानकीकरण इकाई, हैदराबाद की विस्तार इकाई में चल रही है।

वर्ष 2001–02 के दौरान उपलब्धियाँ

	नये	पुराने
रोगियों की संख्या	21	81
सुधार अनुक्रमणिका :		
– अति सुधार	—	12
– मध्यम सुधार	—	09
– अल्प सुधार	—	40
यथापूर्व स्थिति	—	12
उपचाराधीन	21	—
असंशोधित	—	08

अनुवर्तन वाले रोगियों की सुधार तालिका

	रोगियों की दी गई
(1) केवल होम्योपैथिक औषधियाँ	13
प्रभावकारी	10
(2) होम्योपैथिक औषध के साथ–साथ अन्य/एलोपैथिक औषधियां जारी रही	89
(क) हटा ली गई	01
(ख) प्रभावकारी रहीं	51

अवलोकन

पिछले 1 साल से लेकर 8 साल 7 माह से अनुवर्तन में चल रहे 81 रोगियों, जिनका पूर्व रक्तचाप प्रकुंचन 140 से 190 मि. मी. मरकरी तथा अनुशिथिलन100 से 110 मि.मी. मरकरी था, में से 12 रोगियों का रक्तचाप अब सामान्य श्रेणी में पाया गया है। 54 रोगियों में मूत्र में श्वतक पाया गया एवं उपचार के पश्चात् 23 रोगियों में यह लुप्त हो गया। 13 रोगियों में से जो होम्योपैथिक औषधियों के साथ एलोपैथिक औषधियाँ भी ले रहे थे, एलोपैथिक औषधियां हटा ली गई है एवं 14 रोगियों में दवा की मात्रा कम कर दी गई। ब्रायोनिया, लाइकोपोडियम, रावोल्फिया सर्पेन्टीना तथा स्ट्रोफेन्थस आदि होम्योपैथिक औषधियाँ प्रभावकारी पाई गई।

यह परियोजना जारी है।

21. बांझपन, अपक्रियात्मक गर्भाशंय रक्तस्त्राव तथा पेडु का भाोथयुक्त रोग

(क) सामान्य क्षेत्रों में

(अ) रोगोन्मुखी नैदानिक अनुसंधान

परिषद् ने वर्ष 2001–02 से स्त्रीरोगविज्ञान एवं प्रसूतिविज्ञान विभाग, ई.एस.आई. अस्पताल, बसई दारापुर, नई दिल्ली के साथ संयुक्त रूप से बांझपन, अपक्रियात्मक गर्भाशय रक्तस्त्राव तथा पेडु का शोथयुक्त रोग में अध्ययन प्रारम्भ किया गया है। जिन

रोगियों को उपचार की किसी अन्य विधियों से लाभ नहीं पहुंचा अथवा दुष्कर रोगियों को होम्योपैथिक उपचार के लिए भेजा गया।

बांझपनः बांझपन के 75 रोगी होम्योपैथिक उपचार के लिए भेजे गए इनमें से 47 नियमित रूप से उपचार के लिए आये। उपचार के दौरान यह देखा गया कि जो रोगी मासिक धर्म से सम्बन्धित कष्टों जैसे अनियमित मासिक धर्म, बदबूदार अल्पमात्रा में रजोधर्म एवं कष्टार्तव, सकष्टसंगम से पीडित थे उन्हें उपचार के एक माह के दौरान अपने कष्टों से मुक्ति मिल गई चाहे वे 3 माह से एक वर्ष तक बांझ रहीं प्रारम्भ में यह अध्ययन केवल प्राथमिक अज्ञातहेतुक बांझपन के लिए था परन्तु व्दितीयक बांझपन के भी कुछ रोगी उपचार हेतु भेजे गए प्राथमिक बांझपन के 6 रोगियों एवं व्दितीयक बांझपन के 2 रोगियों ने 3 महीने से एक वर्ष तक चले उपचार के दौरान (निर्दिष्ट होम्योपैथिक दवाओं से) गर्भधारण कर लिया। इनमें से 2 का सामान्य प्रसव हुआ एवं एक का अन्तर्गर्भाशयी विकास विलंबन की वजह से शल्यजनन किया गया। 4 रोगियों में गर्भावस्था जारी है तथा एक रोगी का गर्भावस्था के प्रथम त्रिमास में गर्भपात हो गया।

अपक्रियात्मक गर्भाशय रक्तस्त्राव : इसमें 15 रोगी पंजीकृत किए गए। जिनमें से 10 रोगी नियमित रूप से उपचार के लिए आ रहे हैं। अध्ययन के अधीन अधिकतर रोगियों में अत्याधिक एवं लम्बे समय तक चलने वाले मासिक धर्म की शिकायत थी। उपचार के दौरानयह देखा गया कि सभी आने वाले रोगियों में मासिक धर्म की मात्रा में सुधार हुआ। इनमें से 2 रोगियों में 2 माह

से अधिक समय से निरन्तर रक्तस्त्राव हो रहा था और उन्हें अस्पताल में दाखिल किया गया था। होम्योपैथिक उपचार के प 2–3 दिन में रक्तस्त्राव बंद हो गया तथा परवर्ती मासिक धर्म चक्र सामान्य रक्तस्त्राव के साथ नियमित हो गए। यह रोगी अनुवर्तन में है तथा स्त्रीरोगविज्ञान परिक्षण प्रतिवेदन के अनुसार अलाक्षणिक है।

पेडु का शोथयुक्त रोग : इस परियोजना में 15 रोगी होम्यापैथिक उपचार के लिए भेजे गए। भेजे गए रोगी वे थे जिन्हें समयतक एलोपैथिक उपचार के बाद कोई लाभ नहीं पहुंचा विशेषतया शल्यक्रियात्मक के उपचार. निदानकारी अन्तरूदरदर्शन डी.एन.सी. या गर्भाशय–उच्छेदन के बाद। निर्दिष्ट होम्योपैथिक औषधियों से उपचार के बाद तुरन्त प्रतिक्रिया मिली तथा रोगियों में सुधार पाया गया अर्थात उपचार के एक सप्ताह के भीतर, यद्यपि कुछ रोगियों में पुनरावृति हुई। सभी रोगी अनु में हैं।

22. विरामी ज्वर

(क) सामान्य क्षेत्रों में

(अ) रोगोन्मुखी नैदानिक अनुसंधान

रोगोन्मुखी चिकित्सा अनुसंधान कार्यक्रम के अंतर्गत नैदानिक अनुसंधान इाकई, पोर्ट ब्लेयर में 1989 से तथा होम्योपै अनुसंधान इकाई, जयपुर में 1993 से परिषद् ने यह परियोजना शुरु की। विरामी ज्वर में अत्यंत प्रभावकारी पायी जानी औषधियों की विश्वस्त संकेतों के साथ पहचान की गई। बाद में यह अध्ययन औषधोन्मुखी परियोजना के रूप में चलाया गया 1997–98 से. के.हो.अ.प. की वैज्ञानिक सलाहकार समिति की 29वीं बैठक में दिए गए सुझावानुसार इस परियोजना का रूपा कर दिया गया है और अब यह अध्ययन हैनिमन संकल्पना अनुसार निम्नलिखित तरीकों से किया गया जा रहा है :

(1) छुटपुट या महामारी

(2) दलदल रहित क्षेत्रों में महामारी

(3) घातक विरामी ज्वर (दलदल रहित क्षेत्र)

(4) दलदल वाले क्षेत्रों में स्थानिक मारी

वर्ष 2001–02 के दौरान उपलब्धियाँ

	नये	पुराने
रोगियों की संख्या	104	41
सुधार अनुक्रमणिका :		
– अति सुधार	63	25
– मध्यम सुधार	31	15
– अल्प सुधार	10	01

अवलोकन

अध्ययन के दौरान यह देखा गया कि 90 प्रतिशत पंजीकृत रोगी छुट–पुट प्रकार के विरामी ज्वर से पीड़ित थे। आर्सी एल्बम, बैलाडोना, चाइना आफिसिनेलिस, नेट्रम म्यूरिएटिकम, रक्स टाक्स इत्यादि बहुविध उपयोगी औषधियों के साथ स्वदेशी औषधियां जैसे , अमूरा रोहितिका, जेन्शियाना तथा सिसलपेनिया बोंडयूसेला ने भी सकारात्मक परिणाम दिखाएं है इसको और अधिक सत्यापन की आवश्यकता है। यह परियोजना अभी जारी है।

23. क्षुब्ध वृहदान्त संलक्षण

(क) सामान्य क्षेत्रों में

(अ) रोगोन्मुखी नैदानिक अनुसंधान

नैदानिक अनुसंधान ईकाई पोर्ट ब्लेयर में 1998–99 से इस परियोजना पर अध्ययन चल रहा है।

वर्ष 2001–02 के दौरान उपलब्धियाँ

	नये
रोगियों की संख्या	24
सुधार अनुक्रमणिका :	
– अति सुधार	08
– मध्यम सुधार	10
– अल्प सुधार	06

अवलोकन

वर्ष 2001–02 के दौरान 24 नये रोगी अध्ययन के लिए पंजीकृत किए गए। रोग के व्यक्तिनिष्ठ तथा वस्तुनिष्ठ लक्षणों का नियंत्रण करने में होम्योपैथिक चिकित्सा प्रभावकारी साबित हुई है हालांकि इसका रोगात्मक सत्यापन करना अभी बाकी है होम्योपैथिक औषधियां जैसे अर्जेन्टम नाइट्रिकम, जेलसिमियम, नक्स वोमिका तथा फासफोरस प्रभावकारी पाई गई है। यह परियोजना जारी रहेगी।

24. जापानी इन्सेफलाइटिस/मस्तिष्क ज्वर

क) सामान्य क्षेत्रों में

) औषधोन्मुखी नैदानिक अनुसंधान

पूर्वी उत्तरप्रदेश के गोरखपुर जिले (जहां जापानी मस्तिष्क ज्वर स्थानिक मारी है) में दिसंबर 1997 से प्रारंभिक एवं नियंत्रित ध्ययन शुरू किया गया है। इसका उद्देश्य के.हो.अ.प. द्वारा 1991 में किए गए अध्ययन को ध्यान में रखते हुए, जापानी सेफलाइटिस में रोगरोधक के रूप में बैलाडोना 200 के प्रभाव को देखना है। इस अध्ययन के लिए एक अनुसंधान पूर्वलेख सूत्रबद्ध या गया है।

यह अध्ययन शुरूआत में दो गाँवों तक ही सीमित था। (जहाँ पिछली महामारियों में जापानी इंसेफलाइटिस का घनत्व बहुत ादा था)। सभी स्कूली बच्चों को (जो अन्तर्वेशन तथा अपवर्जन मापदण्ड के भीतर आते थे) रोग की चरणसीमा वाले मौसम के महीने पहले रोगनिरोधक दवा बैलाडोना 200 की एक खुराक/साप्ताहिक/मासिक दी गई। एक साथ दो पड़ौसी गांवों का यंत्रण के रूप में) सर्वेक्षण किया गया। दोनों वर्षों में 3 महीने तक नियमित रूप से साप्ताहिक अनुवर्तन किया गया। इस अवधि 3266 बच्चे नियंत्रण में थे तथा 681 को रोगनिरोधक दिया गया। नियंत्रण समूह के 4 बच्चों में जापानी मस्तिष्क ज्वर का क्रमण हुआ एवं जिन्हें रोग– निरोधक दिया गया उनमें से किसी में भी अनुवर्तन के दौरान संक्रमण नहीं पाया गया। जो 3 बच्चे पानी मस्तिष्क ज्वर से संक्रमित हुए, उनमें बैलाडोना 200 से पूर्णरूप से सुधार हुआ। आम जनता की जानकारी के लिए एक दी की लघु पस्तिका का प्रकाशन भी ईकाई द्वारा किया गया जिसमें रोग के कारणों, वाहक, रोग फैलने के तरीकों, मच्छर विकसित होने के स्थान, मच्छर के काटने के कितने दिन बाद रोग के लक्षण दिखाई देते हैं, बचाव के साधनों, होम्योपैथिक निरोधक दवा लेने के तरीकों इत्यादि का विवरण था

किसी निष्कर्ष पर पहुँचने के लिए यह आँकडे पर्याप्त नहीं है। हो सकता है कि और महामारी रिपोर्टों से बेलाडोना की प्रतिरोधक उपयोगिता का सत्यापन हो जाए। यह परियोजना जारी रहेगी।

25. मलेरिया

(क) सामान्य क्षेत्रों में

(अ) रोगोन्मुखी नैदानिक अनुसंधान

राष्ट्रीय स्वास्थ्य की दृष्टि से इसके महत्व को ध्यान में रखते हुए परिषद ने 1979 से होम्योपैथिक अनुसंधान संस्थान, ज में यह अनुसंधान कार्यक्रम शुरू किया है।

वर्ष 2001–02 के दौरान उपलब्धियाँ

	नये	पुराने
अध्ययन किए गए रोगियों की संख्या	104	82
सुधार अनुक्रमणिका :		
अभिसाधित	21	19
सुधार		
– अति सुधार	50	36
– मध्यम सुधार	16	14
– अल्प सुधार	05	07
– असंशोधित	12	—

अवलोकन

संस्थान में पंजीकृत किए रोगियों में से मलेरिया के अधिकांश रोगी प्लाज्मोडियम वाइवैक्स से ग्रसित थे। उपचारित की तुलना में आर्सेनिक एल्बम, चाइना आर्सेनिकोसम, नेट्रम म्यूरिएटिकम तथा भारतीय औषधियां जैसे एल्सटोनिया कं अजैदिरैक्ता इंडिका, सिसलपेनिया बोंडयूसेला एवं निक्टेन्थेस एर्वोट्रिस्टिस सबसे अधिक प्रभावकारी पाई गई। 40 नये रोगियों में किसी भी कष्ट की पुनरावृति नहीं हुई। यह देखा गया कि मलेरिया के नूतन दौरों में शीघ्र ही प्रतिक्रिया मि परियोजना जारी है।

(ख) जनजातीय क्षेत्रों में

मलेरिया में निम्नलिखित औषधियों का नैदानिक तौर पर मूल्यांकन:

एल्सटोनिया कंस्ट्रिक्टा, एमूरा रोहितका, अरेनिया डायडेमा, चिनिनम सल्फ्युरिकम, चिरैता, ल्यूफा बिंडल, मलेरिया आफि ओस्ट्रिया वर्जीनिका, ट्राइकोसेन्थेस डियोका, वाइटेक्स नेगुंडो। नैदानिक अनुसंधान इकाईयों (जनजातीय) आइजाल तथा इस परियोजना पर कार्य चल रहा है।

वर्ष 2001–02 के दौरान उपलब्धियाँ

रोगियों की संख्या	89
लाभान्वित रोगियों की संख्या	63

अवलोकन

निर्धारित औषधियों के समूह में से चिनिनम सल्फ्युरिकम, चिरैता, एल्सटोनिया कंस्ट्रिक्टा, एरेनिया डायडेमा तथा मलेरिया आफिसिनालिस आदि होम्योपैथिक औषधियाँ अधिकतम प्रभावकारी पाई गई तथा लाभान्वित रोगियों में से 76 प्रतिशत रोगियों को इन औषधियों से लाभ पहुँचा।

26. मानव भ्रूण की कुस्थिति

(क) सामान्य क्षेत्रों में

(ब) औषधोन्मुखी नैदानिक अनुसंधान

मानव भ्रूण की कुस्थिति को सही करने में पल्सटीला नाइग्रा 200 की प्रभावोत्पादकता का नैदानिक तौर पर मूल्यांकन करना

परिषद् ने इस बारे में वैज्ञानिक अध्ययन करने के लिए नैदानिक अनुसंधान इकाई, वाराणसी में यह परियोजना प्रारम्भ की है जहां सभी अनुसंधान संबधी रोगी आधुनिक चिकित्सा के परामर्शदाताओं द्वारा भेजे जाते है।

वर्ष 2001–02 के दौरान उपलब्धियाँ

इस वर्ष के दौरान 19 नये रोगी पंजीकृत किए गए तथा उन्हें गर्भावस्था के 28वें सप्ताह के बाद प्रतिसप्ताह 2 खुराकें पल्सटीला नाइग्रा की दी गई।

अवलोकन

अध्ययन के दौरान पाया गया कि 16 अस्थिर स्थिति के रोगियों में मानवभ्रूण की कुस्थिति को सही करने में पल्सैटिला 200 प्रभावकारी रही है। पाए गए यह परिणाम उपयोगी हैं तथा इसके प्रयोग के लिए उपलब्ध संकेतों को पुष्ट करते हैं। और निर्देश देते है कि शल्यक्रिया करने से पहले भ्रूण की कुस्थिति को सही करने के लिए परीक्षण किया जा सकता है। किंतु इन परीक्षणों के पहले इसके बार–बार सत्यापन की आवश्यकता है। यह परियोजना जारी रहेगी।

27. अतिरज

(क) सामान्य क्षेत्रों में

(ब) औषधोन्मुखी नैदानिक अनुसंधान

अतिरज में निम्नलिखित औषधियों की प्रभावकारिता

फाईकस रेलिजियोसा, ईरिजरोन, जेरेनियम मेक्यूलेटम, लेडम पाल, थलैस्पी बर्सा पैस्टोरिस तथा ट्रिलियम पेंडुलम। यह अध्ययन वर्ष 1987 से नैदानिक अनुसंधान इकाई, वाराणसी में प्रारम्भ किया गया है।

वर्ष 2001–02 के दौरान उपलब्धियाँ

	नये	पुराने
अध्ययन किए गए रोगियों की संख्या	38	112
खुराक	15 दिनों तक 5 से 8 बूंद दिन में तीन बार तथा अगले तीन माह तक हर माह में 15 दिनों के लिए इसी प्रकार सेवन करना।	

सुधार अनुक्रमणिका :

फाइकस रिलिजियोसा	15
सुधार	
अति	09
मध्यम	04
निम्न	02
जेरेनियम मैक्यूलेटम	06
सुधार	
अति	04
मध्यम	01
निम्न	01
थ्लैस्पी बरसा पैस्टोरिस	07
सुधार	
अति	
निम्न	05
ट्रिलियम पेन्डुलम	02
सुधार	
अति	
मध्यम	03
निम्न	01
	01

अवलोकन

यह देखा गया कि निर्दिष्ट औषधियां फाईकस रेलिजियोसा, थ्लैस्पी बरसा, पैस्टोरिस एवं ट्रिलियम पेन्डुलम तथा जे मेक्यूलेटम व्यक्तिनिष्ठ तथा वस्तुनिष्ठ लक्षणों को सुधारने में प्रभावकरी रही हैं। 37 रोगियों में उपचार के दौरान हीमोग्लो स्तर में 2.5 ग्राम से 4 ग्राम प्रतिशत की वृद्धि भी हुई। 112 अनुवर्तन के रोगियों में से 41 रोगियों में फाइकस रिलिजियो टिंक्चर, 12 रोगियों में एरिजिरान मदर टिंक्चर, 09 रोगियों में जिरेनियम मैक्यूलेटम मदर टिंक्चर, 21 रोगियों में थ्लैस्पी पैस्टोरिस मदर टिंक्चर, 19 रोगियों में ट्रिलियम पैन्डुलम मदर टिंक्चर प्रभावकारी पाई गई। यह परियोजना जारी रहेगी।

28. अस्थि संधिशोथ

क) सामान्य क्षेत्रों में

(अ) रोगोन्मुखी नैदानिक अनुसंधान

अस्थि संधिशोथ के उपचार एवं रोकथाम में होम्योपैथिक औषधियों की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए अनुसंधान संस्थान, गुड़िवाड़ा (आंध्र प्रदेश) में 1984 से तथा नैदानिक अनुसंधान इकाई, पटियाला (पंजाब) में 1979 से तथा अनुसंधान संस्थान, कोट्टायम में जुलाई, 2000 से एक अध्ययन जारी है।

वर्ष 2001–02 के दौरान उपलब्धियाँ

	नये	पुराने
अध्ययन किए गए रोगियों की संख्या	187	121
सुधार अनुक्रमणिका :		
– अति सुधार	29	12
– मध्यम सुधार	67	79
– अल्प सुधार	48	29
असूचित	16	—
बीच में छोड़ दिया	03	—
उपचाराधीन	14	01

अवलोकन

निर्दिष्ट होम्योपैथिक औषधियों से अधिकतर लक्षण जैसे सुबह अंकडन, जोडों में सूजन, जोडों में चटकाहट, अभिबंधक घुटना लुप्त हो गए। अधिकतर निर्दिष्ट औषधियां कैल्केरिया कार्बोनिका, लाईकोपोडियम, पल्साटीला, रक्स टाक्सीकोडेन्ड्रान, ब्रायोनिया एवं सल्फर रहीं। इन्हें 200 पोटैन्सी में देने से उत्तम परिणाम प्राप्त हुए। पुनरावृत एक्स–रे परीक्षण से यह ज्ञात हुआ कि इन रोगियों में ओस्टियोफाइट निक्षेप में अथवा जोडों के बीच के अंतर कम होने में कोई वृद्धि नहीं हुई। इस तरह से समरूप औषध के सहयोग से रोग के विकास को अस्थायी अथवा स्थायी तौर पर रोका जा सकता है। कष्टों की अवधि एवं सुधार तालिका से यह पता चलता है कि रोग की चिरकारिता का रोग से एवं होम्योपैथिक उपचार के प्रभाव से कोई सम्बन्ध नहीं है क्योंकि अधिकतर रोगियों में विभिन्न स्तरों पर सुधार आया। 45 रोगियों में हीमोग्लोबिन में (0.5 ग्राम प्रतिशत से 6.5 ग्राम प्रतिशत तक) नियमित एवं महत्वपूर्ण बढोतरी हुइ। प्रथम दर्जे के 39 रोगियों में से 25 रोगियों में सुधार आया तथा 12 व्दितीय श्रेणी के रोगियों में से 7 रोगी उपचार के दौरान प्रथम श्रेणी में परिवर्तित हो गए। यह परियोजना जारी रहेगी।

(ब) औषधोन्मुखी नैदानिक अनुसंधान

अस्थि संधिशोथ में निम्नलिखित औषधियों की प्रभावोत्पादकता का नैदानिक तौर पर मूल्यांकन :

ब्रायोनिया, थूजा, कैल्केरिया कार्बोनिका, फॉर्मिका रूफा, रहस टॉक्सिकोडेन्ड्रोन, विस्कम एल्बम, लाईकोपोडियम, ग्वैकम, कॉस्टिकम, वायोला ओडोरेटा, कैल्केरिया फ्लोरिकम तथा कैसिया सोफेरा।

क्षेत्रीय अनुसंधान इकाई, गुड़िवाढ़ा तथा नैदानिक अनुसंधान इकाई, पटियाला में 1996–97 से यह अध्ययन शुरू किया गया।

वर्ष 2001–02 के दौरान उपलब्धियाँ

	नये	पुराने
अध्ययन किए गए रोगियों की संख्या	96	88
सुधार अनुक्रमणिका :		
सुधार		
– अति सुधार	02	04
– मध्यम सुधार	14	61
– अल्प सुधार	51	23
उपचाराधीन	11	—
असूचित	14	—
छोड दिए गए	04	—

अवलोकन

अस्थि संधिशोथ के 50 से 90 प्रतिशत रोगियों में दर्द तथा अकडन में और संयुक्त जठरीय अव्यवस्था में अच्छा खासा [illegible] हुआ है परन्तु इसे लम्बे अनुवर्तन की आवश्यकता है। रस टाक्सिकोडेन्ड्रान तथा ब्रायोनिया एल्बा औषधियों एक दूसरे का [illegible] अनुसरण करती हुई सबसे प्रभावकारी रही। इनके साथ–साथ फार्मिका रूफा, कास्टिकम, कैल्केरिया कार्बोनिका, लाइको[illegible] एवं थूजा भी प्रभावकारी पाई गई। इन औषधियों के विश्वसनीय लक्षणों का सत्यापन किया जा चुका है परन्तु इसके पुष्टि[illegible] की आवश्यकता है। नैदानिक अनुसंधान इकाई, पटियाला में प्रथम श्रेणी के 39 रोगियों में से 26 में सुधार आया तथा 19 में [illegible] रोगियों में जोडों का दर्द एवं दाववेदना लुप्त हो गई। यह परियोजना जारी रहेगी।

(ख) जनजातीय क्षेत्रों में

अस्थि संधिशोथ में निम्नलिखित औषधियों का नैदानिक तौर पर मूल्यांकन :

एक्टिया स्पाइकैटा, एंग्युस्चुरा वेरा, कोलोफाइलम, फॉर्मिक रूफा, फॉर्मिक एसिड, गॉल्थेरिया, ग्वैकम, लिथियम कार्ब[illegible] मैग्नालिया ग्रैंडिफ्लोरा, मलेरिया ऑफिसिनालिस, रेडियम ब्रोमेटम, रैमनस, स्टेलैरिया मीडिया, एक्स–रे, मेडोराइनम,ओ–ए–[illegible]

पॉडिचेरी एवं विजयवाडा स्थित नैदानिक अनुसंधान इकाइयों (आदिवासी) में यह परियोजना चल रही है।

वर्ष 2001–02 के दौरान उपलब्धियाँ

अध्ययन किए गए रोगियों की संख्या	197
लाभान्वित रोगियों की संख्या	48(.)

(.)इसमें विजयवाडा के आंकडे गलत प्रतिवेदन की वजह से शामिल नहीं किए गए।

अवलोकन

अस्थि संधिशोथ के लिए निर्धारित औषधियों के समूह में से गाल्थेरिया, ग्वैकम, लीथीयम कार्ब, मैग्नोलिया ग्रैन्डीफ्लो[illegible] मेंडोराइनम सबसे अधिक प्रभावकारी पाई गई तथा लाभान्वित रोगियों में से 63 प्रतिशत रोगियों को इसी औषधि से फायदा [illegible]

29. पैप्टिक व्रण

(ख) जनजातीय क्षेत्रों में

पैप्टिक व्रण में निम्नलिखित औषधियों के प्रभाव का नैदानिक तौर पर मूल्यांकन :

एसिटिक एसिड, एट्रोपिन, कंड्युरेंगो, कोर्टिकोट्रोपिन, युफोर्बियम, हाइड्रोसाएनिक एसिड, सिम्फाईटम, यूरेनियम ना[illegible]

यह परियोजना नैदानिक अनुसंधान इकाई (आदिवासी), पांडिचेरी में चल रही है।

अवलोकन

वर्ष 2001–02 में अध्ययन के लिए 83 रोगी पंजीकृत किए गए तथा निर्दिष्ट औषधियों से 21 रोगियों में परिवर्ती [illegible] सुधार आया। एसिटिक एसिड एवं कन्डुरेंगों सबसे प्रभावकारी पाई गई।

30. अन्तराकशेरूकभंश

(क) सामान्य क्षेत्रों में

रोगोन्मुखी नैदानिक अनुसांधान

अन्तराकशेरूकभ्रंश में सबसे प्रभावकारी औषधियों का पता लगाने के लिए परिषद् ने होम्योपैथिक अनुसंधान संस्थान [illegible] में 2000–2001 से वैज्ञानिक पद्धति पर एक अध्ययन प्रारम्भ किया है।

[illegible]वर्ष 2001–02 में उपलब्धियां

	नये
अध्ययन किए गए रोगियों की संख्या	05
सुधार अनुक्रमणिका	
सुधार	
अति	02
मध्यम	02
निम्न	01

[illegible]अवलोकन

नैदानिदक अध्ययनों से ज्ञात हुआ है कि किसी व्यक्ति के मौजूदा लक्षणों के आधार पर दी गई होम्योपैथिक औषधियों से [illegible]हुत लाक्षणिक राहत मिली है। रोगियों ने कटि प्रदेश एवं गर्दन के क्षेत्र की दर्द, अकडन एवं ऐंठन में बहुत सुधार अनुभव किया। [illegible]ाहे अध्ययन किए गए रोगियों की संख्या बहुत कम है परन्तु परिणाम उत्साहवर्धक हैं। यह अध्ययन जारी है।

31. प्रोस्टेट ग्रंथि में वृद्धि/प्रोस्टेट विवर्धन

[illegible]क) सामान्य क्षेत्रों में

[illegible]अ) रोगोन्मुखी नैदानिक अनुसंधान

प्रोस्टेट ग्रंथिवृद्धि/विवर्धन में सबसे प्रभावकारी औषधियों का पता चलाने हेतु परिषद् द्वारा होम्योपैथिक अनुसंधान संस्थान, [illegible]यपुर में 1996–97 से वैज्ञानिक पद्धति पर आधारित एक अध्ययन शुरू किया गया है।

[illegible]र्ष 2001–02 के दौरान उपलब्धियाँ

	नये
अध्ययन किए गए रोगियों की संख्या	06
सुधार अनुक्रमणिका :	
– अति सुधार	02
– मध्यम सुधार	04

[illegible]वलोकन

होम्योपैथिक औषधियों ने व्यक्तिनिष्ठ तथा वस्तुनिष्ठ लक्षणों में राहत पहुंचाई है। निर्दिष्ट होम्योपैथिक औषधियों जैसे थूजा, [illegible]नियम, ने परिवर्ती पोटेसियों में लक्षणों में बहुत राहत पहुंचाई है। इसके अतिरिक्त इन्द्रिय औषध सेबल सेरूलेटा मूलार्थ रूप [illegible]दिन में दो अथवा तीन बार दी गई तथा प्रभावकारी पाई गई। रोगियों ने लघुशंका की बारम्बारता तथा मूत्र रोके रखने पर होने [illegible]ी असुविधा में भी सुधार अनुभव किया। यह परिणाम उत्साहवर्धक है और यह अध्ययन जारी है।

32. गुर्दा पथरी

(क) सामान्य क्षेत्रों में

(अ) रोगोन्मुखी नैदानिक अनुसंधान

नैदानिक अनुसंधान इकाई, इम्फाल में 1987 से इस परियोजना पर अध्ययन किया जा रहा है।

अवलोकन

वर्ष 2001–02 में 15 नए रोगियों का नाम दर्ज किया गया। इनमें से 3 रोगियों को अत्यत सुधार पहुंचा, 5 रोगियों ... तथा 7 रोगियों में अल्प सुधार हुआ। रोगियों में रक्तमेह, मूत्रोत्सर्जन में जलन तथा दर्द के दोरों मे सुधार हुआ। इन ... नियंत्रित करने में बर्बेरिस वुल्गेरिस, लाइकोपोडियम एवं सास्रप्रिला प्रभावकारी पाई गई। यह परियोजना जारी रहेगी।

33. रूमेटॉइड संधिशोथ

(क) सामान्य क्षेत्रों में

(अ) रोगोन्मुखी नैदानिक अनुसंधान

नैदानिक अनुसंधान इकाई, उडूपि में 1988–89 से इस परियोजना पर अध्ययन किया जा रहा है।

वर्ष 2001–02 में उपलब्धियां

	नये	पुराने
अध्ययन किए गए रोगियों की संख्या	24	52
सुधार अनुक्रमणिका		
सुधार		
अति	—	08
मध्यम	—	16
निम्न	—	20
छोड दिए गए	07	03
उपचाराधीन	17	/

अवलोकन

नैदानिक अध्ययनों से ज्ञात हुआ है कि व्यक्तिनिष्ट लक्षणों जैसे दर्द, जोडों की सूजन, क्षुधालोप, दर्द का हिलने ... बढना एवं दुर्बलता तथा वस्तुनिष्ठ लक्षणों जैसे दाबवेदना, सुबह की अकडन, भार कम होना एवं ज्वर में सुधार आया ... विकृतिजन्य जांच में भी सुधार पाया गया। यह परियोजना जारी है।

(ख) जनजातीय क्षेत्रों में

34. नासाशोथ

(अ) रोगोन्मुखी नैदानिक अनुसंधान

नासाशोथ में निम्नलिखित औषधियों का नैदानिक तौर पर मूल्यांकन :

एनिमोप्सिस कैलिफोर्निका, एंथिमिस नोबिलिस, आरम म्युरियाटिकम, जस्टीशिया एधाटोडा, लेम्ना माईनर, मैग्नो... सेपोनेरिया, सेंग्वीनेरिया नाइट्रिका, साइनेपिस नाईग्रा, थेरिडियोन एवं सेपोनेरिया।

यह परियोजना शिलांग, जगदलपुर तथा भारूच स्थित नैदानिक अनुसंधान इकाइयों (जनजातीय) में जारी है।

वर्ष 2001–02 के दौरान उपलब्धियाँ

अध्ययन किए गए रोगियों की संख्या	155
लाभान्वित रोगियों की संख्या	126

अवलोकन

निर्दिष्ट औषधियों में से एंथिमिस नोबिलिस, जस्टीशिया एधाटोडा, क्विलिया, लेम्नामाइनर तथा संग्वीनेरिया नाईट्रिका सबसे ज्यादा प्रभावकारी रहीं।

35. सिक्कल सैल अनीमिया/दात्रलोहितकोशिका अरक्तता

(क) जनजातीय क्षेत्रों में

(अ) रोगोन्मुखी नैदानिक अनुसंधान

सिक्कल सैल अनीमिया में होम्योपैथिक औषधियों के प्रभाव का पता चलाने के लिए परिषद् ने 1987–88 में उड़ीसा के संबलपुर जनजातीय क्षेत्र में स्थित नैदानिक अनुसंधान इकाई में वैज्ञानिक पद्धति पर आधारित एक योजनाबद्ध अध्ययन शुरू किया। जहां आदिवासियों में दात्रकोशिका विशेषकर पाया जाता है।

यह अध्ययन निम्नलिखित पद्धति के अनुसार किया जा रहा है :

1. सर्वेक्षण : संबलपुर क्षेत्र के आसपास के सभी ग्रामों का सर्वेक्षण कर रोग से पीड़ित परिवारों के यहाँ से रक्त का संग्रह करना तथा विवरण तैयार करना।
2. उपचारार्थ : इस रोग से पीडित व्यक्तियों का अनुमोदित अनुसंधान परिपत्र के अंतर्गत होम्योपैथिक औषधियों से उनकी प्रकृति संबंधित एवं लाक्षणिक उपचार करना।

वर्ष 2001–02 के दौरान उपलब्धियाँ

	नये	पुराने
अध्ययन किए गए रोगियों की संख्या	53	219
सुधार अनुक्रमणिका :		
– अति सुधार	—	33
– मध्यम सुधार	—	68
– अल्प सुधार	29	72
कोई सुधार नहीं	17	33
असूचित	07	17

अवलोकन

यह देखा गया है कि ब्रायोनिया 30, 200, 1 एम., रहस टॉक्स. 200, 1 एम., मैग्नेसिया फॉस्फोरस 6 एक्स, 30, 200, लाईकोपोडियम 30, 200, नैट्रम म्युरियाटिकम 30, 200, वैनेडियम 30, 200, चेल्डोनियम 30, ट्यूबरकुलिनम 200 आदि होम्योपैथिक औषधियाँ इस रोग को नियंत्रित करने में इस हद तक सक्षम हैं कि रोगी कई वर्षों तक लक्षणरहित रहते हैं।

219 पुराने रोगियों में से 37 रोगी, जिन्हें होम्योपैथिक उपचार से पूर्व रक्ताधान दिया गया, उनमें से केवल 06 रोगियों को और आगे रक्ताधान की आवश्यकता पड़ी। 31 रोगियों को और अधिक रक्ताधान की आवश्यकता नहीं पड़ी। यह देखा गया है कि जिन रोगियों में सुधार हुआ उन्हें अपने कष्टों के लिए कम तीव्र औषध जैसे कालमेघ मदर टिंक्चर की आवश्यकता पडी। 68 रोगि... में पिछले 1 से 3 सालों में, 33 रोगियों को पिछले 3 से 8 सालों में किसी भी कष्ट की पुनरावृति नहीं हुई। यह परियोजना जा... रहेगी।

36. साइनुसाइटिस / वायुविवरशोथ

(क) सामान्य क्षेत्रों में

(अ) रोगोन्मुखी नैदानिक अनुसंधान

साइनुसाइटिस में होम्योपैथिक औषधियों की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए परिषद ने नैदानिक अनुसंधान इ... चेन्नई में 1987 से यह परियोजना शुरू की है।

वर्ष 2001–02 के दौरान उपलब्धियाँ

	नये	पुराने
अध्ययन किए गए रोगियों की संख्या	32	20
सुधार अनुक्रमणिका :		
सुधार		
– अभिसाधित	—	02
– मध्यम सुधार	—	10
– अल्प सुधार	—	08
उपचाराधीन	32	—

अवलोकन

बैलाडोना, कैल्केरिया कार्बोनिकम, नैट्रम म्युरियाटिकम, हिपर सल्फ तथा पल्सटिला औषधियाँ परिवर्ती मोटेलि... प्रभावकारी रही। ये औषधियां व्यक्तिनिष्ठ तथा वस्तुनिष्ठ लक्षणों को सुधारने तथा कुछ रोगियों में इन्हें समाप्त करने में स... सिद्ध हुई है। परवर्ती दौरों की बारम्बारता तीव्रता एवं अवधि भी कम हो गई। अधिकतर रागियों में ब्रायोनिया 30 अतिया... की तीव्रता को नियंत्रित करने में सफल रही। यह परियोजना जारी है।

(ख) जनजातीय क्षेत्रों में

साइनुसाइटिस में निम्नलिखित औषधियों के प्रभाव का नैदानिक तौर पर मूल्यांकन करना :

एनिमोप्सिस कैलिफोर्निका, एन्थेमिस नोबिलिस, आरम म्यूरिएटिकम, जस्टिशिया एधाटोडा, लेम्ना माइनर, मैन्थौल, ... सेंग्विनेरिया नाइट्रिका, सेपोनेरिया, सिनेपिस नाइग्रा, थेरिडियोन।

नैदानिक अनुसंधान इकाईयों में (जनजातीय) गैंगटाक तथा विजयवाडा में इस परियोजना पर कार्य चल रहा है।

वर्ष 2001–02 के दौरान उपलब्धियां

अध्ययन किए गए रोगियों की संख्या	105
लाभान्वित रोगियों की संख्या	05()

() इसमें विजयवाडा के आंकडे गलत प्रतिवेदन की वजह से शामिल नहीं किए गए।

अवलोकन

इस वर्ष के दौरान निर्दिष्ट औषधियों में से जस्टिशिया एधाटोडा, लेम्ना माइनर, सिनेपिस नाइग्रा, सबसे अधिक दी गई परन्तु विजयवाडा से गलत प्रतिवेदन की वजह से इनकी प्रभावकारिता को आंका नहीं जा सका। ये औषधियां पिछले वर्ष भी प्रभावकारी हीं थीं।

37. त्वचा विकार

(क) सामान्य क्षेत्रों में

(अ) रोगोन्मुखी नैदानिक अनुसंधान

एलर्जिक त्वक्रोग सोरिएसिस पित्ती आदि विभिन्न त्वचा विकारों में अत्याधिक प्रभावी औषधियों के एक समूह का पता लगाने के लिए परिषद ने नैदानिक अनुसंधान इकाई, गुडगांव में 1982 से, नैदानिक अनुसंधान इकाई, पटियाला से 1985 से तथा नैदानिक अनुसंधान इकाई, गोरखपुर में अप्रैल, 2000 से अनुसधान अध्ययन शुरू किया।

वर्ष 2001–02 के दौरान उपलब्धियाँ

	नये	पुराने
अध्ययन किए गए रोगियों की संख्या	163	61
सुधार अनुक्रमणिका :		
सुधार		
– अति सुधार	56	35
– मध्यम सुधार	46	10
– अल्प सुधार	35	02
असूचित	17	—
छोड दिए गए	06	02
असंशोधित	03	12

अवलोकन

विभिन्न प्रकार के त्वचाशोथ में जो औषधियां प्रभावकारी पाई गई, वे इस प्रकार है, पित्ती में बोविस्टा, क्लोरैलम, डल्कामारा, ...ा यूरेन्स्, अर्टिका यूरेन्स, सीपिया तथा सल्फर, संस्पर्श त्वकशोथ में पैट्रोलियम, एलर्जिक त्वचा में हाइड्रोक्रोटाइल, ...श–त्वचाशोथ में सल्फर, सीपिया, हाइड्राकोटाइल तथा पाम्फोलिक्स में हाइड्रोकोटाइल, सीपिया तथा पैट्रोलियम। 27 रोगियों ...स वर्ष के दौरान कोई पुनरावृति नहीं हुई। यह परियोजना जारी है।

(ख) आदिवासी क्षेत्रों में

त्वचा रोगों में निम्नलिखित औषधियों का नैदानिक तौर पर मूल्यांकन

एल्नस, एंथ्राकोकली, अरब्युटस एंड्राक्ने, आर्सेनिकम आयोडेटम, बर्बेरिस एक्विफोलियम, यूओनिमस एट्रोपरप्यूरिया, हाइग्रोफिला स्पाईनोसा, आयडोथाइरीन, काली कार्बोनिकम, काली आर्सेनिकम, मर्क्युरियस डयूल्सिस, ओलिएंडर, स्कूकम चुक, स्ट्रिचनिनम आर्सेनिकम।

यह परियोजना ऐजवाल, जगदलपुर, भरमौर, ईटानगर, राँची, सेलम, सिलिगुडी तथा डिफू में स्थित नैदानिक अनुसंधान इकाइयों (जनजातीय) में जारी है।

वर्ष 1999–2000 के दौरान उपलब्धियाँ

अध्ययन किए गए रोगियों की संख्या	619
लाभान्वित रोगियों की संख्या	409

अवलोकन

इस वर्ष के दौरान निर्दिष्ट दवाओं द्वारा उपचार से 66 प्रतिशत रोगियों को लाभ पहुंचा। इनमें सबसे अधिक प्रभावकारी औषधियों में आर्सेनिक आयोडेटम, एंथ्राकोकली, बर्बेरिस एक्विफोलियम, काली आर्सेनिकम, हाइग्रोफिला स्पिनोसा, ओलिएंडर तथा स्कूकम चुक थी। ये औषधियां पिछले वर्षों में भी प्रभावकारी रहीं हैं परन्तु इनके और पुष्टीकरण की आवश्यकता है।

38. तुण्डिका शोथ

(क) सामान्य क्षेत्रों में

(अ) रोगोन्मुखी नैदानिक अनुसंधान

तुण्डिकाशोथ में होम्योपैथिक औषधियों की प्रभावकारिता का अध्ययन करने हेतु परिषद ने नैदानिक अनुसंधान इकाई, गुडगांव में 1982 से, नैदानिक अनुसंधान इकाई, चेन्नई में तथा नैदानिक अनुसंधान व महामारी सैल, भोपाल में 19.. से अनुसंधान कार्यक्रम शुरू किया है।

वर्ष 2001–02 के दौरान उपलब्धियाँ

	नये	पुराने
अध्ययन किए गए रोगियों की संख्या	65	26
सुधार अनुक्रमणिका :		
अभिसाधित	—	05
सुधार		
– अति सुधार	15	05
– मध्यम सुधार	09	12
– अल्प सुधार	07	04
उपचाराधीन	34	—

अवलोकन

तुण्डिकाशोथ के 05 पुराने रोगियों को रोगमुक्त करार दिया गया है। उपचार के पश्चात यह देखा गया कि तीव्र दौरे 7 से 15 दिन में समाप्त हो गए तथा तुण्डिकाशोथ में एक से 6 महीनों में राहत मिल गई। दौरों की बारम्बारता, अवधि तथा तथा तीव्रता में अच्छी खासी कमी पाई गई। बैलाडोना, ब्रायोनिया, हिपर सल्फ तथा मरक्यूरियस सोलुबिलिस ने तीव्र दौरों को प्रभावशाली ढंग से नियंत्रित किया। यह परियोजना जारी है।

(ख) जनजातीय क्षेत्रों में

तुण्डिका शोथ में निम्नलिखित औषधियों के प्रभाव का नैदानिक तौर पर मूल्यांकन :

एलेंथस, एमिग्डेलस एमारा, एपिस मेलिफिका, कैंथरिस, एकाईनेसिया, ग्वैकम, जिम्नोक्लेडस, स्ट्रेप्टोकोसीन, ट्यूबरक्यूलिनम।

यह परियोजना ऐजवाल, इदूक्की तथा शिलांग स्थित नैदानिक अनुसंधान इकाइयों (आदिवासी) में चल रहीं है।

वर्ष 2001–02 के दौरान उपलब्धियाँ

रोगियों की संख्या	141
लाभान्वित रोगियों की संख्या	109

अवलोकन

इस वर्ष निर्धारित औषधियों में ट्यूबरक्युलिनम, एलान्थस, ग्वैकम, एकाइनेशिया, कैन्थरिस तथा एपिस मेलिफिका अत्याधिक प्रभावकारी पाई गई।

39. ऊपरी श्वासनली संक्रमण

(क) सामान्य क्षेत्रों में

(अ) रोगोन्मुखी नैदानिक अनुसंधान

परिषद् ने ऊपरी श्वास नली संक्रमण, जो उष्णकटिबन्धी एवं विकासशील देशों में होने वाले मुख्य रोगों में से एक है, में होम्योपैथिक औषधियों की प्रभावोत्पादकता के बारे में अध्ययन करने के लिए एक अनुसंधान कार्यक्रम प्रारम्भ किया है। इसमें कान, नाक और गले के रोग शामिल हैं तथा नैदानिक अनुसंधान के साथ महामारी सैल, भोपाल में अप्रैल, 2000 से इस परियोजना पर कार्य प्रारम्भ किया गया है।

औषध मानकीकरण इकाई, हैदराबाद की विस्तार इकाई में एक अन्य परियोजना " ऊपरी श्वास नली संक्रमण की देखभाल में होम्योपैथिक औषधियों के प्रभाव का नैदानिक परीक्षण आधुनिक चिकित्सा के साथ तुलनात्मक अध्ययन " पर कार्य प्रारम्भ किया गया है जिसका प्रतिवेदन अलग से दिया गया है।

1. नैदानिक अनुसंधान के साथ महामारी सैल, भोपाल में किए गए अध्ययन का प्रतिवेदनः–

वर्ष 2001–02 के दौरान उपलब्धियां

	नये
अतिपाती नासाशोथ	
अध्ययन किए गए रोगियों की संख्या	57
सुधार अनुक्रमणिका	
अभिसाधित	02
सुधार	
– अति सुधार	31
– मध्यम सुधार	11
– अल्प सुधार	07
असंशोधित	01
असूचित	05
स्वरयंत्र शोथ/जुकाम एवं खांसी	
अध्ययन किए गए रोगियों की संख्या	52
सुधार अनुक्रमणिका:	
सुधार	
– अति सुधार	09
– मध्यम सुधार	30
– अल्प सुधार	10
असंशोधित	02
असूचित	01

अवलोकन

अतिपाती नासाशोथ में 49 रोगियों में अति से निम्न स्तर पर सुधार आया तथा 2 रोगी अभिसाधित हुए। उपचार की 3 से 11 दिन रही तथा जस्टीशिया एधाटोडा, लेमना माइनर एवं काली आयोडेटम प्रभावकारी होम्योपैथिक औषधियां रहीं। स्वरयंत्र शोथ/जुकाम एवं खांसी में 49 रोगियों में 15 से 20 दिन के उपचार पश्चात् अति से निम्न स्तर पर सुधार आया। जस्टीशिया एधाटोडा, ब्रायोनिया, बैलाडोना एवं आर्सेनिकम आयोडेटम प्रभावकारी होम्योपैथिक औषधियां रहीं। यह परियोजना जारी

औषध मानकीकरण इकाई, हैदराबाद (विस्तार इकाई) में किए गए अध्ययन का प्रतिवेदनः

वर्ष 2001–02 में उपलब्धियां

औषध मानकीकरण इकाई, हैदराबाद (विस्तार इकाई) में "ऊपरी श्वासनली संक्रमण की देखभाल में होम्योपैथिक प्रभाव का नैदानिक परीक्षण – आधुनिक चिकित्सा के साथ तुलनात्मक अध्ययन" परियोजना पर कार्य प्रारम्भ किया गया। वर्ष में ऊपरी श्वासनली संक्रमण के 39 रोगी होम्योपैथिक दवाओं के नियंत्रित नैदानिक परीक्षण के लिए एवं 37 रोगी अध्ययन के लिए ई.एन.टी. बाहयरोगी विभाग से लिए गए।

अध्ययन किए गए रोगी	एलोपैथी		होम्योपैथी	
	नये	पुराने	नये	पुराने
स्वरयंत्र	02	52	02	52
ग्रसनीशोथ	03	55	03	58
नासाशोथ	12	60	13	60
गलतुण्डिकाशोथ	11	54	11	58
वायुविवरशोथ	09	65	10	79

अवलोकन

इस परियोजना पर किया गया कार्य उत्साहवर्धक है तथा यह देखा गया है कि जो रोगी तीव्र सिरदर्द के साथ सिर चकराना एवं वमन के कष्ट के साथ आये उनके से 40 प्रतिशत में उपचार के बाद सिरदर्द नहीं हुआ, 27 प्रतिशत में हल्के सिरदर्द के साथ असुविधा रही तथा 31 प्रतिशत में सिरदर्द के साथ सिर चकराने के शिकायत रही। यह देखा गया है कि भले ही सिरदर्द की तीव्रता में सुधार आना, सुधार का अस्पष्ट मापदण्ड है परन्तु विकिरणचित्र प्रमाणों ने इसका परस्पर सम्बन्ध प्रभावित विवर में धुधलेपन के लुप्त होने के साथ दिखाया है। संयुक्त लक्षण जैसे ज्वर, शीतावस्था, बदनदर्द इत्यादि 24 से 72 घंटों में 50 प्रतिशत रोगियों में होम्योपैथी उपचार से दूर हो गये एवं 50 प्रतिशत रोगियों में 4 दिन के भीतर लुप्त हो गये। जो होम्योपैथिक औषधियों प्रभावकारी रहीं, वे इस प्रकार हैं:–

स्वरयंत्र शोथ :	लैकिसिस एवं अर्जेन्टम नाईट्रिकम
ग्रसनीशोथ :	मर्क सोल एवं एसिड नाईट्रिक
नासाशोथ:	आर्सनिक एल्बम, कल्केरिया फास एवं टयुर्बकुलाईनम
गलतुण्डिकाशोथ:	आर्सनिक एल्बम, बैलाडोना, फ़ास्फ़ोरस
वायुविवर शोथ:	काली बाईक्रोमिकम, नैट्रम म्यूर, सैग्यूनेरिया, हिपर सल्फ एवं फासफोरस

यह परियोजना जारी रहेगी।

40. विटिलिगो/प्राथमिक–श्वित्र

(क) सामान्य क्षेत्रों में

(अ) औषधोन्मुखी नैदानिक अनुसंधान

विटिलिगो में आर्सेनिक सल्फयूरिकम फलेवम की प्रभावकारिता का नैदानिक तौर पर मूल्यांकनः

यह परियोजना नैदानिक अनुसंधान इकाई, तिरूपति में अप्रैल, 1987 से चल रही है।

वर्ष 2001–02 के दौरान उपलब्धियां

	नये	पुराने
रोगियों की संख्या	41	47
पोटैन्सी 30,200,1 एम., 10 एम., 50 एम., सी.एम.		
सुधार अनुक्रमणिका :		
अभिसाधित	––	08
– अति सुधार	08	16
– मध्यम सुधार	08	05
– अल्प सुधार	16	12
कोई सुधार नहीं	05	06
उपचाराधीन	04	––

अवलोकन

विटिलिगो को एक चिरकालिक रोग होने की वजह से लम्बे उपचार तथा अनुवर्तन की आवश्यकता है। 47 पुराने रोगी में से जो पिछले आठ वर्ष से अनुवर्तन में चल रहे थे, 8 रोगी अभिसाधित हुए तथा 33 रोगियों में आर्सेनिक सल्फ फलेवम से पर्याप्त स्तर पर सुधार आया। यह परियोजना जारी है।

(ख) आदिवासी क्षेत्रों में

विटिलिगो में निम्नलिखित औषधियों की प्रभावकारिता का नैदानिक तौर पर मूल्यांकन

आर्सेनिक सल्फ्यूरिकम फलेवम, सिफिलाइनम।

यह परियाजना चिकित्सा अनुसंधान इकाई, सेलम में शुरू की गई है।

वर्ष 2001–02 के दौरान उपलब्धियां

रोगियों की संख्या	28
लाभान्वित रोगियों की संख्या	07

अवलोकन

इस वर्ष में 7 रोगियों में आर्सेनिक सल्फ फलेवम प्रभावकारी पाई गई।

महामारियों के दौरान नैदानिक अनुसंधान

तिवेदन

महामारी किसी रोग का व्यापक प्रकोप है जिससे एक ही समय में एक अथवा अनेक प्रतिवासों एवं समस्त जिलों, राज्यों तथा शों में बढ़ी संख्या लोग प्रभावित होते हैं। प्रत्येक प्रकोप पिछले अथवा आने वाले प्रकोप से पूर्ण रूप से भिन्न हो सकता है भले रोगात्मक जांच से वह वैसा ही रोगी पाया जाए।

हाल की के वर्षो में संक्रामक रोगों की संख्या में बढोतरी हुई है। इन प्रकोपों को रोग के प्रथम लक्षण दिखाई देने पर ही ही होम्योपैथिक औषध देकर रोका जा सकता है। यह रोग की अवधि को कम करेगी एवं उत्तर प्रभावों को रोकेगी।

देश के विभिन्न भागों में भांति–भांति की महामारियों की पुनरावर्ति लहर को देखते हुए तथा महामारियों से प्रभावित लोगों कष्टों को कम करने में होम्योपैथी द्वारा निभाई जा रही भूमिका को ध्यान में रखते हुए परिषद् प्रारम्भ से इस विषय पर अध्ययन र रही है। परिषद् ने नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में एक महामारी सैल की स्थापना की है।

इस सैल के लक्ष्य इस प्रकार हैं:–

1. आवश्यकता के समय पीडित जनता के कष्टों में राहत पहुंचाने के लिए चिकित्सकों एवं दवाओं के साथ तुरन्त पहुंचना।
2. जीनेंस एपिडेमिक्स का पता लगाना।
3. जो लोग रोग से प्रभावित नहीं हुए परन्तु रोग के लिए संभवतः संवेदनशील हैं, उन्हें रोधात्मक उपचार देना।
4. महामारी के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन करना।

र्ष, 2002 से पहले किए गए कार्य का संक्षिप्त विवरण

परिषद ने निम्नलिखित महामारियों में रोधात्मक एवं उपचार से सम्बन्धित अध्ययन किया है :–

महामारी	स्थान	वर्ष
नेत्रश्लेष्मलाशोथ	कोलकाता, दिल्ली	1981,1988
	हैदराबाद, गुडिवाडा	1985
	बहादुरगढ, गाजियाबाद, दिल्ली	1986
डेंगू ज्वर	दिल्ली	1982
डेंगू रक्तप्रवाही ज्वर	दिल्ली	1996
हन्ता ज्वर	उत्तर प्रदेश	1983
जापानी मस्तिष्क शोथ	उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल	1984
	आंध्र प्रदेश एवं दिल्ली, त्रिपुरा	
	गुडिवाडा एवं हैदराबाद, डिफू	
	(आसाम) गोरखपुर (उ0प्र0) बस्ती	
	(उ0प्र0)	1988,1989,1992
	महाराजगंज	1991, 1998, 1999

जीवाणुवत्/वेसिलरी पेचिश	पश्चिमी बंगाल, बस्तर (म0प्रदेश) शिमला, भुवनेश्वर (उडीसा) गोन्डा	1984
पीला ज्वर	नई दिल्ली	1988
पीलिया	सूरत, कोलकाता	1984–85
	जयपुर, हैदराबाद, राजकोट गोन्डा (उ0प्र)	1985
मियादी ज्वर	नई दिल्ली	1988
खसरा	जयपुर, हैदराबाद, राजकोट	1985
	गोन्डा (उ0प्र0) भोपाल, भरूच	1988
मस्तिष्कावरणशोथ	दिल्ली	1986
	जैपोर (उडीसा) सागर (म0प्र0)	1988, 1989
	एवं ज़िला विजियानागरम (आं0प्र0)	1989
	जिला सागर (म0प्र0)	1990, 1991
	जगदलपुर (बस्तर म0प्र0)	1992
हैजा	जैपोर (उडीसा) गोन्डा	1985
	भरूच (गुजरात), कोलकाता दिल्ली	1988
जठरांत्र विकार	त्रिपुरा	1985
	जिला कृष्णा (आं0प्र0)	1990
विषाणु ज्वर	दिल्ली	1988
काला–आजार	वर्धवान एवं हुगली	1988, 1989
	पश्चिमी बंगाल	1990
	मुजफफरपुर	1991, 1992
प्लेग	सूरत (गुजरात)	1994
	बीड, सोलापुर (महाराष्ट्र)	
मलेरिया	जयपुर, बारमेर जिले बीकानेर, जोधपुर, जैसलमेर (राजस्थान)	1994, 199

परिषद् ने नवम्बर, दिसम्बर 1999 में उडीसा के तटीय क्षेत्रों को तबाह करने वाले महाचक्रवात से प्रभावित पुरी ... आसपास के लोगों के लिए होम्योपैथिक अनुसंधान संस्थान, पुरी के माध्यम से चिकित्सा सहायता कार्यवाही का संचा... परिषद ने जनवरी, 2001 के अंतिम सप्ताह में गुजरात में अहमदाबाद, सूरत, भरूच में भूकम्प से प्रभावित क्षेत्रों के ... चिकित्सा सहायता प्रदान की।

4. नैदानिक सत्यापन अनुसंधान

नैदानिक सत्यापन, नई प्रमाणित औषधियों की नैदानिक प्रयोजनीयता एवं अपूर्ण आंकड़ो वाली औषधियों (आंशिक प्रमाणित औषधियां) के मूल्यांकन की प्रक्रिया है। इस प्रक्रिया से भविष्य में इस्तेमाल के लिए चिकित्सीय उपयोग के विश्वसनीय लक्षणों की सूचना भी मिलती है। परिषद ने भारतीय मूल की अनेकों औषधियों को प्रमाणित किया है जिन्हें, उनकी विश्वसनीयता का पता लगाने के लिए नैदानिक सत्यापन कार्यक्रम में लिया गया है। इस कार्य में लगे संस्थानों/इकाईयों को नैदानिक परीक्षण के लिए 65 औषधियां नियत की गई है। इन 65 औषधियों में वें औषधियां शामिल की गई हैं जो मुख्यतः स्वदेशी मूल की है अथवा जिनका केन्द्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान परिषद द्वारा परीक्षण किया गया है। इसमें कुछ कम जानकारी वाली औषधियों को भी शामिल किया गया है।

नैदानिक सत्यापन अनुसंधान से जुड़े संस्थान एवं इकाईयाँ

1. नैदानिक सत्यापन इकाई, गाजियाबाद।
2. नैदानिक सत्यापन इकाई, पटना।
3. नैदानिक सत्यापन इकाई, वृंदावन।
4. नैदानिक अनुसंधान इकाई, जम्मू।
5. होम्योपैथिक औषध अनुसंधान संस्थान, लखनऊ।
6. क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली।
7. मलेरिया के लिए होम्योपैथिक अनुसंधान संस्थान, जयपुर।

अनुसंधान के लिए निर्दिश्ट औषधियाँ

1. एकालिफा इंडिका'
2. ऐकिरैन्थिस एस्पेरा
3. ईगल फोलिया'
4. ईगल मारमिलोस'
5. एल्स्टोलिया कन्सट्रिक्टा एन्डरसोनिया
6. एमूरा रोहिताका अथवा
7. एमिग्डेलस पर्सिका
8. एन्थरा कोकाली
9. आर्सेनिक सल्फ फ्लेवम
10. अरेनिया डायडिमा'
11. अरेनिया स्कीनैंसिया'
12. एजादिरेक्ता इंडिका'
13. बैसिलाईनम
14. बैरायटा म्यूरियाटिकम
15. बैन्जोएकम एसिडम
16. बैन्जीनम नाईट्रिकम
17. ब्लाटा ओरियन्टेलिस
18. बौरहेविया डिफयूजा'
19. कैसिया फिस्चुला'
20. सिसलपीनिया बान्डयुसैला
21. साईनोडोन डैक्टाईलोन'
22. कैलोट्रोपिस जाईगेन्टिया
23. कैनाविस इंडिका
24. कैनाविस सैटाईवा
25. केरिका पपाया
26. सिफलैन्डरा इंडिका
27. क्यूप्रम एसिटिकम
28. डैमियाना
29. एम्बैलिया राईब्स
30. ईफैडरा बल्गैरिस
31. फैगोपाईरम एस्कूलैन्टम
32. फैरमपिकरिकम
33. गैलिकम एसिडम
34. जिम्नैमा सिल्वैस्टरिस
35. ग्लाईसिर्हिजा ग्लैबरा'
36. हैक्ला लावा
37. होलेर्हिना एण्टीडायसैण्टेरिका
38. हाईड्रोकोटाईल एसियाटिका'
39. हाईग्रोफिला स्पाईनोसा
40. आईरिस टैनैक्स
41. जैबोरेन्डी
42. जकारान्दा कैरोबा
43. जलापा
44. जुग्लैंस रेजिया
45. काली म्यूराटिकम

46. लैक कैनिनम
47. लैपिस एल्बा
48. मैग्निशिया सल्फ
49. मैंगिफेरा इंडिका
50. मैन्था पिपराटा
51. माईगेल
52. निक्टैन्थिस आरबोरट्रिस्टिस
53. फिलैन्थिस निरूरि
54. सारका इंडिका
55. सारसपरिला
56. साईजिजियम जैम्बोलेनम
57. टैरन्टुला क्यूबैन्सिस
58. टैरन्टुला हिस्पैनिका'
59. टिला अरेनिया'
60. टर्मिनेलिया अर्जुना'
61. टर्मिनेलिया चैबुला'
62. थियाचाईनैंसिस'
63. थैरिडियोन'
64. टायलोफोरा इंडिका'
65. विस्कम एल्बम

'परिषद् द्वारा प्रमाणित

औषधियों के साहित्य स्त्रोत

1. कलार्क मैटिरिया मैडिका
2. हैरिंग गाईडिंग सिम्पटम्स
3. एलैन्स एन्साईक्लोपेडिया
4. बोरिक मैटिरिया मैडिका
5. डा0 जुगल किशोर द्वारा किए गए परीक्षण
6. डा0 डी.एन.रे. द्वारा किए गए परीक्षण
7. ड्रग्स ऑफ हिन्दुस्तान, डा0 एस.सी. घोष
8. केन्द्रीय होम्योपैथिक अनुसधान परिषद द्वारा किए गए परीक्षण
9. त्रैमासिक बुलेटिन क्रमांक 9(1 एवं 2), 1987

वर्ष 2001–2002 के दौरान उपलब्धियाँ

इस कार्यक्रम से जुड़े संस्थानों तथा इकाईयों में इस वर्ष अनुसंधान के लिए 18,120 रोगी पंजीकृत किए गए। इ... सत्यापित किए गए प्रत्येक औषध के लक्षणों का उल्लेख सारणीबद्ध तरीके से किए गया है। केवल इसी वर्ष में सत्यापित हुए ल... की न कि पिछले वर्षों में सत्यापित लक्षणों की चर्चा की गई है। सत्यापन के लिए साहित्य स्त्रोत भी नियत किया गया है... प्रत्येक लक्षण के साथ इस का उल्लेख है। उपचार के दौरान जिन अतिरिक्त लक्षणों में राहत मिली, उनका वर्णन लघु को... में किया गया है।

औषध का नाम : एकालिफा इंडिका — पौटेन्सी : मदर टिंचर, 3 एक्स, 6, 30

अंग	लक्षण	स्त्रोत	लक्षण की अवधि	रोगियों की संख्या निर्धारित	लाभान्वित	चिकित्सा अवधि
1	2	3	4	5	6	7
सिर	सिर दर्द के साथ सिर का भारीपन	8,9	4 दिन–1 वर्ष	08	07	3–21 ...
नाक	नाक से चमकीले लाल रंग का नासारक्तस्त्राव < गर्मियों में, चलने से, सूर्य की गर्मी से	7,9	1 दिन–5 वर्ष	31	22	3–30 ...
	जुकाम के साथ नाक का बहना < सुबह	7	3–10 दिन	03	03	3–10 ...

मलाशय	कब्ज के साथ मल में खून आना < चलने से शुष्क, सख्त मल	8,6,9	7–15 दिन	08	07	6–12 दिन
	ढीला मल, पानी जैसा, पीला, मल के साथ जोर से उदर वायु का निकलना दिन में 4–5 बार मल त्याग	7,8	5–42 दिन	07	07	2–21 दिन
	खूनी बवासीर, चमकीला लाल खून	7	3 दिन–1 माह	03	03	1–10 दिन
आमाशय	भूख न लगना	8	1–6	02	02	3–15 दिन
	पानी की अधिक मात्रा के लिए प्यास	8	3–6 माह	03	03	15 दिन–1 माह
खांसी	खांसी आक्षेपिक, अल्प मात्रा में बलगम सुबह बलगम के साथ ताजा, चमकीला लाल खून	8	2–6 दिन	11	10	3 दिन–3 माह
	सूखी खांसी < सुबह एवं शयन समय	4	3–15 दिन	04	04	3–15 दिन
छाती	परिफुफ्फुसीय दर्द का बाई बाजू की तरफ जाना, < ठण्ड से	8	1–4 माह	02	02	3–14 दिन
अग्रांग	कन्धों में थकावट एवं दर्द < शाम से कंधों को टूटन जैसी अनूभूति < परिश्रम	8	2 माह–1 वर्ष	04	03	3 दिन–1 माह
ज्वर	ज्वर के साथ बदन दर्द	8	6 दिन	03	01	3 दिन
	ज्वर, शीतावस्था के साथ < सुबह	8	3–15 दिन	12	09	3–5 दिन

औषध का नाम : एकिरेन्थस एस्पेरा — पौटेन्सी : मदर टिंचर, 3एक्स, 6, 30

1	2	3	4	5	6	7
सिर	ललाटीय दर्द, मन्द	9	6 माह–2 वर्ष	18	16	2–6 सप्ताह
चक्कर	बैठने की अवस्था से उठ कर खडे होने पर चक्कर आना।	9	2–6 माह	33	18	2–5 सप्ताह
नाक	जुकाम, पतला स्त्राव	9	3–15 दिन	45	34	3–15 दिन
	जुकाम, नाक से पतला स्त्राव, छीकों एवं शुष्क खासी के साथ	9	7 दिन	06	03	7 दिन
कान	कान बहना, पीला गाढ़ा स्त्राव, कान में दर्द	8	15 दिन–1 माह	02	02	6–18 दिन

मुंह	मुखशोथ – मुंह के कोने में लाल छाले	7	2सप्ताह–3 माह	74	42	2–6 सप्ता
	जुबान पर छाले जलन जैसी दर्द < खाने से	7	1 माह	02	02	7 दिन
	मुंह सुखने के साथ प्यास का बढ़ना	7	2 माह–2 वर्ष	12	09	2–6 सप्ता
	मसूड़ों से खून आना	7	10–15 दिन	04	02	4–10 दि
	मुंह का स्वाद कड़वा होना	7	1–2 दिन	13	10	4 दिन–1 मा
पेट	अमाशय एवं पेट में दर्द < खाने से, पीने के बाद	7	2 माह–1 वर्ष	34	23	7दिन–8 सप्ता
मलाशय	पेट में उदरवायु के साथ भारीपन	7	2–6 माह	29	21	4–8 सप्ता
	ढीला मल, दिन में 2–3 बार जलीय, अत्याधिक, हरा–सा, हल्का पीला, बदबूदार, पीला सा, श्लेष्मा < खाने से	7,8,9	2 दिन–6 माह	117	79	2 दिन–6 मा
	अतिपाती दस्त, जलीय मल के साथ वमन एवं सतत मतली, पेट के निचले हिस्से में ऐंठन वाली दर्द < खाने एवं पीने से	8	1–2 दिन	13	10	4 दिन–1 मा
मल	मल सख्त, शुष्क कब्ज़ियत वाला	7	2 माह–3 वर्ष	47	29	2–6 सप्ता
आमाशय	नाभि के साथ कटने जैसी दर्द < भोजन के बाद	9	2 माह–3 वर्ष	20	11	2–8 सप्ता
	मतली एवं बारम्बार वमन	7	1–2 दिन	21	19	3–10 दि
	अम्लता के साथ खट्टे डकार	7	2 माह– 1वर्ष	27	17	2–6 सप्ता
	अधिजठरीय जलन	7	5–15 दिन	04	04	3–8 दि
खासी	शुष्क खांसी < रात	9	2सप्ताह–9 माह	32	21	2–8 सप्ता
	(खांसी के साथ सफेद बलगम ढ सुबह)	9	2–3 माह	08	06	2 सप्ता
ज्वर	ज्वर के साथ खांसी एवं जुकाम	9	2–6 दिन	08	06	4–10 दि
	ज्वर, शीतावस्था के साथ < रात और सिरदर्द, वदन दर्द के साथ < दिन में, वमन के साथ	9,8	5 दिन–1वर्ष	58	48	3 दिन–4 स
अग्रांग	पिण्डली की मांस–पेशियों में दर्द < हिलने डुलने से	9,8	2 माह–2वर्ष	28	17	2–8 सप्ता
	हाथों, होठों, टांगों पर बहुल फोड़े, लाल,छूने को संवेदनशील, दर्द एवं खुजली, बगल में एवं बाजु पर फोड़े तथा रक्त स्त्राव	9,8	10 दिन–6 माह	96	56	4दिन–6स

	कपालावर्ण पर फोडे – छोटे, लाल, जलीय स्त्राव का गिरना, कपालावर्ण पर फोडा एवं साथ में जलन जैसी दर्द और खुजली	7,9	4–20 दिन	74	13	3–15 दिन
त्वचा	चेहरे पर फुन्सियां	7	2–3 माह	02	02	15 दिन
	सारे वदन पर पुटिका उदभेद खुजली के साथ लाल एवं शुष्क उदभेद, खुजली के साथ	7,8	7 दिन–6माह	60	38	10दिन–8सप्ताह
	विषैला घाव, कीडे का काटना	7	3–10 दिन	20	17	4–15 दिन
सार्वदेहिक	–सारे वदन पर जलन की अनुभूति	7	3–7 दिन	27	26	7दिन–1 माह
	मल त्याग उपरान्त अत्यन्त दुर्बलता	7	3–10 दिन	36	34	7–15 दिन

औषध का नाम : ईगल फोलिया **पौटेन्सी : मदर टिंचर, 6, 3 एक्स, 30, 200**

1	2	3	4	5	6	7
सिर	सिर दर्द–माथा भारीपन < प्रातः एवं सायंकाल	8	2 माह–1वर्ष	02	02	15 दिन
	सिरदर्द कपालशीर्ष में गर्मी के साथ (मन्द सिरदर्द < सायंकाल)	7	2–3 माह	13	12	7दिन–1माह
	बालों का झड़ना < कंघी करने पर	8	3–9 माह	30	19	2–4माह
	सिर दर्द चक्कर के साथ	8	4दिन–1वर्ष	14	07	4–15दिन
क्कर	चक्कर ढ लेटने, खड़े होने एवं लेटने पर	8	2–6 माह	13	10	1दिन–2माह
हरा	चेहरे, बाजू एवं पेट पर काली वर्णकता, निम्नरक्तचाप के साथ हृत्स्पन्दन	8	2–3 वर्ष	02	02	7दिन–2 माह
माशय	अधिजठरीय दर्द, जलन के साथ उदरवायु, नाभिक्षेत्र में भारीपन एवं कसाव (< मसालेदार भोजन से)	8	2 माह–4 वर्ष	09	04	7 दिन–4 माह
	अधिजठरीय दर्द के साथ मतली एवं वमन	8	7–15 दिन	14	12	15 दिन
	अधिजठरीय दर्द, जलन	8	1 माह–6 वर्ष	05	03	7 दिन
	सूचीवेधी पीडा < खाने के बाद (तला भोजन), > ठण्डे से	8	1माह–6वर्ष	05	05	15 दिन
	खट्टे डकार < खाने के बाद	8,9	6–10 माह	108	57	15दिन–1 माह
	उदरवायु < दोपहर एवं शाम	4,7,8	5दिन–6माह	15	11	15 दिन

	मुह में कड़वे स्वाद के साथ भूख कम होना	8	1 माह–1 वर्ष	21	19	15 दिन-
	क्षुधालोप	8	6 माह–2 वर्ष	22	18	15दिन-
	प्यास का बढ़ना	8	6 माह–1 वर्ष	03	03	15 दि
	अपाचन के साथ खट्टे डकार < खाने से (भोजन के बाद मतली)	9.8.7	4–10 वर्ष	36	31	3–15
पेट	पेट में दर्द एवं भारीपन के साथ उदरवायु एवं पेट का फुलाव < खाने के बाद > गर्म पेय से	7.8	7 दिन–10 वर्ष	134	128	15 दिन-
	शूल प्रकृति का दर्द > मल त्याग उदरवायु < सायंकाल दोपहर एवं खाने से > अधोवायु त्याग से (अधोवायु से पेट का फूलना)	7.8	3माह–10वर्ष	151	98	7दिन-
मलाशय	सूखी बवासीर	2	2माह–2वर्ष	37	24	2–4
	मलाशय में दर्द, सूचीवेधी पीड़ा	9	30–60 दिन	24	22	10–40
	कटने जैसी दर्द, जलन < मल त्याग के दौरान एवं पश्चात	4.7	30–60 दिन	07	06	7–15
	कब्ज – सख्त मल, अपर्याप्त	4.7	10 दिन–5 वर्ष	117	91	4 दिन-
	बारम्बार मलत्याग की इच्छा, असंतोषजनक	8	4–5 माह	15	13	3 दिन-
	कब्ज़ एवं दस्त पर्यायक्रमी	8	7 दिन–2 वर्ष	101	92	4–3
	ढीला मल–जलीय, श्लेष्मा के साथ मिला हुआ, पीला सा, दिन में 2 से 3 बार	7.8.9	2 दिन–2 वर्ष	128	75	3–30
	दस्त–ढीला मल एवं पेट में दर्द के साथ	8	1–15 दिन	65	59	1–25
	पेचिश–रक्त एवं पेट के निचले हिस्से में दर्द के साथ	8	5 दिन–3 माह	14	14	3–12
जननांग (पुरुष)	शुक्रमेह / शुक्रस्त्राव के साथ < मूत्रण से पहले < मूत्रण के उपरांत < रात	4.8	2 माह–15 माह	13	10	15 दिन-
	यौन दुर्बलता	8	6 माह–2 वर्ष	10	10	1 दिन-
जननांग (स्त्री)	(अत्याधिक ऋतुस्त्राव, वस्ति प्रदेश में दर्द)	4	1–4 माह	02	02	2सप्ताह
	श्वेत प्रदर, गाढ़ा, सफेद स्त्राव	8	6 वर्ष	02	02	2–6

खांसी	शुष्क खांसी (खांसी के साथ गाढ़ी पीली बलगम < सांयकाल)	8	2–3 दिन	02	02	2–4 दिन
छाती	छाती में दर्द < रात	8	3 माह	02	02	1 माह
पीठ	पीठ दर्द के साथ टांगों में दर्द < हिलने–डुलने से, गर्माहट से	8	6 माह–2 वर्ष	05	04	4–16 दिन
अग्रांग	अग्रांगो में दर्द – दायीं तरफ (< हिलने डुलने, > चलने से)	8	2 माह	02	02	15 दिन
	दोनों घुटनों में दर्द (< सीट से उठने पर, लम्बे समय तक बैठने से एवं स्थिति बदलने से)	8	3 माह–2वर्ष	28	22	15दिन–6सप्ताह
	टांगों में दर्द < हिलने डुलने से, > आराम	7	6 माह–1 वर्ष	05	05	3–6 माह
त्वचा	उदभेद के साथ खुजली ढ रात	8	2–10 दिन	11	07	4–12 दिन
	चेहरे, बाजू एवं पेट पर काली वर्णकता	8	2–3 वर्ष	02	02	7 दिन–2 माह
सार्वदेहिक	व्यापक दुर्बलता	7.8	2–6 माह	29	19	15दिन–'6सप्ताह

औषध का नाम : ईगल मार्मिलोस **पौटेन्सी : 3 एक्स, 6, 30, 200**

1	2	3	4	5	6	7
सिर	सिर दर्द–फटन जैसी दर्द > खाने के बाद < बातचीत से	8	6 दिन–2वर्ष	02	02	4 दिन–1 माह
	सिर का भारीपन < हिलने डुलने से	8	3–9 माह	17	10	1–4 सप्ताह
चक्कर	चक्कर के साथ आगे गिरने जैसा अनुभव	8	2–10 दिन	27	21	2–11 दिन
	(पीछे गिरने जैसा < आंखें बंद करने पर)	8	4–7 दिन	03	02	2–4 दिन
	सिर चकराने के साथ आंखों के आगे अंधेरा छाना	8	6 माह–1 वर्ष	03	03	1 माह
	चक्कर < हिलने डुलने के दौरान	8	2–4 दिन	05	04	2 सप्ताह
आंखे	नेत्रश्लेष्मलाशोथ	8	2–4 दिन	02	02	3–4 दिन
नाक	जुकाम के साथ नाक का बहना, छीकें एवं नाक में खुजली < सुबह	8	3–8 दिन	12	09	3दिन–1माह

आमाशय	क्षुधालोप	8,4,9	7–15 दिन	112	103
	अधिजठरीय दर्द एवं	8	1 माह–1 वर्ष	05	05
	बांयी कोख में दर्द और साथ में गोले की अनुभूति एवं खट्टे डकार < खाने से	8	1 माह–1 वर्ष	05	05
	पेट के ऊपरी हिस्से के फूलने एवं भारीपन के साथ उदरवायु < खाने के बाद	4,8	3 माह–3वर्ष	07	04
	हृद्दाह के साथ अम्लता	4,8	3 माह–3 वर्ष	05	05
	< खाने के बाद, दोपहर को	4,8,9	3 माह–3 वर्ष	28	18
	अधिजठर एवं नाभिक्षेत्र में कटने जैसी दर्द < खाने से	9	1–6 माह	30	18
	अधिजठर में जलन जैसी दर्द < खाने से, खट्टे डकारों के साथ	9	3 माह–1वर्ष	26	14
	मतली एवं वमन < खाने के बाद	9	3 सप्ताह–3माह	16	11
	अपाचन के साथ खट्टे डकार < भोजन के बाद, खाली पेट, < गर्म भोजन से	8	1 माह– 1वर्ष	02	02
	हिचकी	8	2 दिन–14 माह	03	03
पेट	पेट में अविराम पीड़ा < खाने के बाद	8	3–15 दिन	26	20
	उदरवायु के साथ पेट में भारीपन	8,10	7 दिन–1 माह	16	11
	पेट के निचले हिस्से में दर्द के साथ गाढ़ा, तीक्ष्ण श्वेतप्रदर	8	2 माह–3 वर्ष	03	03
	पेट में नाभि के आसपास दर्द < भोजन के उपरांत	8	4–10 दिन	03	02
	उदरवायु के साथ पेट में भारीपन > उदरवायु त्याग से	7	3 माह–5वर्ष	123	100
	पेट में घरघराहट एवं गड़गड़ाहट < खाने के बाद	7	2 माह–1वर्ष	11	09
	पेट में दर्द एवं भारीपन < भोजन के उपरांत क्षुधालोप के साथ	8,7	5 दिन–3माह	72	67
	पेट दर्द के साथ कब्ज़	7	1–3 माह	28	27
	पेट में सपीड़कुंथन	9	3–15 दिन	39	30
मलाशय	कब्ज़ के साथ अपर्याप्त मल	8,10	7 दिन–3माह	49	41
	–बार बार मल त्याग की इच्छा के साथ	8,10	6–10 दिन	06	05

	– श्लेष्मायुक्त	8,10	6–10 दिन	08	06	6–9 दिन
	– (बवासीर की सूजन, रक्तस्त्राव के साथ)	8,10	7 दिन–2 माह	03	03	6–18 दिन
	बवासीर के साथ रक्तमिश्रित मल, चमकीला लाल रक्त–बूंद–बूंद रक्तस्त्राव, सख्त मल – मल त्याग के वक्त मलाशय में दर्द ढ मलत्याग के दौरान	4,7,8	6 माह–2 वर्ष	19	14	2सप्ताह–3माह
	मलाशय भ्रंश के साथ मलद्वार में जलन ढ मलत्याग के बाद	8	1 माह– 1 वर्ष	02	02	9 दिन– 2 माह
	कब्ज के साथ असंतोषजनक मल–शुष्क एवं सख्त	8	15 दिन–9 माह	11	10	5–30 दिन
	कब्ज एवं दस्त पर्यायक्रमी	9	1–3 माह	89	77	15 दिन– 3 माह
मल	ढीला मल	9	6–10 दिन	02	02	4–6 दिन
	मल अनियमित, परिवर्तनशील ढीला / सख्त < खाने के बाद	8	1–2 वर्ष	07	06	15 दिन
	– (< अनियमित खाने से)	8	1–2 वर्ष	03	02	15 दिन
	– (< गर्मियों में)	8	1–2 वर्ष	02	01	15 दिन
	शुष्क, सख्त मल, कब्जियत वाला जलन के साथ	9	15 दिन–2वर्ष	73	49	1 सप्ताह–3माह
	ढीला मल, जलीय, पेट में घरघराहट के साथ < खाने से	9	3–15 दिन	126	112	15 दिन–3 माह
	मल रक्त एवं श्लेष्मामिश्रित	9	2–13 दिन	39	30	5–10 दिन
जननांग (पुरूष)	शुक्रमेह, स्वपन के साथ < नींद के दौरान, गर्म भोजन, मल त्याग	4,7,8	2 माह–1 वर्ष	05	04	1 माह
जननांग (स्त्री)	श्वेत प्रदर, गाढ़ा पीला स्त्राव	8,9	6 माह–3 वर्ष	07	03	1–6 सप्ताह
पीठ	पीठ दर्द < हिलने डुलने से	7,8	1 माह– 2 वर्ष	03	02	2 सप्ताह
	पीठ दर्द कटित्रिकी क्षेत्र (< झुकने से, खड़े होने से एवं हिलने डुलने से)	8	1 माह	02	02	15 दिन
अग्रांग	(टांगों में दर्द < हिलने डुलने से > आराम से)	8	4 माह – 1 वर्ष	12	09	1–6 सप्ताह
	हथेलियों एवं तलवों में जलन	8	2–3 माह	06	02	9–22 दिन

	अपाचन के साथ खट्टे डकार < ठण्डे भोजन से, गर्म द्रव्यों से	8	2–6 माह	06	05	2–6 दिन
	बच्चों में जठरीय जलन	4	3–15 दिन	16	12	3–7 दिन
	उदर वायु, अपाचन (> डकार से)	4,8	2 वर्ष	06	03	2–15 दिन
मलाशय	कब्ज़	13	2–4 दिन	03	03	2–3 दिन
मूत्र प्रणाली	अपर्याप्त मूत्र, बूंद बूंद गिरना, जलन के साथ	8	10 दिन– 2 माह	04	02	10–21 दिन

औषध का नाम : एन्थ्रेकोकाली

पौटेन्सी :: 6,30,200

1	2	3	4	5	6	7
चक्कर	चक्कर	8	1 वर्ष	03	02	35 दिन
नाक	जुकाम के साथ पतला नासास्त्राव, ज्वरमय अनुभूति	8	7 दिन	02	02	7 दिन
	छींकें					
चेहरा	चेहरे पर पुटिका	8	2 माह	03	03	28 दिन
गला	कण्ठदाह	8	2 माह–1 वर्ष	02	02	2–13 दिन
अमाशय	प्यास का बढ़ जाना	8	2–7 दिन	02	02	7–17 दिन
	क्षुधालोप, प्यास का न लगना	8	8 दिन	06	04	28 दिन
पेट	उदरवायु के साथ पेट का भारीपन – (< सायंकाल)	4	7दिन–1 माह	03	02	4–20 दिन
	(पेट में ऐंठन जैसी दर्द के साथ 2–3 बाद ढीला मल < भोजन के उपरांत)	4	1माह	05	03	7–28 दिन
मलाशय	कब्ज, सख्त मल	4	2–3 माह	04	03	28 दिन
मूत्रमार्ग	मूत्र त्याग के समय मूत्रमार्ग मे जलन	4	7 दिन– 5 माह	35	20	4–35 दिन
जननांग स्त्री	श्वेत प्रदर सा स्त्राव सफेद, पीला सा,	1,4	8 दिन–1 माह	04	02	21–28 दिन
	स्त्रीबाह्यजननांग में जलन एवं खुजली मासिक धर्म के बाद जलन	4	2–4 माह	06	04	8–42 दिन
खांसी	शुष्क खांसी एवं जुकाम	4	1 माह	03	02	7–28 दिन
पीठ	पीठ दर्द – कटि प्रदेश	4	2 माह	04	02	7–28 दिन
अग्रांग	उँगलियों, हथेलियों एवं तलवों में दरारें	4	7 दिन–3 माह	12	09	3–18 दिन

	टांगों, उंगलियों के बीच, छाती, बाजुओं पर पुटिका के उद्भेद के साथ खुजली, गाढा पारदर्शी द्रव < रात को एवं गर्मी से	9	7 माह–1 वर्ष	16	08	7–42 दिन
	उँगलियों पर एक्जीमा–आर्द्र एक्ज़ीमा जलीय स्त्राव के साथ खुजली < वर्षाऋतु में, पसीने से, चलने से	4	3–4 माह	04	02	1 माह
	जननांगों के आसपास एवं बाजुओ पर सूखी खुजली, खुजलाने पर खून निकलना, जलन की अनुभूति होना < गर्मियो में, बिस्तर की गर्माहट से, पसीने से, रात को	9	8 दिन–3 माह	26	15	7–56 दिन
	उँगलियों के बीच, जननांगों एवं शरीर के अन्य भागों पर फुन्सीदार अथवा रक्ताभ उद्भेद ढ रात, गर्माहट से, वर्षाऋतु में, खुजली के साथ, खुजलाने पर जलन की अनुभूति	1,9	1–5 माह	36	19	7–35 दिन
	– (जोड़ों में दर्द के साथ सुबह)	9	1 वर्ष	04	02	14–28 दिन
	– (दोनों निचले बाह्यांगों में दर्द के साथ)	9	8 दिन–2 माह	03	03	21–28 दिन
पसीना	सारे बदन पर अत्याधिक पसीना	4	2–3 माह	62	01	7–42 दिन
त्वचा	पुटिका उद्भेद के साथ खुजली, कण्डू	9,4	3 दिन–2 वर्ष	48	40	6–18 दिन
	पूयस्फोटिकाभ उद्भेदों के साथ खुजली, मवाद का रिसना, जलन की अनुभूति के साथ < रात	9,4	7 दिन–3 वर्ष	07	02	7–21 दिन
	हथेलियों पर फुन्सीदार उद्भेद, खुजली < रात,	9	7 दिन–3 माह	79	74	1–3 माह
	छपाकी < रात जलन के साथ	1	7 दिन–3 माह	81	74	15 दिन–3 माह

औषध का नाम : अरेनिया डायडिमा

पौटेन्सी : 6, 30

1	2	3	4	5	6	7
सिर	सिर का भारीपन	8	2–10 दिन	05	05	4–8 दिन
	ग्रीवापृष्ठ में दर्द	4,8	6 माह–1वर्ष	06	05	15–30 दिन
	– सिर चकराने के साथ अविराम पीड़ा	4,8	6 माह–1 वर्ष	05	05	15–30 दिन

1	2	3	4	5	6	7
	– दर्द के पीछे की ओर प्रसारित होने के साथ थकावट की अनुभूति	4,8	6 माह–1 वर्ष	02	02	15–30 दिन
	– दर्द का ऊपर की ओर तथा हाथ की तरफ प्रसारित होना	4,8	6 माह–1 वर्ष	04	03	15–30 दिन
	– स्पर्शज्ञानहीनता अनुभूति	4,8	6 माह–1 वर्ष	04	04	15–30 दिन
मलाशय	कब्ज़ के साथ दुष्पचन	9	7 दिन– 1माह	03	03	8 दिन
अग्रांग	पिण्डलियों में दर्द के साथ कसाव की अनुभूति ढ चलने से	8	4 वर्ष	04	04	15 दिन

औषध का नाम : अरेनिया स्किनेन्सिया — **पौटेन्सी 6,30,200**

1	2	3	4	5	6	7
आंखें	पलकों के नीचे स्फुरण	1,4	3 दिन–1 वर्ष	08	08	3 दिन–1 वर्ष
नाक	जुकाम < सुबह एवं ठण्डा लेने से – पतले स्त्राव के साथ	8	3–10 दिन	16	11	3–12 दिन
	छीकें < गर्माहट से > ठण्डक लगाने से	8	2 माह–1 वर्ष	03	03	5–55 दिन
त्वचा	सारे बदन पर उद्भेद, खुजली के साथ < गर्माहट से > ठण्डक लगाने से	8	5–20 दिन	02	01	2 दिन
सार्वदेहिक	बदन की मांसपेशियों का स्फुरण	8	10 दिन–2 माह	02	02	5–20 दिन

औषध का नाम : आर्सेनिक सल्फ फ्लेवम — **पौटेन्सी : 3 एक्स, 6,30,200**

1	2	3	4	5	6	7
आमाशय	दस्त के साथ आमाशय में जलन	1	10:15 दिन	05	04	7–28 दिन
मलाशय	कब्ज़ के साथ सख्त मल	8,9,14	10 दिन–3 वर्ष	16	14	3–21 दिन
जननांग (पुरूष)	वीर्यपात के साथ स्वपन	1	10–45 दिन	02	02	10–20 दिन
त्वचा	अल्पवर्णकता के धब्बे, बिना खुजली के	4,9	15 दिन–6 वर्ष	39	20	7–12 दिन
	श्वित्र – सारे बदन, गर्दन, उंगलियों, हाथ, हथेली, पीठ, टांगों, कपालावर्ण , चेहरे, होंठों कोहनी, पेट,जननांगों, छाती पर सफेद धब्बे ढ गर्मी से , बिना खुजली के	4	1 माह–15 वर्ष	106	64	1 माह–1 वर्ष

औषध का नाम : अजैदिरैक्ता इंडिका — **पौटेन्सी : 6, 30, 200**

1	2	3	4	5	6	7
सिर	सिरदर्द–ललाट, कनपटी, दायीं तरफ एवं कपालशीर्ष–फटन सी एवं स्पन्दन, बिना मतली एवं वमन के	4,7,8	1–4 वर्ष	05	04	7–15 दिन
	– < दिन में, यात्रा के उपरांत >आंखे बन्द करने पर	4,7,8	1–4 वर्ष	03	02	7 दिन
	– < हिलने डुलने से, झुकने से	4,7,8	1–4 वर्ष	04	03	7 दिन
	– अधीरता एवं अनिद्रा के साथ (< पसीना बढ़ने से)	4,7,8	1–4 वर्ष	02	02	7 दिन
	कपालावरण की दुखन, स्पर्श से दर्द की अनुभूति, यहां तक कि बालों में भी दर्द होना	7	3 माह–1 वर्ष	11	09	15दिन– 3 माह
गला	निगलने में कष्ट के साथ गले में दर्द	4	15 दिन– 1 वर्ष	06	06	7–15 दिन
मुंह	गलतुण्डिकाओं का बढ़ना एवं अतिरक्तता, निगलने में दर्द के साथ	4	15 दिन–1 वर्ष	04	04	7–15 दिन
मलाशय	ढीला मल, एवं पीड़ा रहित	7	15–3 माह	09	09	1–6 माह
ज्वर	ज्वर के साथ सिरदर्द	7,8	2–7 दिन	23	18	2–5 दिन
	खांसी एवं जुकाम के साथ	7,8	2–4 दिन	10	10	2–4 दिन
	– ज्वर < ठण्डक से	4	15 दिन–1 वर्ष	05	05	7–15 दिन
अग्रांग	बायें घुटने की सूजन अकड़न के साथ	8	1 माह– 1 वर्ष	05	05	51 दिन
	हाथों एवं पैरों की लघु सन्धियों में सूजन के साथ विदीर्णकारी पीड़ा, अचानक प्रकट होना एवं बहुत धीरे–धीरे लुप्त होना, अंगों का रक्ताभ होना > मलने से	8	1–3 वर्ष	09	07	2–30 दिन
सार्वदेहिक	हथेलियों एवं तलवों में जलन	7	1–6 माह	22	22	2–4 माह
	खुली ठण्डी हवा में बेहतर महसूस करना	7	1 माह– 1 वर्ष	31	29	3–6 माह

औषध का नाम : बेसिलाइनम — **पौटेन्सी : 6,30,200, 1 एम**

1	2	3	4	5	6	7
मन	व्याकुलता एवं सिर चकराना	4	4–8 माह	02	01	15 दिन
सिर	कपालावर्ण पर जगह–जगह से खुजली के साथ बालों का झड़ना	1	2 माह–2 वर्ष	15	03	7–42 दिन
	सीमित खालित्य	4	3 माह–3 वर्ष	107	99	6 माह– 1 वर्ष

आंखें	पलकों पर एक्ज़ीमा	4	3 माह– 2 वर्ष	05	05	1–3 माह
नाक	ठण्ड के लिए संवेदनशीलता	4,9	2–5 वर्ष	401	364	3–6 माह
	जुकाम के साथ गाढ़ा नासास्त्राव	4,7	3–7 वर्ष	42	34	3–10 दिन
	नाक बंद होना < रात को, नासा पालिप के साथ	4	7–30 दिन	43	27	7–30 दिन
	चिरकालिक जुकाम	4	4 माह–8 वर्ष	26	23	15 दिन–1 माह
	जलीय नासास्त्राव	4	4 माह– 3 वर्ष	64	38	7–63 दिन
	बारम्बार छींकें	4	4 माह– 3 वर्ष	14	11	7–63 दिन
	< सायंकाल	4	4 माह– 3 वर्ष	02	01	7–63 दिन
	< सुबह	4	4 माह – 3 वर्ष	07	06	7–63 दिन
	< ठण्डक से, धूल से	4	4 माह–3 वर्ष	06	06	7–63 दिन
	ज्वरग्रस्त अनुभूति के साथ	4	4 माह–3 वर्ष	03	03	7–63 दिन
	< शीत ऋतु में, ठण्डक से	4	4 माह–3 वर्ष	05	05	7–63 दिन
	नासापश्च टपकन	4	1 माह– 2 वर्ष	13	13	2–29 दिन
कान	दायें कान में जलन एवं खुजली के साथ पीला–सा स्त्राव	8	2–3 वर्ष	04	01	7–25 दिन
गला एवं गर्दन	तुण्डिकाशोथ < ठण्ड से एवं ठण्डी वस्तुओं से	8	1 दिन–1 वर्ष	13	13	2–29 दिन
	ग्रीवाग्रन्थि विवर्धन एवं पीड़ा	1,4	1–3 वर्ष	222	205	7 दिन–6 माह
	ग्रीवा अवअधोहनुज एवं अधिजत्रुकीय लसीका पर्व का विवर्धन, स्पर्शकातरता एवं पीड़ा	1	2–4 वर्ष	13	03	7–21 दिन
पेट	उदरवायु > उदरवायुत्याग					3–20 दिन
	पेट में दर्द, दुषाचन	4	3–15 दिन	15	12	4–27 दिन
	चिरकालिक दस्त	8	8 माह–डेढ़ वर्ष	04	04	
	पेट दर्द > खाने से					18 दिन
	> बदबूदार उदरवायु त्याग से	8	2 माह	04	03	2–4 माह
	वक्षणीय ग्रन्थियों का विवर्धन	1	6 माह–14 वर्ष	29	27	1–3 माह
मलाशय	कब्ज़, सख्त मल	1	1–3 माह	77	71	6 दिन–6 माह
श्वसनतंत्र	सांस लेने में कष्ट < रात	4,1	3 दिन–2 वर्ष	146	131	7–20 दिन
खांसी	सूखी आक्षेपिक खांसी < रात को	1	3–30 दिन	22	17	7–63 दिन
	अपर्याप्त बलगम के साथ < सुबह	9	6 माह– 2वर्ष	38	18	

ज्वर	शीतावस्था के साथ ज्वरग्रस्त अनुभूति	9	3 दिन–6 वर्ष	11	06	7–21 दिन
त्वचा	पेट पर खुजली के साथ दाद जैसे उद्भेद < रात, गर्मी, शीतऋतु, वर्षाऋतु > ग्रीष्मऋतु	4	7 दिन–1 वर्ष	105	86	3–42 दिन
	टीनिया वर्सिकोलेरिस, गर्दन एवं छाती पर खुजली के साथ धब्बे < दोपहर, सूर्य के प्रभाव से	1	1–2 वर्ष	17	04	7 –63 दिन
	पीठ पर छोटे फुन्सीदार उदभेद, बिना खुजली के	1	2–3 माह	04	02	7–21 दिन
	कलाई, कपालावर्ण पर छोटे उदभेद खुजली के साथ जलीय स्त्राव < रात	1	2–3 माह	03	01	28 दिन
	तुषाभशल्कन	1	3 माह– 2 वर्ष	79	72	6 माह– 1 वर्ष
सार्वदेहिक	क्षयरोग का इतिहास	1	6 माह–5 वर्ष	98	91	6 माह–1 वर्ष

औषध का नाम : बैरायटा म्यूरिएटिकम **पौटेन्सी : 6, 30, 200**

1	2	3	4	5	6	7
मन	व्याकुलता एवं अधीरता	1,4	4 माह–14 वर्ष	04	03	15 दिन– 2 माह
सिर	सिरदर्द – ललाट, भारीपन एवं अविराम पीड़ा, उच्चरक्तचाप के साथ सिर पर सुन्नपन	1,4	1 माह–14 वर्ष	04	03	15 दिन– 2 माह
कान	कर्णस्त्राव, दायें कान से सड़े हुए पनीर की बदबू जैसा पतला बदबूदार स्त्राव	1,4	3–60 दिन	33	21	7–24 दिन
	मन्दकर्ण एवं कानों में घंटी बजने जैसी ध्वनि सुनाई देना	1	2 वर्ष	04	02	7–42 दिन
	कर्णक्ष्वेड एवं कानों में भिनभिनाहट	4	1 माह–1 वर्ष	11	09	3 माह–1 वर्ष
दांत	दांतों में चलने पर स्पदन सी दर्द	1	3–10 दिन	14	10	3–10 दिन
गला	कठोर ग्रीवा ग्रन्थियां	1	7–14 दिन	23	18	7–25 दिन
	– दबाने पर दर्द होना	9	1 माह–7 वर्ष	24	11	8–35 दिन
	अलिजिह्वा का विवर्धन, कष्टकर, विसृत	4	7 दिन–1माह	13	13	7 दिन–2 माह
	कर्णामूलग्रन्थिशोथ / कनपेड़ा	4	7–15 दिन	05	05	15 दिन–1 माह
नाक	जुकाम, यदाकदा छीकों के साथ पतला जलीय नासास्त्राव	1,9	2–4 वर्ष	12	06	7–21 दिन

आमाशय	मतली के साथ अधिजठरीय पीड़ा	1	6 माह	02	02	15 दिन
श्वसनतंत्र	चलने पर श्वासकष्ट	4	4 माह–1 वर्ष	02	02	15 दिन
छाती	व्यग्रता के साथ स्पन्दन	4	4 माह–14 वर्ष	03	02	15 दिन–2 माह
खांसी	खांसी के साथ गाढ़ा सफेद बलगम < रात	9	2 दिन– 2 वर्ष	14	11	7–21 दिन
सार्वदेहिक	वृद्धावस्था की समस्याऐं	4	1 माह–1 वर्ष	02	02	3 माह–1 वर्ष

औषध का नाम : बैन्जोएक एसिड

पौटेन्सी : 6,30,200,1एम

1	2	3	4	5	6	7
चक्कर	गिरने की प्रवृति के साथ चक्कर	4	2–4 दिन	03	03	2–3 दिन
नाक	स्वररूक्षता के साथ छींकें, नाक की हड्डी में दर्द	1	10 दिन–3 माह	09	06	7–21 दिन
चेहरा	चेहरे पर भूरे धब्बे	4	15 दिन–10 वर्ष	67	49	1 माह– 1 वर्ष
पेट	नाभि के आसपास कटने जैसी दर्द < खाने के बाद, > मलत्याग से	8	4–6 वर्ष	05	05	15 दिन
	अम्लता के साथ उदरवायु एवं पेट का भारीपन < खाने से	9	2 माह	04	02	15 दिन
मल	उदरवायु के साथ ढीला मल	4	3–5 दिन	05	04	2–4 दिन
मूत्र प्रणाली	बदबूदार मूत्र	1,4	10 दिन–1 वर्ष	81	75	7 माह– 1 वर्ष
पीठ	ग्रीवापृष्ठ में सुन्नपन के साथ दर्द, जिसका बांयी बाजू की ओर प्रसारित होना	1,4	2–3 माह	05	05	15–30 दिन
	कटित्रिकी क्षेत्र में अकड़न के साथ पीठदर्द	1,4	7 दिन–1 वर्ष	25	12	7 दिन–1 माह
	< चलने से	1,4	7 दिन–1 वर्ष	05	04	7 दिन–1 माह
	< हिलने डुलने से	1,4	7 दिन–1 वर्ष	03	02	7दिन–1 माह
	< झुकने से	1,4	7 दिन–1 वर्ष	06	04	7 दिन–1 माह
अग्रांग	जोड़ों में गठियारूपी दर्द < हिलने डुलने से	4	3 माह–3 वर्ष	05	05	18 दिन–1 माह
	एड़ी में दर्द < हिलने डुलने से	4	10 दिन– 1 वर्ष	101	101	6 दिन– 6 माह
	उंगलियों एवं घुटनों में दर्द एवं सूजन < हिलने से	4,9	5–30 दिन	31	19	3–24 दिन

	टांगों में दर्द के साथ शोफ	1,4	1–3 वर्ष	03	03	15 दिन
	टखने के जोड में सूजन के साथ, दर्द < चलने से	1,4	1–15 दिन	03	03	30 दिन
	कटिस्नायुशूल, दायी तरफ दर्द < चलने से	1,4	3 माह–1वर्ष	02	02	15 दिन
ज्वर	ठण्डक के साथ ज्वरग्रस्त अनुभूति	4	3–5 दिन	03	02	7–21 दिन

औषध का नाम : बैन्जिनम नाइट्रिकम

पौटेन्सी : 6, 30

1	2	3	4	5	6	7
आंखे	अक्षिदोलन, नेत्र गोलक, का वर्टिकल एक्सिस में घूमना	1	1–3 वर्ष	02	01	1–2 वर्ष
गला	कण्ठदाह	8	3 दिन–2 माह	05	05	1–9 दिन
मुंह	मुखशोथ–चिरकालिक, बार–बार होना	8	2–5 वर्ष	04	02	10–35 दिन

औषध का नाम : बलाटा ओरिएन्टेलिस

पौटेन्सी : मदर टिंचर, 6,30,200,1एम

1	2	3	4	5	6	7
नाक	जुकाम के साथ पतला नासास्त्राव छीकें, खांसी < सुबह	8	4–11 दिन	27	26	8–22 दिन
गला	खांसते समय गले में दर्द	1,4	5–15 वर्ष	02	02	15 दिन
श्वसनतंत्र	श्वासकष्ट	1,4	3 माह–15 वर्ष	22	20	15–45 दिन
	– पसीना बढ़ने के साथ	1,4	3 माह–15 वर्ष	01	01	15–45 दिन
	– रक्ताधिक्य के साथ	1,4	3 माह–15 वर्ष	05	05	15–45 दिन
	– खांसी एवं खड़खड़ाहट के साथ	1,4	3 माह–15 वर्ष	17	15	15–45 दिन
	– < मौसम बदलने से	1,4	3 माह–15 वर्ष	03	03	15–45 दिन
	– < चलने से	1,4	3 माह–15 वर्ष	12	10	15–45 दिन
	– < परिश्रम से	1,4	3 माह–15 वर्ष	06	05	15–45 दिन
	– < खट्टी चीज़ें खाने से, सायंकाल	1,4	3 माह–15 वर्ष	01	01	15–45 दिन
	– < हिलने से	1,4	3 माह–15 वर्ष	04	03	15–45 दिन
	– > आगे झुककर बैठने से	1,4	3 माह–15 वर्ष	07	06	15–45 दिन
	– >शीत ऋतु, ठण्डक से	1,4	3 माह–15 वर्ष	09	08	15–45 दिन
	– > लेटने से, आराम से	1,4	3 माह–15 वर्ष	04	04	15–45 दिन
	दमा के साथ श्वसनी शोथ, तीव्र खांसी एवं श्वासकष्ट, अत्याधिक मवाद जैसी बलगम	8	2–3 वर्ष	74	69	1–42 दिन

खांसी	खांसी के साथ गाढ़ा, सफेद सी बलगम	4,9	3 दिन– 1 वर्ष	51	37	3–56 दिन
	सूखी खांसी < सुबह	9	3–20 दिन	08	08	3–15 दिन
	खांसी के साथ श्लेष्मा की खड़खड़ाहट	1,4	2 माह–15 वर्ष	82	76	15 दिन– 1 मा
	– बलगम निकालने में कष्ट	4	2 माह–15 वर्ष	05	04	15 दिन–1 मा
	– सफेद थूक के साथ	1,4	2 माह–15 वर्ष	16	13	15 दिन–1 मा
	– श्लेष्माभ थूक के साथ	1,4	2 माह–15 वर्ष	08	06	15 दिन–1 मा
	– < सुबह, मौसम बदलने से, खट्टी वस्तुओं से	1,4	2 माह–15 वर्ष	02	01	15 दिन–1 मा
	– < रात	1,4	2 माह–15 वर्ष	04	03	15 दिन–1 मा
	– < ठण्डक से	1,4	2 माह–15 वर्ष	05	04	15 दिन–1 मा
	हृष्ट पुष्ट एवं स्थूलकाय रोगियों में खांसी के साथ श्वासकष्ट	4	1–3 वर्ष	14	14	3 माह– 1 व
छाती	बढ़ते हुए श्वासकष्ट के साथ छाती में दर्द	1,4	5–15 वर्ष	06	06	1–डेढ़ माह

औषध का नाम : बोर्हेविया डिफ्यूजा

पौटेन्सी : मदर टिंचर, 6, 30, 200

1	2	3	4	5	6	7
सिर	कपालाशीर्ष में फटन जैसी दर्द < दबाव से	4,8	4–20 दिन	27	26	3–42 दिन
	दांयी तरफ का अर्धकपाली विदीर्णकारी दर्द < ठण्डक से	7	2–3 माह	14	14	15 दिन–3 मा
पेट	दांयी कोख में दर्द < छूने से, दबाव से	7	1–2 माह	09	09	7 दिन–1 मा
	पीलिया	7	10 दिन–2 माह	09	09	7 दिन–1 व
मूत्र प्रणाली	मूल त्याग के समय मूत्र मार्ग में जलन	9	7 वर्ष	05	03	21 दिन
जननांग (स्त्री)	अनियमित मासिक धर्म, बहुत कम मात्रा में, 4–5 दिनों तक टांगों में दर्द के साथ दुःखकर < हिलने डुलनेसे, अत्याधिक मूत्र के साथ	8	3 माह– 2 वर्ष	06	05	3–40 दिन
श्वसनतंत्र	सूखी खांसी के साथ श्वासकष्ठ < परिश्रम से, शीतऋतु, लेटने, चलने से > बैठने से	4	2 वर्ष	01	01	15 दि

खांसी	खांसी के साथ सफेद अल्प मात्रा में बलगम < रात	7,8	4 दिन–3 माह	15	15	15 दिन–3 माह
छाती	श्वासकष्ट के साथ स्पन्दन	4	1–4 माह	12	07	7–21 दिन
पीठ	पीठ दर्द – कटित्रिकी क्षेत्र	4	6 माह–1 वर्ष	06	05	1–2 माह
नींद	उन्निद्रा	9	1–6 माह	04	03	7–28 दिन
सार्वदेहिक	सारे शरीर पर शोफमय सूजन	4,7,10	15 दिन–6 माह	45	43	20–32 दिन
	बदन दर्द	7	1–3 माह	50	50	7 दिन–3 माह

औषध का नाम : सिसेलपीनिया बोन्डुसेला

पौटेन्सी : मदर टिंचर 6, 30, 200

1	2	3	4	5	6	7
सिर	सिरदर्द के साथ चक्कर एवं सार्वदेहिक दुर्बलता	8	6 दिन–2 माह	04	03	6–31 दिन
आमाशय	क्षुधालोप	4	2 माह	05	04	7 दिन
	ज्वर के दौरान प्यास	7	7–15 दिन	36	33	5 दिन–1 माह
पेट	दर्द के साथ जिगर विवर्धन < दबाव से	8	15 दिन–1 माह	02	02	6–48 दिन
मलाशय	दस्त के साथ ढीला मल, जलीय एवं प्यास का बढ़ना	8	1–5 दिन	06	03	1–3 दिन
ज्वर	ज्वर के साथ तीक्ष्ण सिरदर्द एवं बदन दर्द	4,7,9	1–10 दिन	53	48	2–10 दिन
	– अत्याधिक प्यास के साथ	4,7,9	2–4 दिन	09	07	2–5 दिन
	– < दोपहर	4,7,9	2–6 दिन	05	05	3–5 दिन
	– < रात	4,7,9	4 दिन	06	04	3 दिन
	– जुकाम के साथ	4,7,9	3–7 दिन	06	06	2–6 दिन
	– कब्ज़ के साथ	4,7,9	2–10 दिन	13	12	2–10 दिन
	– ज्वर के बाद दुर्बलता	4,7,9	3–10 दिन	07	06	3–16 दिन
	– (सूखी खांसी के साथ)	–	2–5 दिन	06	06	3–6 दिन
	– पेट के दांयी तरफ में दर्द के साथ	4,7,9	15 दिन–2 माह	03	03	3–7 दिन
	– व्याकुलता के साथ	4,7,9	15 दिन– 2 माह	04	04	7 दिन
	– सुबह 8 से 10 बजे एवं शाम को 2 से 4 बजे के बीच शीतावस्था के साथ	7,8	6दिन–साढे चार माह	40	37	6 दिन
	– अनियमित ज्वर	7	7–15 दिन	29	26	5 दिन–1 माह

1	2	3	4	5	6	7
त्वचा	मच्छर के काटने जैसे त्वचा उद्भेद	8	15 दिन– 2 माह	11	08	10–30 दिन
सार्वदेहिक	ज्वर के पश्चात अत्याधिक कमजोरी लेटने की चाह	7	7 दिन–2 माह	14	14	5 दिन–1 माह

औषध का नाम : कैलोट्रोपिस जाइजेन्टिया

पौटेन्सी : मदर टिंचर, 6, 30

1	2	3	4	5	6	7
मन	सिर चकराने के साथ मतली एवं वमन	4	1 वर्ष	08	07	15 दिन–2 माह
सिर	सिरदर्द – फटन जैसी एवं भारीपन	4	3 माह–3 वर्ष	07	04	15–30 दिन
	दर्द का कनपटी एवं बायीं आंख की ओर प्रसारित होना	4	3 माह–3 वर्ष	07	04	15–30 दिन
	– < शोर से, तनाव से, व्याकुलता के साथ	4	3 माह–3 वर्ष	02	01	15–30 दिन
	– > दबाव से	4	3 माह–3 वर्ष	03	02	15–30 दिन
	– < सुबह, नींद से उठने के बाद	4	3 माह–3 वर्ष	02	01	15–30 दिन
चेहरा	गले एवं होठों का सूखापन	1	3–7 दिन	03	03	3–15 दिन
	चेहरे पर खुजली के साथ फुन्सियां	8	1 माह–2 वर्ष	04	02	8–31 दिन
आमाशय	आमाशय में गर्माहट > ठण्डे पेय से	8	2 माह	02	02	24 दिन
पेट	दस्त के साथ पेट में दर्द < खाने से	8	2–4 दिन	08	05	2–4 दिन
श्वसनतंत्र	घरघराहट के साथ हांफना	4	6 माह–3वर्ष	05	.05	1–2 माह
	< खड़े होने पर, परिश्रम, चलने से, रात > खुली हवा में	4	डेढ माह–10 वर्ष	04	04	15 दिन–1 माह
अग्रांग	टांगों में सूजन के साथ दर्द	4	1 वर्ष	02	01	15 दिन
	जोड़ो में सूजन के साथ दर्द	4	1–10 वर्ष	02	02	15 दिन
	घुटनों में चटकाहट एवं सूजन के साथ दर्द < चलने से	4	6 माह	02	02	15 दिन
	दायें घुटने में दर्द < बैठने की अवस्था से उठने में	4	1 माह–1 वर्ष	02	02	15 दिन
	टांगों में बैचेनी < दबाव से	9	2 माह	02	01	7 दिन
	निचले अग्रांगों एवं वृषणकोष का श्लीपद	4	1–3 वर्ष	14	12	4 माह–1 वर्ष
	तलवों पर दरारें	8,9	3–10 दिन	02	02	3–30 दिन
ज्वर	ज्वर के साथ आमाशय मे गर्माहट	4	6 माह–1 वर्ष	09	09	1–2 माह

1	2	3	4	5	6	7
त्वचा	त्वचा की शुष्की एवं खुरदरापन	8	10दिन–2 वर्ष	05	05	8–30 दिन
	– < धोने से एवं गर्मी से	8	2–3 वर्ष	07	05	1–45 दिन
	दाद	9	1–6 माह	05	05	3–30 दिन
	कुष्ठ रोग	4	6 माह–2 वर्ष	02	02	6 माह–1 वर्ष

औषध का नाम : कैनाविस इंडिका

पौटेन्सी : 6,30,200

1	2	3	4	5	6	7
मन	आने वाली मौत की अत्याधिक आंशका	3	1 माह	02	02	20 दिन
चक्कर	उठने पर चक्कर आना	1	7–15 दिन	05	05	3–15 दिन
आंखें	दोनों आंखों में जलन	5	7 दिन– 2 माह	10	09	3–31 दिन
श्वसनतंत्र	सांस लेने में कष्ट होना	4	7–25 दिन	10	08	7–15 दिन
अग्रांग	घुटनों में तीक्ष्ण दर्द < थोडा सा हिलने डुलने से	4	10 दिन–2 वर्ष	06	06	12 दिन–2 माह
	अग्रांगों में अत्याधिक थकावंट तथा थोड़ा सा चलने से अशक्त होना	5	2 माह–2 वर्ष	12	11	4–28 दिन

औषध का नाम : कैनाविस सैटाइवा

पौटेन्सी : 6,30, 200

1	2	3	4	5	6	7
आंखें	चक्षुपटल का धुंधलापन	4	6 माह–1 वर्ष	03	02	6·माह–1 वर्ष
मलाशय	कब्ज़ एवं सख्त मल	1,4	10 दिन–1 वर्ष	21	21	3–29 दिन
मूत्रमार्ग	मूत्रमार्ग शोथ	4	15 दिन–3आह	24	21	15 दिन–1माह
	मूत्रमार्ग में सूचीवेधी पीड़ा	4	15 दिन–3 माह	24	21	15 दिन–1 माह
जननांग (स्त्री)	ऋतुरोध	4	2–3 माह	02	02	4–40 दिन
स्वरयंत्र	हकलाना	4	1–3 माह	04	04	3–10. दिन
श्वसनतंत्र	सांस के साथ छाती में खड़खडाहट गहरी सांस लेने की इच्छा	4	1–9 माह	03	03	2–31 दिन
	श्वासकष्ट < लेटने से > खड़े होने पर	4	2–4 वर्ष	05	05	3–55 दिन
अग्रांग	घुटनों में दर्द < सीढ़ियां चढ़ने पर	1,4	1–3 माह	29	25	3–15 दिन
	हाथों एवं तलवों में संकुचन के साथ चुनचुनाहट की अनुभूति < सुबह एवं सायंकाल	4	1–5 वर्ष	08	08	4–29 दिन

औषध का नाम : कैरिका पपाया **पौटेन्सी : मदर टिचंर, 6,30,200**

1	2	3	4	5	6	7
मुंह	मुंह में कड़वा स्वाद	4,7	1–2 सप्ताह	04	04	15 दिन
	जुबान लेपित	7	1–3 माह	209	198	1–3 माह
आमाशय	मतली एवं वमन < खाने के बाद	4,7,9	1 सप्ताह–1 माह	13	12	7–44 दिन
पेट	उदरवायु के साथ पेट का भारीपन	8	7–20 दिन	02	01	3–7 दिन
	दांयी कोख में दर्द, भारीपन, अधिजटर में मन्द पीड़ा	4,7	1–2 सप्ताह	05	05	7–15 दिन
	पीलिया	4,7	1–2 सप्ताह	08	08	7–15 दिन
	पेट का फूलना	7	1–6 माह	445	429	1–3 माह
मलाशय	कब्ज के साथ शुष्क, सख्त मल	8,9	10 दिन–3 वर्ष	275	259	3 दिन–6 माह
जननांग (स्त्री)	मासिक धर्म के दौरान मतली एव वमन	8	1–2 वर्ष	02	01	6–29 दिन

औषध का नाम : केशिया फिस्टूला **पौटेन्सी : मदर टिचंर, 6,30,200**

1	2	3	4	5	6	7
आमाशय	पेट में भारीपन के साथ क्षुधालोप	8	5 दिन–1 माह	10	08	2–22 दिन
पेट	पेट दर्द < गहरी सांस लेने से	8	10–20 दिन	09	08	3–12 दिन
	मल त्याग के उपरांत एवं दबाव से	8	2 दिन–1 वर्ष	09	09	3–30 दिन
मलाशय	कब्ज़ के साथ शुष्क, सख्त मल, भेड़ की लीद जैसा, 2–3 दिन बादं	8	7 दिन–1 माह	06	05	3–12 दिन
	कब्ज़ के साथ मलत्याग की असंतोषजनक इच्छा	8	1–10 दिन	13	11	15 दिन–1
श्वसनतंत्र	श्वासकष्ट के साथ दमघोटूं अहसास					
	गहरी सांस लेनी पड़ती है	8	3माह–10 वर्ष	10	08	15 दिन–1
	– खांसी के साथ	8	3 माह–10 वर्ष	07	07	15 दिन–1
	– धराधराहट के साथ	8	3 माह–10 वर्ष	04	04	15 दिन–1
	– श्लेष्मा की खड़खड़ाहट के साथ	8	1 माह–4 वर्ष	03	02	7–15 दिन
खांसी	छाती में संकुचन के साथ खांसी	8	1 माह–4 वर्ष	02	02	7–15 दिन
	खांसी के साथ वमन	8	1 माह–4 वर्ष	04	03	15 दिन
छाती	खांसने पर छाती में दर्द					

पीठ	ग्रीवा पृष्ठ में दर्द	8	3 माह	02	02	15 दिन
	पीठ में अकडन एवं दुखन	8	2–6 दिन	04	03	3–6 दिन
अग्रांग	घुटने में दर्द < हिलने डुलने से	8	7 दिन–3 माह	13	08	10–22 दिन
ज्वर	ज्वर के साथ सारे बदन में दुखन	8	2–5 दिन	04	03	2–4 दिन

औषध का नाम : सिफेलेण्डरा इंडिका **पौटेन्सी : मदर टिंचर, 6, 30, 200**

1	2	3	4	5	6	7
मुंह	प्यास के साथ मुंह का सूखना	4	7 दिन–4 वर्ष	07	07	3 दिन–1 वर्ष
पेट	उदरवायु के साथ पेट का फूलना	7	1–6 माह	04	04	3–5 दिन
मूत्र प्रणाली	बारम्बार एवं अत्याधिक मूत्रण के बाद दुर्बलता	4,7	10 दिन–3 माह	10	08	7 दिन– 1 वर्ष
	– < रात	4,9	1–2 वर्ष	10	08	7–38 दिन
पीठ	पीठ दर्द के साथ एड़ी में दर्द < हिलने डुलने से	8	4–10 माह	03	02	10–21 दिन
सार्वदेहिक	व्यापक दुर्बलता	9	1–2 वर्ष	03	01	7–28 दिन
	सारे शरीर में जलन की अनुभूति > ठण्डक लगाने से	7	3–4 वर्ष	02	02	9 माह–1 वर्ष
	मलत्याग के बाद दुर्बलता	7	4–15 दिन	02	02	4–20 दिन

औषध का नाम : क्यूपरम एसिटिकम **पौटेन्सी : 3 एक्स, 6 एक्स, 30, 200**

1	2	3	4	5	6	7
सिर	ललाट में मन्द पीड़ा	4	4–5 वर्ष	01	01	3 माह
पेट	पेट में कूथन के साथ दर्द < मल त्याग से पहले एवं बाद में	8	2–4 माह	03	01	2–29 दिन
	> मल त्याग के उपरांत	8	2 दिन–8 माह	09	07	4–40 दिन
खांसी	खांसी < सुबह, गाढ़ी सफेद बलगम के साथ, इससे छाती में दर्द होना	1,4	10 दिन	02	01	7–28 दिन
अग्रांग	शीतऋतु में उंगलियों एवं पैरों में दरारें	4	1 माह–2 वर्ष	01	01	3 सप्तांह
ज्वर	ज्वर के साथ शीतावस्था	8	2 दिन	01	01	1 दिन
त्वचा	विचर्चिका / सोरिएसिस, खुजली के साथ	1,4,9	3 माह–6 वर्ष	33	27	20 दिन–1 वर्ष

	रक्ताभ विचर्चिका उद्भेदों के साथ त्वचा का मोटा होना एवं ऊपर उठना सफेद सी पपड़ी, खुजली < रात	4	1–12 वर्ष	04	03	30 दिन
	उद्भेदों के साथ त्वचा की शुष्की < ग्रीष्म ऋतु में एवं खुजलाने पर रक्तस्त्राव रक्त का रिसना	4	1–12 वर्ष	02	01	30 दिन

औषध का नाम : साइनोडान डैक्टाइलान

पौटेन्सी : मदर टिंचर, 6, 30, 200

1	2	3	4	5	6	7
नाक	नाक से खुजली के साथ रक्तस्त्राव < ग्रीष्मऋतु में, सूर्य की गर्मी से	7	2 माह– 4 वर्ष	40	35	2सप्ताह–6 माह
आमाशय	क्षुधालोप	4,8	7–8 दिन	01	01	15 दिन
पेट	उदरवायु के साथ पेट का भारीपन	8,5	7 दिन–6 माह	54	47	6–10 दिन
	< खाने से	9	2 माह–3 वर्ष	09	09	2सप्ताह–3 माह
	शूलप्रकृति का दर्द < सुबह, > मल त्याग	7,5	7 दिन– 3 माह	102	88	15 दिन–4 माह
	< मल त्याग से पूर्व	5	7 दिन–3 माह	51	44	15 दिन– 4 माह
मलाशय	कब्ज के साथ शुष्क सख्त मल	8	7–12 दिन	12	11	3–10 दिन
	खूनी बवासीर के साथ चमकीला लाल रक्त	7	3 दिन– 2 माह	14	12	3–18 दिन
	< मल त्याग के दौरान एवं पश्चात	4,7,8	3 सप्ताह–4 वर्ष	42	38	3–4 माह
	पेचिश, श्लेष्मायुक्त मल	9	2–3 माह	03	03	2–3 सप्ताह
	कब्ज़ के दौरान मलाशय से रक्तस्त्राव	8	6 माह–3 वर्ष	06	06	5–50 दिन
मल	बारम्बार ढीला मल					
	– श्लेष्मा युक्त	7,8,9	2–10 दिन	21	16	2–7 दिन
	– रक्त युक्त	7,8,9	2–6 दिन	08	07	2–5 दिन
	पेट में नाभि के आसपास शूल प्रकृति के दर्द के साथ	7,8,9	3–6 दिन	09	07	3–4 दिन
	सख्त मल के साथ रक्त स्त्राव	7,8,9	2–10 दिन	20	17	3–6 दिन
	मल ढीला, जलीय, पीला सा, बदबूदार	4,8	3 माह–1 वर्ष	04	04	15 दिन
जननांग (स्त्री)	अतिरज, अत्याधिक चमकीले लाल खून के साथ	6	7 दिन–6 माह	51	44	15 दिन–4 माह
		7	4 दिन–4 माह	10	07	2–8 दिन

मूत्र प्रणाली	जलन के साथ मूत्र अवरोधन	8	2–7 दिन	09	08	2–4 दिन
खांसी	शुष्क आक्षेपिक खांसी < रात, सुबह	8	3–10 दिन	11	07	2–31 दिन
त्वचा	खुजली के साथ फुन्सीदार रक्ताभ उद्भेद	7	10–20 दिन	03	01	3–10 दिन
	कण्डू, खुजली के साथ	8	7 दिन–1 माह	08	06	3–26 दिन
	शरीर के विभिन्न अंगों से रक्तस्त्राव	7	6 माह–4 वर्ष	37	33	1–9 माह
	– चोट से	7	1–2 दिन	03	03	1 दिन
ज्वर	ज्वर के साथ प्यास न लगना एवं मुंह का सूखना	8	3–6 दिन	07	07	4–10 दिन

औषध का नाम : दामियाना

पौटेन्सी : 3 एक्स, 6, 30, 200

1	2	3	4	5	6	7
सिर	मन्द सिरदर्द, हथौड़े की मार जैसी < रात को शुक्रमेह के उपरांत	9	6 माह	11	05	7–42 दिन
	– अम्लता के साथ	9	6–10 दिन	02	01	3–7 दिन
	– < सायंकाल	8	3–9 माह	02	02	6–30 दिन
आमाशय	प्यास न लगना	1	6 माह	05	04	7–42 दिन
जननांग (पुरुष)	पुरःस्थग्रन्थि विवर्धन के साथ मूत्र का टपकना एवं जलन की अनुभूति	8	2–4 वर्ष	04	02	3–29 दिन
	चिरकालिक पुरःस्थग्रन्थि स्त्राव	4	1 माह–2 वर्ष	18	15	2–9 माह
जननांग (स्त्री)	अल्पवयस्क लड़कियों में प्राकृत मासिक धर्म प्रारंभ करना	4	6 माह–1 वर्ष	02	02	3–5 माह
	श्वेत प्रदर	4	6माह–1 वर्ष	02	02	2–3 माह
सार्वदेहिक	व्यापक दुर्बलता	9	2–6 माह	08	04	7–42 दिन

औषध का नाम : एम्बेलिया राईब्स

पौटेन्सी : मदर टिंचर, 6, 3.0, 200

1	2	3	4	5	6	7
नाक	नासाद्वार में चुभन एवं खुजली की अनुभूति	5	1–6 माह	164	157	1–3 माह
मुंह	अत्याधिक लालास्त्रवण	9	10 दिन– 2 माह	07	07	3–20 दिन
	< रात को	4,7	6 माह	36	15	15 दिन

आमाशय	मिठाई की इच्छा	9	7–45 दिन	09	09	7–15 दिन
	भोज़न के लिए कोई अभिरूचि न होने के साथ क्षुधालोप	4,7	6 माह–1 वर्ष	45	17	7–28 दिन
	ज्वर के साथ मत्तली की प्रवुति < रात को एवं सायंकाल, कृमि की वजह से	7	7–10 दिन	17	17	7–10 दिन
पेट	पेट में नाभि के आसपास शूल प्रकृति का/कटने जैसा दर्द ढ खाने के बाद एवं दबाव से, झ उदरवायु त्याग से	7,9	1 माह–1 वर्ष	190	148	7–96 दिन
	उदरवायु के साथ फुलावट झ उदरवायु त्याग	1,7,9	1–6 माह	129	116	1–3 माह
मलाशय	कब्ज़ के साथ अनियमित सूखा, सख्त मल	8	10 दिन–10 माह	15	10	6–20 दिन
	भोजन के उपरांत मल त्याग की इच्छा	8	6 माह–1 वर्ष	04	04	3–28 दिन
मल	मल में अपचित भोजन के कण	7	10 दिन–2 माह	74	70	10दिन–3 माह
	दिन में 3–4 बार ढीला मल त्याग, मल में श्लेष्मा के साथ कृमि निकलना ढ खाने के बाद	7,9	5 दिन– 6 माह	302	259	7 दिन– 3 माह
नींद	नींद में चीखना	7	1–3 माह	17	17	1–3 माह

औषध का नाम : इफेडरा वल्गैरिस | **पौटेन्सी : मदर टिंचर, 6, 30**

1	2	3	4	5	6	7
सिर	सिरदर्द – बायीं तरफ	4	1माह– 3 वर्ष	03	03	6 माह–1 वर्ष
आंखें	नेत्रोत्सेध के साथ गर्दन की अकड़न	4	1–3 वर्ष	02	02	6 माह–1वर्ष
	आंखों के आगे अंधेरा छाना	1,4	2 वर्ष	04	01	15 दिन
गला	निगलने पर गले में दर्द	1,4	15 दिन–2 वर्ष	05	02	15 दिन
श्वसनतंत्र	श्वासकष्ट के साथ श्वासरोध, छाती में कसाव की अनुभूति के साथ छाती के बायीं तरफ भारीपन, दृढ़क्षिप्रता, व्याकुलता	1	1 वर्ष	01	01	30 दिन
अग्रांग	टखनों के शोफ के साथ सुन्नपन	4	1 माह–1 वर्ष	03	03	4–29 दिन
सार्वदेहिक	रक्ताअल्पता के साथ चक्कर, गिरने की प्रवृति के साथ	4	1–6 माह	02	02	4–29 दिन

औषध का नाम : फैगोपाइरम एसक्यूलेंटम | **पौटेन्सी : 6,30, 200**

1	2	3	4	5	6	7
सिर	सिरदर्द – सिर पीछे की ओर झुकाने पर फटन > खुली हवा में चलने से	1,4	3–45 दिन	09	07	7–10 दिन
आंखें	आखों में दुखन एवं खुजली, शोथ, लाली, सूजन	4	3 दिन–6 माह	156	150	7 दिन– 1 माह
नाक	जुकाम के साथ अत्याधिक नासास्त्राव एवं छींके तथा नाक में दर्द, सिरदर्द, ज्वर	1,4,13	3 दिन–1 वर्ष	135	131	3 दिन– 1 माह
	दाएं नासाद्वार में दुखन, छिला हुआ जैसी अनुभूति एवं पपड़ी बनने के साथ नींद से जागने पर नाक से बदबू, रात को नाक का बंद हो जाना	4,9	6 दिन	03	01	7 दिन
गला	गलतुण्डिकाओं की दर्द एवं ज्वर के साथ सूजन	4	6–15 दिन	05	02	6–9 दिन
	अलिजिह्वा की सूजन एवं लम्बा होना	4,13	4–15 दिन	07	07	7–14 दिन
	गले में दुखन	4	3–7 दिन	08	08	3–7 दिन
	– शुष्क खांसी के साथ	4	3 दिन	01	01	3 दिन
	गले में गलतुण्डिकाओं की सूजन के साथ, चर्मविदारण जैसी अनुभूति	4	7 दिन–1 वर्ष	89	84	7 दिन–1 माह
जननांग (स्त्री)	भगकण्डू के साथ सफेद, पीला सा श्वेतप्रदर, बदबूदार	1,4	7 दिन–2 माह	48	39	9–18 दिन
	श्वेतप्रदर – पीठ दर्द, योनि में खुजली एवं दरारों के साथ गाढ़ा सफेद–पीला सा स्त्राव < पानी लगाने से	1,4,9	3–7 माह	07	07	5–15 दिन
पीठ	मासिक धर्म अत्याधिक, समय से पूर्व	4	6 माह–2.5 वर्ष	03	03	3–39 दिन
अग्रांग	गर्दन की अकड़न	4	7–14 दिन	03	03	9–12 दिन
त्वचा	बाजुओं एवं टांगों में खुजली < सांयकाल	1	15 दिन–6 माह	47	42	1–9 माह
	समतल शैवाक, दरारों, रक्त स्त्राव के साथ शुष्क शल्कमय उद्भेद	1	15 दिन–6 माह	47	42	1–9 माह
	खुजली < रात, पसीने से, सूर्य की गर्मी से	4	5–13 माह	04	03	2 माह
	बिना उद्भेदों के खुजली	1	15 दिन– 6 माह	23	23	1–9 माह

औषध का नाम : फैरम पिक्रिकम

पौटेन्सी : 6, 30, 200

1	2	3	4	5	6	7
चक्कर :	व्यापक दुर्बलता एवं शिरोघूर्णन के साथ चक्कर, असंतुलन	4	1–10 माह	04	03	15 दिन–1 माह
कान	कर्णस्त्राव – खुजली के साथ मवाद जैसा स्त्राव	4	1 माह	01	01	1 माह
	कर्णशूल	4	1 दिन– 1 माह	04	02	15 दिन
	कानों में भिनभिनाहट के साथ मन्दकर्ण	4	6 माह–3 वर्ष	43	38	1–9 माह
स्वरयंत्र	स्वररूक्षता	4	2 दिन–6 माह	06	06	1–11 दिन
पेट	अपाचन के साथ सिरदर्द < भोजन के उपरांत, जुबानलेपित	4	2 माह–2 वर्ष	02	02	10–40 दिन
मलाशय	मलाशय में भरे हुए का अहसास एवं दबाव	4	6 माह–1 वर्ष	29	25	1–9 माह
मूत्र प्रणाली	मूत्र में अन्नसार के साथ बारम्बार मूत्रण	4	20 दिन–6 माह	05	05	6–34 दिन
	पुरःस्थग्रन्थि विवर्धन के साथ अल्प मात्रा में एवं बारम्बार मूत्रण	4	1 माह–3 वर्ष	08	07	20–25 दिन
	मलाशय में भरापन एवं दबाव मूत्राशय ग्रीवा एवं लिंग में टीस उठना	4	6 माह– 1 वर्ष	29	25	1–9 माह
त्वचा	मस्से – साबूदाने जैसे, अनेक	1,4	2 माह–1 वर्ष	11	06	7 दिन–1 माह
सार्वदेहिक	दुर्बलता की अनुभूति	1	2–20 दिन	08	08	3–18 दिन
	रक्ताल्पता के साथ	1	7–20 दिन	03	03	6–18 दिन
	जलवायु बदलने के बाद	1	2–10 दिन	05	05	3–6 दिन

औषध का नाम : गैलिकम एसिडम

पौटेन्सी : 6, ...

1	2	3	4	5	6	7
सिर	गर्दन के पीछे की तरफ सिरदर्द	4	3–20 दिन	13	12	3–20 दिन
मुंह	द्विपक्षीय कर्णमूलग्रन्थियों की सूजन	4	2 माह	01	01	7 दिन
नाक	जुकाम, गाढ़ा, चिपचिपा, पीला स्त्राव	4	10 दिन–1 माह	06	06	3–20 दिन
आमाशय	क्षुधालोप	1,4	3–30 दिन	27	23	3–20 दिन
	खट्टे डकार	4	6–7 माह	02	02	2–7 दिन
मलाशय	असंतोषजनक, 2–3 ढीले मल	4	1 माह–3 वर्ष	04	03	7–14 दिन

मूत्रमार्ग	मूत्रण के समय मूत्रमार्ग मे जलन अल्प मात्रा में, अवरुद्ध बहाव, बूंद बूंद टपकना	4,9	6 माह	04	03	7–14 दिन
मूत्र	मूत्रण धुंधला, बारम्बार	4	20–30 दिन	10	09	10–20 दिन
खांसी	खांसी–शुष्क, आक्षेपिक, के साथ– अल्प मात्रा में बलगम, सफेद, पीला, रक्तमिश्रित, श्वासकष्ट के साथ < दिन, रात, > कफोत्सारण से	4	3–6 माह	14	14	7–15 दिन
	खांसी < सुबह, रात	4	3 माह–6 वर्ष	02	02	7–15 दिन
	खांसी के साथ श्वासकष्ट	4	20 दिन–5 माह	04	04	15 दिन–1 माह
बलगम	सुबह अत्याधिक कफोत्सारण > दिन में, रात को	4	6 माह–1 वर्ष	02	02	4–9 माह
छाती	खांसने पर छाती के ऊपरी हिस्से में दर्द	4	30 दिन	01	01	7 दिन
	छाती के दायी तरफ दर्द < खांसने, परिश्रम से	4	30 दिन	13	13	7–15 दिन
	छाती में दर्द < ठण्डक से, सुबह, सायकाल, क्षुधालोप के साथ	4	1 माह–2 वर्ष	03	02	10–32 दिन
ज्वर	शीतावस्था, सिर चकराने, व्याकुलता एवं बदनदर्द के साथ ज्वरग्रस्त अनुभूति < सायंकाल	4	5 माह–1 वर्ष	09	07	7–15 दिन
पसीना	रात को अधिक पसीना आना	4	5 माह–1 वर्ष	02	01	15 दिन
त्वचा	छपाकी < सुबह, > गर्माहट से	4	2 माह	12	06	10 दिन
सार्वदेहिक	दुर्बलता	4	5 माह–1 वर्ष	06	05	7–15 दिन
	व्यापक दुर्बलता के साथ बदन दर्द	4	3–6 माह	01	01	7–15 दिन

औषध का नाम : ग्लाइसर्हिजा ग्लैब्रा

पौटेन्सी : मदर टिंचर, 6, 30, 200

1	2	3	4	5	6	7
नाक	जुकाम के साथ पतला नासास्त्राव	8	3–4 दिन	54	18	3–30 दिन
	– स्वररूक्षता के साथ	8	4 दिन	01	01	3 दिन
	– <ठण्डे पेय, खुली हवा,>गर्माहट से	8	2–3 दिन	01	01	9 दिन
	छींकें < सुबह	8	2 माह– 2 वर्ष	29	07	7–28 दिन
	ज्वर के साथ गलतुण्डिका शोथ, बदनदर्द < ठण्डे पेय	8	2–12 दिन	05	05	15–30 दिन

मलाशय	कब्ज़ मल शुष्क, सख्त	8	2 माह	02	01	7–15 दिन
खांसी	रात में शुष्क खासी	8	3–20 दिन	41	08	7 दिन–1 माह
ज्वर	रात में शीतावस्था के साथ ज्वरग्रस्त	9	2–5 दिन	16	04	7–10 दिन

औषध का नाम : जिमनैमा सिल्वैस्ट्रे पौटेन्सी : मदर टिंचर, 6, 30

1	2	3	4	5	6	7
आमाशय	ठण्डे पानी के लिए अत्याधिक प्यास	4	7–30 दिन	16	16	7–15 दिन
मूत्राशय	ज्वलनकारी मूत्रण	8	1–2 वर्ष	06	06	5–31 दिन
पीठ	पीठदर्द के साथ सुन्नपन	8	20 दिन–डेढ़ वर्ष	02	02	3–45 दिन
जननांग (स्त्री)	खुजली के साथ उद्भेद	4,9	10–30 दिन	07	07	3–15 दिन
	श्वेतप्रदर के साथ पीठदर्द	8	8 माह–3 वर्ष	01	01	14–45 दिन
अग्रांग	सन्धि पीड़ा < मौसम के बदलाव से शीतऋतु, आराम तथा > परिश्रम	4,7	2 वर्ष	01	01	15 दिन
	टांगों में ऐंठन एवं सुन्नपन के साथ दर्द (मधुमेह)	4,7	2 माह	01	01	15 दिन
सार्वदेहिक	मूत्र के उपरांत दुर्बलता एवं थकावट	7	6 माह–3 वर्ष	05	05	3 माह–1 वर्ष

औषध का नाम : हेक्ला लावा पौटेन्सी : 6, 30, 200

1	2	3	4	5	6	7
चेहरा	दन्त-क्षरण से आननतंत्रिका शूल	4	15 दिन–2 माह	19	17	15 दिन–3 व[illegible]
मुंह	दन्तपूतिता	4	1–3 माह	04	04	7–20 दि[illegible]
	मसूड़े स्पंजी एवं मसूड़े का फोड़ा	4	1–3 वर्ष	67	64	1–2 माह
	दुर्गन्धित श्वास	4,8	1–3 माह	23	17	15 दिन–2 [illegible]
जननांग (स्त्री)	सफेद श्वेतप्रदर सा स्त्राव < मासिक धर्म के बाद	8	6 माह	02	01	7 दिन–2 [illegible]
गर्दन	ग्रीवाग्रन्थियों का विवर्धन	4	15 दिन–1 वर्ष	43	39	12 दिन–1 [illegible]
अग्रांग	अध्यारिथता	4	2 माह–3 वर्ष	10	10	9 दिन–1 [illegible]
	पर्विलता	4	3 माह–1 वर्ष	02	02	20–36 दि[illegible]
	अरिथगलन	4	1–2 वर्ष	04	03	1 माह–1 [illegible]

औषध का नाम : होलेर्हिना एन्टीडायसेन्ट्रिका पौटेन्सी : 6, 30,200

1	2	3	4	5	6	7
पेट	पेट में उदरवायु के साथ भारीपन	8	7 दिन–6 माह	13	12	6 दिन–1 माह
मलाशय	मल अपर्याप्त, असंतोषजनक, ढीला, कब्जियत वाला, कई बार < भोजन के उपरांत (मल में अकुंश–कृमि पाया जाना)	8	7 दिन–2 वर्ष	11	09	3–10 दिन
ज्वर	ज्वर के उपरांत दुर्बलता एवं प्यास का बढ़ जाना	8	2दिन	01	01	2 दिन

औषध का नाम : हाइड्रोकोटाइल एशिएटिका पौटेन्सी : मदर टिंचर, 6,30,200

1	2	3	4	5	6	7
मन	एकांत में रहने की प्रवृति एवं उदासीनता	7	7–10 दिन	03	03	4–7 दिन
सिर	सिरदर्द, भारीपन (ललाटीय)	4,7	1 वर्ष	03	02	15 दिन
कान	दायें कान से कर्णस्त्राव, बदबूदार मवाद जैसा स्त्राव	8	1–5 वर्ष	01	01	15 दिन
आमाशय	क्षुधालोप	7	7 दिन– 6 माह	20	13	7 दिन–1 माह
मलाशय	मल त्याग की अप्रभावी इच्छा	4	1–9 माह	10	06	2–25 दिन
श्वसनतंत्र	श्वासकष्ट < परिश्रम, चलने से, सीढ़िया चढ़ने पर, हिलने डुलने से, मौसम बदलने से, वर्षाऋतु में	8	3–4 वर्ष	02	02	7–15 दिन
पीठ	कटि प्रदेश में पीठ दर्द < हिलने डुलने से	7	2 वर्ष	03	03	8–25 दिन
जननांग (स्त्री)	भगकण्डू	4	1–6 माह	77	73	1–6 माह
अग्रांग	हाथों, चेहरे, टांगों, बाजुओं, छाती पर बिना खुजली वाले धुंधले धब्बे	4,7,8	1 माह–4 वर्ष	05	03	15 दिन–1 माह
	पैरों एवं टखनों में दर्द के साथ सूजन, दाबवेदना ढ हिलने डुलने से	4	15दिन–1 वर्ष	04	03	5–30 दिन
	जांघों, कूल्हों, टांगों, वृषणकोष पर खुजली के साथ एक्जीमा, खरोंचने के बाद जलीय स्त्राव, ढ ग्रीष्मऋतु, मौसम बदलने से	4	1 माह–6 वर्ष	04	02	7–49 दिन

	उंगलियों पर दर्द एवं खुजली के साथ पुटिका उद्भेद	1	8 दिन–2 वर्ष	12	06	7–35 दिन
	उंगलियों के नाखुनों का विरूपण एवं भंगुरता	9	6 माह–12 वर्ष	08	01	7 दिन–1 मा[illegible]
	बायें कंधे में दर्द ढ शीत ऋतु	4	3 दिन–6 वर्ष	07	06	6–37 दिन
त्वचा	उद्भेदों के साथ अतिवर्णकता	4,7,8	3–40 दिन	14	07	15 दिन–1 मा[illegible]
	– खरोंचने पर रक्तस्त्राव एवं रिसना	4,7,8	3–40 दिन	10	04	15 दिन–1 मा[illegible]
	– त्वचा उतारने के साथ	4,7,8	3–40 दिन	10	04	15 दिन–1 मा[illegible]
	– त्वचा की शुष्की एवं दरारों के साथ	4,7,8	3–40 दिन	10	04	15 दिन–1 मा[illegible]
	– खुजली के साथ < रात, शीत ऋतु	4,7,8	3–40 दिन	10	07	15 दिन–1 मा[illegible]
	– खरोंचने पर रक्तस्त्राव	4,7,8	3–40 दिन	02	01	15 दिन–1 मा[illegible]
	– खरोंचने के बाद जलन	4,7,8	3–40 दिन	02	01	15 दिन–1 मा[illegible]
	बाजुओं एवं जाघों पर खुजली के साथ छपाकी जैसे उद्भेद > स्नान उपरांत, सुबह, दिन में, < सांयकाल, एवं खरोंचने से	4,7,8	1 दिन–4 वर्ष	05	05	15 दिन
	< गर्मी से, > ठण्डक से	7,9	1 माह–2 वर्ष	04	03	7–15 दिन
सार्वदेहिक	अत्याधिक दुर्वलता की अनुभूति एवं काम करने की अनिच्छा	8	3 दिन–1 माह	09	09	4–15 दिन

औषध का नाम : हाइग्रोफीलिया स्पीनोसा **पौटेन्सी : 6, 30, [illegible]**

1	2	3	4	5	6	7
मलाशय	कब्ज़, शुष्क, सख्त मल	4	2–18 दिन	18	08	5–31 दि[illegible]
मूत्र प्रणाली	गुर्दा पथरी की वजह से शूल जैसी वेदना	7	2 माह–1 वर्ष	07	07	10 दिन–9 [illegible]
	जलन के साथ बारम्बार मूत्र त्याग की इच्छा	7	15 दिन–1 वर्ष	15	14	1–9 [illegible]
जननांग (स्त्री)	श्वेतप्रदर पतला, जलीय	4,7	2माह–3 वर्ष	06	03	15 दि[illegible]
ज्वर	शीतावस्था के साथ ज्वर ढ सुबह	4	3–15 दिन	12	10	3–20 दि[illegible]
त्वचा	खुजली के साथ छपाकी ज्वर, व्याकुलता के साथ	7,9	3 दिन–6 माह	25	18	3–20 दि[illegible]
	< गर्मी से, > ठण्डक लगाने से	4,7,9	3 दिन–8 वर्ष	184	126	3 दिन–6 [illegible]

	छोटी लाल फुन्सियों के साथ घमौरियां < गर्मी से, > ठण्डक लगाने से	7	5–15 दिन	17	17	7 दिन–1 माह
	खुजली के साथ छोटे लाल उद्भेद खरोंचने के बाद जलन < गर्मी से, पसीने से, रात को, सांयकाल से, ग्रीष्म ऋतु में > खरोंचने से	4	2 दिन–2 माह	09	09	7–15 दिन

औषध का नाम : आइरिस टेनैक्स **पौटेन्सी : 6, 30, 200**

1	2	3	4	5	6	7
आंखें	दोनों आंखों में खुजली के साथ कनपटी क्षेत्र में अविराम पीड़ा	1	3–7 दिन	05	05	3–7 दिन
मुंह	मुंह का सूखना	4	3–30 दिन	06	06	3–15 दिन
	मुखशोथ, शुष्क मुंह, जलन > ठण्डी हवा	1	5 दिन–3 माह	65	63	7 दिन–3 माह
मलाशय	शेषान्त्र – उण्डुकीय क्षेत्र में दर्द – कब्ज़ के साथ	4	7–20 दिन	128	119	3–9 माह
ज्वर	शीतावस्था के साथ ज्वर	8	1–4 दिन	15	08	5–10 दिन

औषध का नाम : जैबोरेन्डी **पौटेन्सी : 6, 30,200**

1	2	3	4	5	6	7
सिर	सिरदर्द, सारे सिर में आंखों के भारीपन के साथ अविराम पीड़ा एवं फटन, आंखों की कमजोरी < पढने से, परिश्रम से, दिन में	3,4	1–2 माह	15	12	15 दिन
	गंजापन (कपालावर्ण पर सीमित खालित्य)	4,9	20 दिन–4 माह	62	60	10 दिन–1 वर्ष
	त्वचा की शुष्कता, खुजली के साथ रूसी (खुजली < रात)	4,9	8–9 वर्ष	38	19	10 दिन–2 माह
	बालों का गिरना (< स्नान, मलने एवं कंघी करने से, बाल धोने से)	2,4,9	10 दिन–5 वर्ष	255	202	15 दिन–2 माह
	बालों का अपरिपक्व सफेद होना	9	20दिन–5 वर्ष	195	172	20–30 दिन
	सिर, सारे बदन, हथेलियों एवं तलवों पर अत्याधिक पसीना < ग्रीष्म ऋतु	4	1–6 वर्ष	05	02	7 दिन

चक्कर	परिश्रम के उपरांत, आंखों के अत्याधिक इस्तेमाल के बाद चक्कर के साथ अन्धेरा छाना	3	4 वर्ष	03	01	7–42 दिन
आंखें	मांसपेशियों के स्फुरण के साथ नज़र क्षीण होना	4	1–6 माह	08	04	3–31 दिन
	आंखों के अत्याधिक इस्तेमाल के दुष्परिणाम	4	2–4 माह	97	97	15 दिन–3 माह
	नजर का धुंधलापन	4	3 माह–1 वर्ष	49	46	1 माह–1 वर्ष
	अश्रुपात	4	2–4 माह	58	58	1 माह–1 वर्ष
	आंखों के आगे सफेद धब्बे नजर आना	1	3 माह–1 वर्ष	37	33	1 माह–1 वर्ष
चेहरा	चेहरे पर खुजली, पसीने के साथ फुन्सियां	1,4,9	2 दिन–1 वर्ष	86	78	2–4 दिन
	कर्णमूलग्रन्थिशोथ (दर्द के साथ)	4	7 दिन–6 माह	13	11	3–28 दिन
जननांग (पुरुष)	पुरुष जननांगों पर उद्भेद	9	20 दिन–3 माह	03	03	15–22 दिन
छाती	हल्के श्वासकष्ट के साथ स्पन्दन (< परिश्रम से)	4	2 माह	02	02	15 दिन
	गहरी श्वास के साथ श्वासकष्ट, पसीना < रात, दिन	4	1–6 माह	02	02	3–47 दिन
पसीना	अत्याधिक पसीना	1,2,4	7 दिन–6 माह	19	17	3–28 दिन
सार्वदेहिक	पसीने की अधिकता	4	3 माह–3वर्ष	117	110	3 माह–1 वर्ष

औषध का नाम : जकारंदा कैरोबा **पौटेन्सी : 6, 3**

1	2	3	4	5	6	7
नाक	प्रवाही जुकाम	4	3–7 दिन	14	10	3–7 दिन
मूत्रमार्ग	मूत्रण के दौरान जलन के साथ सफेद सा स्त्राव	4	15 दिन	02	02	1 सप्ताह
जननांग (पुरुष)	लिंगमुण्डच्छद की सूजन के साथ कष्टकर निरुद्धमणि	4	6 दिन–3 वर्ष	06	06	7 दिन–1 वर्ष
पीठ	पीठ एवं गर्दन की मांसपेशियों में अकड़न के साथ वातवेदना < हिलने डुलने से, > गर्म सेंकाई से	4	3 दिन–2 वर्ष	02	02	3–20 दिन
खांसी	सूखी खांसी < रात	4	7–15 दिन	06	06	7–15 दिन
अग्रांग	प्रमेह संबंधी सन्धिशोथ	4	6 माह–3 वर्ष	04	02	3 माह–1 वर्ष

औषध का नाम : जलापा **पौटेन्सी : 6, 30**

1	2	3	4	5	6	7
मन	दिन रात व्याकुलता के साथ रोना	4.9	2–20 दिन	08	06	2–7 दिन
	बच्चा सारा दिन अच्छा रहता है परन्तु रात को चीखता एव व्याकुल रहता है	4	15 दिन–3 माह	39	39	7–15 दिन
नाक	शिशुओं में जुकाम	1	2–5 दिन	06	06	3–5 दिन
आमाशय	क्षुधालोप	4	3–30 दिन	44	40	3–15 दिन
	कुछ भी खाने से वमन	4	10–45 दिन	01	01	3–7 दिन
	दही जैसा < दूध पिलाने से	9	2 दिन	01	01	2–5 दिन
पेट	उदरवायु के साथ पेट का फूलना	4	3–90 दिन	76	72	3–25 दिन
	नाभि प्रदेश में पेट दर्द	4	2–15 दिन	03	02	2–7 दिन
	– वमन के साथ	8	2–3 दिन	07	07	2 दिन
मलाशय	दस्त के साथ जलीय मल, फीका, हरा सा, बदबूदार ढ दन्तविन्यास के दौरान, बारम्बार, अत्याधिक < खाने के बाद, दूध पीने से	4	10–45 दिन	19	12	3–7 दिन
	गड़गड़ाहट की ध्वनि के साथ	4	15–3 माह	74	73	2–3 दिन
मल	श्लेष्मा के साथ ढीला मल, बारम्बार, जलीय, पीला सा	1,2,4	2–4 दिन	06	04	3–10 दिन
पीठ	पीठ दर्द	8	5 दिन–2 वर्ष	09	04	7–29 दिन
अग्रांग	टांगों एवं बाजुओं में दर्द ढ रात	8	7 दिन–2 वर्ष	02	02	6'–33 दिन
छाती	खांसने के साथ छाती में दर्द < रात, सुबह	8	2–7 दिन	04	04	6–21 दिन
सार्वदेहिक	मलत्याग के उपरांत व्याकुलता	1	2–10 दिन	08	08	3–15 दिन

औषध का नाम : जुगलांस रेजिया **पौटेन्सी : 6, 30, 200**

1	2	3	4	5	6	7
मन	ऐसा अहसास जैसे सिर हवा में तैर रहा है	4	15 दिन–1 माह	02	02	1–31 दिन
सिर	पश्चकपालिक सिरदर्द ढ सायंकाल, > खुली हवा	4	1–6 माह	183	183	2–10 दिन
	सिरदर्द रात्रि भोज के बाद एवं सायंकाल को	1	3–20 दिन	04	04	3–10 दिन

आंखे	गुहांजनी (कष्टकर), आंखों की सूजन लाली एवं पुनरावर्ती	4	2–7 दिन	111	109	3–10 दिन
	दांयी निचली पलक	9	7 दिन–6 वर्ष	14	03	5–21 दिन
चेहरा	चेहरे पर फुन्सियां	1,2,4,9	7 दिन–6 माह	45	40	3–35 दिन
	– खुजली के साथ	1,2,4,9	7 दिन–2 माह	233	215	3–35 दिन
	– बिना खुजली के	1,2,4,9	10 दिन–2 माह	10	09	3–35 दिन
	चेहरे, माथे पर मुहांसे, कष्टकर, खुजली के साथ	4	1–10 सप्ताह	16	13	15–30 दिन
	– मवाद जैसा स्त्राव					
	– छूने से कष्टकर	4,1,9	1–10 सप्ताह	136	58	15–30 दिन
	– विरोहण के उपरांत गहरी वर्णकता	4,1,9	1–10 दिन	07	07	15–30 दिन
	– तैलीय चेहरे के साथ	4,1,9	1 वर्ष	12	04	15–30 दिन
	ब्लैकहैडस	4,1,9	2–5 माह	55	24	15–30 दिन
	कान के पीछे चिपचिपे स्त्राव के साथ	4	1 माह–2 वर्ष	16	07	7–40 दिन
	पूयस्फोटिकाभ उद्भेद	4	1–6 माह	113	106	1 माह–1 वर्ष
आमाशय	प्यास का बढ़ जाना	9	3–6 माह	04	02	7–21 दिन
पेट	पेट में उदरवायु के साथ भारीपन	1	1 वर्ष	06	04	7–15 दिन
मलाशय	दुःसाध्य कब्ज़, सख्त मल	4	3–12 दिन	35	21	3–30 दिन
	खूनी बवासीर	4	7–30 दिन	02	02	3–15 दिन
त्वचा	खुजली के साथ छोटे फुन्सीदार, लाल उद्भेद < रात, वस्त्र बदलने पर	1	1–6 माह	205	198	1 माह–1 वर्ष
	छाती के ऊपरी हिस्से पर खुजली के साथ पुटिका < रात	9	1–6 माह	205	198	1 माह–1 वर्ष
	खुजली < रात	9	1–6 माह	205	198	1 माह–1 वर्ष
	कांखग्रन्थि कष्टकर, कठोर, सपूय	4	1–6 माह	103	96	1 माह–1 वर्ष

औषध का नाम : काली म्यूरिएटिकम **पौटेन्सी : 6 एक्स, 12 एक्स, 6,30,200**

1	2	3	4	5	6	7
सिर	मन्द अविराम ललाटीय सिरदर्द	9	6 माह–2 वर्ष	61	35	2–6 सप्ताह
	कपालवर्ण में रूसी की वजह से खुजली	4	3 माह–1 वर्ष	111	98	1–6 माह
कान	कर्णस्त्राव, गाढ़ा सफेद सा, बदबूदार स्त्राव	1,4,8,9	3 दिन–3 वर्ष	67	49	2दिन–8 सप्ताह
	– दर्द के साथ	4	2 दिन–3 वर्ष	332	310	3–9 दिन
	– दांया कान	4,8	1.5 माह–7वर्ष	03	03	7 दिन
	– बांये कान में दर्द एवं खुजली	4,8	4 माह–1 वर्ष	06	06	15–30 दिन
	मध्य कर्ण का चिरकालिक प्रतिश्याय	4	3 माह – 3 वर्ष	319	298	1–6 माह
श्रवण	बहरापन	1	3 माह–3 वर्ष	319	298	1–6 माह
नाक	जुकाम के साथ सफेद गाढा नासास्त्राव	8	3–15 दिन	123	82	3–10 दिन
	– पतला जलीय नासास्त्राव	4,8,7	4 माह–1 वर्ष	406	371	15 दिन–1 माह
	– पीला स्त्राव	4	4 माह–1 वर्ष	215	205	15 दिन–1 माह
	– जलन के साथ बारम्बार छींके	4,8,9	4 माह–1 वर्ष	57	36	15 दिन–1 माह
	– नाक बंद होना < रात	4,8	1–5 वर्ष	23	07	15 दिन
	– नासापश्च टपकन	4,8	1–5 वर्ष	02	02	1 माह
	– सिरदर्द एवं कान में दर्द के साथ	4,8	8 वर्ष	02	02	15 दिन
चेहरा	मुहांसे	4	6 दिन–2 वर्ष	16	08	2–24 दिन
मुंह	मुखशोथ के साथ मुंह में सफेद से धब्बे	8	4 दिन–1 माह	30	22	3–12 दिन
	सफेद लेपित जुबान	4,9	15 दिन–4 माह	38	27	8 दिन–8 सप्ताह
गला	गलतुण्डिकाशोथ के बाद गले में दर्द < निगलने से	8	3–10 दिन	06	06	2–10 दिन
	कण्ठदाह < ठण्डक से, > गर्म से	4	2 माह–2 वर्ष	43	22	1–3 सप्ताह
	गलतुण्डिका विवर्धन, कष्टकर, दांया दांये कान की तरफ प्रसारित होना	6	10 दिन–1 वर्ष	193	182	1–6 माह
	– निगलने में कष्ट	6	10 दिन–1 वर्ष	193	182	1–6 माह
आमाशय	मतली एवं वमन के साथ अपाचन < चरबीदार भोजन से	4	10 दिन–1 वर्ष	02	02	3–20 दिन
मलाशय	कब्ज़ के साथ सूखा, सख्त मल, उदरवायु एवं हृद्दाह के साथ	8	7 दिन–1 माह	31	27	6–20 दिन
मल	मल ढीला, जलीय, अल्पठोस	4	3 सप्ताह–2 माह	37	22	2–3 सप्ताह
जननांग (स्त्री)	श्वेतप्रदर, सफ़ेद, गाढ़ा, जलन रहित स्त्राव	8	10 दिन–1 माह	05	05	6–20 दिन
श्वसनतंत्र	खांसी के साथ श्वास कष्ट < रात, ठण्डक से, पसीने से, वर्षा ऋतु में, परिश्रम से	4,8	5 माह– 6 वर्ष	04	04	15 दिन

1	2	3	4	5	6	7
	खांसी के साथ श्वासकष्ट< ठण्डी हवा	4	1 माह–15 वर्ष	09	08	7 दिन–1 माह
	गले में खुजली के साथ सूखी खांसी	4	15 दिन–6 माह	135	131	15 दिन–3 माह
	खांसने पर छाती मे दर्द	4	1 माह	17	13	15 दिन–1 माह
ज्वर	ज्वरग्रस्त अनुभूति < सांयकाल	4	3 दिन	13	08	7 दिन

औषध का नाम : माइगेल लैसीओडोरा

पौटेन्सी : 6, 30, 200

1	2	3	4	5	6	7
सिर	ललाटीय क्षेत्र में मन्द सिरदर्द	4	5–30 दिन	22	18	3–7 दिन
मुंह	जुबान बाहर निकालने में कष्ट	8	1–6 माह	02	02	3–30 दिन
चेहरा	चेहरे की मांसपेशियों की आक्षेपिक आंकुचन < रात	4	6 माह–2 वर्ष	03	03	3 माह–1 वर्ष

औषध का नाम : निक्टेन्थस आर्बोरट्रिस्टिस

पौटेन्सी : 6, 30,200

1	2	3	4	5	6	7
मुंह	सफेद लेपित जुबान	8	10 दिन–2 माह	31	21	4–25 दिन
	मतली एवं बढ़ती प्यास के साथ मुंह का स्वाद कड़वा	8,9	3 दिन–1 माह	72	40	4–37 दिन
	मुंह के सूखने के साथ प्यास का बढ़ना	8	6 दिन–1 माह	11	11	2–11 दिन
आमाशय	ठण्डे पानी के लिए इच्छा	9	2–10 दिन	06	02	2–7 दिन
	सिरदर्द के साथ पैतिक वमन, चक्कर एवं क्षुधालोप	8	2–3 दिन	02	02	10–11 दिन
	क्षुधालोप	9	2 दिन–1 वर्ष	21	12	7 दिन–1 माह

औषध का नाम : फिलैन्थस निरूरी

पौटेन्सी : मदर टिंचर, 30

1	2	3	4	5	6	7
मुंह	लेपित जुबान	8	1 माह	02	02	5–15 दिन
आमाशय	क्षुधालोप	8	2 माह	03	03	4 दिन
	ठण्डे पेय से मतली	8	10–20 दिन	14	10	4–10 दिन
मल	पेट में दर्द के साथ ढीला मल	8	2–3 दिन	03	03	3 दिन
जननांग	मासिक धर्म समय से पहले एवं अत्याधिक, गहरे रंग का खून एवं पेट के निचले हिस्से में दर्द के साथ < ठण्डक से	8	3 माह–2 वर्ष	04	03	5–44 दिन

औषध का नाम : सराका इंडिका

पौटेन्सी : मदर टिंचर, 6,30,200

1	2	3	4	5	6	7
चक्कर	गिरने की प्रवृति के साथ चक्कर < सांयकाल	4,7	15 दिन–2 वर्ष	03	03	7 दिन
	आंखों के आगे अन्धेरा छाना	4,7	15 दिन–2 वर्ष	08	06	15 दिन
सिर	कनपटी में सिरदर्द, भारीपन (> आराम)	4,7	6 वर्ष	06	04	15 दिन
	अपर्याप्त मासिक धर्म की वजह से एक तरफा सिरदर्द झ रक्त के खुले बहाव से, स्नान से, मतली एवं क्षुधालोप के साथ	3	3 माह–1 वर्ष	141	128	2 माह–1 वर्ष
आंखें	आंख की ऊपरी पलक पर कष्टकर गुहांजनी	7	2–4 दिन	04	04	4–7 दिन
नाक	जुकाम के साथ पतला नासास्त्राव, छीकें, सिरदर्द, सिर का भारीपन, अधीरता, गन्धज्ञानाभाव, प्यास	8,4	1–15 दिन	81	77	17–30 दिन
मुंह	गलतुण्डिकाशोथ	8	3–7 दिन	04	04	21 – 26 दिन
आमाशय	क्षुधालोप	4,7	2 वर्ष	10	06	15–30 दिन
	अधिजठरीय पीड़ा	4	15 दिन–1 माह	02	01	7–15 दिन
	खट्टे भोजन के लिए इच्छा	8	1 माह–1 वर्ष	04	04	19–23 दिन
पेट	उदरवायु के साथ पेट की फुलावट	4,7	7–8 वर्ष	106	89	30 दिन
	पेट के निचले हिस्से में दर्द < मासिक धर्म के दौरान	4,7	4 माह–10 वर्ष	29	16	7–30 दिन
	कोख में दर्द, तीव्र अविराम पीड़ा एवं सूचीवेधी पीड़ा ढचलने से, सीढ़िया चढ़ने पर, लंबे समय तक बैठने पर	4,7	7–8 वर्ष	03	01	15 दिन
मलाशय	बवासीर	7	3 दिन–6 माह	14	14	6–32 दिन
	– रक्तस्त्राव के साथ	7	3 दिन–3 माह	09	09	6–28 दिन
	– सूखी, कष्टकर	7	7 दिन–6 माह	05	03	3–20 दिन
	– खुजली के साथ	7	7 दिन–6 माह	03	03	4–10 दिन
	– (< चर्बीदार एवं तले हुए भोजन से)	7	10 दिन–3 माह	02	02	10–30 दिन

औषध का नाम : लेपिस एल्बा

पौटेन्सी : 6,30,200

1	2	3	4	5	6	7
	सिरदर्द, फटन सी दर्द < भोजन के उपरांत	4	3 माह– 2 वर्ष	02	02	8–16 दिन
	पश्चकपालिक सिरदर्द, स्पन्दनशील प्रस्पन्दन < शाम 4–5 बजे, खुली हवा में > संगीत से	8	1 माह– 1 वर्ष	27	24	3 माह– 1 वर्ष
आमाशय	तीव्र क्षुधा	1,4	3 माह–3 वर्ष	31	31	5 दिन–1 वर्ष
पेट	पेट में भारीपन के साथ उदरवायु > उदरवायु त्याग से	4	1–5 वर्ष	02	02	1–3 माह
	पेट में चिरकालिक दर्द, जलन, डंक जैसी टीस > भोजन के पश्चात < खाली पेट	4	15 दिन– 4 वर्ष	15	11	5–27 दिन
	पेट में गुड़गुड़ाहट के साथ फुलावट < खाने के बाद, दबाव, > मल त्याग से	4	6 माह–1 वर्ष	53	50	3 माह–1 वर्ष
मलाशय	असंतोषजनक मल	4	1–5 वर्ष	02	02	1–3 माह
	कब्ज़	4	3 माह– 1 वर्ष	03	02	4–24 दिन
छाती	वक्षस्थल में दर्द, जलन एवं डंक जैसी टीस	4	3–40 दिन	27	22	7–30 दिन
	दायीं कॉख एवं जघन में पीड़ा रहित पुटीय सूजन	4	1.5–10 माह	02	01	1.5 माह
त्वचा	ग्रन्थियों का विवर्धन	4	6 माह–3 वर्ष	59	52	3 माह–1 वर्ष

औषध का नाम : मैगनीशिया सल्फ्यूरिकम

पौटेन्सी : 6 एक्स, 6, 30, 200

1	2	3	4	5	6	7
चक्कर	चक्कर/सिरदर्द सांयकाल	4	3–30 दिन	08	08	5–15 दिन
सिर	सारे बदन में स्पन्दन वाली दर्द > दबाव से एवं खाने के बाद	8	3 दिन–6 माह	33	29	3 दिन–6 माह
मुंह	अम्लिकोद्गार (हृद्दाह एवं अम्लता के साथ)	4,8	7 दिन–1 वर्ष	04	04	9–22 दिन
आमाशय	पित्तशूल (सविरामी पीड़ा, मतली एवं वमन के साथ < खाने के बाद)	4	3 दिन–1 माह	06	05	3–24 दिन
	अत्याधिक प्यास के साथ बारम्बार मूत्रण की इच्छा	4	10 दिन–6 माह	15	14	6 दिन–6 माह

पीठ	पीठदर्द < उच्छत अवस्था में > सहारा देने से	4,8	3–6 माह	28	25	15–60 दिन
ज्वर	शीतावस्था के साथ ज्वर < दिन में	1	3–24 दिन	12	08	7–30 दिन

औषध का नाम : मैंगीफेरा इंडिका

पौटेन्सी : 3, 6, 30, 200

1	2	3	4	5	6	7
स्वरयंत्र एवं श्वास प्रणाल	ग्रसनीशोथ	4	2–20 दिन	36	29	3–17 दिन
अग्रांग	अपस्फीत शिराऐं	4	15–3 माह	05	05	1–3 माह
त्वचा	खुजली के साथ सफेद धब्बे	4	15 दिन–6 माह	07	05	3–26 दिन

औषध का नाम : मैन्था पिपरेटा

पौटेन्सी : मदर टिंचर, 6, 30,200

1	2	3	4	5	6	7
सिर	सिरदर्द –ललाटीय, फटन एवं भारीपन < सांयकाल	4,9	7 दिन–2 माह	10	06	7–15 दिन
चेहरा	चेहरे पर खुजली के साथ छोटी फुन्सियां	8	15 दिन–3 माह	08	08	2–40 दिन
नाक	जुकाम के साथ पतला नासास्त्राव छींकें एवं नाक में जलन	4,1	1 माह–1 वर्ष	29	23	7 दिन
	– < ठण्डक, रात, शीतऋतु	4	1 माह–1 वर्ष	10	10	7 दिन
	– नथुनों की लाली के साथ	4	1 माह–1 वर्ष	02	02	7 दिन
गला	गले में दर्द < ठण्डा पानी निगलने से एव खांसने से	4	5–15 दिन	125	116	5–10 दिन
स्वरयंत्र	भारी आवाज	4,9	5–45 दिन	17	04	7–15 दिन
खांसी	खांसी के साथ स्वररूक्षता	1	15 दिन– 3 माह	34	33	15 दिन–3माह
	शुष्क खांसी <ठण्डक से आक्षेपिक	4	3–10 दिन	184	176	4–12 दिन
	खांसी के साथ गाढ़ा सफेद बलगम	1,3,4	3–20 दिन	18	15	3–12 दिन
	शुष्क खांसी < रात, लेटने से	4,9	3 दिन–1 माह	89	30	3–30 दिन
	– < सुबह	4,9	3 दिन–1 माह	03	03	3–30 दिन
	–< सांयकाल, बातचीत से	4,9	3 दिन–1 माह	05	05	3–30 दिन
	आंखों से पानी भरने के साथ	4,9	3 दिन–1 माह	02	02	3–30 दिन

खांसी	शुष्क खांसी < रात	8	4–10 दिन	03	03	6–11 दिन
	खांसी के साथ गाढ़ा सफेद बलगम	4,8,9	10 दिन–3 माह	31	28	3–20 दिन
	– स्वर रूक्षता के साथ	4,8,9	10 दिन	01	01	6 दिन
	चिरकालिक खांसी के साथ जुकाम	4	4 माह–9 वर्ष	17	17	15 दिन–1 माह
	खांसी के साथ खड़खडाहट (< रात, ग्रीष्मऋतु)	4,8	1 माह–6 वर्ष	18	18	7–15 दि
	खांसी (< सुबह)	4,8	1 माह–6 वर्ष	07	07	7–15 दिन
	लघु खांसी, श्वासकष्ट के साथ ढ रात, सफेद थूक, अल्प मात्रा में	4,8	1 वर्ष	03	03	15 दिन
	खांसी के साथ वमन, सफेद श्लेष्माभ वमन	4,8	10 माह–2 वर्ष	10	10	15 दिन
	खांसी < रात – गाढ़ा, सफेद बलगम के साथ	9	3 माह– 2 वर्ष	186	127	2–4 सप्ताह
छाती	छाती की खडखडाहट	9	3 माह–2 वर्ष	252	224	2–4 सप्ताह
	छाती एवं पेट में खांसने पर दर्द	4	4 माह	24	19	15दिन–4 सप्ताह
अग्रांग	घुटने में सूजन के साथ दर्द	4,8,9	6 वर्ष	36	23	15दिन–6सप्ताह
	– < हिलने डुलने से	4	10 दिन–6 माह	52	43	6–10 सप्ताह
	– रिसाव के साथ	4	15 दिन–3 माह	05	05	10–20 दिन
	– अग्रागों के सुन्नपन के साथ	4	10 दिन–6 माह	20	20	6–30 दिन
ज्वर	ज्वर के साथ ,खांसी < रात	8	3–6 माह	41	38	1–6 माह
	बदन दर्द, गर्मी की अनुभूति	8	3 सप्ताह–2 माह	05	05	7 दिन

औषध का नाम : लैक कैनाइनम **पौटेन्सी : 6,30,200**

1	2	3	4	5	6	7
सिर	चक्कर < खड़े होने पर < गर्दन हिलाने डुलाने से,	4	8–10 माह	18	05	7–35 दिन
	< लेटने पर	4	6–15 दिन	02	02	2–29 दिन
	बारी बारी से दोनों तरफ सिरदर्द	4	10–15 दिन	03	03	6–10 दिन
	तीव्र सिरदर्द के साथ वमन	4	5–15 दिन	14	13	3–10 दिन
	सिरदर्द–ललाट, उदरवायु के साथ भारीपन	1,4	4 माह	01	01	15 दिन
	चक्कर के साथ सिर का भारीपन एवं आंखों के आगे अंधेरा छा जाना < सुबह, > लेटने से	4	2 माह– 1 वर्ष	12	06	7 दिन–1 माह
	सिरदर्द < सूर्य से, दोपहर में	2,4	7 दिन–1 वर्ष	04	02	7–10 दिन
	मन्द सिररर्द	1	1 माह–2 वर्ष	11	06	7–28 दिन

नाक	जुकाम के साथ नाक बंद होना	1,2	4–10 दिन	11	09	3–10 दिन
	–बारी बारी से दोनो तरफ	1,2	4–10 दिन	08	08	6–10 दिन
मलाशय	कब्ज के साथ अल्प मात्रा में	1,2,4	7–30 दिन	28	17	4–20 दिन
खांसी	खांसी के साथ पीला सा बलगम < सुबह	4	7 दिन–2 माह	04	04	7–35 दिन
छाती	जोरदार स्पन्दन	4	1 माह–3 वर्ष	17	11	7–35 दिन
जननांग (स्त्री)	स्तन कष्टकर एवं स्पर्शासह्य	4	10 दिन–6 माह	07	06	3–12 दिन
	मासिक धर्म समय से पहले, अत्याधिक, बहुत दुर्बलता के साथ	4	4 माह–5 वर्ष	07	04	27 दिन
पीठ	ग्रीवापृष्ठ में दर्द, अकडन < हिलने डुलने से	1,4,9	10–20 दिन	30	13	8–10 दिन
	पीठ दर्द	1,2,8	7 दिन–3 माह	36	37	3–30 दिन
	कटि प्रदेश में दर्द < हिलाने से	4,8,9	15–45 दिन	140	69	7–20 दिन
	< रात, आसन से उठने पर, > आराम से	1,4,9	1 माह– 3 वर्ष	37	14	15–45 दिन
अग्रांग	टांगों में दर्द < हिलने डुलने से	1,4,9	10 दिन–3 माह	48	31	6–24 दिन
	–सुन्नपन के साथ	1,4,9	15 दिन–1 माह	04	04	9–18 दिन
	घुटनों में दर्द < हिलने डुलने से	2,4,9	10 दिन–3 माह	124	79	3–22 दिन
	सन्धियों में स्थानान्तरित होती हुई दर्द < परिश्रम से	1,2,4,9	20 दिन–3 माह	102	96	3–30 दिन
	सुन्नपन के साथ दायीं तरफ का कटिस्नायुशूल < हिलने डुलने से	1,4	10 दिन–3 वर्ष	120	26	7–20 दिन
	कंधों में दर्द < हिलने डुलने से	2,9	1–2 माह	44	26	7–20 दिन
	बायीं तरफ का कटिस्नायुशूल < चलने से	1,4	1 माह– 2 वर्ष	03	02	15 दिन
	टांगों एवं हाथो का सुन्नपन	1,4,9	3 दिन–3 वर्ष	115	86	7–45 दिन
	जोड़ों में दर्द < रात	1,4,9	1–4 माह	47	22	7–40 दिन
	एड़ियों में दर्द < हिलने डुलने से	4	2 माह–3 वर्ष	07	03	7 दिन–1 माह
	टखनों में दर्द < हिलने डुलने से, > आराम	1,2	2 माह	03	02	7–44 दिन
नींद	उन्निद्रा	2	1 माह–1 वर्ष	03	03	14–36 दिन
सार्वदेहिक	व्यापक दुर्बलता	4	15 दिन–6 माह	05	01	5–15 दिन
	बदन दर्द < रात	9	1–3 वर्ष	19	10	7 दिन–1 माह

जननांग (स्त्री)	मासिक धर्म कष्टकर, अनियमित	4,7,9	1–2 वर्ष	169	140	1 माह
	– अत्याधिक	4,7,9	1–2 वर्ष	13	06	1 माह
	– कष्टकर	4,7,9	1–2 वर्ष	10	08	1 माह
	– समय से पूर्व	4,7,9	1–2 वर्ष	15	07	1 माह
	– अल्पमात्रा में, धक्के के साथ	4,7,9	1–2 वर्ष	09	04	1 माह
	ऋतुरोध	4	3 माह–1 वर्ष	117	110	2 माह–1 वर्ष
जननांग (पुरुष)	कामुक स्वपन के साथ शुक्रमेह < रात	4,7	2,4 वर्ष	05	04	1 माह
छाती	हृदय स्पन्दन	7	7–20 दिन	09	06	3–10 दिन
पीठ	पीठ दर्द कटित्रिकी प्रदेश में < मासिक धर्म के दौरान, चलने से, लेटने से	4,7,9	2–4 वर्ष	45	23	7–15 दिन
	ग्रीवापृष्ठ में दर्द < झुकने से	4,7	2 वर्ष	02	02	15 दिन
अग्रांग	टांगों में दर्द < चलने से	4,7	2 वर्ष	03	03	1 माह
	घुटनों में दर्द < हिलने डुलने से	4,7	1–3 वर्ष	03	03	15 दिन
ज्वर	व्याकुलता के साथ ज्वरग्रस्त अनुभूति	4,7	1 वर्ष	03	03	15 दिन

औषध का नाम : सार्सापरिला **पौटेन्सी : 6,30,200, 1एम**

1	2	3	4	5	6	7
सिर	पश्चकपालिक सिरदर्द आँखों की ओर प्रसारित होती हुई, मांसपेशियों में अकड़न एवं तनाव	4	2 माह–1 वर्ष	02	02	2–32 दिन
मुंह	लालास्त्रवण के साथ मुखव्रण	4	7 दिन–1 माह	47	44	10 दिन–1 माह
मूत्रसंबंधी	जलन के साथ अल्पमात्रा में मूत्रण	1,4,10,13	3 दिन–2 माह	29	24	3–18 दिन
	मूत्रअवरोधन के साथ जलन	1,4,10,13	3 माह	06	06	8–12 दिन
	मूत्र अवरोधन के साथ जलन	1,4,10,13	10–20 दिन	02	01	3–9 दिन
	जलन के साथ बूंद बूंद मूत्रण	1,4,9	4 दिन–2 माह	12	08	8–20 दिन
	मूत्रण के दौरान जलन	4,9	1 माह–5 वर्ष	86	76	7–15 दिन
	जलन के साथ बारम्बार मूत्रण की इच्छा	1	6 माह	120	109	7 दिन
	मूत्रण के बाद जलन	4	15 दिन–1 वर्ष	117	108	15 दिन–1 माह
	दायें गुर्दे में नीचे की ओर प्रसारित होती हुई दर्द	4	3–9 माह	68	57	1–11 माह

	– कमर के दायीं तरफ एवं पेट के दायीं तरफ	1,4	2 माह– 2 वर्ष	10	07	7–15 दिन
	– असंतोषजनक मल एवं मूत्रण	1,4	2 माह–2 वर्ष	04	02	7–15 दिन
	– वमन के साथ सुबह दबाव से	1,4	2 माह–2 वर्ष	01	01	7–15 दिन
	मूत्र में रेत	4	5 दिन– 2 माह	02	01	3–4 दिन
जननांग (स्त्री)	अनियमित मासिक धर्म के साथ मवाद जैसा स्त्राव	4	3–6 माह	04	03	2–21 दिन
अग्रांग	हथेलियों एवं तलवों पर विदर	4	6 माह– 2 वर्ष	157	147	3–32 दिन
	हाथों एवं तलवों पर समतल शैवाक के साथ शुष्कपन, मोटापन, दरारें, खुजली, जलन, खरोंचने पर रक्तस्त्राव	1,4	1–5 माह	02	02	15–20 दिन
	उँगलियों के कोरों के आसपास व्रणोत्पत्ति	4	15 दिन–6 माह	29	29	15 दिन–3 माह
त्वचा	ग्रीष्मऋतु में त्वचीय उद्भेद	4	7 दिन–1 माह	222	206	15 दिन–3 माह
	ग्रीष्मऋतु में कष्टकर लाल फोड़े	4	7 दिन–3 माह	205	193	15 दिन–1 माह
	मुहांसे	4	6 माह–1 वर्ष	109	101	1 माह– 1 वर्ष
	त्वचा का शुष्कपन एवं लाली < सुबह, मौसम बदलने से खुजली के साथ	1,4	2–6 वर्ष	09	08	15 दिन–1 माह
सार्वदैहिक	सूखा रोग	4	6–9 माह	09	09	1 माह– 1 वर्ष
	बच्चे का मूत्रण से पहले एवं दौरान चीखना	4	15 दिन–1 वर्ष	79	74	5 दिन–1 वर्ष

औषध का नाम : सिजिजियम जैम्बोलिनम **पौटेन्सी : मदर टिंचर, 6, 30**

1	2	3	4	5	6	7
चक्कर	चक्कर के साथ आंखें के आगे अंधेरा छाना	9	1–6 वर्ष	04	01	7 दिन–1 माह
मुंह	मुंह का सूखना < रात	4	5–30 दिन	10	10	3–15 दिन
	– अत्याधिक प्यास के साथ	4,9	15–30 दिन	18	13	3–20 दिन
	प्यास का बढ़ना एवं अतृप्य क्षुधा एवं दुर्बलता के साथ बारम्बार मूत्रण	8	3–6 माह	04	04	11–32 दिन
त्वचा	त्वचा पर पुराने व्रण	4	6–12	02	02	7–20 दिन
अग्रांग	हथेलियों एवं तलवों के जलन < ठण्डक लगाने से	8	2–6 माह	02	02	16–29 दिन
सार्वदैहिक	व्यापक दुर्बलता	4,9	1–3 माह	11	09	3–15 दिन

आँखें	नेत्रश्लेष्मलाशोथ के साथ अश्रुस्त्राव	8	5–20 दिन	04	04	6–18 दिन
	अश्रुस्त्राव के साथ अत्याधिक एवं सौम्य स्त्राव	8	3–7 दिन	02	02	6–8 दिन
दांत	दांत ठण्डे पानी के लिए संवेदनशील	8	7–10 दिन	04	04	22 दिन
नाक	चिरकालिक जुकाम, गाढ़ा, पीला बदबूदार स्त्राव < सुबह	4	3–20 दिन	35	33	3–15 दिन
	जुकाम के बाद जलीय नासास्त्राव < सायंकाल	1	3–7 दिन	16	15	3–7 दिन

औषध का नाम : टाइलोफोरा इंडिका **पौटेन्सी : 6, …**

1	2	3	4	5	6	7
मलाशय	जलन जैसी दर्द के साथ बवासीर	8	7 दिन–1 माह	05	05	4–10 दिन
खांसी	सूखी खांसी के साथ छाती में खड़खड़ाहट < सायंकाल एवं सुबह	8	1 माह–3 वर्ष	07	04	7–15 दिन
श्वसनतंत्र	श्वास दमा के साथ खांसी एवं अत्याधिक बलगम	8	2–3 वर्ष	04	01	7–30 दिन

औषध का नाम : विस्कम एल्बम **पौटेन्सी : 6, 30, 200, 1…**

1	2	3	4	5	6	7
चक्कर	शिरोघूर्णन के साथ चक्कर	4,9,13	4 दिन–6 माह	30	26	6–24 दिन
	चक्कर < खड़े होने पर > बैठने पर	4,1	3–15 दिन	212	181	3–20 दिन
	घबराहट के साथ	1,4	2 वर्ष	02	02	15 दिन
सिर	सिरदर्द, ललाट, कनपटी में भारीपन एवं सिर चकराना	1,4	5–9 माह	05	03	7–15 दिन
	ललाटीय सिरदर्द के साथ चक्कर	1,4	3–9 माह	10	08	7–15 दिन
आँखें	आंखों में जलन के साथ व्याकुलता	8	2–10 दिन	03	03	7–15 दिन
जननांग (स्त्री)	रजोनिवृति समस्याएँ	4	1–2 वर्ष	79	72	6 माह–1 वर्ष
श्वसन तंत्र	श्वासकष्ट < परिश्रम, सीढ़ी चढ़ने पर एवं भागने पर	1,4	4 माह	02	02	15 दिन

छाती	घबराहट के साथ स्पन्दन < हिलने से, > आराम से	1,4,8	7–8 माह	16	03	15–30 दिन
पीठ	कटित्रिकी प्रदेश में पीठदर्द (< स्थिति बदलने से, बैठी हुई अवस्था से उठने पर, परिश्रम से)	1,4	5 माह–10 वर्ष	10	08	7–15 दिन
	ग्रीवापृष्ठ में एवं स्कंधफलकों के बीच अकड़न के साथ दर्द, जो दोनो बाजुओं की ओर प्रसारित होती है और साथ में उँगलियों का सुन्नपन (< परिश्रम) > आराम	1,4	1 माह–5 वर्ष	08	06	7–15 दिन
	त्रिकास्थि से वस्ति प्रदेश तक प्रसारित होती हुई आवर्ती पीड़ा < बिस्तर में, जांघों एवं ऊपरी अग्रांगों मे दर्द के साथ	4	6 माह–1 वर्ष	329	307	4 माह– 1 वर्ष
	दायी तरफ की कटिवेदना < हिलने डुलने से > दबाव से	1	6 माह–1 वर्ष	329	307	6 माह–1 वर्ष
अग्रांग	गर्दन एवं पृष्ठीय मेरूदण्ड में दर्द	1	1–2 वर्ष	307	277	6 माह–1 वर्ष
	स्कन्द संधियों में विदीर्णकारी पीड़ा < हाथ उठाने से एवं हिलने डुलने से	4	4 दिन–2 माह	326	291	3 दिन–1 वर्ष
	– (हाथ को पीछे की ओर ले जाने में कष्ट)	–	4 दिन–2 माह	03	03	3–18 दिन
	जोड़ों में वात वेदना < रात	4	10 दिन–3 माह	07	06	3–40 दिन
	घुटनों के जोड़ों में वात वेदना	4	15 दिन–3 वर्ष	51	44	3–46 दिन
	– < हिलने डुलने से	4	15 दिन–2 वर्ष	437	396	3–46 दिन
	– सूजन के साथ	4	1 माह–2 वर्ष	04	03	3–18 दिन
	कटिस्नायुशूल < चलने से	4	2 माह–2 वर्ष	349	323	3–36 दिन
	टांगों में विदीर्णकारी पीड़ा < ठण्ड से एवं हिलने डुलने से	4	10 दिन–2 माह	11	10	3–26 दिन
	– बांयी टांग में < ठण्डे नमी वाले मौसम में	1,4	8–10 वर्ष	02	02	15 दिन–1 माह
	दांयी टांग में सुन्नपन < बैठने से, सुबह जागने पर	1,4	1 वर्ष	05	05	15 दिन
	छोटे जोड़ों में उँगलियों की सूजन के साथ दर्द < वर्षा ऋत, सुबह	1,4	8 माह–1 वर्ष	04	04	15–30 दिन
	बांयें हाथ में अकड़न के साथ दर्द	1,4	7 माह	02	02	15 दिन

1	2	3	4	5	6	7
सिरदर्द	सिर में भारीपन के साथ सिरदर्द – आंखों के आगे अन्धेरा छाने के साथ < रात	4,7	1 वर्ष	04	04	15 दिन
कान	कानों में घनघनाहट के साथ अधीरता	7	6 माह–1 वर्ष	79	75	15 दिन–1 वर्ष
खांसी	खांसी के साथ अत्याधिक गाढ़ा बलगम < रात को	8	4–10 दिन	02	02	6–10 दिन
छाती	हृद्शूल < रात, चलने से	4,7	10–30 दिन	11	08	10–30 दिन
	छाती में बायीं तरफ दर्द के साथ दुर्बलता	4,7	1 वर्ष	03	03	15 दिन
	हृदयावरक पीड़ा का नये कंधे की ओर प्रसारित होना	7	6 माह–1 वर्ष	191	179	3 माह–1 वर्ष
मूत्र	अपर्याप्त मूत्र	8	10–20 दिन	02	02	4 दिन

औषध का नाम : टर्मिनेलिया चेबुला पौटेन्सी : मदर टिंचर, 6, 3

1	2	3	4	5	6	7
चक्कर	सिर में भारीपन के साथ चक्कर	7	2–10 दिन	07	07	4–7 दिन
	– आंखों के आगे अंधेरा छाने एवं स्पन्दन के साथ	4,7	1–6 माह	02	02	1 माह
	– नीरसता के साथ	8	1–3 वर्ष	05	04	7 दिन–1 माह
	– <सूर्य, हिलने से, >ठण्डी हवा, नींद	7	1–6 माह	67	62	3 माह–1 वर्ष
सिर	सिरदर्द < सूर्य,स्पन्दन, ललाटीय	7	3–10 दिन	13	13	6–12 दिन
	सिरदर्द > ठण्डे स्नान से, नींद के पश्चात, हवा से	7	1–6 माह	83	76	3 माह–1 वर्ष
मुंह	मुंह का स्वाद कड़वा होना	4,7,8	2 वर्ष	87	81	30 दिन
आमाशय	अम्लता एवं हृद्दाह	4,7	2 माह–3 वर्ष	08	05	15 दिन–1 माह
	अधिजठरीय जलन < खाने के बाद, खट्टे डकारों के साथ	4,7	2 माह–3 वर्ष	17	13	15 दिन
	डकारो के साथ जलन एवं कटने जैसी दर्द < चलने से, > खाने के बाद	4,7	1 वर्ष	02	02	15 दिन–1 माह
पेट	पेट में उदरवायु के साथ भारीपन	8,4,7	7–20 दिन	14	13	3–20 दिन
मलाशय	कब्ज़, अल्प मात्रा में सख्त मल के साथ मलोत्सरण में कष्ट	7,8	7 दिन–7 वर्ष	41	36	3–20 दिन
	खूनी बवासीर (सूखी, दुखदायक)	7	1 वर्ष	85	75	10 दिन–1 वर्ष
पीठ	उदरवायु के साथ पीठदर्द < बैठने से, हिलने से, > लेटने पर	4,7	1 वर्ष	146	131	3 माह–1 वर्ष

औषध का नाम : थिया चाइनेन्सिस पौटेन्सी : 6, 30, 200

1	2	3	4	5	6	7
चक्कर	चक्कर के साथ आँखो के आगे अन्धेरा छाना	1	6–30 दिन	11	08	3–15 दिन
सिर	स्पन्दन जैसी सिरदर्द > ठण्डक लगाने से	8	6–10 दिन	02	02	4–10 दिन
	> जोर से दबाने पर	4	7–15 दिन	14	10	3–10 दिन
नाक	जुकाम के साथ जलीय नासास्त्राव < सुबह	8	3–10 दिन	20	17	3–7 दिन
आमाशय	अम्लता < खाने के बाद	8	3 दिन–6 माह	20	16	4–28 दिन
	– खट्टे डकारों एवं हृद्दाह के साथ	8	6 माह	08	08	7 दिन
	– अधिजठर में खालीपन	4	1–6 माह	02	02	15 दिन–1 माह
	अम्ल एवं नींबू की लालसा	4	1–6 माह	02	02	15 दिन–1 माह
मलाशय	असंतोषजनक मल	8	6 माह	06	06	15 दिन
जननांग (स्त्री)	अण्डाशयी क्षेत्र में दुखन एवं तनाव	1,8	7–14 दिन	07	05	3–20 दिन
नींद	चाय पीने वालों में अधीरता के साथ अनिद्रा	1	1–6 माह	02	02	15 दिन–1 माह
त्वचा	खुजली के साथ रक्ताभ उद्भेद < सूर्य की गर्मी से, गर्माहट से, चाय से	1	15 दिन–1 वर्ष	05	05	5–30 दिन

औषध का नाम : थिरीडियान पौटेन्सी : 6, 30, 200

1	2	3	4	5	6	7
मन	समय जल्दी व्यतीत होना	4	3–31 दिन	07	06	3–10 दिन
चक्कर	सिर चकराना	4	10–30 दिन	08	06	3–7 दिन
	मतली एवं वमन के साथ निरन्तर चक्कर	8	1–2 वर्ष	04	03	6–15 दिन
सिर	फटन जैसी सिरदर्द	8	2–10 दिन	04	04	4–7 दिन
	स्पन्दन सी सिरदर्द > दबाव से	8	3–20 दिन	09	07	3–18 दिन
	– < चलने से	4	7–30 दिन	34	30	3–10 दिन
	– बायीं ऑख के ऊपर	4	3–10 दिन	10	10	3–7 दिन

औषध का नाम : टेरंटुला क्यूबेनिसव

प्वोऔनस : 6,30,200,[illegible]

1	2	3	4	5	6	7
सिर	मन्द सिरदर्द	4	5–10 दिन	13	13	3–10 दिन
चेहरा	मुंहासो के साथ तेलीय चेहरा < मासिक धर्म के दौरान	8	1–2 वर्ष	02	02	5–40 दिन
मुंह	कष्टकर मुखशोथ < खाने से, पीने से – जुबान पर	8,14	4 दिन–1 माह	37	30	3–12 दिन
आमाशय	क्षुधालोप	8,14	4–7 दिन	06	05	3–6 दिन
	खट्टे डकार	4,8	15–30 दिन	11	11	7–25 दिन
	हृद्दाह के साथ अम्लता < खाने के बाद	8	2 माह–6 वर्ष	10	07	7 दिन–2 [illegible]
मल	2–3 बार मल, अल्प ठोस	8	7 दिन–1 माह	06	03	7 दिन–1 [illegible]
त्वचा	लाल मुंहासे	8,9	20 दिन–1 माह	08	02	7–21 दिन
	ठोढ़ी पर जलन के साथ व्रण, रिसाव जलीय एवं डंक जैसी वेदना तथा रक्तस्त्राव	4	1–6 माह	21	20	7–20 दिन
		4,8	2–3 माह	03	03	15 दिन
खांसी	कण्ठदाह के साथ सूखी खांसी, < वर्षाऋतु में	4,8	1 माह	09	09	15 दिन
सार्वदेहिक	व्यापक दुर्बलता	4,8	1 माह	08	07	15 दिन

औषध का नाम : टैरन्टुला हिस्पैनिका

पौटेन्सी : 6,30,[illegible]

1	2	3	4	5	6	7
मन	संगति के लिए अरूचि परन्तु किसी के उपस्थित रहने की चाह	5	1–3 माह	18	16	7–30 दिन
	– अवसाद < बातचीत से, झ नींद (व्याकुलता)	8	2–3 वर्ष	09	05	2–27 दिन
सिर	आँखों के भारीपन एवं मतली के साथ ललाटीय सिरदर्द	4,8	4 माह–1 वर्ष	02	02	15 दिन
गला	निगलने पर दुखन के साथ गले में दर्द	8	3–7 दिन	05	05	6–7 दिन
आमाशय	दुष्पचन	8	3 दिन–2 माह	73	62	3–26 दिन
	प्यास न लगना	8	2–7 दिन	07	07	3–6 दिन

मूत्र प्रणाली	बारम्बार मूत्रण < रात	8	5–20 दिन	05	05	15 दिन
जननांग (पुरूष)	शुक्रमेह	4	1–6 माह	08	06	7–30 दिन
अग्रांग	त्रिकोणीय प्रदेश में दर्द < बाजू उठाने पर	8	10 दिन–4 माह	09	07	3–26 दिन
	स्कन्धसन्धि की अकड़न के साथ	8	4 माह	01	01	26 दिन
	घुटने में दर्द (< हिलने डुलने से)	8	15 दिन–4 माह	02	02	10–26 दिन
	टांगों का सुन्नपन	4	10–60 दिन	25	25	3–15 दिन
	एड़ी में दर्द < बैठने से, हिलने डुलने से	8	8 दिन–3 माह	13	08	9–22 दिन
	हाथों में ऐंठन के साथ लिखने और कुछ पकड़ने की शक्ति खो जाना	8	1 वर्ष	02	02	6–33 दिन

औषध का नाम : टैला अरेनिया

पौटेन्सी : 6, 30, 200

1	2	3	4	5	6	7
सिर	आवर्ती सिरदर्द < सांयकाल	8	3 माह–1 वर्ष	09	09	5–20 दिन
चक्कर	निरंतर चक्कर एवं घुमडी	8	1–3 माह	02	02	1–3 माह
पेट	उदरवायु के साथ पेट का फूलना	8	7–20 दिन	02	02	6–11 दिन
खांसी	शुष्क खांसी के साथ अल्पमात्रा में बलगम < रात	8	4–20 दिन	47	40	3–9 दिन
पीठ	पीठदर्द > लेटने से एवं पीछे की ओर झुकने से	8	7–15 दिन	02	02	4–10 दिन
ज्वर	ज्वर के साथ पीठ दर्द	8	2–6 दिन	10	06	3–5 दिन
	– अत्याधिक प्यास के साथ	8	3–10 दिन	11	09	3–10 दिन
	– हथेलियों एवं तलवों की जलन के साथ	8	2–4 दिन	02	02	2–3 दिन
	– तीन दिन के अन्तर पर आवर्ती ज्वर के साथ	8	2–6 दिन	21	18	3–8 दिन

औषध का नाम : टर्मिनेलिया अर्जुन

पौटेन्सी : मदर टिंचर, 6, 30, 200

1	2	3	4	5	6	7
मन	अधीरता के साथ व्याकुलता	4,9	7–50 दिन	35	18	3–30 दिन
चक्कर	चक्कर < हिलने डुलने से (< सुबह जागने पर)	4,9	10–1 वर्ष	38	26	3–15 दिन
	– उच्च रक्तचाप के साथ	4,7	1 वर्ष	02	02	15 दिन

	घुटने एवं टखने में और कंधे एवं कोहनी में अदल बदल कर दर्द होना	4	6 माह–1 वर्ष	117	107	6 माह–1 व
	पिण्डलियों में ऐंठन	1	6 माह–1 वर्ष	124	122	4 माह–1 व
	स्थूलकाय व्यक्तियों में अत्याधिक पसीने के साथ आमवात	1	6 माह–1 वर्ष	224	206	6 माह–1 व
सार्वदेहिक	निम्न रक्तचाप के साथ धीमी दुर्बल नब्ज़	4	1–3 माह	193	175	3 दिन–1 व
	कमजोरी के साथ कुछ भी कार्य करने के लिए अनिच्छा एवं थकावट	1,4	1–5 वर्ष	10	03	15–20 दि

औषध परीक्षण अनुसंधान कार्यक्रम

(होम्योपैथिक रोगजनक परीक्षण)

परिषद् प्रारंभ से ही प्राथमिकता के तौर पर औषधियों के परीक्षण तथा पुनः परीक्षण के कार्यक्रम को कार्यान्वित कर रही है। इसमें स्वदेशी मूल की औषधियों तथा आंशिक रूप से प्रमाणित औषधियों के परीक्षण पर जोर दिया जा रहा है। यह कार्य निम्नलिखित संस्थानों/इकाईयों में चल रहा है :–

(1) औषध परीक्षण अनुसंधान इकाई, कलकता	1979 से
(2) औषध परीक्षण अनुसंधान इकाई, मिदनापुर (पश्चिमी बंगाल)	1979 से
(3) औषध परीक्षण अनुसंधान इकाई, गाजियाबाद (उत्तरप्रदेश)	1979 से
(4) क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (ह), नई दिल्ली	1979 से
(5) होम्योपैथिक औषध अनुसंधान संस्थान, लखनऊ	1987 से

प्रकाशन

परिषद द्वारा प्रमाणित की गई औषधियों के परीक्षण आंकड़े पेशेगत उपयोग हेतु समय–समय पर एक विषय आलेख (मोनोग्राफ) के रूप में अथवा त्रैमासिक पत्रिका में प्रकाशित किए जाते हैं। अभी तक आठ एक विषय आलेख प्रकाशित किए जा चुके हैं तथा अन्य औषधियों के परीक्षण आंकड़ों को के.हो.अ.प. की त्रैमासिक पत्रिका के विभिन्न अंकों में प्रकाशित किया जा चुका है। इनका विवरण नीचे दिया गया है :–

निम्नलिखित औषधियों के एक विषय आलेखों का प्रकाशन किया जा चुका है जिसमें औषध मानकीकरण अध्ययन को भी शामिल किया गया है। औषध मानकीकरण अध्ययन में भेषज–अभिज्ञान संबंधी, भेषज गुण विज्ञान संबंधी अध्ययन के साथ–साथ भौतिक रसायनिक रोगजनन परीक्षण तथा नैदानिक रूप से सत्यापित लक्षण भी शामिल है :–

(1) एब्रोमा आगस्टा फोलिया	(2) ईगल फोलिया
(3) काली म्यूरिएटिकम	(4) ईगल मार्मिलोस
(5) कैसिया सोफेरा	(6) हाइड्रोकोटाइल एशिएटिका
(7) साइनोडोन डैक्टाइलान	(8) एटिस्टा इंडिका

मकड़ी से बनने वाली औषधियों पर एक पुस्तिका का प्रकाशन हेतु संकलन किया जा रहा है जिसमें प्रमाणित लक्षणों एवं नैदानिक रूप पर सत्यापित आंकड़ों का समावेशन किया गया है।

वर्ष 2001–2002 में उंपलब्धियां

इस वर्ष में 4 औषधियों का परीक्षण (दो दीर्घ परीक्षण, – कोड नं0 68 अर्थात पोथोज, फिटीडस, एवं 69 अर्थात स्कूकम [illegible] तथा 2 लघु परीक्षण कोड नं0 58 अर्थात अगैव अमेरिकाना एवं 74 अर्थात पाईरस अमैरिकैनस) पूर्ण किया गया हैं। कोड नं0 [illegible] एवं 67 वाली 2 औषधियों का दीर्घ परीक्षण, कोड नं0 71 वाली एक औषध का लघु परीक्षण इस वर्ष विभिन्न औषध परीक्षण केंद्रों पर दूसरी बार प्रारम्भ किया गया है। इन औषधियों का संकलन जारी है।

औषध अनुसंधान कार्यक्रम

प्रस्तावना

परिषद् द्वारा जारी इस कार्यक्रम के अंतर्गत विशुद्ध अपरिष्कृत औषध सामग्री के सर्वेक्षण, संग्रह तथा पहचान से संबंधित अध्ययन शामिल किया गया है। इसमें विशुद्ध अपरिष्कृत औषध सामग्री से उच्च कोटि के उत्पाद तैयार करने से संबधित मानकीकरण अध्ययन भी शामिल किया गया है।

औषधीय पौधों का सर्वेक्षण एवं संग्रहण

औषधीय पौधों का सर्वेक्षण तथा संग्रहण इकाई की स्थापना ऊटी, तमिलनाडू में 1979 में की गई। जिसका कार्य दक्षिण भारत में पाए जाने वाले स्वदेशी औषधीय पौधों के अपरिष्कृत नमूनों का सर्वेक्षण तथा संग्रहण करके उन्हें ऐसे संस्थानों और इकाईयों में भेजना है जहां औषध मानकीकरण अध्ययन, साहित्य सर्वेक्षण, संग्रहण, सूची पत्रों को तैयार एव उद्‌भिज संग्रह को बनाए रखा जाता है।

औषधीय पौधों विशेषकर विदेशी पौधों की खेती के लिए एमराल्ड पोस्ट, जिला ऊटी, तमिलनाडू में एक अनुसंधान उद्यान विकसित किया जा रहा है। यह उद्यान तमिलनाडू सरकार से पट्टे पर ली गई 12.70 एकड़ भूमि पर विकसित किया जा रहा है। इस उद्यान में सिनेरेरिया मारिटिमा, यद्यपि एक विदेंशी पौधा है, की सफलतापूर्वक कृषि की जा रही है और अधिक पौधों को उगाने के प्रयत्न किए जा रहे हैं।

वर्ष 1979 से मार्च 2001 तक किए गए कार्यों का संक्षिप्त विवरण

इस इकाई ने प्रारम्भ (1979) से निम्नलिखित कार्य पूर्ण किए हैं : 7417 पादप नमूनों का संग्रहण किया गया, 5943 उदभिज संग्रह पत्रों को प्राप्त करके समाविष्ट किया गया, 4149 होंम्योपैथिक औषधीय पौधों की कार्ड सूचिका तैयार की गई, समय–समय पर उन्हे अद्यावधिक किया गया तथा 347 अपरिष्कृत औषध नमूनें दो औषध मानकीकरण इकाईयों तथा एक होम्योपैथिक औषध, अनुसंधान संस्थान को भेषज अभिज्ञान तथा भौतिक रासायनिक अध्ययन के लिए भेजे गए। यहां 5359 उदभिज–संग्रह नमूनों को चिपकाया गया, 5473 नमूनों की सिलाई की गई तथा 5419 नमूनों को चिन्हित किया गया। 0.75 एकड़ भूमि में कुल 4250 सिनेरेरिया मारिटिमा के पौधों का रोपण किया गया। 09 पौधों के जनन–द्रव्य संग्रहण का रख रखाव किया जा रहा है तथा उनके प्रदर्शन का अध्ययन किया जा रहा है। समय–समय पर लोकसाहित्य के अनुसार प्रयोग में लाई जाने वाली चिकित्सा सहित मानवजाति – वानस्पतिक चिकित्सा संबंधी दौरों नैदानिक अनुसंधान दौरों तथा वानस्पतिक अन्वेषण दौरों का भी आयोजन किया गया।

2001–2002 में किए गए कार्य

अपरिष्कृत औषधीय पादप सामग्री संग्रहण सहित वानस्पतिक चिकित्सा अन्वेषण संबंधी दो मुख्य दौरों एवं दो स्थानीय दौरों का आयोजन किया गया। (2) दो उदभिज–संग्रह मंत्रणा एवं छह (6)परियोजना मूल्यांकन दौरों का भी आयोजन किया गया।

1. पहचान

दक्षिणी भारत के विभिन्न भागों से इकटठे किए गए उद्‌भिज संग्रह नमूनों के 178 क्षेत्र संख्याओं की वानस्पतिक पहचान की गई।

2. उद्‌भिज संग्रह संबंधी कार्य संपन्न

(क) 178 उद्‌भिज संग्रह पत्रों की पहचान की गई।

(ख) 105 उद्‌भिज–संग्रह नमूने चिपकाऐ गए।

(ग) 660 उद्‌भिज–संग्रह नमूने सिले गए।

(घ) 386 उद्‌भिज संग्रह नमूनों को चिन्हित किया गया।

(ड.) 165 क्षेत्र संख्याओ को एकत्र किया जिससे अब तक की चल रही क्षेत्र संख्या बढ़ कर 7509 हो गई है।

(च) 153 उद्‌भिज संग्रह पत्रों की पहचान करके प्रमाणित ठहराया गया।

(छ) 204 उद्‌भिज संग्रह पत्रों की अनुवृद्धि की गई एवं उन्हें समाविष्ट किया गया।

3. अपरिष्कृत औषध–पादप सामग्री का संग्रहण एवं आपूर्ति

11 अपरिष्कृत औषधीय पादप सामग्री को ढेर सारी मात्रा में एकत्रित किया गया, संसाधित किया गया तथा इसे 2 औषध मानकीकरण इकाईयों (गाजियाबाद और हैदराबाद), 1 होम्योपैथिक औषध अनुसंधान इकाई (लखनऊ), भारतीय चिकित्सा के लिए औषध कोश प्रयोगशाला (गाजियाबाद), भण्डारी होम्योपैथिक लैबोरट्रीज़, फरीदाबाद, एस.वी.एल. प्राइवेट लिमिटिड, साहिबाबाद तथा फादर मूलर के धर्मार्थ संस्थान (मैंगलोर) में भेजा गया।

4. होम्योपैथिक औषधीय–पौध कृषि अनुसंधान उद्यान

निम्नलिखित पौधों का रोपण, छंटनी, नर्सरी में उगाने, अनुरक्षण तथा रखरखाव का कार्य नियमित रूप से किया जा रहा है। प्रदर्शन भूखण्डों में उगाये गए विभिन्न पौधों की स्थिति इस प्रकार है:–

1. सिनेरेरिया मारिटिमा

0.75 एकड़ में उगाये गए पौधे	4000
भण्डार में उपस्थित अपरिष्कृत पादप सामग्री	20 किलोग्राम

2. डिजिटेलिस परप्यूरिया

कुल पौधे	550
भण्डार में उपस्थित अपरिष्कृत पादप सामग्री	23 किलोग्राम

3. एकिलिया मिलीफोलियम

कुल पौधे	800
भण्डार में उपस्थित अपरिष्कृत पादप सामग्री	16 किलोग्राम

4. सैंटोलिना कैमेसाइपैरिसस

कुल पौधे	50
भण्डार में उपस्थित अपरिष्कृत पादप सामग्री	.05 किलोग्राम

5. वायला ओडोरेटा

कुल पौधे	300
भण्डार में उपस्थित अपरिष्कृत पादप सामग्री	05 किलोग्राम

6. सैन्टोलिना कैमेसाइपैरिसस — 500 पौधे

7. रोसामैरिनस आफिसिनेलिस — 320 पौधे

8. अनुसंधान उद्यान में प्रदर्शन भूखण्डों में उगाए तथा सम्पोषित किए गए होम्योपैथिक औषधीय पौधों के जनन द्रव्य संग्रह, जिनके प्रदर्शन का अध्ययन किया जा रहा है, वे इस प्रकार है

(क) एकिलिया मिलीफोलियम

(ख) एन्थ्रोज़ेन्थम ओडोरेटम

(ग) एपियम ग्रैवियोनेन्स

(घ) बक्सस सेम्परवाइरनस

(ड.) सेन्टेला एशिएटिका

(च) डिजिटेलिस परप्यूरिया

(छ) एस्चूस्कोलत्जिया कैलिफोर्निका

(ज) इनोथेरा वाइएनिस

(झ) ट्राइफोलियम प्रातेन्से

(ट) वायला ओडोरेटा

प्रकाशित लेख

(1) एस. राजन, एवं सुरेश बाबूराज डी. 2001 – क्राप इम्प्रूवमेन्ट, प्रोडक्शन "इन्ट्रोडक्शन एण्ड कल्टीवेशन आफ मेडिसिनल प्लांटस इन नीलगिरी, तमिलनाडू, साऊथ इंडिया" (पृष्ठ संख्या सूचित नहीं की गई)

(2) सुरेश बाबूराज डी., एस राजन एवं जान ब्रिटो 2001 "ऐन एक्सटेंडिड डिस्ट्रीब्यूशन आफ स्परमाकोके लैटीफोलिया आबल (रूबिएसी) एण्ड ऐ न्यू रिकार्ड फार तमिलनाडू, साऊथ इन्डिया।" जे.इकान.टैक्स.बाट. 25(1) : 7–9.

(3) एस. राजन. , डी. सुरेश बाबूराज एवं एम.सेथुरमन.2000. "इनडाइजीनस फोल्क प्रैक्टिसिस अमन्ग पानियास आफ नीलगिरी डिस्ट्रिक्ट आफ तमिलाडू इन इन्डिया". जर्नल मेडिसिनल एन्ड एरोमैटिक प्लांट साइसिस 22/4 ए एवं 23/1 ए : 602–606

(4) एस. राजन, एम.. सेथुरमन, डी सुरेश बाबूराज एव एस परीमाला 2002.

"एथ्नोज़ूथैरेपी अमन्ग इरूलास आफ नीलगिरी डिस्ट्रिक्ट, तमिलनाडू" के विष्वानाधा रेडी (ऐंजू.) कल्चरल इकालाजी आफ इंडियन ट्राईब्स, राज पब्लिशर्स, दिल्ली 222–229 में।

वैज्ञानिक सेमिनारों में प्रस्तुत किए गए लेख

(1) डी. सुरेश बाबूराज एन्ड एस. राजन 2001. "प्राब्लमस एन्ड परस्पेक्टिवस इन मैनूफेक्चर आफ प्लांट बेस्ड होम्योपैथिक ड्रग्स"

23–24 अप्रैल 2001 को कोलकाता में हुए "सेमिनार आन द रोल आफ गुड मैनुफेक्चरिंग प्रैक्टिसिस इन द डिवेल्पमेन्ट आफ इंडियन सिस्टम आफ मेडिसिन ड्रग्स" के एब्स्ट्रेक्ट के पृष्ठ 66 पर।

(2) सुरेश बाबूराज डी. 2001.

27–28 सितम्बर 2001 को नई दिल्ली में आयोजित "सेमिनार आन डिवेल्पिंग एन इंटरएक्शन बिटवीन सी.सी.आर.एच. एन्ड होम्योपैथिक फार्मेसियुटिकल इन्डस्ट्री" में प्रस्तुत किया गया मेडिसिनल प्लांटस आइडेन्टिफिकेशन एन्ड कन्ट्रोलिंग फार क्वालिटी मैनुफैक्चरिंग आफ होम्योपैथिक ड्रग्स

(3) 11 फरवरी 2002 को तमिलनाडू में श्री परकल्याणी सेन्टर फार एन्वायरमेंटल साइंसिस, मनोमानियम सुन्दरनार यूनिवर्सिटी, अल्वारकुरिची, तिरूनेल्वेली में यू.जी.सी. द्वारा प्रवर्तित महाविद्यालयों के शिक्षकों के लिए वानस्पतिक विज्ञान में पुनश्चर्या के दौरान प्रस्तुत किए गए व्याख्यान

(क) भारतीय चिकित्सा पद्धतियों से संबधित साहित्य

(ख) नीलगिरी डिस्ट्रिक्ट, तमिलनाडू में पाए जाने वाले विदेशी एवं अन्यस्थानिक पौधे, जो होम्योपैथिक चिकित्सा प्रणाली में उपयोगी हैं।

(4) 21 फरवरी 2002 को रासायन विज्ञान विभाग, सेंट जोसफ कालेज, तिरूचिरापल्ली द्वारा आयोजित नेशनल सिम्पोजियम आन एडवांसिस इन नेचुरल प्रोडक्टस कैमिस्ट्री में दिया गया व्याख्यान "अनफोल्डिंग विस्तास आफ फरदर रिसर्च इन इंडियन मेडिसिनल प्लांटस"।

औषध मानकींकरण

औषधियों की विशेषताओं को सुनिश्चित करने के लिए मानकीकरण आवश्यक है। इसमें होम्योपैथिक औषधियों के गुणों को प्रभावित करने वाले घटकों / मापदण्डों की श्रृंखला को सम्मिलित किया गया है तथा इससे भेषजीय एकरूपता को निर्धारित किया जाता है एवं मूल सामग्री की सही पहचान की जाती है। होम्योपैथिक औषधियों के मानदण्ड तय करने के लिए भेषज अभिज्ञान, भौतिक रासायनिक तथा भेषज गुणविज्ञान अध्ययन किए जा रहे हैं जिनसे औषधियों की विभिन्न गुणात्मक एवं मात्रात्मक विशेषताओं का अध्ययन किया जाता है और प्रत्येक अध्ययन के लिए विभिन्न पैरामीटरों को अपनाया गया है।

भेषज अभिज्ञान संबंधी अध्ययन के अंतर्गत वनस्पति मूल की अपरिष्कृत औषधियों की स्थूल तथा सूक्ष्मदर्शीय विशेषताऐं शामिल है। भौतिक रासायनिक विश्लेषण से औषध के भौतिक एवं रासायनिक नियंतांकों को तय करने में मदद मिलती है। प्रयोगशाला के जीवजन्तुओं पर प्रयोगशाला की मानक अवस्थाओं में किए गए प्रायोगिक परीक्षण से किसी औषध के भेषज गुण विज्ञान सम्बन्धी स्पेक्ट्रम का पता लगाया जाता है जिसमें प्रारम्भिक खुराक का अनुमान इसकी प्रभावोत्पादकता, बचाव तथा होम्योपैथिक औषधियों की क्रिया विधि भी शामिल है। मानदण्डों के अभाव में विशिष्टता सुनिश्चित नहीं की जा सकती। इन घटकों में मूल सामग्री की सही पहचान एवं सुस्पष्ट परिभाषा, अधिकृत होम्योपैथिक भेषज संग्रह में अनुबद्ध किए औषध को तैयार करने के प्रत्येक चरण को कार्यान्वित करना, प्रक्रिया संचालन, अन्तिम उत्पादो का परीक्षण एवं सत्यापन, उत्तम प्रयोगशाला प्रक्रियाओं के द्वारा स्थिरता सम्मिलित है। किसी भी औषध की सुरक्षा एवं प्रभावोत्पादकता को चिकित्सीय सूची संचालन / निर्धारण तथा सुनियोजित अन्तर्जीवी एवं अनतः कांचपत्री प्रयोग नमूना से निर्धारित अधिकतम निष्कर्षण मूल्य द्वारा सुनिश्चित किया जाता है।

इस समय परिषद द्वारा औषध मानकीकरण अध्ययन का कार्य तीन केन्द्रो पर किया जा रहा है अर्थात होम्योपैथिक औषध अनुसंधान संस्थान, लखनऊ. औषध मानकीकरण इकाई, गाजियाबाद तथा औषध मानकीकरण इकाई, हैदराबाद। होम्योपैथिक औषध अनुसंधान संस्थान, लखनऊ में औषध मानकीकरण कार्य, भेषज अभिज्ञान, भौतिक रासायनिक तथा भेषजगुणविज्ञान सम्बन्धी पहलुओं के विषय में किया जा रहा है जबकि औषध मानकीकरण इकाईयों, गाजियाबाद तथा हैदराबाद में औषध मानकीकरण कार्य केवल भेषज अभिज्ञान तथा भौतिक रासायनिक अध्ययन से सम्बन्धित है।

वर्ष 2001–2002 के दौरान प्राप्त लक्ष्य

हैदराबाद एवं गाजियाबाद स्थित औ.मा. इकाइयों तथा हो.औ.अ.स., लखनऊ में भेषज–अभिज्ञान एवं भौतिक रासायनिक अध्ययन के लिए कुल आठ औषधियाँ निर्धारित की गई।

1. औषध मानकीकरण इकाई, हैदराबाद

इस इकाई ने निम्नलिखित औषधियों पर भेषज अभिज्ञान एवं भौतिक रासायनिक अध्ययन किया है :

साइसर एरिएटेनम, गैलिल्सोगा पार्वीफ्लोरा, ओसिनम ग्रैटिसिमम, इनोथेरा बाइऐन्निस, प्लूमेरिया रूब्रा, ट्राइफोलियम प्राटेन्से।

2. औषध मानकीकरण इकाई, गाजियाबाद

इस इकाई ने निम्नलिखित औषधियों पर भेषज अभिज्ञान अध्ययन किया है – साइसर एरिएटेनम,यूकेलिप्टस टैरेटिकोर्निस, यूकेलिप्टस कैमलडयूलेन्सिस, गैलिन्सोगा पार्विफ्लोरा, ओसिमम ग्रैटिसिमम,इनोथेरा बाइऐन्निस, प्लूमेरिया रूब्रा, ट्राइफोलियम प्राटेन्से, कैरोक्स के लिए औषधीय पौधों के बारे मे सूचना के अंतर्गत क्यूमिनम साइमिनम की सूचना एकत्रित की गई है।

3. होम्योपैथिक औषध अनुसंधान संस्थान, लखनऊ

इस संस्थान ने प्रूनस डोमेस्टिका पर भेषज अभिज्ञान अध्ययन एव टेरोकारपस मारसूपियम, रयूमैक्स एसिटोसेला पर भौतिक-रासायनिक अध्ययन किया है।

4. प्रकाशित लेख

(1) जे राज, ऐ. के. तिवारी, के पी सिंह – औषधीय पौधों पर अनुसंधान प्रकाशन

(क) आइरिस जरमैनिका

(ख) एक्लिपटा एल्बा

के. हो.अ.प. की त्रैमासिक पत्रिका अंक 22 (3 एवं 4) तथा अंक 23 (1 एवं 2) 2001

(2) के. पी. सिंह – "एन्टी थ्रोम्बिक एक्टीविटी आफ क्रेटेगस आक्सीकैन्था लिन. मदर टिंक्चर इन एल्बिनों माइस. के. हो. अ. प. की त्रैमासिक पत्रिका अंक 23 (1 एवं 2) 2001

5. वैज्ञानिक सेमिनारों में प्रस्तुत किए गए लेख

(1) "क्वालिटी स्टैंडर्डाइज़ेशन आफ ड्रग्स इन होम्योपैथी"

प्रोफेसर एम प्रभाकर, परियोजना अधिकारी, औषध मानकीकरण इकाई, हैदराबाद द्वारा, जून 2001 में चेन्नई में आयोजित इन्टरनेशनल सेमिनार आन मेडिसिनल प्लांटस एन्ड क्वालिटी स्टंडर्डाइज़ेशन, में प्रस्तुत।

साहित्यिक अनुसंधान

प्रस्तावना

वैज्ञानिक साहित्य के बारम्बार नैदानिक प्रयोग में संदर्भ सामग्री के रूप में इस्तेमाल होने को ध्यान में रखते हुए इसे आधुनिक बनाना बहुत महत्वपूर्ण है। विशेष तौर पर इसलिए क्योंकि वातावरण के प्रदूषण, उधोगीकरण, बदलते हुए जीवन शैली एवं मूल्यों के साथ बदले हुए दृश्यलेख ने लगभग उन्मूलित की जा चुकी क्षयरोग, मलेरिया जैसी बीमारियों के पुनः निर्गमन तथा कुछ नये रोगों के निर्गमन का मार्ग प्रशस्त किया है। अतः किसी विशेष विषय पर लिखा गया साहित्य, ज्ञान को पूर्ण करने के लिए एक अनिवार्य साधन बन जाता है। और होम्योपैथी में तो इसकी और अधिक आवश्यकता है जहां साहित्य इतना विस्तुत तथा बिखरा हुआ है कि बहुत बार आवश्यकता पड़ने पर यह एक चिकित्सक के लिए उपलब्ध नहीं हो पाता। ऐसे में परिषद ने पुराने साहित्य का संशोधन करने तथा चिकित्सा शास्त्र का संकलन करने के लिए साहित्यिक अनुसंधान को एक दीर्घकालीन कार्यक्रम के रूप में प्रारम्भ किया है।

प्रारम्भ की गई परियोजनाएँ

अन्य कार्यों के संबंध में कैंट की (कुंजली) रेपर्टरी का पुनरवलोकन तथा संशोधन :

बोरिक रेपर्टरी से संकलन

जे.टी. कैण्ट द्वारा लिखी गई रेपर्टरी एक ऐसी संदर्भ पुस्तक है जिसका संकलन 20वीं सदी के प्रारंभ में किया गया था। यह समस्त विश्व में चिकित्सालयों में सबसे अधिक प्रयोग की जाने वाली तथा सबसे प्रसिद्ध रेपर्टरी है। इसके प्रकाशन के बाद से बहुत सी औषधियों का परीक्षण हो चुका है तथा उन्हें हमारे चिकित्सीय साधनों से मिलाया जा चुका है। अतः कैण्ट की रेपर्टरी के कार्यक्षेत्र को बढ़ानें तथा सुधारने के लिए परिषद ने यह परियोजना प्रारम्भ की है।

कैण्ट रेपर्टरी के 37 अध्यायों में से 15 अध्यायों को संशोधित करके प्रकाशित किया गया है। इस परियोजना पर और आगे कार्य के. हो. अ.प. की वैज्ञानिक सलाहकार समिति के विचाराधीन होने की वजह से नहीं किया गया है।

प्रलेखन एवं पुस्तकालय

प्रलेखन विभाग का अस्तित्व केन्द्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान परिषद के मुख्यालय के एक अंग के रूप में 1 अप्रैल 1980 को सामने आया। साथ ही परिषद् में चल रहे अनुसंधान कार्यक्रमों में प्रलेखन के महत्व को पहचाना एवं मान्यता दी। उसके पश्चात इसका निरन्तर विकास एवं इसमें प्रर्याप्त प्रगति हुई। इस विभाग का मुख्य उद्देश्य "होम्योपैथी से संबंधित जानकारी का प्रसार" करना है। इसके अन्य उद्देश्य निम्नलिखित हैं।

1. परिषद् के लिए महत्व रखने वाले विषयों पर संपूर्ण प्रलेखन तैयार करना तथा परिषद के वैज्ञानिकों के ज्ञान को समसामयिक बनाने हेतु इन दस्तावेजों को उपलब्ध कराना।
2. होम्योपैथी तथा अन्य विषयों पर वैज्ञानिक लेखों के सारांश, ग्रंथ सूचियां और संदर्भ सूचियाँ तैयार करना।
3. परिषद द्वारा आयोजित किए गए वैज्ञानिक सेमिनारों, विचार गोष्ठियों तथा कार्यशालाओं आदि का विवरण रखना।
4. परिषद् के हित में वैज्ञानिक प्रपत्रों की प्रति उनकी उपलब्धता के आधार पर वैज्ञानिकों को उपलब्ध कराना।

एक संदर्भ पुस्तकालय भी विकसित किया गया है जिसमें होम्योपैथी और संबंधित विज्ञानों पर आज तक 7,017 पुस्तकों का संग्रह है। यहां भारतीय तथा विदेशी दोनों मिला कर 31 पत्रिकाऐं मंगाई जाती है।

वर्ष 2001–2002 के दौरान किए गए कार्य

पुस्तकालय

पुस्तकें :

– स्वीकृत शीर्षकों की संख्या	543
– विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रकाशन	13
– खरीदी गई पुस्तकों की संख्या	18
– क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली से स्थानांतरित पुस्तकों की संख्या	489
– पूरक के रूप में प्राप्त पुस्तकों की संख्या	23
दिनांक 31.03.2002 को कुल पुस्तकें	7,017

जर्नल / पत्रिकाएं

मंगाई गई पत्रिकाओं की संख्या	31
– विदेशी	05
– भारतीय	20
– वि.स्वा. संगठन की पत्रिकाएँ	06
– 31.3.2002 को पत्रिकाओं की संख्या	1845

सूचना सेवायें :

– अनुसंधान विद्वानों द्वारा मांगने पर इंटरनेट पर उपलब्ध कराना

फोटो प्रतिलिपि सेवाएं

छाया प्रतिलिपि सेवाएं

– प्रलेखों की संख्या जिनकी प्रतिलिपि प्रदान कराई गई	500

ग्रंथ सूचीकार सूची

– सामयिक स्वास्थ्य साहित्य जागरूकता सेवायें	04
– चिकित्सा संबंधी सारांश (समय–समय पर विवर्धित किए जा रहे हैं)	02

प्रकाशन

त्रैमासिक पत्रिका (खण्ड 23)	2 अंक
के.हो.अ.प. समाचार, संख्या 28	1 अंक

आडियो विजूअल

विडियो कैसेटों का कुल संग्रह	28 विभिन्न शीर्षक

प्रकाशन

परिषद् द्वारा प्रकाशित त्रैमासिक बुलेटिन में के.हो.अ.प. के तकनीकी कार्यकलापों एवं उपलब्धियों पर प्रकाश डाला जाता है तथा समाचार में परिषद् की गतिविधियों एवं विभिन्न पुस्तकों/मोनोग्राफों का प्रकाशन होता है।

वर्ष 2001–2002 के दौरान प्रकाशन

त्रैमासिक बुलेटिन : अंक 23(1 एवं 2) तथा (3 एवं 4) के अंक प्रकाशित किए गए है।

के.हो.अ.प. समाचार : अंक 23 (1 एवं 2) 2001

पुस्तिका मुद्रित (नई) : क्रमांक 28

पेम्फलेट मुद्रित (नई) :

1. के.हो.अनु.प. 'ए' बर्डस आई व्यू

: वेब सी वेब पर होम्योपैथी

पेम्फलेटस पुनः मुद्रित : केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद की वेब साइट पर उपलब्ध विषयों के कुछ अंशों की रूपरेखा इन पेम्फलेटस के द्वारा प्रदान की गई।

1. मलेरिया का निवारण एवं उपचार
2. होम्योपैथी/नियम एवं तथ्य
3. होम्योपैथी का समष्टि उपगमन
4. होम्योपैथी द्वारा मोतियाबिन्द की निवारण
5. होम्योपैथी द्वारा बच्चों की देखभाल

अनुसंधान लेखा का सार संग्रह(नई) : परिषद् के अनुसंधानकर्ताओं द्वारा त्रैमासिक बुलेटिन की अलग–अलग प्रतियों एवं अन्य होम्योपैथिक भारतीय एवं विदेशी पत्रिकाओं में परिषद् में चल रहे अनुसंधान कार्यक्रमों पर छपे हुए लेखों का संकलन।

वर्ष 2001–2002 के दौरान की परियोजना/दी गई योजनाएँ/ सम्पन्न योजनाएँ

1. परिषद् ने वर्ष 2001–02 में कर्मचारा राज्य बीमा अस्पताल, बसईदारापुर, दिल्ली में बांझपन, दुष्क्रियात्मक गर्भाशय रक्तस्त्राव, श्रोणि शोथयुक्त विकारों पर सत्री रोग विज्ञान एवं प्रसूति विज्ञान विभाग के साथ संयुक्त रूप से अध्ययन प्रारम्भ किया है। जिन रोगियों को अन्य उपचारों से कोई लाभ नहीं पहुंचा इन विकारों के सभी रोगियों को होम्योपैथिक चिकित्सा के लिए भेजा गया।
2. चार औषधियों का प्रमाणन (दो दीर्घ प्रमाणन की संख्या 68 69 व दो लघु प्रमाणन कोड संख्या 58 एवं 74) प्रतिवेदित वर्ष के दौरान पूरा किया गया। वर्ष के दौरान विभिन्न औषध प्रमाणन केन्द्रों पर दूसरी बार दो औषधियों का दीर्घ प्रमाणन कोड संख्या 65 व 67 तथा एक लघु प्रमाणन कोड संख्या 71 से किया गया। चूंकि यह कार्य डबल ब्लाईड तकनीक के अंतर्गत किया जाता है, इसलिए औषधियों के नाम का असंकेतीकरण कर लिया जाता है।
3. तीन औषधियों अर्थात् कोरनुअस सर्सिनेटा, ट्रिब्यूलस टेरैस्ट्रिस तथा ओसिमम सैक्टम के प्रमाणन आंकड़ों के संकलन पूरा कर लिया गया है तथा उसे के.हो.अ.प. की वैज्ञानिक सलाहकार समिति के समक्ष अनुमोदन के लिए रखा जाएगा।
4. आठ औषधियों पर भेषज अभिज्ञ अध्ययन व 6 औषधियों पर मनोविज्ञान रासायनिक अध्ययन वर्ष के दौरान दिये गए व उन्हें पूरा किया गया।

भावी योजनाएँ / कार्यक्रम

1. पिछली वैज्ञानिक सलाहकार समिति द्वारा अनुमोदित / रूपान्तरित सभी अनुसधान परियोजनाएँ जारी रहेंगी तथा जारी परियोजनाओं को राष्ट्रीय दृष्टिकोण से बल देना तथा नए अनुसंधान कार्यों की खोज करना और उन पर काम करना भी जारी रहेगा।
2. 5 औषधियों पर प्रमाणन कार्य करना (दो दीर्घ प्रमाणन व तीन लघु प्रमाणन)।
3. 8 औषधियों के भेषज अभिज्ञान, भेषज गुण विज्ञान तथा भौतिक रसायनिक मानक निश्चित करना।
4. प्रमाणित लक्ष्य तथा नैदानिक सत्यापित आंकडों से समाविष्ट तत्काल उपचार पर पुस्तिका का संकलन प्रकाशन के लिए तैयार है।
5. एब्रोमा आगस्ता फोलिया पर विनिबंध (पहले से प्रकाशित) पर विनिबन्ध का संशाधन किया जाएगा जिसमें भेषज अभिज्ञान अध्ययन एवं नैदानिक तौर से सत्यापित लक्षणों के रंगीन छायाचित्र सम्मिलित किये जायेंगे।
6. होम्योपैथी में प्रयुक्त होने वाले औषधीय पादपों की जांच सूची पुनरीक्षण में है।

केन्द्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान परिषद् के अधीन संस्थानों एवं यूनिटों की सूची

1. प्रभारी सहायक निदेषक,
केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.),
सचिवोथामापुरम, कोट्टायम (केरल)–686 532.

2. प्रभारी अनुसंधान अधिकारी,,
क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.),
नेहरू होम्यो0 मेडिकल कालेज एवं अस्पताल,
बी–ब्लाक, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली–110 024.

3. प्रभारी अनुसंधान अधिकारी,,
क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.),
बम्बई होम्यो0 मेडिकल कालेज एवं अस्पताल,
इरला नाका, विले पार्ले,
मुंबई (महाराष्ट्र)–400 056.

4. प्रभारी अनुसंधान अधिकारी,,
क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.),
13/210 ए, क्लब रोड,
गुडिवाढ़ा (आ0प्र0)–521 310.

5. प्रभारी अनुसंधान अधिकारी,,
क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.),
सी.सी.आर.एच. बिल्डिंग, मारचीकोट लेन,
पुरी (उड़ीसा)–752 001.

6. प्रभारी सहायक निदेशक,
होम्योपैथिक औषध अनुसंधान संस्थान,
बी–1433, इन्दिरा नगर,
लखनऊ (उ0प्र0)–226 016.

7. प्रभारी परियोजना अधिकारी,,
औषध मानकीकरण इकाई (होम्यो.),
क्यू.यू.बी.–32, रोड नं. 4,
विक्रम पुरी, हबसीगुडा,
हैदराबाद (आ0प्र0)–500 007.

8. प्रभारी परियोजना अधिकारी,,
औषध मानकीकरण इकाई (होम्यो.),
द्वारा होम्यो. भेषजीय प्रयोगशाला,
केन्द्रीय सरकार कार्यालय परिसर,
हापुड़ चुंगी के पास,
गाजियाबाद (उ0प्र0)–201 002.

9. प्रभारी अनुसंधान अधिकारी,,
औषध मानकीकरण अनुसंधान इकाई,
136, अफगानन मोहल्ला, दिल्ली गेट,
गाजियाबाद (उ0प्र0)–201 001.

10. प्रभारी परियाजना अधिकारी,
औषध मानकीकरण अनुसंधान इकाई (होम्यो.),
डी.एन.डी. होम्यो. मेडिकल कालेज एवं अस्पताल,
12 गोबिन्दा खटीक रोड़,
कोलकाता (प0बं0)–700 046.

11. प्रभारी अनुसंधान अधिकारी,,
औषध मानकीकरण अनुसंधान इकाई (होम्यो.),
मिदनापुर होम्योपैथिक मेडिकल कालेज एवं
अस्पताल,
मिदनापुर (प0बं0)–721 101.

12. प्रभारी अनुसंधान अधिकारी,,
चिकित्सा सत्यापन इकाई (होम्यो.),
136, अफगानन मोहल्ला, दिल्ली गेट,
गाजियाबाद (उ0प्र0)–201 001.

13. प्रभारी सहायक अनुसंधान अधिकारी,,
चिकित्सा सत्यापन इकाई (होम्यो.),
टाट बाबा आश्रम, गोपेश्वर,
वृंदावन (मथुरा)–281 121 (उ0प्र0)

14. प्रभारी अनुसंधान अधिकारी,,
चिकित्सा सत्यापन इकाई (होम्यो.),
एन.सी. 152, गायत्री मंदिर मार्ग, पो.आ. लोहिया नगर,
कंकर बाग, पटना (बिहार)–800 020.

15. प्रभारी सर्वेक्षण अधिकारी,
सर्वे ऑफ मेडिसिनल प्लांटस एवं
कलैक्शन यूनिट (होम्यो.),
112, सरकारी कालेज परिसर,
उदगामण्डलम (तमिलनाडु)–643 002.

16. प्रभारी परियोजना अधिकारी,
नैदानिक अनुसंधान व महामारी सैल (होम्यो.),
1, नीम रोज, जिन्सी चौराहा,
जहांगीराबाद,
भोपाल (मध्य प्रदेश)–462008.

17. प्रभारी परियोजना अधिकारी,
शल्य अनुसंधान प्रयोगशाला,
बनारस हिन्दु विश्व विद्यालय,
वाराणसी (उ0प्र0)–221 005ए

18. प्रभारी अनुसंधान अधिकारी,
चिकित्सा अनुसंधान इकाई (होम्यो.),
बिल्डिंग नं0 663/10,
गुडगांव (हरियाणा)

19. प्रभारी अनुसंधान अधिकारी,
चिकित्सा अनुसंधान इकाई (होम्यो.),
किशोरी कालोनी, प्लाट नं. 1,
भूपेन्द्र रोड, फाटक नं. 22 के पास,
पटियाला (पंजाब)–147 001.

20. प्रभारी अनुसंधान अधिकारी,
चिकित्सा अनुसंधान इकाई (होम्यो.),
फ्लैट नं0 5, नित्या निकेतन,
शिमला (हि0प्र0)–171 002.

21. प्रभारी अनुसंधान अधिकारी,
चिकित्सा अनुसंधान इकाई (होम्यो.),
हिन्दुस्तान सा मिल बिल्डिंग,
बैलूर रोड, मिशन कम्पाउन्ड,
उडूपि (कर्नाटक)–576 101.

22 प्रभारी परियोजना अधिकारी,
होम्योपैथिक अनुसधान संस्थान,
डा0 मदन प्रताप खुन्टेटा राजस्थान,
होम्यो मेडिकल कालेज एवं अस्पताल,
स्टेशन रोड, जयपुर (राजस्थान)–302 006.

23. प्रभारी सहायक अनुसंधान अधिकारी,
चिकित्सा अनुसंधान इकाई (होम्यो.),
एम.बी. 31, मिडल पॉइन्ट,
महात्मा गांधी रोड,
पोर्ट ब्लेयर (अ0 एवं निकोबार समूह)–744 101.

24. प्रभारी अनुसंधान अधिकारी,
चिकित्सा अनुसंधान इकाई (होम्यो.),
डोर नं. 6–1–61 ए, एस.वी.ओ. कालेज परिसर,
के.टी. रोड, तिरूपति–517 501.

25. प्रभारी अनुसंधान अधिकारी (होम्यो.),
सी.जी.एच.एस. विंग, सफदरजंग अस्पताल,
नई दिल्ली।

26. प्रभारी सहायक अनुसंधान अधिकारी,
चिकित्सा अनुसंधान इकाई (होम्यो.),
खालीपाड़ा, पुराना बाकाड़ा,
गुवाहटी (असम)–781 019.

27. प्रभारी अनुसंधान अधिकारी,
चिकित्सा अनुसंधान इकाई (होम्यो.),
नं. 4, भारथीयार स्ट्रीट,
पहली मंजिल, कांगम,
चैन्नई–600 113.

28. प्रभारी परियोजना अधिकारी,
चिकित्सा अनुसंधान इकाई (होम्यो.),
पैलेस कंपाउन्ड के सामने, इंदौर स्टेडियम,
नजदीक श्री गोबिंदाजी मंदिर,
इम्फाल–715 001.

29. प्रभारी सहायक अनुसंधान अधिकारी,
चिकित्सा अनुसंधान इकाई (होम्यो.),
71–72, रेषम गढ़ कालोनी,
जम्मू–180 001.

30. प्रभारी सहायक अनुसंधान अधिकारी,
चिकित्सा अनुसंधान इकाई (होम्यो.),
सर्किट घर के नजदीक,
जगदलपुर,
जिला बस्तर (म0प्र0)–494 001

31. प्रभारी सहायक अनुसंधान अधिकारी,
होम्योपैथी के लिए चिकित्सा अनुसंधान इकाई,
विधुली रिपब्लिक रोड,
ऐजवाल (मिजोरम)–796 001.

32. प्रभारी सहायक अनुसंधान अधिकारी,
होम्योपैथी के लिए चिकित्सा अनुसंधान इकाई,
म0नं0 39, टाईप–3 विवेक बिहार,
पोस्ट आर.के. मिशन, जिला पैपमपुर,
ईटानगर (अरूणाचल प्रदेश)–791 113.

33. प्रभारी सहायक अनुसंधान अधिकारी,
होम्योपैथी के लिए चिकित्सा अनुसंधान इकाई,
बी–1073, हनुमान स्ट्रीट,
भरोच (गुजरात)–392 001.

34. प्रभारी परियोजना अधिकारी,
चिकित्सा अनुसंधान इकाई (होम्यो.),
गादमतल्ला, सिलीगुढी, दार्जिलिंग (प0बं0)।

35. प्रभारी अनुसंधान अधिकारी,
होम्योपैथी के लिए चिकित्सा अनुसंधान इकाई,
टाउनशिप, गुरूद्वारा कंपाउन्ड,
डांडेली (कर्नाटक)–581 235.

36. प्रभारी सहायक अनुसंधान अधिकारी,
होम्योपैथी के लिए चिकित्सा अनुसंधान इकाई,
हुकुम सिंह बिल्डिंग, पहली मंजिल,
जिला कार्बिएंगलौंग,
पो.आ. डिफू (असम)–782 460.

37. प्रभारी सहायक अनुसंधान अधिकारी,
चिकित्सा अनुसंधान इकाई,
गोरखपुर मंडल विकास निगम लिमिटेड भवन,
पहली मंजिल, कचेहरी रोड (शास्त्री चौक),
गोरखपुर–273 001.

38. प्रभारी सहायक अनुसंधान अधिकारी,
होम्योपैथी के लिए चिकित्सा अनुसंधान इकाई,
सोनारी स्ट्रीट,
जैपुर (उड़ीसा)–764 001.

39. प्रभारी सहायक अनुसंधान अधिकारी,
होम्योपैथी के लिए चिकित्सा अनुसंधान इकाई,
पी0ओ0 मूलामटम,
इडुक्की (केरल)–685 589.

40. प्रभारी सहायक अनुसंधान अधिकारी,
होम्योपैथी के लिए चिकित्सा अनुसंधान इकाई,
सरकूलर रोड,
नेपाली गांव के नजदीक,
दीमापुर–797 112.

41. प्रभारी अधिकारी,
होम्योपैथी के लिए चिकित्सा अनुसंधान इकाई,
सैम्फल होटल के सामने,
संग्राम भवन के नजदीक, डेवलपमैंट क्षेत्र,
गंगटोक (सिक्किम)–737 101.

42. प्रभारी परियाजना अधिकारी,
होम्योपैथी के लिए चिकित्सा अनुसंधान इकाई,
खोंगजोम, खेबचिंग, जिला थोबल,
मणिपुर–795 148.

43. प्रभारी अधिकारी,
होम्योपैथी के लिए चिकित्सा अनुसंधान इकाई (आ.),
जिला चम्बा,
भरमौर (हिमाचल प्रदेश)–176 315.

44. प्रभारी सहायक अनुसंधान अधिकारी,
होम्योपैथी के लिए नैदानिक अनुसंधान इकाई,
जंगस्टी रोड,
लेह (जम्मू एवं कश्मीर)–194 101.

45. प्रभारी अधिकारी,
होम्योपैथी के लिए चिकित्सा अनुसंधान इकाई,
पहला क्रास, मंगलाक्ष्मी नगर
(नये बस स्टाप के पिछे),
पांडिचेरी–605 013.

46. प्रभारी अनुसंधान अधिकारी,
होम्योपैथी के लिए चिकित्सा अनुसंधान इकाई,
मिलट कॉलोनी,
कनके,
रांची (झारखंड)–834 006.

47. प्रभारी अनुसंधान अधिकारी,
होम्योपैथी के लिए चिकित्सा अनुसंधान इकाई,
बिल्डिंग नं. 37–38, गांधीपुरम,
पो0आ0 सेंदामंगलम,
जिला सेलम (तमिलनाडू)–637 409.

48. प्रभारी सहायक अनुसंधान अधिकारी,
होम्योपैथी के लिए चिकित्सा अनुसंधान इकाई,
द्वारा श्री पी0 बोस अैम्पल रोड़,
शिलांग (मेघालय)–793 001.

49. प्रभारी सहायक अनुसंधान अधिकारी,
होम्योपैथी के लिए चिकित्सा अनुसंधान इकाई,
पुरानी कालीबाढ़ी रोड, पी.ओ. एडवाईजर चौमुवनी,
कृष्ण नगर, अगरतला, जिला त्रिपुरा (पश्चिम),
त्रिपुरा–799 001.

50. प्रभारी सहायक अनुसंधान अधिकारी,
होम्योपैथी के लिए चिकित्सा अनुसंधान इकाई,
दरवाजा नं0 74–19–3, उनामालाकुडूरू रोड
(लॉक रोड), पाटामाटा, कृष्णा नगर,
जिला विजयवाडा (आं0प्र0)–520 007.

51. प्रभारी सहायक अनुसंधान अधिकारी,
होम्योपैथी के लिए चिकित्सा अनुसंधान इकाई,
प्रोफेसर कालोनी के नजदीक, पी0ओ0 बुढ्राराजा,
जिला संबलपुर, उडीसा–768 004.

केन्द्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली का वर्ष 2001–2002 लेखा प्रतिवेदन

1. प्रस्तावना

केन्द्रीय होम्यापैथिक अनुसंधान परिषद की संस्थापना समिति पंजीकरण अधिनियम 1860 के अंतर्गत 30 मार्च 1978 को की गई। परिषद के लेखाओं की लेखा परीक्षा, लेखा नियंता एवं महालेखा परीक्षक के "कर्तव्य, शक्तियों तथा सेवा शर्तों" अधिनियम 1971 की धारा 20(1) के अंतर्गत पांच वर्ष की अवधि (वर्ष 1998–99 से 2002–03 तक) के लिए सौंपी गई है।

2. प्राप्ति का स्त्रोत

परिषद् का वित्पोषण मुख्यतः केन्द्रीय सरकार द्वारा किये गए अनुदान से होता है। वर्ष 2001–02 के दौरान परिषद् को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय से 7.86 करोड रूपये का अनुदान (रू0 3.71 लाख योजना तथा रू0 3.95 लाख योजनेत्तर के अन्तर्गत) प्राप्त हुआ।

3. लेखाओं पर टिप्पणियां

तुलन पत्र

3.1 परिसम्पतियों को गलत दिखाया जाना

भूमि व भवन शीर्ष नोयडा के अर्न्तगत परिषद् ने भूमि की कीमत रूप्ये 36,38,246 दिखाई गई है जिसमें दान की गई भूमि कीमत रूपये 6,33,876 भी शामिल की गई है। सही तरीके रो इस प्रकार दिखाया जाना चाहिए।

भूमि व भवन

– नोयडा

– पुरी (दान दी गई) — रू0 30,04,430/–

यहां परिशोधन की आवश्यकता है। — रू0 6,33,816/–

3.2 तुलन पत्र व परिसम्पत्ति रजिस्टर में योजना एवं योजनेत्तर शीर्ष के अर्न्तगत रूप्ये 14,062 का अन्तर दिखाया गया है

वर्ष 2001–02 के दौरान परिसम्पत्ति रजिस्टर के अनुसार योजना व योजनेत्तर शीर्ष के अर्न्तगत रूपये 29,94,371 तथा रूपये 4,60,787 क्रमशः की सम्पत्ति खरीदी गई जबकि तुलन पत्र में इसे रूपये 30,08,433 एवं रूपये 4,46,725 क्रमशः दिखाया गया है। रूप से योजनेत्तर शीर्ष के अन्तार्गत रूपये 14,062 की परिसम्पत्ति खरीदी गई जिसे योजना शीर्ष के अर्न्तगत प्रकट कर दिया गया है या इसके विपरीत उलट क्रम से। इस पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

आय एवं व्यय खाता

3.3 आय एवं व्यय खाते के दानों तरफ रूपये 4,25,352 ज्यादा दिखाया गया है

वर्ष 2001–02 के दौरान सेमिनार व कार्यशाला के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन से परिषद् में प्राप्त अनुदान रूपये 10,38,000 खर्च नहीं किया गया बाकी रूपये 4,25,352 उसी वित्त वर्ष में वापिस कर दिया गया। परिषद् ने अपने आय एवं व्यय खाते में

रूपये 10,38,000 को आय में दर्शाया है साथ ही इसे व्यय भी बताया है जिसके परिणामस्वरूप रूपये 4,25,352 व्यय से अधिक बताई गई है।

4 सामान्य टिप्पणियां

4.1 परिसम्पत्ति रजिस्टर का व्यवस्थित ढंग से न होना

31 मार्च, 2002 तक परिषद् ने अपने तुलन पत्र में कुल परिसम्पत्ति रूपये 3,36,70,548–75 की दर्शाई है इसलिए लेखा [illegible] में यह अंक सत्यापित नहीं हो सका क्योंकि परिसम्पत्ति रजिस्टर में विभिन्न परिसम्पत्तियों के अन्तर्गत शेष को नहीं दिखाया [illegible]

4.2 सामान्य भविश्य निधि खाता

31 मार्च, 2002 तक की परिषद् की सामान्य भविष्य निधि खाते के तुलन पत्र की निरीक्षण करने पर यह पाया गया कि [illegible] कुल सामान्य भविष्य निधि अंशदान रूपये 1,34,02,206 दिखाया गया है जिसमें से रूपये 22,316 का. बैंक के दवारा प्रत्यय नहीं [illegible] गया। इसमें समाधान की आवश्यकता है।

4.3 परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास

परिषद् का परिसम्पत्ति खाता अधिग्रहण की बुक वैल्यू पर आधारित है जिसमें से अप्रचलित, काम में न आने योग्य [illegible] के योग्य नहीं तथा अनउपयोगी परिसम्पत्तियों को अलग नहीं किया गया।

4.4 सामान्य भविश्य निधि खाता के निवेश के लिए व्यवस्था का अनुवर्तन न करना

भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग की अधिसूचना दिनांक 12.06.1998 के अनुसार गैर [illegible] भविष्य निधि खाताओं अधिवर्णिता खाता तथा उपादान खाताओं दवारा इन्क्रीमेन्टल केशन्स के निवेश की व्यवस्था इस प्रकार [illegible] चाहिये।

1. केन्द्रीय सरकारी प्रतिभूतियां – 25 प्रतिशत
2. सार्वजनिक विभाग के भविष्य निधि में जैसे सरकारी प्रतिभूतियों को परिभाषित किया गया है या केन्द्रीय या [illegible] राज्य सरकार दवारा प्रत्याभूत अन्य पराक्रम्य प्रतिभूतियां – 15 प्रतिशत
3. कम्पनी एक्ट की धारा 4 (अ) के अन्तर्गत निर्दिष्ट सार्वजनिक वित्तीय संस्थाओं के बोण्डस / प्रतिभूतियां / आय[illegible] 1961 की धारा 2(36–अ) के अन्तर्गत विनिर्दिष्ट सार्वजनिक सेक्टर की कम्पनियों जिनमें सार्वजनिक सेक्टर [illegible] शामिल है – 40 प्रतिशत।
4. विशेष निक्षेप योजना – 20 प्रतिशत

वर्ष 2001–02 के निवेश खाता की जांच पडताल से यह सामने आया कि संस्था ने अपनी सारी सामान्य भविष्य [illegible] की राशि रूपये 543 लाख सावधि जमा योजना में निवेश कर दी है। संस्था ने मंत्रालय दवारा बताए निवेश [illegible] को नहीं अपनाया है।

5. लेखा नीतियां

परिषद् को चाहिए कि वह वार्षिक लेखा के साथ महत्वपूर्ण लेखा नीतियों एवं लेखाओं पर टिप्पणियों को साथ [illegible] महत्वपूर्ण लेखा नितियों में उन मदों का खुलासा करें जो कि नकद आधार पर ली गई हो। अचल परिसम्पत्तियां तथा [illegible] के मूल्यांकन को दिखाती हो। परिषद् के लेखा पर टिप्पणियां भी साथ में लगानी चाहिए जो परिषद् की रोकड़ बही पर [illegible] के लागू न होने को वैधानिक अधिनियम से छूट, आकस्मिक देयता के प्रतिपादन इत्यादि के बारे में सूचित करती हो। परिषद् [illegible] किया गया ऐसा प्रकटीकरण लेखा मे पारदर्शिता लायेगा। परिषद ने महत्वपूर्ण लेखा नीतियों तथा लेखा पर टिप्पणियों को साथ में नहीं लगाया। हालांकि परिषद् को इस बारे मे वर्ष 2000'01 के लेखा प्रतिवेदन के दवारा सूचित कर दिया गया था। परिषद् को इन टिप्पणियों को साथ जोडने के लिए पहल करनी चाहिए ताकि इन प्रकटीकरण के आधार पर एवं पैरामीटरों पर लेखाओं को पढा एवं प्रमाणित किया जा सकें।

6. लेखाओं का प्रारूप

[illegible] समिति की सिफारिशों पर आधारित सामान्य पुनरीक्षित प्रारूप जो पार्लियामेन्ट में प्रस्तुत किया गया उसके आधार पर परिषद् को वर्ष 2001–02 का अपना वार्षिक खाता तैयार करना था जबकि परिषद् ने चल रहे प्रारूप पर ही अपने खाते तैयार किये [illegible]

7. प्रबंधन के दवारा खाताओं को स्वीकृति नहीं

परिषद् के उपविधि के अनुसार परिषद् का वार्षिक खाता वर्ष 2001–02 सक्षम अधिकारी दवारा हस्ताक्षर किया गया, किन्तु लेखा परीक्षा के सम्मुख प्रस्तुत करने से पहले वह प्रबंधन के दवारा स्वीकृत नहीं किया गया जिसके परिणामस्वरूप प्राधिकारी दवारा खाताओं के अनुमोदन का संकल्प / कार्यरत खाताओं के साथ संलग्न नहीं था।

8. बीते वर्ष के आंकडे खाताओं में नहीं बताए गए

वर्ष 2001–02 के केन्द्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान परिषद् के खाताओं में बीते वर्ष के आंकडे नहीं लिए गए। परिषद् से यह अनुरोध किया जाता है कि वह वर्ष 2002–03 से आगे हमेशा बीते वर्ष के आंकडे भी लिखे।

9. जवाबों को न प्राप्त होना

संगठन को अलग से मसौदा लेखा परीक्षा प्रतिवेदन जवाबों के लिए 16.10.2002 को भेजा गया किन्तु उसका कोई भी जवाब [illegible] मिला।

10. लेखा परीक्षा की टिप्पणियों का तुलन पत्र आय एवं व्यय खाता तथा प्राप्ति एवं भुगतान खाता पर प्रभाव

पूर्ववर्ती पैरा में दी गई टिप्पणी का कुल मिलाकर यह प्रभाव है कि परिषद् का आय एवं व्यय खाता में रूपये 4.25 लाख अधिक [illegible] गया है।

महानिदेशक लेखा परीक्षा
केन्द्रीय राजस्व

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 21.02.2003

लेखा परीक्षा प्रमाण पत्र

मैंने केन्द्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान परिषद. नई दिल्ली के 31 मार्च 2002 को समाप्त वर्ष के प्राप्ति एवं भुगतान लेखा, आय एवं व्यय लेखा तथा 31 मार्च 2002 के तुलन पत्र की जांच कर ली है। मैंने सभी अपेक्षित सूचना एवं स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए तथा संलग्न लेखा.परीक्षा के परिणाम स्वरूप मैं यह प्रमाणित करता हूँ कि मेरी राय में मुझे दी गई सर्वोतम जानकारी एवं स्पष्टीकरण के अनुसार यह लेखे तथा तुलन पत्र उपयुक्त रूप से तैयार किये गये है जिनमे केन्द्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान परिषद के कार्यों को सही एवं स्पष्ट रूप में प्रस्तुत किया गया है।

ह0

महानिदेशक लेखा ...

केन्द्रीय राज...

स्थान: नई दिल्ली

दिनांक: 21.02.2003

31 मार्च, 2002 को समाप्त वर्ष के प्राप्ति एवं भुगतान लेखे

क्र0सं0	प्राप्तियाँ			राशि/रकम
1.	**आरम्भिक अवशेष**			
	के0हो0अ0प0 (बैंक अवशेष)			
	– योजना (प्लान) एवं		29,29,801.96	
	योजनेत्तर अंतर्गत (नान प्लांन)		––	
	– अग्रदाय अग्रिम		1,69,700.00	
			---------	30,99,501.96
2.	**स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली से प्राप्त अनुदान : – योजना (प्लान)**			
	(अ)– सामान्य क्षेत्र	2,73,03,000.00		
	– आदिवासी क्षेत्र	32,40,000.00		
	– विशेष कोम्पोनैंट योजना अनुसूचित जाति के लिये	65,28,000.00		
	– सेमिनारों के लिए अनुदान	–		
		3,70,71,000.00		
	योजनेत्तर	3,95,30,000.00		
	उत्तर पूर्वीय क्षेत्र को पुनः संगठित करने के लिये प्रशिक्षण	---------	7,66,01,000.00	
3.	वि.स्वा.सं. से सेमिनार एवं कार्यशालाओं के लिए प्राप्त अनुदान		10,38,000.00	
4.	विविध प्राप्तियां			
	अग्रिमों पर ब्याज		1,08,548.00	
	विविध प्राप्तियाँ		26,374.10	
	मूल्यांकित प्रकाशनों की बिकी		15,408.00	
	बचत खाते से प्राप्त ब्याज (इकाईयों से प्राप्त ब्याज)		8,103.47	
	पौधों की बिक्री		23,550.00	
	ईकाईयों से प्राप्त वीडियो कैसेटस की बिकी		---------	1,81,983.47

क्र0सं0		भुगतान	राशि/रकम
1.		योजना :	
	(अ)	सामान्य क्षेत्र :–	
	(क)	वेतन एवं भत्ते	1,87,80,714.00
	(ख)	यात्रा भत्ता	4,24,806.00
	(ग)	मजदूरी	2,93,516.00
	(घ)	किराया	2,04,996.00
	(ड.)	कार्यालय व्यय	18,13,267.68
	(च)	सामग्री एवं आपूर्ति	6,35,245.00
	(छ)	औषधि अनुसंधान प्रमाणन के लिए किया गया भुगतान	61,820.00
	(ज)	फर्नीचर एवं फिक्सचर	3,02,423.00
	(झ)	किताबें	23,743.00
	(ण)	अस्पताल उपकरण	21,16,722.00
	(ट)	पत्रिका शुल्क	–––
	(ठ)	संगोष्ठी / प्रदर्शनी सम्मेलन	8,87,114.00
	(ढ)	वाहन ईंधन	83,146.00
	(ा)	वाहन मरम्मत	43,177.00
	(त)	के0स्वा0सेवा योजना	1,83,295.00
	(थ)	अस्पताल उपकरण (विश्व.स्वा.संगठन)	–––
	(द)	प्रकाशन	2,48,639.00
	(ध)	पूर्व वेतन भुगतान (मार्च, 2002)	8,97,528.00
	(घ)	आकस्मिक अग्रिम	26,63,918.00
	(न)	यात्रा अग्रिम	64,000.00
	(प)	अवकाश यात्रा रियायत अग्रिम	–

			2,97,28,069.00
			---------

5. अग्रिम के तहत नकद वसूलियां

आकस्मिक अग्रिम(योजना एवं योजनेत्तर)	32,616.00	
यात्रा अग्रिम	22,776.00	
अवकाश यात्रा अग्रिम	9,114.00	
	---------	64,506.00

6. अग्रिमों के तहत वसूलियां

त्यौहार/उत्सव अग्रिम	2,83,170.00	
स्कूटर अग्रिम	2,62,586.00	
कार अग्रिम	2,13,170.00	
साईकिल अग्रिम	15,075.00	
बाढ़ अग्रिम	22,575.00	
वेतन अग्रिम	41,008.00	
गर्म कपडा अग्रिम	1,050.00	
कम्प्यूटर अग्रिम	53,605.00	
चिकित्सा अग्रिम	1,10,000.00	
	---------	10,02,239.00

7. अन्य वसूलियां

आयकर	28,08,511.00	
स्टाफ से सामान्य भविष्य निधि अभिदान	1,34,02,906.00	
स्टाफ की सामूहिक बीमा योजना की किश्त	6,03,148.00	

		1,68,14,565.00

8. दूसरे विभागों से प्रतिनियुक्ति पर आए कर्मचारियों से सामान्य भविष्य निधि, सामान्य समूह बीमा योजना तथा गृह निर्माण अग्रिम के कारण की गई वसूलियां 1,36,298.00

(ब) आदिवासी उपयोजना :

वेतन एवं भत्ते	18,89,690.00
यात्रा भत्ता	26,086.00
मजदूरी	19,238.00
किराया	81,099.00
कार्यालय व्यय	81,732.00
सामग्री पूर्ति	27,327.00
वाहन ईंधन	6,381.00
वाहन मरम्मत	36,028.00
वेतन भुगतान (मार्च,2002)	1,50,755.00
हस्पताल उपकरण	14,685.00
अवकाश यात्रा रियायत अग्रिम	14,500.00
आकस्मिक अग्रिम	1,15,675.00

(स) विशेष कोम्पोनेंट योजना अनुसूचित जाति के लिये :

वेतन एवं भत्ते	57,39,941.00
यात्रा भत्ता	70,646.00
मजदूरी	14,920.00
किराया	1,22,663.00
कार्यालय व्यय	2,13,447.00
सामग्री पूर्ति	80,665.00
अस्पताल उपकरण	25,000.00
पूर्व वेतन भुगतान (मार्च, 2002)	3,77,796.00
फर्नीचर एवं फिक्सचर	9,940.00

	66,55,018.00

9.	फर्म से प्राप्त ई.एम.डी.	1,800.00
10.	व्यौक्तिक बीमा योजना	56,523.00
11.	प्रधान मंत्री राष्ट्रीय कोष निधि	41,788.00
12.	सामान्य बीमा योजना की आखिरी किश्त	27,349.00

(द) रूमेटाइड संधिशोथ एवं के.हो.अ.प. तथा औषधीय उद्योग के बीच इन्टरएक्शन की कार्यशालाओं पर व्यय

(क)	कर्मचारियों को प्रदत मानदेय	4,000.00	
(ख)	प्रतिभागियों को यात्रा अग्रिम	4,58,664.00	
(ग)	कार्यालय व्यय	20,341.00	
(घ)	सामग्री एवं आपूर्ति	38,011.00	
(ड.)	जलपान खर्च	91,632.00	
(च)	विश्व स्वा.संगठन को लौटाई राशि	4,25,352.00	

		10,38,000.00	

	कुल अ+ब+स+द		3,98,84,283.60

2. अन–योजनांतर्गत :

(क)	वेतन एवं भत्ते	3,08,65,080.00
(ख)	यात्रा भत्ता	6,53,454.00
(ग)	मजदूरी	2,74,762.00
(ध)	किराया	5,29,420.00
(ड.)	कार्यालय व्यय	8,43,544.00
(च)	सामग्री एवं आपूर्ति	3,87,750.00
(छ)	वाहन ईंधन	74,600.00
(ज)	वाहन मरम्मत	7,392.00
(झ)	पूर्व वेतन भुगतान (मार्च, 2002)	15,71,772.00
(ण)	पुर्वस	1,87,488.00
(ट)	फर्नीचर एवं फिक्चर	42,354.00
(ठ)	हस्पताल उपकरण	83,691.00
(ड)	अग्रिम स्वीकृत :	
	– आकस्मिक अग्रिम	5,22,716.00
	– अवकाश यात्रा किराया अग्रिम	30,000.00
	– यात्रा अग्रिम	11,797.00
	– त्यौहार अग्रिम	2,92,500.00

	– स्कूटर अग्रिम		4,46,900.00	
	– साईकिल अग्रिम		4,500.00	
	– वेतन अग्रिम		38,678.00	
	– चिकित्सा अग्रिम		1,10,000.00	
	– कार अग्रिम		1,20,000.00	
	– कम्प्यूटर अग्रिम		2,69,500.00	
	– बाढ़ अग्रिम		2,500.00	
(ढ)	प्रांसगिक भविष्य निधि		25,00,000.00	
			----------	3,98,70,398.00
3.	प्रतिनियुक्ति पर आए कर्मचारियों से सामान्य भविष्य निधि, सामूहिक बीमा योजना के लिए वसूलियां एवं प्रेषण			1,36,298.00
4.	वर्ष के दौरान आयकर का प्रेषण			28,08,511.00
5.	वर्ष के लिए सामान्य भविष्य निधि प्रेषण राशि			1,34,02,206.00
6.	बीमा योजना की किश्त का भुगतान			5,59,450.00
7.	जीवन बीमा निगम को सामान्य समूह का व्यैक्तिक बीमा			56,523.00
8.	प्रधान मंत्री राष्ट्रीय कोष निधि			41,788.00
9.	समूह बीमा योजना का अन्तिम भुगतान			27,349.00
10.	अन्तिम अवशेष :			
	भारतीय स्टेट बैंक खाता		21,05,646.83	
	अग्रदाय राशि योजनेत्तर			
	आरम्भिक अवशेष	1,69,700.00		
	स्वीकृत	6,400.00		

		1,76,100.00		
	घटा – सामायोजित	3,000.00		
		---------	1,73,100.00	
			----------	22,78,746.83
	कुल योग			9,90,65,553.43

केन्द्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान परिषद

31 मार्च, 2002 को समाप्त वर्ष के आय एवं व्यय का लेखा

क्र0सं0	व्यय		रकम/राशि	क्र0सं0	आय		रकम/राशि
1.	योजना :				स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय से प्राप्त अनुदान		
	(अ) सामान्य क्षेत्र				योजना (प्लान) –		
	(क) वेतन एवं भत्ता	1,96,68,598.00			– सामान्य क्षेत्र	2,73,03,000.00	
	(ख) यात्रा भत्ता	4,88,082.00			– आदिवासी क्षेत्र	32,40,000.00	
	(ग) मजदूरी	2,93,516.00			– अनुसूचित जाति के लिए विशेष	65,28,000.00	
	(घ) किराया	2,04,996.00			कम्पोनेन्ट योजना	----------	
	(ड) कार्यालय व्यय	19,46,037.00				3,70,71,000.00	
	(च) सामग्री एवं आपूर्ति	7,04,517.00			अनयोजनांतर्गत	3,95,30,000.00	
	(छ) औषध अनु0 प्रूर्वस को किया गया भुगतान	61,820.00				----------	
						7,66,01,000.00	
	(ज) के0स्वा0 सेवा योजना	1,83,295.00			धटा–वर्ष के दौरान पूंजीकृत अनुदान	34,55,158.00	
	(झ) पत्रिका शुल्क	---				----------	7,31,45,842.00
	(ण) प्रदर्शनी / सम्मेलन / सेमिनार	9,17,114.00					
	(ट) वाहन इंधन	83,146.00		2.	विश्व स्वास्थ्य संगठन से प्राप्त अनुदान		10,38,000.00
	(ठ) वाहन मरम्मत	45,040.00					
	(ड) प्रकाशन	2,48,639.00					
	(ढ) अनुसंधान अधिकारियों के प्रशिक्षण कार्यकम पर किया गया व्यय	1,15,797.00					

		2,49,60,597.00					

	(ब) आदिवासी उप–योजना :			3.	विविध प्राप्तयॉं (प्राप्ति एवं भुगतान खाते में दिए गए ब्यौरेनुसार)		1,81,983.47
	(क) वेतन एवं भत्ते	19,92,592.00					
	(ख) यात्रा भत्ता	26,086.00					
	(ग) मजदूरी	19,338.00					
	(घ) किराया	81,099.00					
	(ड) कार्यालय व्यय	81,732.00					
	(च) सामग्री आपूर्ति	64,895.00					
	(छ) वाहन ईंधन	6,381.00					

(ज) वाहन मरम्मत 36,028.00

23,08,051.00

(स) अनुसूचित जाति के लिए विशेष /कम्पोनेंट योजना

(अ)	वेतन एवं भत्ते	61,09,873.00
(ब)	यात्रा भत्ता	76,646.00
(स)	मजदूरी	14,920.00
(द)	किराया	1,22,663.00
(य)	कार्यालय व्यय	2,19,987.00
(र)	सामग्री एवं आपूर्ति	91,988.00
(ल)	पूर्वस	—
		66,36,077.00

कुल योग (अ+ब+स) 3,39,04,725.60

2. अन–योजनांतर्गत (नान–प्लान)

(क)	वेतन एवं भत्ते	3,25,63,488.00	
(ख)	यात्रा भत्ता	6,61,158.00	
(ग)	मजदूरी	2,74,762.00	
(घ)	किराया	5,29,420.00	
(ङ.)	प्रूवर्स	1,87,488.00	
(च)	कार्यालय व्यय	9,12,032.00	
(छ)	वाहन : – ईंधन	74,600.00	
	– मरम्मत	7,392.00	
(ज)	सामग्री आपूर्ति	4,51,020.00	
(झ)	पेंशन निधि में स्थानांतरित राशि	25,00,000.00	
			3,81,61,360.00

3. कार्यशाला व्यय (विश्व स्वा.संगठन) 10,38,000.00

4. व्यय से अधिक आय 12,61,739.87

कुल योग	7,43,65,825.47	7,43,65,825.47

केन्द्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान परिषद्

31 मार्च 2002 को समाप्त हुए वर्ष के सामान्य भविष्य निधि के प्राप्ति एवं भुगतान लेखा

क्र0सं0	प्राप्ति	राशि/रकम	क्र0सं0	भुगतान	राशि/रकम
1.	प्रारम्भिक अवशेष : भारतीय स्टेट बैंक के बचत खाते में	87,845.73	1.	वर्ष के दौरान सामान्य भविष्य निधि खाते में से लिया गया अग्रिम और वसूल की गई राशि का भुगतान	1,28,28,794.00
			2.	वर्ष के दौरान खरीदे गई सावधि जमा योजना	1,49,00,000.00
2.	परिषद् के कर्मचारियों के सा0भ0नि0 की किश्तों की सामान्य खाते से प्राप्त राशि	1,34,02,206.00			
3.	वर्ष के दौरान सावधि जमा योजना के परिपक्व होने से प्राप्त राशि व नगदीकरण	1,01,91,619.00	3.	अंतिम अवशेष भारतीय स्टेट बैंक के खाते में	
				भारतीय स्टेट बैंक बचत खाता 3,78,833.29	
				बैंक के दवारा अभी दिया जाना पत्व्यय 22,316.00	4,01,149.29
4.	बचत खाता तथा सावधि जमा योजना से प्राप्त ब्याज				
	सावधि जमा योजना 44,36,183.79				
	बचत खाता 12,088.77				
		44,48,272.56			
	कुल योग	2,81,29,943.29			2,81,29,943.29

केन्द्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान परिषद्

31 मार्च, 2002 को समाप्त हुए वर्ष में सामान्य भविष्य निधि लेखा का तुलन पत्र

क्र0सं0	देनदारियां		रकम/राशि
1.	सामान्य भविष्य निधि पूंजी लेखा		
	(क) आरम्भिक अवशेष	5,26,11,250.40	
	(ख) सामान्य खाते में कर्मचारियों का सा0भ0नि0 अभिदत्त जमा	1,34,02,206..00	
	(ग) जमा– सामान्य खाते से प्राप्त कर्मचारियों की सा.भ.नि. किश्त	700.00	
	(घ) जमा–सा.भ.नि. की किश्तों पर अनुमत ब्याज	50,70,909.00	
		7,10,85,065.40	
	धटा– वर्ष के दौरान अग्रिम वापसी	1,28,28,794.00	5,82,56,271.40
2.	आरक्षित एवं अधिशेष		
	(क) आरम्भिक अवशेष	56,33,481.89	
	(ख) वर्ष के दौरान बचत खाते से प्राप्त ब्याज	12,088.77	
	(ग) वर्ष के दौरान सा0जमा योजना पर प्रोद्भूत ब्याज, किंतु अभी प्राप्त नहीं	65,18,854.42	
	(घ) बैंक के द्वारा दिया गया प्रत्यय	–	
		1,21,64,425.08	
	(घ) घटा सा0भ0नि0खाते पर अनुमत ब्याज	50,70,909.00	70,93,516.08
	कुल योग		**6,53,49,787.48**

क्र0सं0	परिसम्पतियां		रकम/राशि
1.	निवेश खाता (सावधि जमा योजना)		
	आरंभिक अवशेष	4,95,91,619.00	
	धटा : वर्ष के दौरान परिपक्व सा0 जमा0 परिपक्वता एवं नकदीकरण	1,01,91,619.00	
		3,94,00,000.00	
	वर्ष के दौरान खरीदे गये सा0जमा योजना की राशि	1,49,00,000.00	5,43,00,000.00
2.	सावधि जमा योजना पर प्रोदभूत ब्याज राशि किन्तु प्राप्त नहीं		
	आरंभिक अवशेष	85,51,767.56	
	वर्ष के दौरान जमा	65,18,854.42	
		1,50,70,621.98	
	घटा : वर्ष के दौरान प्राप्त	44,36,183.79	1,06,34,438.19
3	सा.भ.नि. खाते मे कम स्थानातरित होने के कारण सामान्य खाते की तरफ देय राशि		
	आरंभिक अवशेष	13,500.00	
	वर्ष के दौरान जमा	700.00	14,200.00
4.	अन्तिम अवशेष		
	भारतीय स्टेट बैंक मे बचत खाता	3,78,833.29	
	बैंक के दवारा दिया जाने वाला पत्यय	22,316.00	4,01,149.29
			6,53,49,787.48

केन्द्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान परिषद

31 मार्च, 2002 को समाप्त वर्ष के पैंशन निधि खाते के प्राप्ति एवं भुगतान का लेखा

क्र0सं0	प्राप्ति	राशि/रकम
1.	आरम्भिक अवशेष : भारतीय स्टेट बैंक बचत खाता नं0 19806	9,62,037.72
2.	वर्ष के दौरान अन्य विभागों से प्राप्त प्रांसगिक पैंशन योगदान श्री शकील अहमद के विषय में	––
3.	पैंशन कोष के बचत खाते पर प्राप्त ब्याज	26,325.19
4.	पेंशन निधि खाते को चलाने के लिये सामान्य खाते से स्थानांतरित राशि	25,00,000.00
	कुल योग	**34,88,362.91**

क्र0सं0	भुगतान		राशि/रकम
1.	वर्ष के दौरान किया गया पैंशन भुगतान		12,02,558.00
2.	वर्ष के दौरान मृत्यु एवं सेवा निवृति के कारण सांराशीकरण भुगतान मूल्य	7,00,220.00	
	पैन्शन पर	3,10,428.00	
	छुट्टी का नकदीकरण	3,72,940.00	13,83,588.00
3.	श्री जी.डी. तिवारी को तुरन्त सहायता भुगतान राशि		8,000.00
4.	अन्तिम अवशेष बचत बैंक खाता		8,94,216.91
			34,88,362.91

138

केन्द्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान परिषद

31 मार्च, 2002 को समाप्त हूए वर्ष के पैंशन निधि खाते का तुलन–पत्र

क्र0सं0	देनदारियाँ			राशि/रकम	क्र0सं0	परिसम्पतियां		राशि/रकम
1.	पेंशन निधि खाता :				1.	निवेश खाता :		
(अ)	आरम्भिक अवशेष		9,62,037.72			– आरम्भिक अवशेष	---	
(ब)	सा0जमा योजना व बचत बैंक सें प्राप्त ब्याज जमा		26,325.19			– वर्ष के दौरान खरीदे गए सावधि जमा योजना	---	
(स)	अन्य विभागों से प्रतिनियुक्ति पर गये कर्मचारियों की पैंशन योगदान से प्राप्ति		–					
(द)	सामान्य खाते से स्थानान्तरित राशि		25,00,000.00			घटा : वर्ष के दौरान परिपक्व सा0जमा योजना व उनका नकदीकरण	---	
			34,88,362.91					
					2.	अंतिम अवशेष : भारतीय स्टेट बैंक बचत खाता		8,94,216.91
	कम भुगतान :							
	– मृत्यु एवं सेवा निवृति सारांशीकरण	13,83,588.00						
	– पैंशन भुगतान	12,02,558.00						
	– श्री जी.डी.तिवारी को तुरंत सहायता राशि का भुगतान	8,000.00						
2.			25,94,146.00	8,94,216.91				
	कुल योग			8,94,216.91				8,94,216.91

139

केन्द्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान परिषद

31 मार्च, 2002 का तुलन पत्र

क्र0सं0	देयताऐं			रकम/राशि	क्र0सं0	परिसम्पतियां		रकम/राशि
1.	पूंजी कोष (निधि) :				1.	परिसंपतियॉं – फर्नीचर एवं फिक्चर :		
	– आरम्भिक अवशेष		3,02,37,587.98		(अ)	आरम्भिक अवशेष	49,72,590.40	
	– वर्ष के दौरान जमा की गई परिसंपतियॉं		34,55,158.00			वर्ष के दौरान जमा (योजना)	3,41,347.00	
						अनयोजनांतर्गत	1,96,774.00	
							55,10,711.42	
						घटा–वर्ष के दौरान बट्टा खाता	574.54	
			3,36,92,745.98		(ब)	कार्यालय उपकरण		55,10,136.88
	धटा– वर्ष के दौरान बट्टे खाते में डाली गई परिसम्पत्तिया		6,789.23			– आरम्भिक अवशेष	44,05,052.38	
	धटा : वर्ष के दौरान मूल्यांकित प्रकाशनों की बिक्री से प्राप्त राशि		15,408.00			घटा वर्ष के दौरान बट्टा खाता	3,225.49	
				3,36,70,548.75				44,01,826.89
					(स)	वाहन : आरम्भिक अवशेष	22,62,363.55	
						वर्ष के दौरान जमा खरीद	3,78,396.00	
2.	आय की व्यय पर अधिकत्ता :							26,40,,759.55
	– आरम्भिक अवशेष		1,04,47,837.30		(द)	किताबें :		
	– वर्ष के दौरान संग्रहित		12,61,739.87			– आरम्भिक अवशेष	12,74,050.16	
				1,17,09,577.17		– जमा (योजना)	23,743.00	
3.	सामूहिक बीमा योजना निधि (कोश) लेखा							12,97,793.16
	आरम्भिक अवशेष		1,04,459.15		(य)	मूल्यांकित प्रकाशन :		
	जमा–जीवन बीमा निगम से प्राप्त राशि		27,349.00			– आरम्भिक अवशेष	4,26,452.98	
						घटा–वर्ष के दौरान बिकी	15,408.00	
			1,31,808.15					4,11,044.98
	घटा – वर्ष के दौरान भुगतान		27,349.00		(र)	अस्पताल उपकरण		
				1,04,459.15		आरम्भिक अवशेष	1,14,99,751.89	
4.	सामान्य खाता से सा.भ.नि. को देय राशि					वर्ष के दौरान जमा(योजना)	22,64,947.00	
	– आरम्भिक अवशेष	13,500.00				योजनेत्तर	2,49,951.00	
	जमा: वर्ष के दौरान	700.00		14,200.00			1,40,14,649.89	
						वर्ष के दौरान बट्टा खाता	2,989.20	1,40,11,660.69
	– आरम्भिक अवशेष		1,10,74,629.89			– वर्ष के दौरान जमा (योजना)	3,29,922.00	
						– अनयोजनांतर्गत	95,200.00	1,14,99,751.89

5. ब्याना राशि जमा

के.हो.संस्थान, कोट्टायम	800.00	
जय लक्ष्मी बुक बाइन्डर	1,000.00	
	--------	1,800.00

(ल) भूमि व भवन

नोयडा	36,38,246.00	
(श) विश्व स्वा० संगठन द्वारा दान की गई परिसंपतियां	17,59,080.60	
	----------	3,36,70,548.75

2. वसूली योग्य अग्रिम

(क)	यात्रा भत्ता :			
	– आरम्भिक अवशेष		99,756.00	
	– घटा समायोजित		99,756.00	

			–	
	स्वीकृत जमा			
	योजना	64,000.00		
	योजनात्तर	11,797.00		
		-------	75,797.00	
			--------	75,797.00
(ख)	छुट्टी यात्रा रियायत अग्रिम :			
	– आरम्भिक अवशेष		64,645.00	
	– घटा समायोजित		64,645.00	
			–	
	वर्ष के दौरान स्वीकृत जमा			
	(योजना)		14.500.00	
	योजनेत्तर		30,000.00	
			--------	44,500.00
(ग)	आकस्मिक अग्रिम :			
	– आरम्भिक अवशेष		24,56,362.49	
	– घटा समायोजित		14,06,107.00	
			10,50,255.49	
	वर्ष के दौरान स्वीकृत जमा(योजना)		27,79,593.00	
	अन–योजनांतर्गत		5,22,716.00	43,52,564.49
(घ)	स्कूटर अग्रिम :			
	– आरम्भिक अवशेष		7,16,452.00	
	– वर्ष के दौरान स्वीकृत जमा		4,46,900.00	

			11,63,352.00	
	वर्ष के दौरान घटी वसूलियां		2,62,586.00	
			--------	9,00,766.00
(ड)	साईकिल अग्रिम :			
	– आरम्भिक अवशेष		24,190.00	
	– वर्ष के दौरान स्वीकृत जमा		4,500.00	

			28,690.00	
	वर्ष के दौरान घटी वसूलियां		15,075.00	
			--------	13,615.00
(च)	त्यौहार अग्रिम :			
	– आरम्भिक अवशेष		63,240.00	
	– वर्ष के दौरान स्वीकृत जमा		2,92,500.00	

			3,55,740.00	
	वर्ष के दौरान घटी वसूलियां		2,83,170.00	
			--------	72,570.00
(छ)	बाढ़ अग्रिम :			
	– आरम्भिक अवशेष		26,375.00	
	– वर्ष के दौरान स्वीकृत जमा		2,500.00	

			28,875.00	
	वर्ष के दौरान कम वसूलियां		22,575.00	
			--------	6,300.00
(ज)	वेतन अग्रिम :			
	– आरम्भिक अवशेष		2,330.00	
	– स्वीकृत		38,678.00	

			41,008.00	
	वर्ष के दौरान कम वसूलियां		41,008.00	–

(ण) कम्प्यूटर अग्रिम :

– आरम्भिक अवशेष	2,22,500.00	
– वर्ष के दौरान स्वीकृत जमा	2,69,500.00	
	4,92,000.00	
वर्ष के दौरान घटी वसूलियां	53,605.00	4,38,395.00

(ट) कार अग्रिम :

– आरम्भिक अवशेष	6,88,820.00	
– वर्ष के दौरान स्वीकृत जमा	1,20,000.00	
	8,08,820.00	
वर्ष के दौरान घटी वसूलियां	2,13,170.00	5,95,650.00

(ठ) चिकित्सा अग्रिम :

– आरम्भिक अवशेष	95,000.00	
– वर्ष के दौरान स्वीकृत जमा	1,10,000.00	
	2,05,000.00	
– वर्ष के दौरान समायोजित	2,05,000.00	—

(ड) गर्म कपडा अग्रिम

– आरम्भिक अवशेष	1,050.00	
घटा वर्ष के दौरान घटी वसूलिया	1,050.00	

3. पूर्व भुगतान व्यय वेतन

– आरम्भिक अवशेष	29,08,595.00	
घटा : वर्ष के दौरान समायोजित		
– योजना	13,59,282.00	
– योजनेत्तर	15,49,313.00	
	—	
योजना, योजनात्तर के दौरान स्वीकृत जमा योजना	14,26,079.00	
योजनेत्तर	15,71,772.00	29,97,851.00

4. अन्य विभागों के पास अग्रिम :

– डी0ए0वी0पी के पास अग्रिम		20,000.00

5. प्रतिभूतियां (भुगतान) :

आरम्भिक अवशेष		28,544.00

6. समूह बीमा योजना के तहत कर्मचारियों से वसूलने योग्य राशि की किश्त

आरम्भिक अवशेष	48,297.00	
वर्ष के दौरान जमा	5,59,450.00	
	6,07,747.00	
घटा – समायोजित	6,03,148.00	4,599.00

7. राष्ट्रीय सुरक्षा निधि के तहत कर्मचारियों से प्राप्त राशि 138.00

8. अंतिम अवशेष :

के0हो0अ0प0, नई दिल्ली (बैंक अवशेष) :	21,05,646.83	
अग्रदाय अग्रिम :		
– आरम्भिक अवशेष (अनयोजनांतर्गत)	1,73,100.00	22,78,746.83

कुल योग	**4,55,00,585.07**	**कुल योग**	**4,55,00,585.07**

CENTRAL COUNCIL FOR RESEARCH IN HOMOEOPATHY

ANNUAL REPORT 2001-2002
Audited Certified Annual Accounts

(Department of Indian Systems of Medicine & Homoeopathy
Ministry of Health & Family Welfare
Govt. of India)

Printed at: Yugantar Prakashan Pvt. Ltd. WH-23, Mayapuri Industrial Area, Phase-I, New Delhi – 110 064
Phone: 28115949, 28116018.

CONTENTS

Subject	*Page No.*
Highlights	1
Administrative Report	7
- Organisation	7
- Governing Body	7
- Standing Finance Committee	9
- Scientific Advisory Committee	9
- Sub-Committee for Reorganising CCRH	9
- Sub-Committee for Literary Research	10
- Organisational setup of CCRH	11
- Budget Provision	12
- Representation of SC/ST in Council's Services	12
- Medical Aid through OPD/IPD's of CCRH	12
Technical Report	14
- Clinical Research Programme	15
- Amoebiasis	
- in general areas	16
- in tribal areas	17
- Arthritis	
- in tribal areas	17
- Behavioural Disorders	
- in general areas	19
- Bronchial asthma	
- in general areas	20
- in tribal areas	21
- Bronchitis	
- in tribal areas	
- Cervical Spondylosis	
- in general areas	
- Cervicitis & Cervical Erosion	
- in general areas	

- Diabetes Mellitus 22
    - in general areas
    - in tribal areas
- Diarrhoea in Children 24
    - in general areas
- Dysentery 24
    - in general areas
    - in tribal areas
- Epilepsy 26
    - in general areas
- Filaria 26
    - in general areas
    - in tribal areas
- Gastritis 30
    - in general areas
- Gastroenteritis 30
    - in tribal areas
- Giardiasis 30
    - in general areas
- Helminthiasis 31
    - in general areas
    - in tribal areas
- Hepatitis B 32
    - in general areas
- HIV Infection 32
    - in general areas
- Hyper low-density-lipoproteinaemia 33
    - in general areas
- Hypertension 34
    - in general areas
- Infertility, DUB,PID 35
    - in general areas
- Intermittent Fever 35
    - in general areas
- Irritable Bowel Syndrome 36
    - in general areas
- Japanese Encephalitis 37
    - in general areas

- Malaria 37
    - in general areas
    - in tribal areas
- Malposition of Human Foetus 38
    - in general areas
- Menorrhagia 39
    - in general areas
- Osteoarthritis 40
    - in general areas
    - in tribal areas
- Peptic ulcer 42
    - in tribal areas
- Prolapse Intervertebral Disc 42
    - in general areas
- Prostate enlargement 43
    - in general areas
- Renal calculi 43
    - in general areas
- Rheumatoid arthritis 43
    - in general areas
- Rhinitis 44
    - in tribal areas
- Sickle cell anaemia 44
    - in general areas
- Sinusitis 45
    - in general areas
- Skin disorders 46
    - in general areas
    - in tribal areas
- Tonsillitis 47
    - in general areas
    - in tribal areas
- Upper Respiratory Tract Infections 48
    - in general areas
- Vitiligo 50
    - in general areas
    - in tribal areas

Clinical Research in Epidemics

Clinical Verification Research Programme

Drug Proving Research Programme

Drug Research Programme

- Survey of Medicinal Plants & Collection

- Drug Standardisation

Literary Research Programme

Documentation and Library

Publications

Projects/Schemes completed/concluded

Future Programme

Institutes/Units under CCRH

Audit Reports & Certificate

Audited Annual Accounts

HIGHLIGHTS

The Central Council for Research in Homoeopathy was established on 30th March, 1978 as an autonomous organisation under the Department of ISM&H, Ministry of Health & Family Welfare, Govt. of India for formulation, coordination, development and promotion of research in Homoeopathy. It is fully financed by the Govt. of India and as of today remains a premier organisation engaged in organised research in Homoeopathy in the country.

The Council carries out its objectives and functions through a network of 51 institutes and units located in different parts of the country. These are carrying out researches in various aspects of Homoeopathy broadly classified into: (i) Clinical Research, (ii) Drug Proving Research, (iii) Clinical Verification Research, (iv) Drug Standardisation & Drug Research, (v) Survey, Collection and Cultivation of Medicinal Plants, and (vi) Literary Research. A brief review of the work carried out under different research programmes during the year is reported below.

The Council continued to provide medicare through its Out Patients Department (OPD) and In Patients Department (IPD) at its Institutes and Units. Seven lakh twenty two thousand and twenty two (7,22,022) cases were treated during this financial year. These include new and old (general as well as research) cases.

The 37th meeting of the Standing Finance Committee(SFC) was held on 10th August, 2001 at New Delhi under the Chairmanship of Sh. L. Prasad, Joint Secretary, Dept. of ISM&H to consider the various proposals submitted by the Council.

As per the recommendations in the minutes of the meeting taken by Secretary (ISM&H) on 10.10.2001 to review the activities of Research Councils under the Dept. of ISM&H, the need for holding regular meetings for reviewing the activities of field units by the Directors of the Councils was put into action.

The first review meeting was held on 19-20th Nov., 2001 at CCRH Headquarters, New Delhi to review the working of Drug Standardisation and Drug Proving Research Programmes. Thirteen research workers undertaking these research pro-grammes attended the meeting. The difficulties faced by the research units/institutes in undertaking the research programmes were considered and addressed and the work output of each of the units/institutes was reviewed. Certain recommendations were made in the review meeting that will be placed before the Scientific Advisory Committee for approval.

The 2nd Review Meeting was held on 1st Dec., 2001 at Clinical Research Unit(H), Chennai with the Incharges/ Programme Officers of the various Institutes/Units especially related to Administration and Accounts. Incharges from ten field units of CCRH besides , Director, CCRH, Asstt. Director (Admn.), Accounts Officer, and Sr. Stenographer, CCRH Hqs. attended the meeting.

The 3rd Review Meeting with the research workers working on projects related to Joint Diseases was held on 29th January 2002 at CCRH Hqs., New Delhi. Research workers from fourteen research institutes and units attended the workshop and interacted with Director, CCRH and the programme officers at CCRH Hqs. about the problems/ suggestions/modifications etc. required for improving the work.

The 4th Review Meeting was held at on February 18&19, 2002 at National Institute of Homoeopathy, Kolkata to review and discuss the work related to Gastro-intestinal disorders. The research workers undertaking this project at different institutes/units and Director, CCRH and the programme officers looking after this project at CCRH Hqs. participated in this meeting. The progress of institute/unit undertaking this project was reviewed and certain suggestions/instructions were made for proper reporting and timely submission of the reports to the headquarters office.

Clinical Research

The disease-related clinical research studies on twenty eight (28) projects and drug-related clinical studies on eleven (11) projects are in progress at six (6) research institutes and thirteen (13) units spread all over the country. The diseases under study are those that are common in the Indian populace and those important from national health point of view like Filaria, Malaria and HIV/AIDS.

Filariasis, being a chronic periodic disease with acute exacerbations requires long treatment and follow up. The evaluation of the 294 cases followed up during 2001-2002 revealed that there was great improvement in subjective and objective symptoms of the disease, more so in acute cases. Overall improvement in varying degrees was achieved with treatment varying from 1 month to 5 1/2 years. Acute cases without gross obstructive changes responded well to homoeopathic therapy. Symptomatic response to treatment in both acute and chronic cases was seen in febrile lymphangitis and lymphadenitis. Most remarkable response was noticed in lymphoedema of grade I which totally disappeared in 64/82 cases and improved in 33 cases; lymphoedema grade II disappeared in 20/60 cases and improved in 18 cases in varying degrees. In chronic cases with Elephantiasis, response to treatment was limited since irreversible changes had taken place, but marked reduction has been noticed in number of acute attacks. Filarial pains were relieved alongwith secondary skin affections over elephantoid leg, with reduction in feeling of heaviness and the patient was able to perform his/her daily activities better than before. *Rhus tox*, *Bryonia alba*, *Apis mellifica*, *Sulphur* improved cases of both acute as well as chronic origin and there is need to interpolate the treatment with an intercurrent antimiasmatic drug to check repeated attacks. A total of 14 MF positive clinical cases under follow up reported during the current year, our of these 12 improved clinically and MF disappearance was seen only in [illegible] cases.

95 cases of Epilepsy were followed from 1997 to March, 2002 at Central Research Institute, Kottayam. Out of 52 cases which were markedly improved (no recurrence was observed during the reporting period in these cases) 31 cases were of grand mal, 15 cases of petit mal, 03 cases of symptomatic, 01 case of GETC and 03 of hysterical convulsions. Out of 13 cases moderately improved(recurrence with lesser intensity was observed during the reporting period in these cases) 06 cases of grand mal, 05 cases of petit mal, 01 case of symptomatic and 01 cases of GETC and out of 06 cases of grand mal 04 cases are under observation and 02 cases of grand mal stand still, 02 cases of petit mal improved mildly , 21 cases did not report during the reporting year. The drugs which were found effective in these cases are : *Hyoscyamus* 200, *Calcarea carbonicum* 200, 1M, *Belladonna* 200, *Nux vomica* 30,200,1M, *Lachesis* [illegible], *Nux moschata* 1M, *Gelsemium* 30,200, *Ignatia* 200, 1M, *Argentum nitricum* 1M, *Causticum* 30, [illegible] *Arsenicum album* 200 and *Stramonium* 30.

Under the project on Hypertension being undertaken at extension unit of DSU, Hyderabad it is observed that out of 81 follow up cases which are under study from 1 year to 8 years and 7 months with their earlier blood pressure ranging from systolic 140 to 190 mm of Hg. and diastolic 100-110 mm of Hg., 12 cases are now within normal range. Urine albumin was present in 54 cases and in 23 cases it was absent after treatment. In 13 cases which were taking allopathic alongwith homoeopathic treatment the dosage of allopathic drugs has been withdrawn & in 14 cases the dosage of allopathic drug has been reduced. The homoeopathic medicines found most useful were *Baryta* [illegible], *Lycopodium*, *Rauwolfia serp.* & *Strophanthus*.

The Council has initiated a collaborative study with Department of Gynaecology & Obstetrics at ESI Hospital, Basai Darapur, Delhi in the cases of Infertility, Dysfunctional Uterine Bleeding and Pelvic Inflammatory Disease from the year 2001-2002. The cases which do not respond to other methods of treatment/stubborn cases of these problems are being referred for Homoeopathic treatment. 75 cases of Infertility were referred for Homoeopathic treatment. Of these 47 cases reported regularly for treatment. During the treatment it was observed that the cases which had problems related to menstrual cycle like irregular menses, offensive scanty menses and dysmenorrhoea, dyspareunia were cured of their complaints during the first month of treatment although they were infertile for [illegible]

3 months to 1 year. The study was initially undertaken for Primary Idiopathic Infertility but few cases with Secondary Infertility were also referred. 06 cases of primary sterility and 02 cases of secondary sterility conceived with indicated homeopathic medicines within 3m to 1year duration of treatment. Out of these 2 cases delivered normally, 01 had caesarian section due to intrauterine growth retardation. 04 cases are continuing pregnancy and 01 case aborted in the first trimester of pregnancy.

The findings of clinical trials in Bronchial Asthma, Sickle Cell Anaemia, Osteoarthritis, Sinusitis, Tonsillitis, various dermatological conditions, Intermittent Fever and etc. are also significant. A group of homoeopathic medicines with their reliable indications have also been identified in these conditions and are being subjected to further clinical verification.

Clinical Research in Tribal Areas

The drug related clinical research studies on eighteen most common diseases prevalent in different tribal pockets in the country identified during the survey was continued during this year. From the group of assigned medicines, most effective medicines in certain disease conditions like amoebiasis, dysentery, bronchitis, helminthiasis, osteoarthritis, rhinitis, sinusitis, etc.have been identified. The reliable indications of these medicines have also been identified but are being subjected to further clinical confirmation.*Cynodon dactylon* (Dub grass), *Alstonia constricta*, *Atista indica* (Bannimbu), *Ficus indica*, *Emetine*, *Holarrhena dysentrica* (Kurchi) and *Trombidium* were found most effective in cases of Amoebiasis and Dysentery covering 45% of the improved cases. *Santoninum*, *Filix mas*, *Sinapis alba*, *Chelone*, *Embelia ribes* and *Vernonia anthelmintica* have been found to be most effective in Helminthiasis from among the assigned medicines covering 91% of the improved cases.

Drug Proving

Drug Proving or Homoeopathic Pathogenetic Trials (HPT) is the most important activity of the Council. The Council has developed a plan and protocol of double blind technique for HPTs which has also been accepted internationally and process of symptom extraction from HPTs has also been standardised. Success of this methodology can be assessed from the clinical verification studies of proving pathogenesis where many symptoms are repeatedly being verified when prescriptions are based upon them. The Council has laid emphasis on conducting proving of drugs of indigenous origin and those which have had fragmentary proving under its programme, and so far 62 such drugs have been proved. Proving of four drugs (two long proving with code nos. 68 & 69 and two short proving with code nos. 58 & 74) were completed during the reporting year. Long proving of two drugs with code nos. 65 & 67 and one short proving with code no. 71 were also undertaken for the second time during this year at different drug proving centres. Compilation of these drugs is under progress. Compilation of three drugs namely *Cornus circinata*, *Tribulus terrestris* and *Ocimum sanctum* have been completed and compiled data will be placed before the forthcoming meeting of the Scientific Advisory Committee of the Council for approval of other drugs is under progress.

Clinical Verification

The symptomatology of sixty five (65) drugs is being verified clinically with an aim to bring out most reliable prescribing indications and effective potencies of these drugs The drugs being studied are those which have either been proved by CCRH at its Drug Proving Centres or certain partially proved drugs, and are mostly of indigenous origin. A total number of 18,120 research cases have been registered during this year in the institutes and units undertaking this programme. The clinically verified data of these drugs is disseminated from time to time for the use of profession through publication in CCRH Quarterly Bulletin/CCRH NEWS or through homoeopathic conferences, seminars and workshops.

Drug Research

a) Drug Standardisation

Drug Standardisation involves a multidisciplinary approach encompassing pharmacognostic, physico-chemical and pharmacological parameters in order to study the various qualitative characteristics of drugs. During the year under report, the pharmacognostic standards of 8 drugs and physico-chemical standards of 6 drugs have been determined at the institute/ units undertaking this programme. Information on medicinal plants for Database has been collected for *Cuminum cyminum* and for others as per the allotted list from Department of ISM&H is under compilation.

b) Collection, Survey and Cultivation of Medicinal Plants

The unit at Udhagamandalam (Ooty), Tamilnadu conducts surveys, identifies, collects and supplies the raw drug specimens to institutes/units undertaking standardisation studies. The unit has during this year, collected 165 field numbers for the herbarium increasing the running field numbers to 7,509 and, identified and authenticated 153 field numbers according to the field numbers collected and supplied 11 raw drug plant materials for standardisation studies. Besides this medicinal plants garden for experimental as well as small scale cultivation especially of exotic medicinal plants, used in Homoeopathy is being developed on 12.7 acres of land on lease from Tamilnadu Govt. Regular planting, deweeding, nursery, raising, upkeep and maintenance of *Cineraria maritima, Digitalis purpurea, Achillea millefolium, Santolina chamaecyparissus, Viola odorata, Rosamarinus officinalis, Centella asiatica* and *Salvia officinalis* are being done. The germplasm collection of 10 plants cultivated on demonstration plots are also being maintained and their performance being studied for cultivation on large scale.

Literary Research

The Literary Research Programme being undertaken by the Council is updating of Kent's Repertory under the project "Review and Revision of Kent's (Kunzli's) Repertory - additions from Boericke's Repertory in relation to other works". Fifteen chapters have so far been revised and published. Further work on this project is not being undertaken pending consideration of the Scientific Advisory Committee of CCRH.

Publications

The Council published a "Compendium of Research Papers" which is a compilation of some of the selected articles on the ongoing research programmes of CCRH by the scientists of the Council published in various issues of Quarterly Bulletin and other homoeopathic journals both foreign and Indian. A pamphlet on "Homoeopathy on Web" was also published. This pamphlet gives an outline of the contents of the matter hosted on the website of CCRH. Besides these pamphlets on Prevention & Treatment of Malaria, Homoeopathy - Myths & Facts, Holistic Approach to Homoeopathy, Prevention of Cataract through Homoeopathy and Mother & Child Care were reprinted.

A revised version of the CCRH- A Bird's Eye View was also published. Vol. 23 (1&2) and (3&4) issues of CCRH Quarterly Bulletin and No. 28 issue of CCRH News were published during the reporting year. Some of the papers presented in the workshop on *Role of Homoeopathy in improving the quality of life of Rheumatoid Arthritis patients have been published* for the use of profession in the Vol.23(3&4) issue of the Quarterly Bulletion.

Seminars/Workshops/Exhibitions organised or attended

CCRH organised a three day workshop on "*Role of Homoeopathy in improving the quality of life of Rheumatoid Arthritis patients*" with financial grant from WHO at its Hqs. office at Janakpuri, New Delhi from September 10-12, 2001. The workshop was attended by 63 participants comprising of scientists of CCRH, Medical Officers from Delhi Administration dispensaries, teaching faculty from various homoeopathic colleges and private practitioners.

The main aim of the workshop was to disseminate uptodate information on the latest advancement related to diagnostic and management especially through Homoeopathy.

CCRH organised a "*Seminar on Developing an Interaction between CCRH and the Homoeopathic Pharmaceutical Industry*" in New Delhi on 27th September, 2001. The two day seminar was organised by CCRH with financial grant from WHO. The seminar was attended by 80 participants including 25 representatives/Chairman/CEO's of homoeopathic pharmaceutical industry. This seminar was first of its kind where homoeopathic scientists of CCRH, officials of Central Council of Homoeopathy, teaching faculty and industrialists met at a common platform to establish a continuous dialogue for development of Homoeopathic System of Medicine and to consider and discuss areas where CCRH and industry could collaborate.The seminar was a success as judged from the feedback received from the participants. As this was the first seminar of its kind it was a sort of introduction to both i.e. CCRH and Industry, about the research needs and realities for future needs of the society and the nation. What more could be the success of this seminar that the Homoeopathic Pharmaceutical Industry have formed a common forum – Federation of Homoeo-pathic Manufacturers of India to coordinate the activities of the Industry's Associations in the states whose foundation was laid during this seminar.

The research personnel of the Council participated in various national conferences/seminars/workshops organised by different homoeopathic organisations and scientific papers on activities and achievements of the Council were presented.

Health Melas

Ministry of Health and Family Welfare planned to organise Health Melas in different states of India with the joint participation of Departments of Health, Family Welfare and Indian Systems of Medicine & Homoeopathy in order to improve the advocacy as well as dissemination of the National Population Policy 2000 together with promoting increased awareness to the diverse interventions comprising the National Health and Family Welfare Programme i.e. Reproductive and Child Health, HIV/AIDS, vertical programmes like Malaria eradication, blindness control, leprosy and tuberculosis as well as the backward and forward linkages between all of these . CCRH participated in these Health Melas organised at Badal Village (Punjab) from 15th & 16th September 2001; Swadeshi Mela at Indore 2-8 October, 2001;Ghazipur (Uttar Pradesh) from 30th October 2001 to 2nd November 2001;Najafgarh in Delhi from 21-24 December, 2001;Sangam, Allahabad (Uttar Pradesh) from 27th January to 5th February 2002 ;Swasthya and Parivar Kalyan Mela at Reasi, Udhampur (J&K) from 8-10 March, 2002 ; Swasth Diwas at Nautanwa, Dist. Maharajganj (Uttar Pradesh) on 22-23 December, 2001; Swadeshi Arogya Mela at New Delhi from 7-12 February, 2002; and Swasthya and Parivar Kalyan Mela at Mathura (Uttar Pradesh) from 15-18 March, 2002. A large number of people visited the Melas and availed of free treatment and dispensing of medicine facilities offered by CCRH. Literature on various aspects of Homoeopathy published by the Council were also distributed free for awareness of the general public.

Exhibitions

Arogya 2001, the first ever comprehensive exhibition on Indian medicine, Homoeopathy and Healthcare, was jointly organised by Department of ISM & Homoeopathy, Ministry of Health & Family Welfare and India Trade Promotion Organisation (ITPO) from December 15-18, 2001 at Pragati Maidan, New Delhi. The main aim of this exhibition was to create awareness and promotion of Health Care through Ayurveda, Unani, Siddha, Yoga, Naturopathy and Homoeopathy, and to dispel the notion that these are mystique sciences by displaying the scientificity of these systems. There were public lectures on ISM&H by eminent experts/practitioners of these systems to provide awareness amongst the general public about their strengths and areas in which these systems could help or supplement the health needs of the public. In Homoeopathy, Dr. Diwan Harish Chand, Vice President, Governing Body of CCRH delivered lecture on AIDS & Homoeopathy and Dr. Jugal Kishore, Member, Governing Body of CCRH on "My Adventures in Homoeopathy" which attracted very good public response.CCRH also made a display in the area

allocated in the theme pavilion of Department of ISM&H. Two chambers for OPD consultation were also set up in the pavilion.

Budget

The actual expenditure of the Council in the year 2001-2002 under Plan was 388.46 lakhs and under Non-Plan was 398.70 lakhs.

DIRECTOR
CCRH

ADMINISTRATIVE REPORT

Organisation

The Central Council for Research in Homoeopathy was established on 30th March, 1978 under the Societies Registration Act XXI of 1860 with following main objectives:-

1. The formulations of aims and patterns of research on scientific lines in Homoeopathy.
2. To undertake any research or other programmes in Homoeopathy.
3. The prosecution of/and assistance in research, the propagation of knowledge and experimental measures generally in connection with the causation, mode of spread and prevention of diseases.
4. To initiate, aid, develop and coordinate scientific research in different aspects, fundamental and applied of Homoeopathy and to promote and assist institution of research for the study of the diseases, their prevention, causation and remedy etc.

During the period under report ending 31st March, 2002 the membership of the Society and Governing Body of the Council was as under:

GOVERNING BODY

The Governing Body of CCRH was reconstituted on 27th March, 2000 for a period of three years. The nominations to the Governing Body were made by the then Union Minister of State for Health & Family Welfare in his capacity as the President of the Central Council for Research in Homoeopathy, New Delhi in exercise of the powers conferred on him under Rule 19 of the Memorandum of Association and Rules, Regulations and Byelaws of CCRH. The members of the reconstituted Governing Body are as under :

1. Union Minister for Health & Family Welfare Govt. of India — President
2. Dr. Dewan Harish Chand, 1, Hanuman Lane, New Delhi — Vice President
3. Secretary(ISM&H) or his/her nominee not below the rank of Joint Secretary, Deptt. of ISM&H — Member
4. Joint Secretary(FA) Ministry of Health & Family Welfare, Nirman Bhawan, New Delhi — "

5. Dr. B.N. Chakraborty
5, Subol Koley Lane,
Howrah (W.B.) — Member

6. Dr. Jugal Kishore
86, Golf Links,
New Delhi — ..

7. Dr. V.T. Augustine
401, Mandakini Enclave,
Alakananda
New Delhi. — ..

8. Dr. M.P. Arya
Oberoi House 1st Floor
67/2, Nal Stop,
Karve Road
Pune-411 004 (Maharashtra) — ..

9. Dr. Ravi M. Nair
Aaramam, Kalady,
Karamana,
P.O. Thiruvananthapuram
Kerala. — ..

10. Dr. Urmila Thatte
167/F, Dr. Ambedkar Road
Dadar,
Mumbai-400014 (Maharashtra) — ..

11. Prof. A.K. Bhatnagar
Deptt. of Botany,
University of Delhi,
Delhi. — ..

12. Dr. C. Arumugam
No. 70, Portuguese Church Street,
Chennai - 600001(Tamilnadu) — ..

13. Director
National Institute of Homoeopathy,
Block- GE, Section II,
Salt Lake,
Kolkata-700016(West Bengal) — ..

14. Dr. R. Shaw
Director Incharge,
C.C.R.H., New Delhi. — Member-Secretary

The Governing Body manages the affairs of the Council, reviews the progress made and approves the new schemes/ proposals recommended by the Scientific Advisory Committee / Standing Finance Committee and the budget of the Council.

STANDING FINANCE COMMITTEE

1. Joint Secretary
Deptt. of ISM,
Ministry of Health & Family Welfare,
Red Cross Road
NEW DELHI. — Chairman

2. Joint Secretary(FA)
Deptt. of ISM&H
Ministry of Health & Family Welfare,
Nirman Bhawan,
NEW DELHI. — Member

3. Dr. V.T. Augustine
401, Mandakini Enclave,
Alakananda
NEW DELHI

4. Dr. R. Shaw
Director Incharge,
CCRH, NEW DELHI. — Member Secretary

The 37th meeting of the Standing Finance Committee(SFC) was held on 10th August, 2001 at New Delhi under the Chairmanship of Sh. L. Prasad, Joint Secretary Dept. of ISM&H to consider the various proposals submitted by the Council.

SCIENTIFIC ADVISORY COMMITTEE

The tenure of the last Scientific Advisory Committee expired in May, 2000 and new SAC has not been reconstituted as such there was no meeting of the Scientific Advisory Committee during the year 2001-2002.

Sub-Committee for Re-organising CCRH

A sub-Committee for Reorganising CCRH was constituted in July '97 to consider and review the ongoing research and organisational structure of CCRH. It has following members.

1. Secretary,
Deptt. of ISM & H,
Ministry of Health & Family Welfare,
New Delhi — Chairperson

2. Joint Secretary (FA)
Ministry of Health & Family Welfare,
New Delhi — Member

3. Dr. K.P. Muzumdar
Mumbai — Member

4. Dr. V.K. Gupta
New Delhi

5. Dr. R. Shaw — Member Secretary
Director Incharge,
CCRH, NEW DELHI

Sub-Committee on Literary Research

There was no meeting of the Sub-Committee on Literary Research during the year 2001-2002 as the tenure of this Committee expired in May, 2000 and further work on this project is not being undertaken pending consideration of Scientific Advisory Committee of CCRH.

ORGANISATIONAL SETUP OF CCRH

The Council has a network of 51 institutes/Units located all over the country including 21 units in the tribal pockets.

Central Research Institute	1	Kottayam (Kerala
Homoeopathic Drug Research Institute	1	Lucknow (U.P.)
Regional Research Institutes	3	New Delhi, Mumbai (Maharashtra) Gudivada (A.P.)
Homoeopathic Research Institutes	2	Puri (Orissa) Jaipur (Rajasthan)
Clinical Research Units (H)	13	Bhopal (M.P.), Varanasi (U.P.), Gurgaon (Haryana) , Patiala (Punjab), Shimla (H.P.), Udupi (Karnataka), Port Blair (Andaman & Nicobar Islands), Tirupathi (A.P.), Gorakhpur (U.P.), Guwahati(Assam), Chennai (Tamilnadu), Imphal(Manipur), Jammu (J&K).
Clinical Research Units (Tribal areas)	21	Agartala (Tripura), Aizawl (Mizoram), Bharmour (H.P.), Bharuch (Gujarat), Khongjom (Manipur), Dandeli (Karnataka), Dimapur (Nagaland), Diphu (Assam), Gangtok (Sikkim), Idduki (Kerala), Itanagar (Arunachal Pradesh), Jagdalpur (Chattissgarh), Jeypore (Orissa), Leh (J&K), Pondicherry, Ranchi (Jharkhand), Salem(Tamilnadu), Sambalpur (Orissa), Shillong (Meghalaya), Siliguri (W.B.) and Vijayawada (A.P.).
Homoeopathic Treatment Centre (HTC)	1	Safdarjung Hospital (New Delhi).
Drug Proving Research Units	3	Kolkata (W.B.) Midnapore (W.B.) Ghaziabad (U.P.)
Drug Standardisation Units	2	Ghaziabad (U.P.) Hyderabad (A.P.)
Clinical Verification Units	3	Ghaziabad (U.P.) Patna (Bihar) Vrindavan (U.P.)
Survey of Medicinal Plants & Collection Unit-	1	Ooty (Tamilnadu)

BUDGET PROVISION

The following table shows the budgetary provision made for the Council at a glance

	Actual Expenditure (2000-2001) (in lakhs)	*B.E. 2001-2002 (in lakhs)*	*R.E. 2001-2002 (in lakhs)*	*Actual Expenditure* (2001-2002) (in lakhs)*
PLAN	342.20	400.00	400.00	388.46
NON-PLAN	377.50	400.00	395.30	398.70
TOTAL	719.17	800.00	795.30	787.16

* Inclusive of utilisation of receipts and adjustment of advances.

REPRESENTATION OF SCHEDULED CASTES / SCHEDULED TRIBES IN THE COUNCIL SERVICES AND WELFARE MEASURES FOR SC/ST

The Council is following the orders and guidelines, issued from time to time by the Government of India in respect of reservation and representation of SC/ST in the services of the Council. The recruitment/promotion is done according to the roster points. The present number of SC/ST and OBC's working in the Council upto 31.3.2002 is as under.

Scheduled Castes	-	91
Scheduled Tribes	-	22
O.B.C's.	-	49

MEDICAL AID PROVIDED AS BYE-WAY OF CLINICAL RESEARCH IN 2001-2002

The Council has continued to provide medicare through research in Out Patient Department (OPD) and In Patient Department (IPD) of various Institutes and Units of the Council. The Statement of O.P.D. and I.P.D. attendance during the year is as under:

A. General areas

i) O.P.D. attendance	
New cases registered	86,108
Old cases reported	2,14,795
TOTAL	3,00,903
ii) Research cases*	
O.P.D.	
New cases registered	2,901
Old cases reported	9,255
	12,156*

B. Tribal areas

i) O.P.D. attendance	2,51,033
ii) Research cases	3,356**

C. Cases treated in Clinical Verification Units

i) O.P.D. attendance	1,70,134
ii) Research cases	18,120**
TOTAL NUMBER OF CASES TREATED	7,22,070

* Cases included under A (i)

** Cases included under B (i) & C (i)

CLINICAL RESEARCH PROGRAMME

The Council is conducting its programme on clinical research through its institutes/units located in general areas as well as tribal areas and has taken up clinical evaluation of certain diseases that are common as well as chronic ailments and also certain diseases included in National health programme viz. Filaria, Malaria, HIV/AIDS, Diabetes etc.

A) Clinical Research Programme in General Areas

Two types of clinical research programmes are in progress, disease related clinical research and drug related clinical research. Total thirty nine (39) projects, out of which (28) under disease-related and (11) under drug-related clinical research are in progress at six (6) research Institutes, twelve (12) clinical research units and one clinical research unit in tribal area. The extension unit of Drug Standardisation Unit at Hyderabad is also undertaking clinical research studies.

Disease-related Clinical Research

The objective of this programme is to evolve a group of most efficacious homoeopathic medicines in a given pathological condition with regard to identify their reliable indications, useful potencies, frequency of administration and their relationship with other drugs. These studies are in progress on the following diseases.

Amoebiasis, Behavioural disorders (Mental Diseases), Bronchial asthma, Cervicitis and Cervical Erosion, Diarrhoea in children, Dysentery, Epilepsy, Filaria, Gastritis,Giardiasis, Hepatitis B, Human Immunodeficiency Virus (HIV) Infection, Hyper Low-Density-Lipoproteinaemia,Hypertension, Infertility, Intermittent Fever, Irritable Bowel Syndrome, Malaria, Osteoarthritis, Prolapse intervertebral disc, Prostate enlargement, Renal calculi,Rheumatoid arthritis, Sickle cell anaemia, Sinusitis, Skin disorders (including Allergic dermatitis, Urticaria), Tonsillitis and Upper respiratory tract infections .

Drug-related Clinical Research

The disease related clinical research studies have facilitated identification of a group of most efficacious homoeopathic medicines in some of the clinical conditions and also established their prescribing totality. In order to verify the data of these medicines clinically (with regard to its most useful potencies, frequency of administration and its relationship with other drugs) these have been taken up under drug related clinical research programme. There are certain other homoeopathic drugs which ahve a special affinity for the organ(s) involved in particular disease condition or which are traditionally/empirically used but need clinical confirmation. Such drugs are also being tried in certain diseases. The drug related studies are being undertaken on the diseases mentioned hereunder.

Amoebiasis, Cervical Spondylosis, Cervicitis & Cervical Erosion, Diabetes mellitus, Filaria, Japanese encephalitis, Helminthiasis, Malposition of human foetus, Menorrhagia, Osteoarthritis and Vitiligo.

B) Clinical Research Programme in Tribal Areas

The twenty tribal units are conducting Drug Related Clinical Research studies on 18 common clinical problems identified during the survey in that particular area.

Homoeopathic Materia Medica consists of many drugs which have richness of toxicological or pathogenetic

symptoms but are little known and scarcely used in practice. There are certain other drugs which are traditionally insisted upon but need clinical confirmation. Accordingly a group of such medicines are under clinical trial in 18 common clinical problems. The main objective is to collect the symptomatological data of the assigned drugs.

Clinical research programmes on the following diseases are in progress at the Tribal Units located in various parts of the country.

Amoebiasis, Arthritis, Bronchial Asthma, Bronchitis, Cervical Erosion & Cervicitis, Diabetes Mellitus, Dysentery, Filaria, Gastroenteritis, Helminthiasis, Leucoderma (Vitiligo) Malaria, Osteoarthritis, Peptic Ulcer, Rhinitis, Skin Disorders, Sinusitis and Tonsillitis

1. AMOEBIASIS

A. In General Areas

i) Disease related Clinical Research

The studies are continued at Clinical Research Unit, Tirupati since 1982-83.

Achievements during the year 2001-2002

	New
Number of cases studied	45
Improvement indices	
- cured	01
- improved	
- markedly	02
- moderately	19
- mildly	12
- under observation	11

Observations

Almost all cases were of amoebic dysentery (intestinal amoebiasis). The medicines *Nux vomica* 30,200,1M; *Aloe socotrina* 30,200 and *Lycopodium* 30 ,200,1M have been found to be the most effective and have helped in relieving the signs and symptoms of amoebiasis.Total disappearance of Entamoeba histolytica cyst was seen in some cases. The project is to continue.

ii) Drug related Clinical Research

To clinically evaluate the efficacy of following medicines in Amoebiasis.

Achyranthes aspera, Aegle folia, Aegle marmelos, Arsenicum album, Atista indica, Cinchona officinalis, Colchicum, Colocynthis, Cynodon dactylon, Holarrhena antidysenterica, Ipecacuanha, Mercurius corrosivus, Mercurius solubilis, Nux vomica and Sulphur.

Units undertaking this project are Clinical Research Unit, Port Blair since 1989 and Clinical Research Unit, Guwahati since 1985.

Achievements during the year 2001-2002

	New	Old
Number of cases studied	78	13
Improvement indices		
- improved		
- markedly	61	03
- moderately	06	10
- not reported	02	--
- under observation	09	--

Observations

The cases registered for study are mostly of amoebic dysentery. The assigned medicines were found effective in alleviating subjective and objective symptoms of amoebiasis. It is observed that indigenous medicines *Aegle folia*, *Atista indica and Holarrhena antidysenterica* were found the most effective from amongst the assigned drugs and of these *Atista indica* has been found to be very effective in cases of chronic amoeobiasis. No recurrence of complaints was seen in 31 new cases and 05 old cases from 2-3 months, and from 3-6 months in 10 new cases and 04 old cases, and with less intensity in 22 new cases and 02 old cases . EH cyst, which was positive in 11 cases, became negative after treatment in 09 cases.The project is to continue.

B. In Tribal Areas

- To clinically evaluate the efficacy of following medicines in Amoebiasis.

Alstonia constricta, Ambrosia, Asclepias tuberosa, Atista indica, Cynodon dactylon, Emetine, Ficus indica, Helleborus, Holarrhena antidysenterica (Kurchi), Leptandra, Raphanus, Silphium, Trombidium, Xanthoxylum, Zincum sulphuricum.

This project is being undertaken at Clinical Research Units (Tribal) at Agartala, Dandeli, Dimapur, Gangtok, Itanagar, Jeypore, Khongjom.

Achievements during the year 2001-2002

475 new cases were registered during this period and varying degree of improvement after treatment with assigned medicines was seen in 321 cases.

Observations

From the group of medicines assigned *Cynodon dactylon, Alstonia constricta, Atista indica, Ficus indica, Trombidium, Emetine* and *Kurchi* were found most effective. These medicines covered 92% of the total improved cases.The reliable indications of these medicines are being further verified.

2. ARTHRITIS

B. In Tribal Areas

To clinically evaluate the action of the following drugs on Arthritis :

Actea spicata, Angustura vera, Calcarea fluoricum, Caulophyllum, Formica rufa, Formic acid, Gaultheria, Guaiacum, Lithium carbonicum, Magnolia grandiflora, Malaria officinalis, Medorrhinum, Osteoarthritis nosode, Radium bromatum, Rhamnus californica and *Stellaria media, X-ray*

This project is being undertaken at Clinical Reseach Units (Tribal) at Agartala, Bharmour, Bharuch, Dandeli, Idukki, Jagdalpur, Leh and Siliguri.

Achievements during the year 2001-2002

Number of cases studied	253
Number of cases found effective in	150

Observations

The group of medicines found effective during the reporting period were *Actea spicata, Angustura vera, Radium bromatum, Caulophyllum, Formica rufa, Magnolia grandiflora* and *Stellaria media*. Intercurrently *Medorrhinum* was found effective in 08 improved cases.

3. BEHAVIOURAL DISORDERS

A. In General Areas

i) Disease related Clinical Research

The study of evaluating the efficacy of homoeopathic medeicines in behavioural disorders is being undertaken at Central Research Institute, Kottayam (Kerala).

Achievements during the year 2001-2002

During the reporting period 212 cases of various mental disorders were registered at the Institute. Of these 135 cases are in various stages of improvement.

342 old cases reported for follow up. Of these 19 cases are cured and 134 cases are in various stages of improvement.

Observations

The project on Behavioural disorders is being udertaken on the lines of Hahnemannian Classification of Mental Disorders and as such the registered cases are classified accordingly.It is observed that improvement rate of the cases of affective Psychosis is high as compared to other mental illnesses. In Schizophrenia cases, the rate of improvement is comparatively less. *Belladonna, Pulsatilla, Ignatia, Phosphorus, Sepia, Natrum mur., Sulphur, Stramonium, Arnica* and *Tuberculinum* were found the most effective. The project is to continue.

5. BRONCHIAL ASTHMA

A. In General Areas

i) Disease related Clinical Research

The Council started the project in 1979 in order to verify and evaluate the efficacy of homoeopathic medicines in Bronchial Asthma and a small group of medicines which were most effective were identified with their reliable

indications . But from 1996-97 this project has been modified according to the recommendations made in the meeting of the Scientific Advisory Committee of CCRH and the study is being conducted on the following lines based on Hahnemannian concept.

- *To find out the miasmatic background*
  Clinical Research Unit, Shimla and Regional Research Institute, Gudivada
- *To find out the group of homoeopathic medicines useful in status asthmaticus*
  Regional Research Institute, Gudivada
- *To find out the homoeopathic medicines for cases which are worse during change of weather*
  Clinical Research Units Udupi and Patiala
- *To find out the homoeopathic medicines in reducing the dependency on allopathic drugs*
  Clinical Research Units Shimla, Udupi and Patiala

Achievements during the year 2001-2002

	New	*Old*
Number of cases studied	147	115
Improvement indices		
- improved		
- markedly	29	48
- moderately	39	46
- mildly	47	15
- not reported	13	—
- dropped out	12	02
- under observation	16	02
- not improved	01	02

Observations

It was observed that no recurrence of complaints was seen in 08 new cases and 08 old cases and with less intensity in 52 new cases and 61 old cases.

- Medicines found effective during change of weather : *Arsenic album, Kali carbonicum, Natrum sulphuricum, Hepar sulphuris, Tuberculinum, Carbo vegetabilis, Lachesis, Nux vomica, Phosphorus and Pulsatilla.*

- Medicines found effective in reducing the dependency on allopathic and other medicines.

Ammonium carbonicum, Arsenic album, Antimonium tartaricum, Kali carbonicum, Kali muriaticum, Natrum sulphuricum, Sambucus nigra, Sulphur, Phosphorus, Pulsatilla, Lachesis, Sepia and Hepar sulphuris.

Dosage of allopathic drugs has been reduced or stopped in following number of cases*.

			*Number of cases**	
		Before treatment	*After treatment*	
			Reduced	*Stopped*
1.	Puffs	21	—	07
2.	Oral (Bronchodilators)	21	—	14
3.	Anti- allergic	12	05	—
4.	Anti- tussive	05	—	05
5.	Antibiotics	12	—	10
6.	Steroids	03	—	02
7.	Needed Hospitalization before treatment for O_2 therapy & medication	13	—	09
	Other treatment			
1.	Nasal spray	05	—	03
2.	Nebulization with asthaline	01	—	01

* Data relates to the study undertaken at Clinical Research Unit, Shimla.
** Includes the data related to old (under follow up) and new cases.

B. In Tribal Areas

To clinically evaluate the action of the following drugs in Bronchial Asthma.

Ambrosia artemisiaefoliae, Caladium, Cassia sophera, Coca, Grindelia robusta, Hydrocyanic acid, Kali chloricum, Moschus, Naja tripudians, Pothos foetidus.

This project is being undertaken at Clinical Research Units (Tribal) at Dandeli and Leh.

Achievements during the year 2001-2002

Number of cases studied	31
Number of cases found effective in	24

Observations

No case was reported from Clinical Research Unit, Leh. The medicines found most effective were *Ambrosia artemisiaefoliae, Pothos foetidus* and *Grindelia* as 20 cases of the improved cases have shown improvement with these three medicines.

6. BRONCHITIS

A. In General Areas

i) Disease related Clinical Research

In order to evaluate the action of Homoeopathic medicines in Bronchitis, the Council has initiated research study at Clinical Research Unit, Guwahati since April, 2001.

50 cases were registered under this project during this year which are under observation.It is observed that indicated medicines like *Arnica, Dulcamara, Hepar sulph., Causticum* and *Rhus tox* were effective in controlling the acute attack. The project is to continue.

B. In Tribal Areas

To clinically evaluate the action of the following drugs in Bronchitis.

Ammoniacum deroma, Antimonium iodatum, Eucalyptus globulus, Justicia adhatoda, Kali iodatum, Lobelia inflata, Luffa operculata, Senega, Solanum aceticum.

This project is being undertaken at Clinical Research Units (Tribal) at Gangtok and Jeypore.

Achievements during the year 2001- 2002

Number of cases studied	86
Number of cases found effective in	13

Observations

Senega, Kali iodatum and *Antimonium iodatum* were the most effective from the group of assigned medicines for bronchitis. Most of the indications /symptoms for these drugs have been identified and are being verified, but need further clinical confirmation.

7. CERVICAL SPONDYLOSIS

A. In General Areas

i) Drug related Clinical Research

To clinically evaluate the action of the following drugs in Cervical spondylosis.

Calcarea fluoricum, Cimicifuga, Guaiacum, Kali carbonicum, Phytolacca, Rhustoxicodendron, Sticta pulmonaria

This project is being undertaken at Clinical Research Units, Patiala and Udupi since August, 1997.

Achievements during the year 2001-2002

	New	Old
Number of cases studied	17	13
Improvement indices		
- improved		
- markedly	—	05
- moderately	—	02
- mildly	10	06
- not reported	04	—
- dropped out	01	—
- under observation	02	—

Observations

It is observed that pain, swelling & stiffness in cervical joints , and vertigo was reduced and controlled effectively (in some cases disappeared too) but its correlation with pathology is required as the number of cases studied and duration of study is very less. The medicines found useful in these cases were *Calcarea fluoricum, Cimicifuga,* and *Rhus tox.* The project is continued.

8. CERVICITIS & CERVICAL EROSION

A. In General Areas

i) Disease related Clinical Research

This Council has undertaken this project at Clinical Research Unit, Shimla since April, 1989, Clinical Research Unit, Imphal since April, 1989 and Clinical Research Unit, Tirupathi since November, 1988.

Achievements during the year 2001- 2002

	New	Old
Number of cases studied	81	45
Improvement indices		
- cured	—	30
- improved		
- markedly	07	08
- moderately	22	27
- mildly	36	09
- not improved	02	01
- not reported	11	—
- under observation	02	—
- dropped out	01	—

Observations

During the course of studies it is observed that the indicated homoeopathic medicines like *Arsenic album, Borax, Kreosote, Lachesis, Sepia* and *Pulsatilla* helped not only in relieving the related subjective and objective symptoms of Cervicitis and Cervical Erosion like mucopurulent discharge, post coital spotting, backache, dyspareunia, frequency of urination and congestion of cervix but also in their disappearance. There was improvement in general health of the patient by improvement of Hb% age in 01 cases, ESR level in 01 cases, differential count in 02 cases, simple flat erosion disappeared in 37 cases and papillary erosion in 02 cases. Recurrence of no complaints was seen in [illegible] cases and with less intensity in 49 cases both new and old follow up cases. The project is continued.

ii) Drug related Clinical Research

To clinically evaluate the efficacy of following medicines in Cervicitis & Cervical Erosion.

Alumina, Arsenicum album, Borax, Calcarea carbonicum, Kali carbonicum, Kreosote, Lachesis, Mercurius solubilis, Natrum muriaticum, Pulsatilla and *Sepia.*

Units undertaking this project are Clinical Research Unit(H), Tirupathi since 1995 and Clinical Research Unit(H), Varanasi since 1990.

Achievements during the year 2001-2002

	New	Old
Number of cases studied	79	31
Improvement indices		
- improved		
- markedly	18	07
- moderately	21	17
- mildly	32	05
- not improved	01	02
- not reported	07	

Observations

The interim study has showed that *Borax, Natrum muriaticum, Calcarea carbonicum* and *Sepia* are the most effective medicines in relieving both subjective and objective symptoms besides general improvement. Some of the reliable indications of the assigned medicines have been confirmed but need to be verified for reconfirmation. No recurrence of complaints was observed in 25cases and with less intensity in 17 cases (includes both new as well as old follow up cases) .The project is to continue.

9. DIABETES MELLITUS

A. In General Areas

i) Drug related Clinical Research

To clinically evaluate the efficacy of the following medicines in Diabetes Mellitus.

Cephalandra indica, Rhus aromatica and *Chionanthus.*

The Council has undertaken this project at Regional Research Institute, New Delhi since April, 1987, Clinical Research Unit, Chennai since April, 1989, and Drug Standardisation Unit, Hyderabad Extension Unit from July,1992

Achievements during the year 2001- 2002

		New	Old
	Number of cases studied	129	121
a)	with Cephalandra indica	61*	41
b)	with Rhus aromatica	12	07
c)	with Chionanthus	08	10
d)	no medicine (stopped)	—	01

* *For reporting cases only.*

Improvement indices

(A) i) a) Treated only with homoeopathic medicine (*Cephalendra*)	49	21
Improved	47	18
Under observation	—	—
b) Advised allopathy medicine alongwith Homoeopathy	10	20
Improved	09	16
Under observation	04	—
ii) a) Treated only with homoeopathic medicine (*Rhus aromaticus Q*)	09	06
Improved	07	05
Under observation	—	—
b) Advised allopathy medicine alongwith Homoeopathy	23	44
Improved	02	35
Under observation	—	—
iii) a) Treated only with homoeopathic medicine (*Chionanthus Q*)	04	05
Improved	03	04
Under observation	—	—
b) Advised allopathy medicine alongwith Homoeopathy	04	05
Improved	04	03
Under observation	—	—

Observations

The cases registered are mostly of non-insulin dependent diabetes mellitus. Out of 24 old cases who reported with peripheral neuropathy at D.S.U. Hyderabad, there was improvement in 12 cases , vascular affection (intermittent claudication) was present in 24 old cases and on follow-up 12 cases reported improvement, albumin in traces was present in 25 old cases and16 cases were found to be negative after treatment, dependent oedema (pitting type) was present in 02 old cases and on follow-up 01 case reported improvement, and vulvitis & balanitis was present in 05 old cases and on follow-up 02 cases reported improvement, In 101 reporting cases at Regional Research Institute, New Delhi, 38 were on allopathy drug dianil, which was gradually withdrawn or stopped after treatment.The project is continued.

B. In Tribal Areas

To clinically evaluate the action of the following drugs on Diabetes Mellitus

Abroma augusta, Cephalandra indica, Chimaphila umbellata, Chionanthus, Glycerinum, Insulin, Inula, Lac defloratum, Lactic acid, Syzygium jambolanum, Thyroidinum and *Uranium nitricum*.

This project is being undertaken at Clinical Research Units (Tribal) Pondicherry, Salem and Vijayawada.

Achievements during the year 2001-2002

Number of cases studied	178
Number of cases found effective in	26*

Observations

From the group of medicines assigned under this project, *Cephalandra indica, Chimaphilla umbellata, Syzygium jambolanum* and *Uranium nitricum* were found to be effective.

** Does not include the data from CRU(T), Vijayawada because of improper reporting.*

10. DIARRHOEA IN CHILDREN

A. In General Areas

i) Disease related Clinical Research

The Council has undertaken a research scheme to study the efficacy of homoeopathic medicine in cases of diarrhoea in children at Homoeopathic Research Institute, Jaipur from August, 1997.

Achievements during the year 2001-2002

	New	*Old*
Number of cases studied	41	25
Improvement indices		
- cured	15	18
- improved		
- moderately	19	13
- mildly	07	04

Observations

No recurrence of complaints was seen in 33cases during treatment. *Aethusa 30, Calcarea phos.30, Chamomilla 30, Ipecac 30* and *Podophyllum 30* were found to be the most effective in relieving the subjective and objective symptoms. 33 cases (both new as well as old follow up) were cured during the treatment. The project is continued.

11. DYSENTERY

A. In General Areas

i) Disease related Clinical Research

A study has been undertaken by the Council at Regional Research Institute(H), Gudivada since April, 1988 to clinically evaluate the efficacy of homoeopathic medicines in Dysentery.

Achievements during the year 2001-2002

	New	*Old*
Number of cases studied	50	100
Improvement indices		
- improved		
- markedly	05	42
- moderately	09	34
- mildly	13	19
- under observation	20	05
- not reported	03	--

Observations

All the cases studied were of amoebic dysentery. The indicated homoeopathic medicines helped in relieving the subjective/objective symptoms, and also in controlling the acute paroxysm. On repeat pathological investigation, the Hb% increased in 10 new and 66 old cases, E.S.R. came down to normal limits in 02 new and 15 old cases and Entamoeba histolyica cyst was found negative in 10 new and 69 old cases. *Nux vomica, Carbo vegetabilis, Lycopodium*, and *Sulphur* acted well in chronic cases and in acute cases *Aloes* and *Mercurius solubilis* showed the best results. The project is to continue.

B. In Tribal Areas

To clinically evaluate the action of the following drugs on Dysentery.

Alstonia constricta, Ambrosia, Asclepias tuberosa, Atista indica, Cynodon dactylon, Emetine, Ficus indica, Helleborus, Holarrhena antidysenterica, Leptandra, Silphium, Raphanus, Trombidium

This project is being undertaken at Clinical Research Units (Tribal) Aizawl, Bharuch, Leh, Shillong, Vijayawada and Siliguri.

Achievements during the year 2001-2002

Number of cases studied	331
Number of cases found effective in	207*

** Does not include the data from CRU(T), Leh and Vijayawada because of improper reporting.*

Observations

Indian drugs viz. *Cynodon dactylon* (Dub grass), *Atista indica* (Bannimbu), *Ficus indica* and *Holarrhena antidysenterica* (Kurchi) were the most effective covering 51% of the improved cases and besides these *Trombidium, Alstonia constricta*, and *Emetine* were also found effective covering 47% of improved cases. The project is to continue.

12. EPILEPSY

A. In General Areas

i) Disease related Clinical Research

The Council has undertaken this project at Central Research Institute for Homoeopathy, Kottayam from 1980 and Regional Research Institute for Homoeopathy, Gudivada (A.P.) from April,1988.

Achievements during the year 2000-2001

	New	Old
Number of cases studied	47	40
Improvement indices		
- improved		
- markedly	12	04
- moderately	18	06
- mildly	02	29
- not reported	06	--
- under observation	07	01
- not improved	02	--

Observations

The homoeopathic medicines have helped not only in relieving both the subjective and objective symptoms related to Epilepsy but also in their disappearance and reducing the duration, intensity and frequency of attacks. Therapeutic efficacy of *Cuprum metallicum, Natrum muriaticum, Natrum sulphuricum and Pulsatilla* has been observed in Epilepsy. 17 cases, both new and under follow up, showed no recurrence of epileptic seizures during the treatment but needs further follow up.

95 cases were followed from 1997 to 2002 at Central Research Institute, Kottayam. Out of 52 cases which were markedly improved (no recurrence was observed during the reporting period in these cases) 31 cases were of grand mal, 15 cases of petit mal, 03 cases of symptomatic, 01 case of GETC and 03 of hysterical convulsions. Out of 13 cases moderately improved(recurrence with lesser intensity was observed during the reporting period in these cases) 06 cases of grand mal, 05 cases of petit mal, 01 case of symptomatic and 01 cases of GETC, and out of 06 cases of grand mal 04 cases are under observation and 02 cases of grand mal stand still. 02 cases of petit mal improved mildly , 21 cases did not report during the reporting year. The drugs which were found effective in these cases are : *Hyoscyamus* 200, *Calcarea carbonicum* 200, 1M, *Belladonna* 200, *Nux vomica* 30,200,1M, *Nux moschata* 1M. *Gelsemium* 30,200, *Ignatia* 200, 1M, *Argentum nitricum* 1M, *Causticum* 30, *Lachesis* 30, *Arsenicum album* 200 and *Stramonium* 30.

13. FILARIA

A. In General Areas

i) Disease related Clinical Research

Disease related research study on Filaria is being undertaken at Clinical Research Unit, Tirupati since 1980.

Achievements during the year 2001- 2002

	New	Old
Number of cases studied	58	60
Improvement indices		
- cured	--	12
- improved		
- markedly	06	14
- moderately	12	12
- mildly	21	15
- not improved	06	07
- under observation	08	--
- not reported	05	--

Observations

Rhus toxicodendron and *Bryonia alba* have helped not only in relieving the related complaints of Filaria but also in their disappearance and reducing the intensity of paroxysmal attacks. Early stages of lymphoedema especially pitting type are amenable to the treatment and in non-pitting type and elephantiasis, lymphoedema was reduced to the extent only which can be seen from the table below. The project is continued.

Assessment of Objective Symptoms

	Before treatment	After treatment disappeared	mitigated
Lymphoedema Grade I	14	05	09
Lymphoedema Grade II	32	07	25
Lymphoedema Grade III	06	—	06
Lymphadenopathy	47	26	21
Lymphangitis	34	26	08

ii) Drug related Clinical Research

To clinically evaluate the efficacy of following medicines in Filaria.

Apis mellifica, Belladonna, Bryonia alba, Lycopodium, Mercurius solubilis, Natrum muriaticum, Pulsatilla, Rhododendron, Rhus toxicodendron and *Sulphur.*

The project is being undertaken at Homoeopathic Research Institute, Puri since 1981 and Regional Research Institute, Gudivada since 1985-86

Achievements during the year 2001-2002

	New	Old
Number of cases studied	530	397
Improvement indices		
- cured	08	05
- improved		
- markedly	05	65
- moderately	23	116
- mildly	25	80
- not improved	03	50
- under observation	437	54
- not reported	18	11
- worse	11	16

Observations

Filariasis, being a chronic periodic disease with acute exacerbations requires long treatment and follow up. The evaluation of the 294 cases followed up during 2001-2002 revealed that there was great improvement in subjective and objective symptoms of the disease, more so in acute cases. Overall improvement in varying degrees was achieved with treatment varying from 1 month to 5 1/2 years. Acute cases without gross obstructive changes responded well to homoeopathic therapy. Symptomatic response to treatment in both acute and chronic cases was seen in fever, lymphangitis and lymphadenitis. Most remarkable response was noticed in lymphoedema of grade I which totally disappeared in 64/82 cases and improved in 33 cases; lymphoedema grade II disappeared in 20/60 cases and improved in 18 cases in varying degrees. In chronic cases with Elephantiasis, response to treatment was limited since irreversible changes had taken place, but marked reduction has been noticed in number of acute attacks. Filarial pains were relieved alongwith secondary skin affections over elephantoid leg, with reduction in feeling of heaviness and the patient was able to perform his/her daily activities better than before. *Rhus tox. Bryonia alba. Apis mellifica* and *Sulphur* improved cases of both acute as well as chronic origin and there is need to interpolate the treatment with an intercurrent antimiasmatic drug to check repeated attacks. A total of 14 MF positive clinical cases under follow up reported during the current year, our of these 12 improved clinically and MF disappearance was seen only in 02 cases.

At Regional Research Institute, Gudivada besides relief in subjective and objective symptoms following pathological reports also became normal:

Blood	*Total no. of cases* *abnormal range before treatment*	*Within normal range after treatment*
1. Eosonophilia	64	13
2. Neutrophilia	36	15
3. Neutroperia	48	11
4. Lymphocytosis	66	19
5. Leucocytosis	77	25
6. E.S.R. (increased)	48	19

Urine examination

1. Albumin	39	13
2. Pus cells	51	18
3. Epithelial cells	47	15

Detailed report of measurement of oedematous volume by upthrust of water method and tape method alongwith their improvement indices at frequent intervals has been done and reduction in oedema has been observed by both the methods with slight variation in both the readings. To avoid the error the lower reading out of two has been taken in the final result.

	New	Old
Right leg Oedema	27	40
Improvement		
- marked	--	05
- moderate	07	08
- mild 09	10	
- worse	07	08
- no improvement	01	01
- not reported	02	04
- relieved	01	04
Left leg Oedema	41	42
Improvement		
- marked	04	03
- moderate	10	12
- mild	07	19
- worse	04	04
- no improvement	01	—
- not reported	09	04
- relieved	05	—
- under observation	01	—

B. In Tribal Areas

To clinically evaluate the action of the following drugs on Filaria.

Apis mellifica, Belladonna, Bryonia alba, Lycopodium, Mercurius solubilis, Microfilaria, Natrum muriaticum, Pulsatilla, Rhododendron, Rhus toxicodendron, Sulphur, Coded drug.

This project is being undertaken at Clinical Research Unit (Tribal), Ranchi.

Achievements during the year 2001-2002

69 new cases of Filaria were registered during the reporting year and improvement in varying degrees was observed in 22 cases.

Observations

Bryonia alba in 30 potency has been found to be the most useful of the assigned medicines. 16 cases out of 22 improved cases improved only with *Bryonia*.

14. GASTRITIS

A. In General Areas

i) Disease related Clinical Research

This study is being undertaken at Clinical Research Unit, Imphal from October, 1987.

Achievements during the year 2001-2002

During the reporting year 20 cases of Gastritis were registered for study. Varying degrees of improvement was seen in 16cases.

Observations

The cases registered under this project are of chronic gastritis. The medicines found effective are *Anacardium, Nux vomica* and *Arsenic album* They helped in relieving the subjective and objective symptoms and recurrence of complaints was with less intensity in 09 cases. The project is to continue.

15. GASTROENTERITIS

B. In Tribal Areas

To clinically evaluate the action of the following drugs on Gastroenteritis:

Cynodon dactylon, Gambogia, Jalapa, Jatropha curcas . Podophyllum.

This project is being undertaken at Clinical Research Unit (Tribal), Idukki.

Achievements during the year 2001-2002

During the reporting year 05 cases of Gastroenteritis were registered and of these 03 cases have shown improvement with *Jatropha curcas.*

16. GIARDIASIS

A. In General Areas

i) Disease related Clinical Research

The Council has initiated the study to find out the role of homoeopathic medicines in Giardiasis at Clinical Research Unit, Tirupati, Clinical Research Unit, Guwahati and Clinical Research Unit, Port Blair from August, 1997.

Achievements during the year 2001-2002

Under this project 24 cases were registered during this period at CRU, Port Blair (no case has been registered at CRU, Guwahati& Tirupati). Homoeopathic medicines viz. *Atista indica, China, Podophyllum* and *Sulphur* were helpful in mitigating the subjective and objective symptoms. Giardiasis lamblia disappeared in 24 cases after treatment but the cases are still under follow up. Giardiasis, being a chronic disease needs a long follow up, as such cases are under observation. The project is to continue.

17. HELMINTHIASIS

A. In General Areas

i) Drug related Clinical Research

To clinically evaluate the efficacy of following drugs in Helminthiasis.

Chelone glabra, Cina, Cuprum oxydatum nigrum, Embelia ribes, Teucrium marum verum and *Thymol.*

The unit undertaking this project is Clinical Research Unit, Gurgaon since 1980.

Achievements during the year 2001-2002

	New	*Old*
Number of cases studied	57	09
Improvement indices		
- improved		09
- markedly	34	--
- moderately	17	--
- under observation	06	

Observations

The most effective homoeopathic medicines from amongst the group of assigned medicines were *Cina* and *Teucrium*. These medicines have helped in expulsion of worms, improvement in general health, improvement in appetite, grinding of teeth and in some cases pain in abdomen completely vanished after the treatment.The assigned medicines helped in expulsion of worms too in some cases.Recurrence of no complaints was seen in 51 cases. The project is to continue.

B. In Tribal Areas

To clinically evaluate the action of the following drugs on Helminthiasis:

Chelone, Embelia ribes, Filix mas, Granatum, Kousso, Santoninum, Scirrhinum, Sinapis alba, Thymol, Vernonia anthelmintica.

This project is being undertaken at Clinical Research Units (Tribal) at Salem, Bharmour, Diphu, Dimapur, Itanagar, Jeypore, Khongjom and Gangtok.

Achievements during the year 2001-2002

Number of cases studied	551
Number of cases found effective in	332

Observations

The group of assigned medicines found most effective during the reporting year are *Santoninum*, *Filix mas*, *Sinapis alba*, *Chelone*, *Embelia ribes* and *Vernonia anthelmintica*. This group covered 91% of the improved cases.

18. HEPATITIS B

A. In General Areas

i) Disease related Clinical Research

This project was initiated in August, 1997 at Regional Research Institute, Mumbai. The protocol has been prepared on the guidelines of ICMR. No case was registered during this year.

19. EVALUATION OF HOMOEOPATHIC THERAPY IN HIV INFECTION

The study was undertaken at the Regional Research Institute of Homoeopathy, Mumbai and Clinical Research Unit of Homoeopathy, Chenni woth the following objective-" to evaluate homoeopathic therapy in HIV infection". Treatment of HIV infected people referred by other Organisations engaged in the research in HIV/AIDS, to the Council's HQ office in New Delhi.

Achevements in the Year 2001-2002

During the year 2001-2002, 175 cases were registered for study. Of these, 64 were registered at the Regional Research Institute of Homoeopathy, Mumbai , 41 at the Clinical Research Unit of Homoeopathy, Chenni and 70 at New Delhi.

Homoeopathic Medicine used

The following Homoeopathic medicine were used during the course of study, Aloe.S, Amyl. nitro, Antiminium crud, Antimonium ars, arg. nit, Ars. alb, Azadirachta indica, Aurum met., Bellodonna, Bryonia alb.,Calc. carb. Calc. phos., Cala. sulph, Carbo Veg., Carcinosin, Causticum, China off., Cocculus ind., Cyclosporin, Ferrum met., Gelsimium, Graphitis, Guiacum, Heper sulph calc., Ipecac., Kali bich., Kali carb., Lachesis, Ledum pal., Lycopodium, Medorrhinum, Merc sol, Mezirium, Natrum mur., Natrum sulph., Nitric acid. , Nux vom., Phosphorus, Pulsatilla, Rhus tox., Rumex, Sangunaria can., Silicea, Sulphur, Syphilinum, Thuja occi., Tuberculinum and Veratrum album.

Observation

The results obtained so far, there suggest a definite role of the Homoeopathic therapy in asymptomatic HIV infection as also in the management of HIV related clinical conditions. The findingd underscore the role of Homoeopathic medicines in inhibiting or delaying progression of infection and improving the quality of life of HIV infected individuals. These considerations are currently being accorded importance in the development of effective therapeutic agents fro HIV disease.

Future programme

A multicentric study with a common protocol and laboratory investigations is being planned

20. HYPER LOW-DENSITY-LIPOPROTEINAEMIA

A. In General Areas

i) Disease related Clinical Research

In order to evaluate the efficacy of homoeopathic medicines in Hyper Low Density Lipoproteinaemia (LDL) study is being undertaken at Regional Research Institute, New Delhi from April,1992.

Achievements during the year 2001-2002

	New	*Old*
Number of cases studied	26	30
Improvement indices		
- improved		
- markedly	05	06
- moderately	09	18
- mildly	06	06
- not reported	03	--
- under observation	03	--

Observations

As can be seen from the table below the results obtained from the study are encouraging & confirm the efficacy of homoeopathic medicine in treatment of Hyper-low density Liproproteinaemia. Besides, the improvement of clinico-pathological findings, the associated complaints were also relieved thereby restoring the general health. The medicines found effective were *Abroma augusta*, *Calcarea carbonicum*, *Carbo vegetabilis* 0/1, *Gelsemium*, *Lycopodium* and *Lachesis*. The project is to continue.

No. of cases	*Before treatment*	*After treatment*
Total triglycerides more than 170mg/100 ml	42	33
Total cholesterol more than 200 mg/dl	42	34
LDL more than 150 mg/100ml	22	17
VLDL more than 50 mg/100ml	11	05
HDL less than 35 mg/100ml	04	04

Urine examination		
Protein	08	06
Epithelial cell	12	11
Bacteria	14	12
Sugar	02	02
Calcium oxalate crystals	05	03
WBC	09	07

21. HYPERTENSION

A. In General Areas

i) Disease related Clinical Research

This project is being undertaken at Extension Unit of Drug Standardisation Unit, Hyderabad from April, 1990.

Achievements during the year 2001-2002

	New	*Old*
Number of cases studied	21	81
Improvement indices		
- improved		
- markedly	--	12
- moderately	--	09
- mildly	--	40
- status quo	--	12
- under observation	21	--
- not improved	--	08
Improvement indices of follow up cases		
i) Only on homoeopathic medicines		
- improved	13	
ii) Advised to continue allopathic/ other system of medicine alongwith homoeopathic medicine:	10	
	89	
- improved	51	
- withdrawn	01	

Observations

Out of 81 follow up cases which are under study from 1 year to 8 years and 7 months with their earlier blood pressure ranging from systolic 140 to 190 mm of Hg. and diastolic 100-110 mm of Hg., 12 cases are now under normal range. Urine albumin was present in 54 cases and in 23 cases it was absent after treatment. In 13 cases who were taking allopathic alongwith homoeopathic treatment the dosage of allopathic drugs has been withdrawn & in

14 cases the dosage of allopathic drug has been reduced. The homoeopathic medicines found most useful were *Bryonia, Lycopodium, Rauwolfia serp* & *Strophanthus*. The project is continued.

22. INFERTILITY, DYSFUNCTIONAL UTERINE BLEEDING AND PELVIC INFLAMMATORY DISEASE

A. In General Areas

i) Disease related Clinical Research

The Council has initiated a collaborative study with Department of Gynaecology & Obstetrics at ESI Hospital, Basai Darapur, Delhi in the cases of Infertility, Dysfunctional Uterine Bleeding and Pelvic Inflammatory Diseases from the year 2001-2002. The cases which do not respond to other methods of treatment/stubborn cases of these problems are referred for Homoeopathic treatment.

Infertility

75 cases of Infertility were referred for Homoeopathic treatment. Of these 47 cases reported regularly for treatment. During the treatment it was observed that the cases which had problems related to menstrual cycle like irregular menses, offensive scanty menses and dysmenorrhoea, dyspareunia were cured of their complaints during the first month of treatment although they were infertile for about 3 months to 1 year. The study was initially undertaken for Primary Idiopathic Infertility but few cases with Secondary Infertility were also referred. 06 cases of primary sterility and 02 cases of secondary sterility conceived with indicated homeopathic medicines within 3m to 1 year duration of treatment. Out of these 2 cases delivered normally, 01 had caesarian section due to intrauterine growth retardation. 04 cases are continuing pregnancy and 01 case aborted in the first trimester of pregnancy.

Dysfunctional Uterine Bleeding

15 cases were registered under Dysfunctional Uterine bleeding. Out of these 10 cases are reporting regularly for treatment. The maximum cases under study had complaints of profuse and long lasting menses. During the course of treatment it was observed that all the reported cases were improved in the quantity of periods. Of these two cases were having continuous bleeding for more than two months and were admitted in the hospital, after treatment with homoeopathic medicines bleeding stopped within 2-3 days of treatment, the subsequent cycles also became regular with normal flow. These are still under follow up & asymptomatic as regards the gynaecological checkup reports.

Pelvic Inflammatory Diseases (PID)

15 cases of PID were also referred for Homoeopathic treatment. The cases referred were those which were not responding to allopathic treatment for a long period especially after surgical treatment either diagnostic laproscopy or DNC or hysterectomy. After treatment with indicated homoeopathic medicines the response was immediate and there was improvement in all the cases i.e. within first week of treatment, although in few cases recurrence occurred. All the cases are under regular follow

23. INTERMITTENT FEVER

A. In General Areas

i) Disease related Clinical Research

The Council started this project at Clinical Research Unit, Port Blair in 1989 and Homoeopathic Research Institute, Jaipur in 1993 under the disease related clinical research programme. A small group of medicines which

were most effective in Intermittent Fever were identified with their reliable indications. Later on it was being studied as a drug related project but from 1997-98, this project has been modified according to the recommendations made in the 29th meeting of Scientific Advisory Committee of CCRH and being studied on Hahnemannian concept on the following lines:

1. Sporadic or epidemic.
2. Epidemic in non-marshy places.
3. Pernicious intermittent fever (non- marshy)
4. Endemic in marshy places

Achievements during the year 2001-2002

	New	Old
Number of cases studied	104	41
Improvement indices		
- markedly	63	25
- moderately	31	15
- mildly	10	01

Observations

During the study it was observed that 90% of the cases registered were of sporadic nature. Besides the polychrest remedies *Arsenic album, Belladonna, China officinalis, Natrum muriaticum, Rhustox* etc. the indigenous medicines like *Amoora rohituka, Gentiana* and *Caesalpenia bonducella* have also shown positive results but need further verification. The project is to continue.

24. IRRITABLE BOWEL SYNDROME

A. In General Areas

i) Disease related Clinical Research

This project is being studied at Clinical Research Unit, Port Blair from 1998-99.

Achievements during the year 2001-2002

Number of cases studied	24
Improvement indices	
- improved	
- markedly	08
- moderately	10
- mildly	06

Observations

During the year 2001-2002, 24 new cases were registered for study. Homoeopathy has proved to be effective in controlling the subjective and objective symptoms of the disease although it is yet to be verified pathologically. Homoeopathic medicines like *Argentum nitricum, Gelsemium, Nux vomica* and *Phosphorus* have proved to be effective. The project is to continue.

25. JAPANESE ENCEPHALITIS

A. In General Areas

ii) Drug related Clinical Research

The preliminary controlled study was initiated on 15th Dec.,1997 in the districts of Gorakhpur in Eastern U.P. (where Japanese Encephalitis is endemic) with the aim and objective to see the effect of *Belladonna* 200 as prophylactic in Japanese Encephalitis keeping in view the study conducted by CCRH in 1991. A research protocol for the study was formulated. The study initially included two villages (with high density of Japanese Encephalitis in the previous epidemics). The prophylactic *Belladonna* in 200 potency single dose/weekly/monthly, a month prior to peak season was given to all the school children (who covered the inclusion and exclusion criteria). Simultaneously two neighbouring villages (as controls) were surveyed. A weekly follow up was done in both the groups (prophylactic and control) for about 3 months regularly.

During the year 2001-2002, 3266 children were kept under control and 681 were given prophylactic. Out of 3266 control group, 03 children got infected with Japanese encephalitis, while in the group who were given prophylactic no case of infection was reported during follow up. 03 children who got infected with encephalitis recovered fully after treatment with *Belladonna* 200.

A small leaflet in Hindi has been printed by the unit for awareness of the general public which includes the cause of disease, carrier of disease, how the disease spreads, where the mosquito develops, after the bite of mosquito how many days it takes to develop the signs & symptoms of the disease, preventive measures, how to take the Homoeopathic prophylactic medicine and etc.

This data is not sufficient enough, to come to any conclusion. Further epidemic reports may verify the prophylactic utility of *Belladonna*. The project is to continue.

26. MALARIA

A. In General Areas

i) Disease related Clinical Research

Keeping in view its importance from national health point, the Council has undertaken this research programme at Homoeopathic Research Institute, Jaipur since 1979.

Achievements during the year 2001-2002

	New	Old
Number of cases studied	104	82
Improvement indices		
- cured	21	19
- improved		
- markedly	50	36
- moderately	16	14
- mildly	05	07
- not improved	12	

Observations

Most of the cases of Malaria registered at the Institute were of Plasmodium vivax. The most effective medicines were *Arsenic album*, *China officinalis* , *Natrum muriaticum* and Indian drugs viz. *Alstonia constricta*, *Azadirachta indica*, *Caesalpenia bonducella* and *Nyctanthes arbortristis*. There was no recurrence of complaints in 40 both new and follow up cases. It is also observed that the response to treatment is much earlier in recent attacks of malaria than in those cases who have history of chloroquine treatment.The project is to continue.

B. In Tribal Areas

To clinically evaluate the action of the following drugs on Malaria :

Alstonia constricta, *Amoora rohituka*, *Aranea diadema*, *Chininum sulphuricum*, *Chirata*, *Luffa bindal*, *Malaria officinalis*. *Ostrya virginica*, *Trichosanthes dioca*, *Vitex negundo*.

The project is being undertaken at Clinical Research Unit (Tribal) at Aizawl and Diphu.

Achievements during the year 2001-2002

Number of cases studied	89
Number of cases found effective in	63

Observations

Homoeopathic medicines *Alstonia constricta*, *Chininum sulphuricum*, *Gentiana chirata*, *Aranea diadema* and *Malaria officinalis* were found to be the most effective from the group of assigned medicines and covered 76% of the improved cases.

27. MALPOSITION OF HUMAN FOETUS

A. In General Areas

ii) Drug related Clinical Research

To clinically evaluate the efficacy of *Pulsatilla nigra* 200 in correcting the Malposition of Human Foetus.

In order to conduct a scientific study the Council has undertaken this project at Clinical Research Unit, Varanasi where all the research cases are being received as referred cases by consultants of modern medicine.

Achievements during the year 2001-2002

19 new cases were registered for study during this year and were prescribed *Pulsatilla nigra*, two doses once in a week after 28th week of gestation. During the course of studies it has been observed that in 16 cases of unstable lie.*Pulsatilla* 200 was effective in correcting the abnormal foetal position.The results obtained are useful and confirm the available indication for its use and also directs that trials may be made for correcting the foetal malposition before attempting the surgical manipulation. But this needs repeated verification before making such trials. The project is to continue.

28. MENORRHAGIA

A. In General Areas

ii) Drug related Clinical Research

To study the efficacy of following medicines in Menorrhagia.

Ficus religiosa, *Erigeron*, *Geranium maculatum*, *Ledum pal*. *Thlaspi bursa pastoris* and *Trillium pendulum*.

This study is being undertaken at Clinical Research Unit, Varanasi since 1987.

Achievements during the year 2001-2002

	New	*Old*
Number of cases studied	38	112
Dosage	5 to 8 drops thrice daily for 15 days and repeat the same for 15 days for 3 subsequent months	

Improvement indices

Ficus religiosa	
- improved	15
- markedly	09
- moderately	04
- mildly	02
Geranium maculatum	
- improved	06
- markedly	04
- moderately	01
- mildly	01
Thlaspi bursa pastoris	
- improved	07
- markedly	05
- mildly	02
Trillium pendulum	
- improved	05
- markedly	03
- moderately	01
- mildly	01

Observations

It was observed that the assigned medicines, *Ficus religiosa*, *Geranium maculatum*, *Thlaspi bursa pastoris* and *Trillium pendulum* were found effective in improving the subjective and objective symptoms. Increase in haemoglobin level ranging from 2.5 to 4 grm% was seen in 37 cases. In 112 old follow up cases, it is observed that *Ficus religiosa* Q in 41 cases, *Erigeron* Q in 12 cases, *Geranium maculatum* Q in 09 cases, *Thlaspi bursa pastoris* Q in 21 cases and *Trillium pendulum* Q in 19 cases were found effective. The project is to continue.

29. OSTEO ARTHRITIS

A. In General Areas

i) Disease related Clinical Research

A study to ascertain the efficacy of Homoeopathic medicines in the treatment and management of Osteoarthritis is in progress at Regional Research Institute, Gudivada (A.P.) since 1984, Clinical Research Unit, Patiala (Punjab) since 1979 and Central Research Institute, Kottayam from July, 2000.

Achievements during the year 2001-2002

	New	Old
Number of cases studied	187	121
Improvement indices		
- improved		
- markedly	29	12
- moderately	67	79
- mildly	48	29
- not reported	16	--
- dropped out	03	--
- under observation	14	01

Observations

The majority of sign and symptoms like morning stiffness, swelling of joints, cracking in joints and lock knee disappeared with the prescription of indicated homoeopathic medicines. The most indicated medicines were *Calcarea carbonicum*, *Lycopodium*, *Pulsatilla*, *Rhus toxicodendron*, *Bryonia* and *Sulphur*. They showed the best results when given in 200 potency. It is also noticed that on repeat X-ray examination, these cases showed no further increase in the osteophytes deposition or reduction in the joint space. Thus, the disease progress can be arrested temporarily or permanently with the similimum. Duration of the complaints and improvement index shows that the chronicity of the disease has no relation with the affections and effect of the homoeopathic treatment because majority of the cases improved in different degrees. 45 cases showed steady and significant rise in Hb ranging from (0.5 gm to 6.5 gm%). Improvement was seen in 25 out of 39 cases of grade I and 07 cases out of 12 cases of grade II shifted to grade I during the treatment. The project is to continue.

ii) Drug related Clinical Research

To clinically evaluate the efficacy of following medicines in Osteoarthritis

Bryonia, *Thuja*, *Calcarea carbonicum*, *Formica rufa*, *Rhus toxicodendron*, *Viscum album*, *Lycopodium*, *Guaiacum*, *Causticum*, *Viola odorata*, *Calcarea fluoricum* and *Cassia sophera*.

The study is undertaken at Regional Research Institute, Gudivada and Clinical Research Unit, Patiala from 1996-97.

Achievements during the year 2001-2002

	New	Old
Number of cases studied	96	88
Improvement indices		
- improved		
- markedly	02	04
- moderately	14	61
- mildly	51	23
- under observation	11	--
- not reported	14	--
- dropped out	04	--

Observations

Improvement in pain and stiffness associated with gastric derangements have been markedly controlled in 50 to 90% patients of Osteoarthritis but this needs long follow up. *Rhus toxicodendron* and *Bryonia alba* are the most effective of the assigned medicines and also follow each other well. Besides these *Formica rufa*, *Causticum*, *Calcarea carbonicum*, *Lycopodium* and *Thuja* were also found effective. The reliable indications of these medicines have been verified, but need reconfirmation. In the cases registered at CRU, Patiala improvement was seen in 26 out of 39 cases of grade I pain and tenderness of joints which completely disappeared in 14 cases out of 19 cases after treatment. The project is to continue.

B. In Tribal Areas

To clinically evaluate the action of the following drugs on Osteoarthritis :

Actea spicata, Angustura vera, Calcarea fluorica, Caulophyllum, Formica rufa, Formic acid, Gaultheria, Guaiacum, Lithium carbonicum, Magnolia grandiflora, Malaria officinalis, Medorrhinum, *Osteoarthritis nosode*, *Radium bromatum*, *Rhamnus*, *Stellaria media*, *X-ray*.

This project is being undertaken at Clinical Research Units (Tribal) at Pondicherry and Vijayawada.

Achievements during the year 2001-2002

Number of cases studied	197
Number of cases found effective in	48*

* *Does not include the data from CRU(T), Vijayawada because of improper reporting.*

Observations

It was observed that *Gaultheria, Guaiacum, Lithium carbonicum, Magnolia grandiflora and Medorrhinum* were found to be the most effective from the group of assigned medicines in Osteoarthritis.

30. PEPTIC ULCER

B. In Tribal Areas

To clinically evaluate the action of the following drugs on Peptic Ulcer.

Acetic acid, Atropinum, Condurango, Corticotropinum, Euphorbium, Hydrocyanic acid, Symphytum, Uranium nitricum.

This project is being undertaken at Clinical Research Unit (Tribal), Pondicherry.

Observations

During the year 2001-2002, 83 cases were registered for study and 21 cases were improved in varying degrees with prescription of the assigned group of medicines. *Acetic acid* and *Condurango* were found to be most effective.

31. PROLAPSE INTERVERTEBRAL DISC

A. In General Areas

i) Disease related Clinical Research

In order to evolve a group of most efficacious medicines in Prolapse Intervertebral Disc, a study has been taken up by the Council on scientific lines at Homoeopathic Research Institute, Jaipur from 2000- 2001.

Achievements during the year 2001-2002

	New
Number of cases studied	05
Improvement indices	
- improved	
- markedly	02
- moderately	02
- mildly	01

Observations

Clinical studies have shown that homoeopathic medicines prescribed on individual's presenting signs and symptoms provided immense symptomatic relief. The patients experienced improvement in pain, stiffness and contraction in lumbar and neck region. Though the number of cases studied is very less the results are encouraging. The study is continued.

32. PROSTATE ENLARGEMENT

A. In General Areas

i) Disease related Clinical Research

In order to evolve a group of most efficacious medicines in prostate enlargement, a study has been taken up by the Council on scientific lines at Homoeopathic Research Institute, Jaipur from 1996-97.

Achievements during the year 2001-2002

	New
Number of cases studied	06
Improvement indices	
- improved	
- markedly	02
- moderately	04

Observations

The homoeopathic medicines showed improvement in both subjective and objective symptoms. The indicated homoeopathic medicines like *Thuja* and *Conium* in varying potencies provided immense symptomatic relief. Besides these organ remedy, *Sabal serrulata* in mother tincture was also prescribed to be taken twice or thrice a day and found effective. The patients experienced improvement in frequency of urination and discomfort in retaining the urine. The results are encouraging and the study is continued.

33. RENAL CALCULI

A. In General Areas

a) Disease related Clinical Research

The project has been undertaken at Clinical Reseach Unit, Imphal since 1987.

Observations

15 new cases were registered during the year 2001-2002. Of these 03 cases improved markedly, 05 cases improved moderately and 07 cases improved mildly. The cases showed improvement in haematuria, burning micturition and episodes of pain. The homoeopathic medicines viz. *Berberis vulgaris, Cantharis, Lycopodium* and *Sarasparilla* have been found effective in controlling these symptoms. The project is to continue.

34. RHEUMATOID ARTHRITIS

A. In General Areas

a) Disease related Clinical Research

This project is being studied at Clincal Research Unit, Udupi since 1988-89.

Achievements during the year 2001-2002

	New	*Old*
Number of cases studied	24	52
Improvement indices		
- improved		
- markedly	---	08
- moderately	---	16
- mildly	—	20
- dropped out	07	08
- under observation	17	---

Observations

Clinical studies have shown that besides the improvement of subjective symptoms like pain, swelling of joint, anorexia, pain agg. movement and weakness and the objective symptoms like tenderness, morning stiffness, weight loss and fever The pathological investigations were also found to be improved. The project is continued.

35. RHINITIS

B. In Tribal Areas

To clinically evaluate the action of the following drugs on Rhinitis.

Anemopsis californica, Anthemis nobilis, Aurum muriaticum, Justicia adhatoda, Lemna minor, Mentholum, Quillaya, Sanguinaria nitrica, Saponaria, Sinapis nigra, Theridion.

This project is being undertaken at Clinical Research Units (Tribal) at Shillong, Jagdalpur and Bharuch.

Achievements during the year 2001-2002

Number of cases studied	155
Number of cases found effective in	126

Observations

The most effective of the assigned medicines were *Anthemis nobilis, Lemna minor, Justicia adhatoda, Quillaya, Sanguinaria nitrica* and *Sinapis nigra.*

36. SICKLE CELL ANAEMIA

A. In General Areas

i) Disease related Clinical Research

A systematic study to explore the scope of homoeopathic medicines in Sickle Cell Anaemia on scientific lines was started by the Council in 1987-88 at Clinical Research Unit located in a tribal pocket of Sambalpur in Orissa, where sickle cell trait is found amongst the tribes.

The study is being conducted on following lines:

1. Survey: Survey of all the villages in and around Sambalpur town in order to collect the blood samples of the families identified for their sickness and detailed data to be maintained.

2. Curative: The patients having sickle cell trait or disease to be given constitutional and symptomatic treatment under an approved research protocol.

Achievements during the year 2001-2002

	New	*Old*
Number of cases studied	53	219
Improvement indices		
- improved		33
- markedly	--	68
- moderately	--	72
- mildly	29	33
- not improved	17	17
- not reported	07	

Observations

It is seen that homoeopathic medicines like *Bryonia* 30,200,1M, *Rhus tox* 200,1M, *Magnesia phos.* 6X,30,200, *Lycopodium* 30,200, *Natrum muriaticum* 30,200, *Vanadium* 30,200, *Chelidonium* 30, *Tuberculinum* 200 etc. are capable of controlling the symptoms of the diseases so much so that the patients remain asymptomatic for years together.

Out of 219 old cases, 37 cases who took blood transfusion before homoeopathic treatment only 06 cases needed further blood transfusion and 31 cases did not require any further blood transfusion. It is seen that cases which improved required less acute medicines like *Kalmegh* Q for their complaints. No recurrence of complaints was observed in 68 cases for the last 1 year to 3 years and in 33 cases for the last 03 to 08 years. The project is to continue.

37. SINUSITIS

A. In General Areas

i) Disease related Clinical Research

In order to evaluate the action of homoeopathic medicines in Sinusitis, the Council has undertaken this project at Clinical Research Unit, Chennai since 1987.

Achievements during the year 2001-2002

	New	*Old*
Number of cases studied	32	20
Improvement indices		
- cured	--	02
- improved	--	10
- moderately	--	08
- mildly		--
- under observation	32	

Observations

The homoeopathic medicines *Belladonna, Natrum muriaticum, Hepar sulphuris* and *Pulsatilla* in varying potencies helped in improving and in some cases disappearance of subjective and objective symptoms. The frequency, intensity and duration of subsequent attacks was also reduced. The acute exacerbation of attack was controlled by *Bryonia* 30 in most of the cases. The project is continued.

B. In Tribal Areas

To clinically evaluate the action of the following drugs on Sinusitis

Anemopsis californica, Anthemis nobilis, Aurum muriaticum, Justicia adhatoda, Lemna minor, Mentholum, Quillaya, Sanguinaria nitrica, Saponaria, Sinapis nigra, Theridion.

This project is being undertaken at Clinical Research Units (Tribal) at Gangtok and Vijayawada.

Achievements during the year 2001-2002

Number of cases studied	105
Number of cases found effective in	05*

* *Does not include the data from CRU(T), Vijayawada because of improper reporting.*

Observations

During the reporting year the most prescribed of the assigned medicines were *Justicia adhatoda, Lemna minor* and *Sinapis nigra* but the efficacy could not be assessed because of improper reporting of the data from CRU, Vijayawada. These medicines were also found effective in the preceding year.

38. SKIN DISORDERS

A. In General Areas

i) Disease related Clinical Research

In order to evolve a group of most effective medicines in various skin disorders such as allergic dermatosis, psoriasis, urtricaria etc. the Council has undertaken research studies at Clinical Research Unit, Gurgaon since 1982, Clinical Research Unit, Patiala since 1985 and Clinical Research Unit, Gorakhpur from April, 2000.

Achievements during the year 2001-2002

	New	*Old*
Number of cases studied	163	61
Improvement indices		
- improved		
- markedly	56	35
- moderately	46	10
- mildly	35	02
- not reported	17	--
- dropped out	06	02
- not improved	03	12

Observations

The homoeopathic medicines found effective in various types of dermatitis e.g. *Bovista, Chloralum, Dulcamara, Sepia, Sulphur* and *Urtica urens* in Urticaria; *Petroleum* in Contact dermatitis; *Hydrocotyle* in Allergic dermatitis; *Sulphur, Sepia* and *Hydrocotyle* in Photodermatitis; *Hydrocotyle, Sepia* and *Petroleum* in Pompholyx. No recurrence was observed in 27 cases during the reporting year. The project is continued.

B. In Tribal Areas

To clinically evaluate the action of the following drugs on Skin Disorders :

Alnus, Anthrakokali, Arbutus andrachne, Arsenicum iodatum, Berberis aquifolium, Euonymus atropurpurea, Euphorbium, Hygrophilla spinosa, Iodothyrine, Kali arsenicum, Kali bichromicum, Mercurius dulcis, Oleander, Skookum chuck and *Strychninum arsenicum.*

This project is being undertaken at Clinical Research Units (Tribal) at Aizawl, Jagdalpur, Bharmour, Itanagar, Ranchi, Salem, Siliguri and Diphu.

Achievements during the year 2001-2002

Number of cases studied	619
Number of cases found effective in	409

Observations

During the reporting year, 66% of the cases improved on treatment with assigned medicines. The most effective of them were *Arsenicum iodatum, Anthrakokali, Berberis aquifolium, Kali arsenicum, Hygrophilla spinosa, Oleander* and *Skookum chuck*. This group of medicines was also found effective in the previous years but are further being confirmed.

39. TONSILLITIS

A. In General Areas

i) Disease related Clinical Research

The Council has undertaken a research scheme to study the efficacy of homoeopathic medicines in cases of Tonsillitis at Clinical Research Unit, Gurgaon since1982, Clinical Research Unit, Chennai since 1987 and Clinical Research cum Epidemic Cell, Bhopal.

Achievements during the year 2001-2002

	New	*Old*
Number of cases studied	65	26
Improvement indices		
- cured	--	05
- improved		
- markedly	15	05
- moderately	09	12
- mildly	07	04
- under observation	34	--

Observations

Five (05) old cases of tonsillitis have been given the status of cure. After treatment it was observed that acute attack resolved within 7 to 15 days and in chronic tonsillitis there was relief within 1 to 6 months. Marked reduction in the frequency, duration and intensity of attacks was also observed. *Belladonna* , *Bryonia*, *Hepar sulph*. and *Mercurius solubilis* were observed to control the acute attack effectively. The project is continued.

B. In Tribal Areas

To clinically evaluate the action of the following drugs on Tonsillitis

Ailanthus, Amygdalus amara, Apis mellifica, Cantharis, Echinacea, Guaiacum, Gymnocladus, Streptococcin, Tuberculinum.

The project is being undertaken at Clinical Research Units (Tribal) at Aizawl, Idukki and Shillong.

Achievements during the year 2001-2002

Number of cases studied	141
Number of cases found effective in	109

Observations

During the reporting year *Tuberculinum, Echinacea, Guaiacum, Cantharis, Amygdalus amara* and *Apis mellifica* were found to be the most effective of the assigned medicines.

40. UPPER RESPIRATORY TRACT INFECTION

A. In General Areas

i) Disease related Clinical Research

The Council has undertaken a research scheme to study the efficacy of homoeopathic medicines in cases of Upper Respiratory Tract Infection which is one of the main problems in tropical and developing countries. This includes diseases of ear, nose and throat and is being undertaken at Clinical Research cum Epidemic Cell, Bhopal from April, 2000.

Another project on "Clinical trial of the effectiveness of Homoeopathic medicines in the management of Upper Respiratory Tract Infections -a comparative study with modern medicine" is being undertaken at an extension unit of Drug Standardisation Unit, Hyderabad, which is reported separately.

Report of the study conducted at CREC Bhopal

Achievements during the year 2001-2002

Acute Rhinitis

Number of cases studied	New
	57
Improvement indices	
- cured	02
- improved	
- markedly	31
- moderately	11
- mildly	07
- not improved	01
- not reported	05

Laryngitis/Common Cold & Cough

	New
Number of cases studied	52
Improvement indices	
- improved	
- markedly	09
- moderately	30
- mildly	10
- not improved	02
- not reported	01

Observations :

In cases of Acute Rhinitis, 49 cases have shown marked to mild improvement and 02 cases are cured. The duration of treatment varied from 03 to 11 days and homoeopathic medicines found effective were *Justicia adhatoda*, *…ma minor* and *Kali iodatum*. In cases of Laryngitis/common cold & Cough, 49 cases have shown marked to mild improvement in 15 -20 days of treatment .The homoeopathic medicines found effective were *Justicia adhatoda*, *…nia*, *Belladonna*, and *Arsenic ialbum*. The project is to continue.

Report of the study conducted at DSU Hyderabad (Extension Unit)

Achievements during the year 2001-2002

The project is being undertaken at extension unit of D.S.U., Hyderabad to study Clinical Trial of the effectiveness of the Homoeopathic medicines in the management of Upper Respiratory Tract Infections to compare with modern medicine. During this year 39 cases of URTI were taken up for controlled clinical trial of homoeopathic medicines, and 37 cases for allopathic study from ENT OPD.

No. of cases studied	Allopathy		Homoeopathy	
	New	Old	New	Old
Laryngitis	2	52	2	52
Pharyngitis	3	55	3	58
Rhinitis	12	60	13	60
Tonsillitis	11	54	11	58
Sinusitis	09	65	10	79

Observations

The research work on this project is encouraging and it is observed that the cases who presented with severe headache with giddiness and vomiting, after treatment 40% did not complain of headache, 27% complained of mild headache with discomfort and 31% headache with giddiness. It is also observed that though the severity of headache is a vague measurement for improvement but radiological evidence has shown its correlation with disappearance of haziness of the affected sinuses. The associated symptoms like pyrexia, chills, bodyache etc. were annihilated in 50% of the cases treated with homoeopathic medicines in 24-72 hours and in 4 days in other 50% cases. Homoeopathic medicines found effective were - in Laryngitis - *Lachesis* & *Arg. nit.*; Pharyngitis - *Merc. sol.* & *Acid nitric*; Rhinitis - *Arsenic alb.*, *Calc. phos.* & *Tuberculinum*; Tonsilitis – *Arsenic alb.*, *Belladonna* & *Phosphorus*; and Sinusitis - *Kali bich.*, *Natrum mur.* *Sanguinaria*, *Hepar sulph.* & *Phosphorus*. The project is to continue.

42. VITILIGO

A. In General Areas

i) Drug related Clinical Research

To clinically evaluate the efficacy of *Ars .Sulph. Flavum* in Vitiligo.

This project is being undertaken at Clinical Research Unit, Tirupati from April,1987.

Achievements during the year 2001-2002

	New	*Old*
Number of cases studied	41	47
Potencies 30,200,1M,10M,50M,CM		
Improvement indices		
- cured	--	08
- improved		
- markedly	08	16
- moderately	08	05
- mildly	16	12
- not improved	05	06
- under observation	04	--

Observations

Vitiligo, being a chronic disease requires long treatment and follow up. Out of forty seven (47) old cases which have been followed up from one to eight years 08 cases have been cured and 33 cases have shown varying degrees of improvement with *Arsenic sulph. flavum*. The project is continued.

B. In Tribal Areas

To clinically evaluate the action of the following drugs on Vitiligo.

Arsenic sulphuratum flavum and *Syphilinum*

[Th]is project is being undertaken at Clinical Research Unit, Salem.

[Achiev]ements during the year 2001-2002

Number of cases studied	28
Number of cases found effective in	07

[Obser]vations

[Ar]senic sulph. flavum has been found effective in 07 cases during the reporting period.

CLINICAL RESEARCH IN EPIDEMICS

Introduction

Epidemics are widespread outbreaks of a disease affecting simultaneously a number of people in one or several neighbourhoods, and even whole districts, state or countries. Each outbreak may be totally different from the preceding or succeeding ones, even though pathologically it may be diagnosed as the same disease.

The number of outbreaks of communicable disease has been increasing in recent years. These outbreaks can often be halted by the correct homoeopathic remedy administered at the first indication of disorder. This will shorten the duration of the illness and prevent after effects.

In view of recurrent spurts of various epidemics in different regions of the country and since Homoeopathy has been observed to play a great role in alleviating the sufferings of the people affected by epidemics, the Council has been carrying out studies in this respect since its inception. The Council has established an Epidemic Cell at its Headquarters office, New Delhi.

The aims of this Cell are:-

1. To rush in time of need with physicians and medicines to relieve the suffering of the afflicted population.
2. To find out the Genus epidemicus.
3. To provide preventive treatment to the persons whoare not affected but are potentially susceptible to get the disease.
4. To study various other aspects of the epidemics.

2.1 Brief Resume of the Work done prior to March, 2002

The Council had carried out studies both preventive and treatment during the following epidemics.

Epidemics	*Place*	*Year*
Conjunctivitis	Calcutta, Delhi, Hyderabad, Gudivada Bahadurgarh, Ghaziabad,Delhi	1981,1988 1985 1986
Dengue Fever	Delhi	1982
Dengue Haemorrhagic Fever	Delhi	1996
Killer Fever	Uttar Pradesh	1983
Japanese Encephalitis	Uttar Pradesh Uttar Pradesh,West Bengal, Andhra Pradesh & Delhi Tripura,Gudivada,Hyderabad, Diphu(Assam) Gorakhpur(U.P.) & Basti(U.P.) Maharajganj	1984 1986 1988,1989,1992 1991,1998,1999
Bacillary Dysentery	West Bengal,Bastar(M.P.) Shimla, Bhubneshwar(Orissa), Gonda (U.P.)	1984 1988
Yellow Fever	New Delhi	1984-85
Jaundice	Surat,Calcutta Jaipur,Hyderabad,Rajkot, Gonda (U.P.)	1985 1988
Typhoid Fever	New Delhi	1985
Measles	Jaipur,Hyderabad,Rajkot Gonda(U.P.),Bhopal, Bharauch	1988
Meningitis	Delhi Jeypore(Orissa),Sagar(M.P.) & Distt. Vizianagram (A.P.) Distt. Sagar (M.P.) Jagdalpur(Bastar,M.P.)	1986 1988,1989 1989 1990,1991 1992
Cholera	Jeypore(Orissa), Gonda Bharauch(Gujarat),Calcutta Delhi	1985 1988 1985 1990
Gastro-Intestinal Disorders	Tripura Distt. Krishna (A.P.)	1988
Viral Fever	Delhi	1988,1989, 1990
Kala azar	Burdwan & Hooghly, W.B.	1991, 1992
Plague	Muzaffarpur	1994
Malaria	Surat (Gujarat) Beed, Solapur (Maharashtra) Districts of Jaipur, Barmer, Bikaner, Jodhpur, Jaisalmer (Rajasthan)	1994,1996

CCRH conducted medical relief operations for the people in and around Puri affected by the super cyclone which ravaged the coastal parts of Orissa through its Homoeopathic Research Institute, Puri in November and December, 1999. The Council also provided medical treatment to the victims of earthquake affected areas at Ahemdabad, Bharuch and Surat in Gujarat in the last week of January 2001.

CLINICAL VERIFICATION RESEARCH PROGRAMME

Clinical Verification is the process of evaluating the clinical applicability of newly proved drugs and drugs with fragmented data (partially proved drugs). This process also guides to reliable indications for therapeutic application in future use. Council have proved many drugs of Indian origin which have been taken up in Clinical verification programme for thier reliability. 65 drugs are allotted to Instts./Units engaged in Clinical Verification Research for clinical trials. These sixty five drugs include drugs mainly of indigenous origin or drugs proved by CCRH. A few lesser known drugs are also included.

Institutes/Units engaged in Clinical Verification Research

Clinical Verification Unit, Ghaziabad, Clinical Verification Unit, Patna, Clinical Verification Unit, Vrindavan, Clinical Research Unit (H), Jammu, Homoeopathic Drug Research Institute, Lucknow, Regional Research Institute of Homoeopathy, New Delhi and Homoeopathic Research Institute for Malaria, Jaipur.

HOMOEOPATHIC DRUGS UNDER TRIAL IN CLINICAL VERIFICATION PROGRAMME

1. Acalypha indica*
2. Achyranthes aspera
3. Aegle folia*
4. Aegle marmelos*
5. Alstonia constricta
6. Amoora rohituka or Andersonia
7. Amygdalus persica
8. Anthrakokali
9. Aranea diadema*
10. Aranea scinencia*
11. Arsenicum sulph flavum
12. Azadirachta indica*
13. Bacillinum
14. Baryta muriaticum
15. Benzinum nitricum
16. Benzoicum acidum
17. Blatta orientalis
18. Boerhaavia diffusa*
19. Cassia fistula*
20. Cynodon dactylon*
21. Caesalpaenia bonducella
22. Calotropis gigantea
23. Cannabis indica
24. Cannabis sativa
25. Carica papaya
26. Cephalandra indica
27. Cuprum aceticum
28. Damiana
29. Embelia ribes
30. Ephedra vulgaris
31. Fagopyrum esculentum
32. Ferrum picricum
33. Gallicum acidum
34. Gymnema sylvestre
35. Glycyrrhiza glabra*
36. Hecla lava
37. Holarrhena antidysenterica*
38. Hydrocotyle asiatica*
39. Hygrophilla spinosa
40. Iris tenax

borandi
caranda caroba
lapa
glans regia
Kali muriaticum*
Lac caninum
Lapis alba*
Magnesia sulphuricum*
Mangifera indica*
Mentha piperata
Mygale*
Nyctanthes arbortristis
Phyllanthus niruri*

54. Saraca indica
55. Sarsaparilla
56. Syzygium jambolanum
57. Tarentula cubensis*
58. Tarentula hispanica*
59. Tela aranea*
60. Terminalia arjuna*
61. Terminalia chebula*
62. Thea chinensis*
63. Theridion*
64. Tylophora indica*
65. Viscum album

* ... proved by Council

...e of Literature of these drugs

Clarke's Materia Medica
Hering's Guiding Symptom
Allen's Encyclopedia
Boericke's Materia Medica
Provings by Dr. Jugal Kishore
Provings by Dr. D.N. Ray
Drugs of Hindoosthan by Dr. S.C. Ghose
Provings conducted by CCRH
CCRH Quarterly Bulletin Vol. 9 (1&2) 1987

...vements during the year 2001-2002

A total number of 18,120 research cases have been registered during this year in the institutes and units ...aking this programme. The symptoms which have been verified under each drug during the reporting period ...entioned in the tabulated form. Only those symptoms have been mentioned which were verified during this ... no old symptoms verified during the previous years are included. Source literature for verification has also ... fixed and are mentioined against each symptom. Additional symptoms found relieved during the course of ...ent are mentioned in parenthesis.

Name of drug: Acalypha Indica **Potency: Q, 3x, 6, 30, 1m**

Location	*Symptom*	*Source*	*Duration of signs/ symptoms*	*No. of pts. Prescribed*	*No. of pts. relieved*	*Duration of treatment*
1	2	3	4	5	6	7
Head	Headache with heaviness of head	8,9	4d-1y	08	07	3-21d
Nose	Epistaxis with bright red blood < summer, moving, heat of sun	7,9	1d-5y	31	22	3-30d
Rectum	Constipation with bleeding stool < moving, dry hard stool	8,6,9	7-15d	08	07	6-12d
	Loose stool, watery, yellowish with forcible expulsion of flatus, stools 4-5 times in a day	7,8	5-42d	07	07	2-21d
	Bleeding piles with bright red blood	7	3d-1m	03	03	1-10d
Nose	Coryza with nasal discharge < morning	7	3-10d	03	03	3-10d
Stomach	Anorexia	6	1-6	02	02	3-15d
	Thirst for large quantity of water	6	3-6m	03	03	15d-1m
Cough	Cough spasmodic with scanty expectoration with fresh bright red blood in morning with mucus	8	2-6d	11	10	3d-3m
	Dry cough < morning & at bed time	4	3-15d	04	04	3-15d
Chest	Pleural pain extends to left arm < by cold	8	1-4m	02	02	3-14d
Extremities	Tiredness & pain in shoulders < evening with sensation that as shoulders are breaking < exertion	8	2m-1y	04	03	3d-1m

d=days, w=week, m=month, y=year

Aching pain in whole body with fever	8	6d	03	01	3d
Fever with chill < morning	8	3-15d	12	09	3-5d

Drug: Achyranthes aspera **Potency: Q, 3X, 6, 30**

2	3	4	5	6	7
Frontal headache, dull	9	6m-2y	18	16	2-6w
Vertigo on standing from sitting position	9	2-6m	33	18	2-5w
Coryza thin	9	3-15d	45	34	3-15d
Coryza of thin nasal discharge and sneezing with dry cough	9	7d	06	03	7d
Otorrhoea with yellowish thick discharge, earache	8	15d-1m	02	02	6-18d
Stomatitis – red vesicular eruption on the corner of mouth	7	2w-3m	74	42	2-6w
Apathae on tongue, burning pain < eating	7	1m	02	02	7d
Thirst increased while with dry mouth	7	2m-2y	12	09	2-6w
Bleeding gums	7	10-15d	04	02	4-10d
Bitter taste of mouth	7	1-2d	13	10	4d-1m
Pain in stomach & abdomen < eating, after drinking	7	2m-1y	34	23	7d-8w
Flatulence with heaviness of abdomen	7	2-6m	29	21	4-8w
Loose motion 2-3 times a day watery, profuse, greenish, pale, offensive, yellowish, mucus < eating	7,8,9	2d-6m	117	79	2d-6m
Acute diarrhoea with watery stool, vomiting and persistent nausea, and spasmodic pain in lower abdomen < drinking and eating	8	1-2d	13	10	4d-1m

Stool	Stool dry, hard constipated	7	2m-3y	47	29	2-6w
Stomach	Cutting pain around umbilicus < after taking food	9	2m-3y	20	11	2-8w
	Nausea & frequent vomiting	7	1-2d	21	19	3-10d
	Acidity with sour eructations	7	2m-1y	27	17	2-6w
	Epigastric burning	7	5-15d	04	04	3-8d
Cough	Cough dry < night	9	2w-9m	32	21	2-8w
	(cough with white expectoration < morning)	9	2-3m	08	06	2w
Fever	Fever with cough & cold	9	2-6d	08	06	4-10d
	Fever with chill < night &with headache & bodyache < day, with vomiting	9,8	5d-1y	58	48	3d-4w
Extremities	Pain in calf muscles < movement	9,8	2m-2y	28	17	2-8w
	Multiple boils on hands lips, over legs, red, sensitive to touch, pain & itching, boils in armpit, on arm & bleeding	9,8	10d-6m	96	56	4d-6w
	Boil on scalp-small, red with oozing of watery discharge, abscess with burning pain with itching in scalp	7,9	4-20d	74	13	3-15d
Skin	Pimples on face with	7	2-3m	02	02	15d
	small vesicular eruptions on whole body with itching, dry & reddish eruption with itching	7,8	7d-6m	60	38	10d-8w
	Poisonous wound, insect bite	7	3-10d	20	17	4-15d
Generalities	Burning sensation all over body	7	3-7d	27	26	7d-1m
	Extreme weakness after stool	7	3-10d	36	34	7-15d

Potency: Q, 6, 3x, 30, 200

Name of drug: *Aegle folia*

1	2	3	4	5	6	7
Head	Headache forehead, heaviness < morning & evening	8	2m-1y	02	02	15d
	Headache with heat in vertex (dull headache < evening)	7	2-3m	13	12	7d-1m
	Falling of hair < combing	8	3-9m	30	19	2-4m
	Headache with vertigo	8	4d-1y	14	07	4-15d
Vertigo	Vertigo < lying, standing & walking	8	2-6m	13	10	1d-2m
Face	Black pigmentation over face, arm & abdomen, hypotension with palpitation of heart	8	2-3y	02	02	7d-2m
Stomach	Pain in epigastrium burning with flatulence, heaviness in umbilical region & tightness (< spicy food)	8	2m-4y	09	04	7d-4m
	Pain epigastrium with nausea & vomiting	8	7-15d	14	12	15d
	Pain epigastrium, burning	8	1m-6y	05	03	7d
	Stitching pain < after eating (fried food), > cold	8	1m-6y	05	05	15d
	Sour eructation < after eating	8,9	6-10m	108	57	15d-1m
	Flatulence < afternoon & evening	4,7,8	5d-6m	15	11	15d
	Appetite diminished with bad taste of mouth	8	1m-1y	21	19	15d-3m
	Anorexia	8	6m-2y	22	18	15d-1m
	Thirst increased	8	6m-1y	03	03	15d
	Indigestion with sour eructation < eating (Nausea after meal)	9,8,7	4-10y	36	31	3-15d
Abdomen	Pain in abdomen & heaviness with flatulence & distension of abdomen < after eating > hot drink	7,8	7d-10y	134	128	15d-1m

	Griping pain > passing stool, flatulence < evening afternoon & eating > passing flatus	7,8	3m-10y	151	98	7d-4m
	(Distension of abdomen with flatus)	2	2m-2y	37	24	2-4w
Rectum	Blind piles	9	30-60d	24	22	10-40d
	Pain in rectum, stitching, cutting, burning < during and after stool	4,7	30-60d	07	06	7-15d
	Constipation-hard stool, scanty	4,7	10d-5y	117	91	4d-1m
	Frequent desire for stool, unsatisfactory	8	4-5m	15	13	3d-1m
	Alternate constipation & diarrhoea	8	7d-2y	101	92	4-3m
	Loose stool – watery mixed with mucus, yellowish, 2 to 3 times in a day	7,8,9	2d-2y	128	75	3-30d
	Diarrhoea with loose stool & pain in abdomen	8	1-15d	65	59	1-25d
	Dysentery with blood and pain in lower abdomen	8	5d-3m	14	14	3-12d
Genitalia (Male)	Spermatorrhoea/seminal discharge with dreams - < before urination - < after urination - < night	4,8	2m-15m	13	10	15d-1m
	Sexual debility	8	6m-2y	10	10	1d-1m
Genitalia (Female)	(Menses excessive bleeding pain in pelvic region)	4	1-4m	02	02	2w-1m
	Leucorrhoea thick white discharge	8	6y	02	02	2-6w
Cough	Dry cough (cough with thick yellow expectoration < evening)	8	2-3d	02	02	2-4d
Chest	Pain in chest < night	8	3m	02	02	1m
Back	Backache with pain in legs < movement, by warmth	8	6m-2y	05	04	4-16d

…es	Pain extremities right side (< movement, > walking)	8	2m	02	02	15d
	Pain in both knee joints (< rising from seat, sitting for a long time & changing position)	8	3m-2y	28	22	15d-6w
	Pain in legs < movement, > rest	7	6m-1y	05	05	3-6m
	Eruptions with itching < night	8	2-10d	11	07	4-12d
	Back pigmentation over face, arm and abdomen	8	2-3y	02	02	7d-2m
…ities	General weakness	7,8	2-6m	29	19	15d-6w

…f drug: Aegle marmelos **Potency: 3x, 6, 30, 200**

	2	3	4	5	6	7
	Headache with bursting pain > after eating < talking	8	6d-2y	02	02	4d-1m
	Heaviness of head < movement	9	3-9m	17	10	1-4w
	Vertigo with feeling of falling forward	8	2-10d	27	21	2-11d
	(falling backwards < closing the eyes)	8	4-7d	03	02	2-4d
	Giddiness with darkness before the eyes	8	6m-1y	03	03	1m
	Vertigo < during movement	8	2-4d	05	04	2w
	Conjunctivitis	8	2-4d	02	02	3-4d
	Coryza with nasal discharge, sneezings & itching in nose < morning	8	3-8d	12	09	3d-1m
	Loss of appetite	8,4,9	7-15d	112	103	4-90d
	Pain in epigastrium & in left hypochondrium	8	1m-1y	05	05	15d
	with sensation of ball & sour eructations < eating	8	1m-1y	05	05	15d
	Distension & heaviness in upper part of abdomen with flatulence	4,8	3m-3y	07	04	7-17d
	- < after eating	4,8	3m-3y	05	05	7-17d

Heart	burn with acidity < after eating, afternoon	4.8.9	3m-3y	28	18	7-28d
	Cutting pain in epigastrium & umbilical region < by eating	9	1-6m	30	18	1-6w
	Burning pain in epigastrium < eating, with sour eructations	9	3m-1y	26	14	7-42d
	Nausea & vomiting < after eating	9	3w-3m	16	11	7-42d
	Indigestion with sour eructations < after meals, empty stomach < by warm food	8	1m-1y	02	02	3-25d
	Hiccough	8	2d-14m	03	03	2-25d
Abdomen	Aching pain in abdomen < after eating	8	3-15d	26	20	2-10d
	Flatulence with heaviness in abdomen	8,10	7d-1m	16	11	3-12d
	Pain in lower abdomen with thick, acrid leucorrhoea	8	2m-3y	03	03	1m
	Pain in abdomen around umbilicus < after meals	8	4-10d	03	02	2-4d
	Flatulence with heaviness of abdomen > passing flatus	7	3m-5y	123	100	1-8w
	Rumbling and gargling in abdomen < after eating	7	2m-1y	11	09	5d-2w
	Pain & heaviness in abdomen < after meals with anorexia	8.7	5d-3m	72	67	3d-3m
	Pain in abdomen with constipation	7	1-3m	28	27	15d-3m
	Tenesmus in abdomen	9	3-15d	39	30	5-10d
Rectum	Constipation with scanty Stool	8.10	7d-3m	49	41	3-20d
	- with frequent desire for stool	8,10	6-10d	06	05	4-8d
	- mixed with mucus	8.10	6-10d	08	06	6-9d
	- (piles swollen with bleeding)	8,10	7d-2m	03	03	6-18d
	Haemorrhoids with bleeding stools with bright red blood- bleeding in drops, hard stools- pain rectum while passing stool < during passing stool	4.7.8	6m-2y	19	14	2w-3m

Rectum prolapse with burning in anus < after [illegible]	8	1m-1y	02	02	9d-2m
Constipation with unsatisfactory stools (dry & hard)	8	15d-9m	11	10	5-30d
Alternate constipation & Diarrhoea	9	1-3m	89	77	15d-3m
Loose stool	9	6-10d	02	02	4-6d
Stool irregular, changeable loose/hard < after eating	8	1-2y	07	06	15d
- (< eating irregularly)	8	1-2y	03	02	15d
- (< summer)	8	1-2y	02	01	15d
Stool dry hard, constipated with burning	9	15d-2y	73	49	1w-3m
Stool loose, watery with rumbling in abdomen < eating	9	3-15d	126	112	15d-3m
Stool mixed with blood & mucus	9	2-13d	39	30	5-10d
Spermatorrhoea with dreams < during sleep, hot food, passing stool	4.7.8	2m-1y	05	04	1m
Leucorrhoea thick yellow discharge	8.9	6m-3y	07	03	1-6w
Backache < movement	7.8	1m-2y	03	02	2w
Backache lumbosacral region (< leaning, standing & movement)	8	1m	02	02	15d
(Pain in legs < movement > rest)	8	4m-1y	12	09	1-6w
Burning in palms & soles	8	2-3m	06	02	9-22d
Papular reddish eruptions with itching	8	7-20d	08	08	6-72d
(Urticarial rashes over whole body with itching < bathing in cold water)	8	3m	02	02	2w

Name of drug: Alstonia constricta **Potency: Q, 3x, 6, 30, 200**

Stomach	Nausea < morning	1	7-10d	12	10	3-7d
	Vomiting	9	1m	03	02	15-49d
	Appetite diminished	4	2d-1m	03	01	7-15d
	(Sour eructations < after eating)	4	10d	02	02	15-49d
Abdomen	Distension of abdomen	4	2d-1m	02	02	7-15d
	Griping pain around umblical region < before stool > after stool	4	1m	02	02	7d
Rectum	Painless loose stool < after eating	4	2d-10d	31	23	2-7d
	- (with pain in abdomen around naval)	4	2-6d	05	04	2-7d
	- after vomiting	4	2-6d	06	04	3-6d
	- with cough of scanty expectoration < night	4	4-6d	02	02	3-5d
	Chronic diarrhoea with violent cramps in hypogastrium, makes him to go for toilet < early morning, night	8	2d-1y	08	06	4-35d
	Diarrhoea immediately after eating	4	5-10d	35	30	5-15d
	Diarrhoea due to contaminated water	1	3-15d	03	03	5-10d
	Stool loose yellow 7-8 times in a day < eating, spluttering with griping pain > passing stool	9	2d-1m	07	03	7-49d
	Stool painless, watery, bloody	4	5d-1m	35	29	5-10d
Genitalia Female	Leucorrhoea during pregnancy with bearing down sensation, that child would come out> lying down	8	10d-2m	02	02	10-40d
Generalities	Weakness (debility)	1,4	2-20d	17	17	3-15d
	Weakness with empty feeling in stomach	1	15d-3m	11	11	15d-2m

Name of drug: Amoora rohituka **Potency: 3x, 6, 30, 200**

	2		4	5	6	7
	Memory weak cannot fix mind on any subject or matter	[illegible]	3m-1y	31	28	2-6m
	Giddiness with warmth in head	9	1-3m	24	22	1-3m
	Falling of hair	8	15d-2y	51	47	1-4d
	Burning in eyes < while studying	[illegible]	7d-2m	24	16	3-32d
	Constipation with dry hard stool	8	10d-1y	29	21	1-27d
	Bleeding-piles with burning sensation	8	3m-2y	09	01	5-30d
	Burning urination	4	1y	02	02	15d
	Cough with white expectoration < morning	8	7-10d	16	04	5-15d
	Pain in knee joints < sitting when crossing legs	8	6m-3y	09	07	1-14d
	Dry reddish eruption with itching & burning	8	10d-2m	10	04	4d-1m
	Aching, bodyache with general weakness	4	1m	02	02	15d

Name of drug: Amygdalus persica **Potency:**

	2	3	4	5	6	7
	Indigestion (< after eating)	4	1-2y	03	03	15d
	Acidity, heartburn with burning pain in epigastrium (< after eating)	4	3m-1y	02	02	15d
	Sour eructation < morning (< empty stomach, fried food)	4,8	3m-1y	03	03	15d
	Indigestion with sour eructations < by cold food, by hot liquid	8	2-6m	06	05	2-6d
	Gastric irritation in children	4	3-15d	16	12	3-7d
	Flatulence indigestion (> eructations)	4,8	2y	06	03	2-15d

Rectum	Constipation	13	2-4d	03	03	2-3d
Urinary System	Urine scanty drop by drop with burning	8	10d-2m	04	02	10-21d

Name of drug: Anthrakokali **Potency: 6, 30, 200**

1	2	3	4	5	6	7
Vertigo	Vertigo	8	1y	03	02	35d
Nose	Coryza with thin nasal discharge, feverish feeling	8	7d	02	02	7d
	Sneezing	8	2m	03	03	28d
Face	Pimples over face	8	2m-1y	02	02	2-13d
Throat	Sore throat	8	2-7d	02	02	7-17d
Stomach	Thirst increased, anorexia, thirstless	8	8d	06	04	28d
Abdomen	Flatulence with heaviness in abdomen	4	7d-1m	03	02	4-20d
	- (< evening)	4	1m	05	03	7-28d
	(Griping pain in abdomen with 2-3 times loose stools < after taking food)	4	2-3m	04	03	28d
Rectum	Constipation, stool hard	4	7d-5m	35	20	4-35d
Urethra	Burning in urethra while passing urine	1.4	8d-1m	04	02	21-28d
Genitalia Female	Leucorrhóeal discharge white yellowish in colour with irritation & itching over vulva, burning after menses	4	2-4m	06	04	8-42d
Cough	Dry cough and cold	4	1m	03	02	7-28d
Back	Backache-Lumbar region	4	2m	04	02	7-28d
Extremities	Cracks in fingers, palms & soles	4	7d-3m	12	09	3-18d
	Vesicular eruptions on legs inbetween fingers, chest, arms with itching, thick, transparent fluid < night & heat	9	7m-1y	16	06	7-42d

	Eczema over fingers - wet eczema with oozing of of watery discharge with itching < rainy season sweating ,moving	4	3-4m	04	02	1m
	Dry itching around genitalia & arms with itching, on scratching it bleeds, feels burning , < summer, warmth of bed, perspiration, at night	9	8d-3m	26	15	7-56d
	Papular or reddish eruptions between fingers, genitalia & other parts of body < night, warmth, rainy season with itching on scratching , feels burning	1.9	1-5m	36	19	7-35d
	- (with pain in joints < morning)	9	1y	04	02	14-28d
	- (with pain in both lower extremities)	9	8d-2m	03	03	21-28d
Perspiration	Profuse perspiration over whole body	4	2-3m	02	01	7-42d
Skin	Vesicular eruptions with itching, scabies	9.4	3d-2y	48	40	6-18d
	Pustular eruptions with itching, oozing pus, with burning sensation < at night	9.4	7d-3y	07	02	7-21d
	Papular eruptions on palms, itching < night	9	7d-3m	79	74	1-3m
	Urticaria < night, with burning	1	7d-3m	81	74	15d-3m

Name of drug: Aranea diadema **Potency: 6, 30**

1	2	3	4	5	6	7
Head	Heaviness in head	8	2-10d	05	05	4-8d
	Pain nape of neck	4,8	6m-1y	06	05	15-30d
	- aching with giddiness	4,8	6m-1y	05	05	15-30d
	- pain radiates to back with tiredness feeling	4,8	6m-1y	02	02	15-30d
	- pain radiates up & hand	4,8	6m-1y	04	03	15-30d
	- numbness feeling	4,8	6m-1y	04	04	15-30d

Rectum	Constipation with dyspepsia	9	7d-1m	03	03	8d
Extremities	Tightness feeling with pain in calves < walking	8	4y	04	04	15d

Name of drug: Aranea scinencia **Potency: 6, 30, 200**

1	2	3	4	5	6	7
Eye	Twitching under eyelids	1,4	3d-1y	08	08	3d-1y
Nose	Coryza < in morning & taking cold	8	3-10d	16	11	3-12d
	- with thin nasal discharge sneezing < by warmth > cold application	8	2m-1y	03	03	5-55d
Skin	Skin cruptions on whole body with itching < by warmth, > cold application	8	5-20d	02	01	2d
Generalities	Twitching of body muscles	8	10d-2m	02	02	5-20d

Name of drug: Arsenic sulph flav. **Potency: 3x,6,30, 200**

1	2	3	4	5	6	7
Stomach	Burning in stomach with diarrhoea	1	10-15d	05	04	7-28d
Rectum	Constipation with hard stool	8,9,14	10d-3y	16	14	3-21d
Genitalia Male	Dreams with seminal emission	1	10-45d	02	02	10-20d
Skin	Hypopigmented patches without itching	4,9	15d-6y	39	20	3-712d
	Leucoderma – white spots on whole body, neck, finger, hand, palms, back, legs, scalp, face, lips, elbow, abdomen, genitalia, chest, < heat without itching	4	1m-15y	106	64	1m-1y

of drug: Azadirachta indica **Potency: 6, 30, 200**

	2	3	4	5	6	7
	Headache – forehead, temple right side & vertex – bursting & throbbing without nausea & vomiting	1,7,8	1-4y	05	04	7-15d
	- < daytime, after travelling > closing eyes	4,7,8	1-4y	03	02	7d
	- < movement, stooping	4,7,8	1-4y	04	03	7d
	- with nervousness & sleeplessness (< increased sweating)	4,7,8.	1-4y	02	02	7d
	Scalp painful sensation to touch, even hair are painful	7	3m-1y	11	09	15d-3m
	Pain in throat with swallowing difficult	4	15d-1y	06	06	7-15d
	Tonsils enlarged and congested with pain on swallowing	4	15d-1y	04	04	7-15d
	Loose stool, frequent & painless	7	15d-3m	09	09	1-6m
	Fever with headache with coryza & cough	7,8	2-7d	23	18	2-5d
	- with fever < cold	7,8	2-4d	10	10	2-4d
	Swelling of left knee joint with stiffness	4	15d-1y	05	05	7-15d
		8	1m-1y	05	05	51d
	Lancinating pain in small joints of hands & feet, appears suddenly & disappears very slowly with swelling, parts becomes reddish > rubbing	8	1-3y	09	07	2-30d
...ities	Burning palms & soles	7	1-6m	22	22	2-4m
	Feels > in cold open air	7	1m-1y	31	29	3-6m

of drug: Bacillinum **Potency: 6,30, 200, 1M**

	2	3	4	5	6	7
	Anxiety and giddiness	4	4-8m	02	01	15d
	Falling of hair from scalp in patches with itching	1	2m-2y	15	03	7-42d
	Alopecia areata	4	3m-3y	107	99	6m-1y

Eye	Eczema of eyelids	4	3m-2y	05	05	1-3m
Nose	Susceptibility to cold	4,9	2-5y	401	364	3-6m
	Coryza with thick nasal discharge	4,7	7-3y	42	34	3-10d
	Blockage of nostrils < night with nasal polyp	4	7-30d	43	27	7-30d
	Chronic coryza	4	4m-8y	26	23	15d-1m
	- watery nasal discharge	4	4m-3y	64	38	7-63d
	- frequent sneezing	4	4m-8y	14	11	7-63d
	< evening	4	4m-3y	02	01	7-63d
	< morning	4	4m-3y	07	06	7-63d
	< cold, dust	4	4m-3y	06	06	7-63d
	- with feverish feeling	4	4m-3y	03	03	7-63d
	< winter, cold	4	4m-3y	05	05	7-63d
	Post nasal dripping	4	1m-2y	13	13	2-29d
Ear	Yellowish discharge from right ear with irritation & itching in ear	8	2-3y	04	01	7-25d
Throat & Neck	Tonsillitis < cold & cold things	8	1d-1y	13	13	2-29d
	Cervical glands enlarged & painful	1,4	1-3y 222 205	7d-6m		
	Cervical submandicular supraclavicular lymph glands enlarged, tender & painful	1	2-4y	13	03	7-21d
Abdomen	Flatulence > passing flatus	4	3-15d	15	12	3-20d
	Pain in abdomen, dyspepsia Chronic diarrhoea	8	8m-1 1/2y	04	04	4-27d
	Pain in abdomen > eating, > passing offensive flatus	8	2m	04	03	18d
	Inguinal gland enlarged	1	6m-14y	29	27	2-4m
Rectum	Constipation, hard stool	1	1-3m	77	71	1-3m
Respiratory System	Difficulty in breathing	4,1	3d-2y	146	131	6d-6m
	< night	1	3-30d	22	17	7-20d
Cough	Dry cough spasmodic < at night with scanty expectoration < morning	9	6m-2y	38	18	7-63d

Feverish feeling with chill	9	3d-6y	11	06	7-21d
Ringworm like eruptions with itching over abdomen < night heat, winter, rainy weather > summer	1	7d-1y 105	86	3-42d	
Tinia versicolaris, spots over neck and chest < noon, exposure to sun, with itching	1	1-2y	17	04	7d-63d
Small papular eruption on back without itching	1	2-3m	04	02	7-21d
Small eruptions over wrist joint, scalp, itching with watery discharge < night	1	2-3m	03	01	28d
Pityriasis	1	3m-2y	79	72	6m-1y
H/o Koch's	1	6m-5y	98	91	6m-1y

...drug: Baryta muriaticum **Potency: 6,30,200**

2	3	4	5	6	7
Anxiety & nervousness	1,4	4m-14y	04	03	15d-2m
Headache – forehead, heaviness & aching, numbness over head with hypertension	1,4	1m-14y	04	03	15d-2m
Otorrhoea with thin offensive discharge like rotten cheese from rt. ear	1,4	3-60d	33	21	7-24d
Hardness of hearing & ringing in ear	1	2y	04	02	7-42d
Tinnitus & humming in the ear	4	1m-1y	11	09	3m-1y
Throbbing pain in teeth on walking	1	3-10d	14	10	3-10d
Indurated cervical gland painful on pressure	1	7-14d	23	18	7-25d
Uvula enlarged, painful elongated	9	1m-7y	24	11	8-35d
Parotitis	4	7d-1m	13	13	7d-2m
Coryza thin watery nasal discharge with ocassional sneezing	4	7-15d	05	05	15d-1m
	1,9	2-4y	12	06	7-21d

Stomach	Pain in epigastrium with nausea	1	6m	02	02	15d
Respiratory System	Dyspnoea on walking	4	4m-1y	02	02	15d
Chest	Palpitation with restlessness	4	4m-14y	03	02	15d-2m
Cough	Cough with thick white expectoration < night	9	2d-2y	14	11	7-21d
Generalities	Old age complaints	4	1m-1y	02	02	3m-1y

Name of drug: Benzoic acid **Potency: 6,30,200,1M**

1	2	3	4	5	6	7
Vertigo	Vertigo with inclination to fall	4	2-4d	03	03	2-3d
Nose	Sneezing with hoarseness, pain in the bone of nose	1	10d-3m	09	06	7-21d
Face	Brown spots on face	4	15d-10y	67	49	1m-1y
Abdomen	Cutting pain around naval < after eating, > passing stool	8	4-6y	05	05	15d
	Flatulence & heaviness of abdomen with acidity < eating	9	2m	04	02	15d
Stool	Loose stool with flatulence	4	3-5d	05	04	2-4d
Urinary System	Offensive urine	1,4	10d-1y	81	75	7m-1y
Back	Pain in nape of neck radiating to left arm with numbness	1,4	2-3m	05	05	15-30d
	Backache, lumbo-sacral region with stiffness	1,4	7d-1y	25	12	7d-1m
	- < walking	1,4	7d-1y	05	04	7d-1m
	- < movement	1,4	7d-1y	03	02	7d-1m
	- < leaning	1,4	7d-1y	06	04	7d-1m
Extremities	Gouty pain in joints < movement	4	3m-3y	05	05	18d-1m
	Pain in heel < movement	4	10d-1y	101	101	6d-6m
	Pain & swelling in fingers & knee joints < moving	4,9	5-30d	31	19	3-24d
	Oedema in legs with pain	1,4	1-3y	03	03	15d

...in ankle joint with ...elling < walking	1,4	1-15d	03	03	30d
...atica, pain in rt. side < walking	1,4	3m-1y	02	02	15d
...verish feeling with chill	4	3-5d	03	02	7-21d

...g: Benzinum nitricum **Potency: 6, 30**

2	3	4	5	6	7
...ystagmus, rolling of eyeball in vertical axis	1	1-3y	02	01	1-2y
Sore throat	8	3d-2m	05	05	1-9d
Stomatitis-chronic, repeated	8	2-5y	04	02	10-35d

...drug: Blatta orientalis **Potency: Q, 6, 30, 200, 1M**

2	3	4	5	6	7
Coryza with thin nasal discharge, sneezing, coughing < morning	8	4-11d	27	26	8-22d
Pain in throat while coughing	1.4	5-15y	02	02	15d
Dyspnoea	1.4	3m-15y	22	20	15-45d
- with increased sweat	1.4	3m-15y	01	01	15-45d
- with congestion	1.4	3m-15y	05	05	15-45d
- with cough & rattling	1.4	3m-15y	17	15	15-45d
- <change of weather	1.4	3m-15y	03	03	15-45d
- < walking	1.4	3m-15y	12	10	15-45d
- < exertion	1.4	3m-15y	06	05	15-45d
- < eating sour things, evening	1.4	3m-15y	01	01	15-45d
- < moving	1.4	3m-15y	04	03	15-45d
- > sitting with bent forward	1.4	3m-15y	07	06	15-45d
- > winter, cold	1.4	3m-15y	09	08	15-45d
- > lying, rest	1.4	3m-15y	04	04	15-45d
Asthma with bronchitis & severe cough with dyspnoea, profuse pus like expectoration	8	2-3y	74	69	1-42d

Cough	Cough with thick whitish expectoration	4,9	3d-1y	51	37	3-56d
	Dry cough < morning	9	3-20d	08	08	3-15d
	Cough with rattling of mucus	1,4	2m-15y	82	76	15d-1m
	- expectoration difficult,	4	2m-15y	05	04	15d-1m
	- with white sputum	1,4	2m-15y	16	13	15d-1m
	- with mucoid sputum	1,4	2m-15y	08	06	15d-1m
	- < morning, change of season, sour things	1,4	2m-15y	02	01	15d-1m
	- < night	1,4	2m-15y	04	03	15d-1m
	- < cold	1,4	2m-15y	05	04	15d-1m
	Cough with dyspnoea in stout and corpulent patient	4	1-3y	14	14	3m-1y
Chest	Chest pain with increased dyspnoea	1,4	5-15y	06	06	1-1 1/2m

Name of drug: Boerhaavia diffusa **Potency: Q, 6, 30, 200**

1	2	3	4	5	6	7
Head	Bursting headache at vertex < pressure	4,8	4-20d	27	26	3-42d
	Migraine right sided, tearing pain < cold	7	2-3m	14	14	15d-3m
Abdomen	Pain in right hypochondrium < touch, pressure	7	1-2m	09	09	7d-1m
	Jaundice	7	10d-2m	09	09	7d-1y
Urinary System	Burning in urethra while passing urine	9	7y	05	03	21d
Genitalia Female	Menses irregular, very small quantity, painful for 4-5days with pain in legs < by movement with profuse urine	8	3m-2y	06	05	3-40d
Respiratory System	Dyspnoea with dry cough < exertion, winter, lying, walking > sitting	4	2y	01	01	15d
Cough	Cough with white scanty expectoration < night	7,8	4d-3m	15	15	15d-3m
Chest	Palpitation with dyspnoea	4	1-4m	12	07	7-21d

Backache – lumbo sacral region	4	6m-1y	06	05	1-2m
Sleeplessness	9	1-6m	04	03	7-28d
Dropsical swelling on whole body	4,7,10	15d-6m	45	43	20-32d
Bodyache	7	1-3m	50	50	7d-3m

…Caesalpaenia bonducella **Potency: Q, 6, 30, 200**

2	3	4	5	6	7
Headache with vertigo & general weakness	8	6d-2m	04	03	6-31d
Anorexia	4	2m	05	04	7d
Thirst during fever	7	7-15d	36	33	5d-1m
Liver enlarged with pain < pressure	8	15d-1m	02	02	6-48d
Diarrhoea with loose stool watery & increased thirst	8	1-5d	06	03	1-3d
Fever with intense headache and bodyache	4,7,9	1-10d	53	48	2-10d
- with profuse thirst	4,7,9	2-4d	09	07	2-5d
- < afternoon	4,7,9	2-6d	05	05	3-5d
- < night	4,7,9	4d	06	04	3
- with coryza	4,7,9	3-7d	06	06	2-6d
- with constipation	4,7,9	2-10d	13	12	2-10d
- weakness after fever	4,7,9	3-10d	07	06	3-16d
- (with dry cough)		2-5d	06	06	3-6d
- with pain in right side of abdomen	4,7,9	15d-2m	03	03	3-7d
- with restlessness	4,7,9	15d-2m	04	04	7d
- with chill between 8 to 10 a.m. and 2-4p.m.	7,8	6d-4 1/2m	40	37	6d
Fever, irregular	7	7-15d	29	26	5d-1m
Skin, eruptions like mosquito bites	8	15d-2m	11	08	10-30d
Extreme prostration after fever, wants to lie down	7	7d-2m	14	14	5d-1m

Name of drug: Calotropis gigantea **Potency: Q, 6, 30,**

1	2	3	4	5	6	7
Mind	Giddiness with nausea & vomiting	4	1y	08	07	15d-2m
Head	Headache-bursting & heaviness	4	3m-3y	07	04	15-30d
	Pain radiating to temple & left eye	4	3m-3y	07	04	15-30d
	- < noise, tension, with restlessness	4	3m-3y	02	01	15-30d
	- >pressure	4	3m-3y	03	02	15-30d
	- < morning waking after	4	3m-3y	02	01	15-30d
Face	Dryness of lips & throat	1	3-7d	03	03	3-15d
	Pimples over face with itching	8	1m-2y	04	02	8-31d
Stomach	Heat in stomach > cold drinks	8	2m	02	02	24d
Abdomen	Pain in abdomen with diarrhoea	8	2-4d	08	05	2-4d
	< eating	4	6m-3y	05	05	1-2m
Respiratory System	Breathlessness with wheezing	4	1 1/2m-10y	04	04	15d-1m
	< standing, exertion, walking, night, > open air					
Extremities	Pain in legs with swelling	4	1y	02	01	15d
	Pain in joints with swelling	4	1-10y	02	02	15d
	Pain in knee joints with with cracking & swelling < walking	4	6m	02	02	15d
	Pain in right knee joint < rising from sitting position	4	1m-1y	02	02	15d
	Restlessness in legs < pressure	9	2m	02	01	7d
	Elephantiasis of lower limbs & scrotum	4	1-3y	14	12	4m-1y
	Cracks on soles	8.9	3-10d	02	02	3-30d
Fever	Fever with heat in stomach	4	6m-1y	09	09	1-2m
Skin	Dryness of skin & roughness	8	10d-2y	05	05	8-30d
	- < by washing & heat	8	2-3y	07	05	1-45d
	Ringworm	9	1-6m	05	05	3-30d
	Leprosy	4	6m-2y	02	02	6m-1y

Name of drug: Cannabis indica **Potency: 6,30, 200**

1	2	3	4	5	6	7
Mind	Great apprehension of approaching death	3	1m	02	02	20d
Vertigo	Vertigo on rising	1	7-15d	05	05	3-15d
Eyes	Burning in both eyes	5	7d-2m	10	09	3-31d
Respiratory System	Difficulty in breathing	4	7-25d	10	08	7-15d
Extremities	Sharp pain in knee < slight movement	4	10d-2y	06	06	12d-2m
	Excessive weariness in limbs and exhaustion after short walk	5	2m-2y	12	11	4-28d

Name of drug: Cannabis sativa **Potency: 6, 30, 200**

1	2	3	4	5	6	7
Eye	Opacity of cornea	4	6m-1y	03	02	6m-1y
Rectum	Constipation & hard stools	1,4	10d-1y	21	21	3-29d
Urethra	Uretheritis	4	15d-3m	24	21	15d-1m
	Stitching pain in urethra	4	15d-3m	24	21	15d-1m
Genitalia Female	Amenorrhoea	4	2-3m	02	02	4-40d
Larynx	Stammering	4	1-3m	04	04	3-10d
Respiratory System	Breathing with rattling in chest wants to take deep breath	4	1-9m	03	03	2-31d
	Dyspnoea < lying down, > standing	4	2-4y	05	05	3-55d
Extremities	Pain in knee joints < going upstairs	1,4	1-3m	29	25	3-15d
	Contraction of hands & soles with tingling sensation < morning & evening	4	1-5y	08	08	4-29d

Name of drug: Carica papaya **Potency: Q, 6, 30, 200**

1	2	3	4	5	6	7
Mouth	Bitter taste in mouth	4,7	1-2w	04	04	15d
	Tongue coated	7	1-3m	209	198	1-3m
Stomach	Nausea and vomiting < after eating	4,7,9	1w -1m	13	12	7-44d
Abdomen	Flatulence with heaviness in abdomen	8	7-20d	02	01	3-7d
	Pain in right hypochondrium, heaviness and dull pain in epigastrium	4,7	1-2w	05	05	7-15d
	Jaundice	4,7	1-2w	08	08	7-15d
	Distension of abdomen	7	1-6m	445	429	1-3m
Rectum	Constipation with stool dry hard	8,9	10d-3y	275	259	3d-6m
Genitalia Female	Nausea and vomiting during menses	8	1-2y	02	01	6-29d

Name of Drug: Cassia fistula **Potency: Q,6,30,200**

1	2	3	4	5	6	7
Stomach	Loss of appetite with heaviness abdomen	8	5d-1m	10	08	2-22d
Abdomen	Pain in abdomen < deep inspiration, > stool after and pressure	8	10-20d	09	08	3-12d
Rectum	Constipation with dry hard stool. like sheep dung. after 2-3 days	8	2d-1y	09	09	3-30d
	Constipation with ineffectual desire for stool	8	7d-1m	06	05	3-12d
Respiratory System	Dyspnoea with suffocative feeling has to take deep breath	8	1-10d	13	11	15d-1m
	- with cough	8	3m-10y	10	08	15d-1m
	- with wheezing	8	3m-10y	07	07	15d-1m
	- with rattling mucous	8	3m-10y	04	04	15d-1m
Cough	Cough with congestion in chest	8	1m-4y	03	02	7-15d
	Cough with vomiting	8	1m-4y	02	02	7-15d

	...pain on coughing	8	1m-4y	04	03	15d
	...in nape of neck	8	3m	02	02	15d
	...ness & soreness in back	8	2-6d	04	03	3-6d
	...in knee < movement	8	7d-3m	13	08	10-22d
	...ver with soreness of whole body	8	2-5d	04	03	2-4d

...: Cephalandra indica **Potency: Q,6,30,200**

	2	3	4	5	6	7
	Dryness of mouth with thirst	4	7d-4y	07	07	3d-1y
	Flatulence with distension of abdomen	7	1-6m	04	04	3-5d
	Frequent and profuse urination followed by weakness < night	4.7	10d-3m	10	08	7d-1y
	Backache with pain in heel < movement	4.9	1-2y	10	08	7038d
	General weakness	8	4-10m	03	02	10-21d
	Burning sensation in whole body > cold application	9	1-2y	03	01	7-28d
	Weakness after stool	7	3-4y	02	02	9m-1y
		7	4-15d	02	02	4-20d

...: Cuprum aceticum **Potency: 3X, 6X, 30, 200**

	2	3	4	5	6	7
	Dull in forehead	4	4-5y	01	01	3m
	Pain in abdomen with tenesmus < before and after stool > after passing stool	8	2-4m	03	01	2-29d
	Cough < morning with thick white expectoration, causes pain in chest	8	2d-8m	09	07	4-40d
		1.4	10d	02	01	7-28d
	Cracks in fingers and feet in winters	4	1m-2y	01	01	3w

Fever	Fever with chill	8	2d	01	01	1d
Skin	Psoriasis with itching	1,4,9	3m-6y	33	27	20d-1y
	Eruptions psoriatic -reddish with thickening elevated skin, whitish scale itching & night	4	1-12y	04	03	30d
	Eruptions with dryness of skin < summer and bleeding on scratching	4	1-12y	02	01	30d

Name of Drug: Cynodon dactylon **Potency: Q, 6, 30, 200**

1	2	3	4	5	6	7
Nose	Bleeding from nose with itching < summer, heat of sun	7	2m-4y	40	35	2w-6m
Stomach	Anorexia	4,8	7-8d	01	01	15d
Abdomen	Flatulence with heaviness in abdomen	8,5	7d-6m	54	47	6-10d
	< eating	9	2m-3y	09	09	2w-3m
	Griping pain < morning, > passing stool	7,5	7d-3m 102	88	15d-4m	15d-4m
	- < before stool	5	7d-3m	51	44	3-10d
Rectum	Constipation with dry hard stool	8	7-12d	12	11	3-18d
	Bleeding piles with bright red blood	7	3d-2m	14	12	3-4m
	- < during stool and after stool	4,7,8	3w-4y	42	38	2-3w
	Dysentery stool mixed with mucus	9	2-3m	03	03	5-50d
	Bleeding from rectum when constipated	8	6m-3y	06	06	2-7d
Stool	Frequent loose stool	7,8,9	2-10d	21	16	2-5d
	- mixed with mucous	7,8,9	2-6d	08	07	3-4d
	- mixed with blood	7,8,9	3-6d	09	07	3-6d
	- with griping pain in abdomen around navel	7,8,9	2-10d	20	17	15d
	Stool hard with blood	4.8	3m-1y	04	04	15d-4m
	Stool loose watery, yellowish offensive	6	7d-6m	51	44	

Genitalia Female	Menorrhagia with profuse bright red blood	7	4d-4m	10	07	2-8d
Urinary System	Retention of urine with burning	8	2-7d	09	08	2-4d
Cough	Dry spasmodic cough < at night, morning	8	3-10d	11	07	2-31d
Skin	Papular reddish eruptions with itching	7	10-20d	03	01	3-10d
	Scabies with itching	8	7d-1m	08	06	3-26d
	Bleeding from different parts of body	7	6m-4y	37	33	1-9m
	- from injury	7	1-2d	03	03	1d
Fever	Fever with thirstless and dryness of mouth	8	3-6d	07	07	4-10d

Name of Drug: Damiana **Potency: 3x, 6, 30, 200**

1	2	3	4	5	6	7
Head	Dull headache, hammering < after night emission	9	6m	11	05	7-42d
	- with acidity	9	6-10d	02	01	3-7d
	- < evening	8	3-9m	02	02	6-30d
Stomach	Thirstless	1	6m	05	04	7-42d
Genitalia Male	Enlargement of prostate with dribbling of the urine and burning sensation	8	2-4y	04	02	3-29d
	Chronic prostatic discharge	4	1m-2y	18	15	209m
Genitalia Female	Establishment of normal menstrual flow in young girls	4	6m-1y	02	02	3-5m
	Leucorrhoea	4	6m-1y	02	02	2-3m
Generalities	General weakness	9	2-6m	08	04	7-42d

Name of Drug: Embelia ribes **Potency: Q,6,30,200**

1	2	3	4	5	6	7
Nose	Pricking and itching sensation in nostrils	5	1-6m	164	157	1-3m
Mouth	Profuse salivation	9	10d-2m	07	07	3-20d
	< at night	4.7	6m	36	15	15d

Stomach	Desire for sweets	9	7-45d	09	09	7-15d
	Anorexia with no inclination to eat food	4,7	6m-1y	45	17	7-28d
	Nauseating tendency with fever < at night & evening due to worms	7	7-10d	17	17	7-10d
Abdomen	Griping/cutting pain in abdomen around navel < after eating & by pressure, > passing flatus	7,9	1m-1y	190	148	7-96d
	Distension with flatulence > passing flatus	1,7,9	1-6m	129	116	1-3m
Rectum	Constipation with irregular dry > hard stool	8	10d-10m	15	10	6-20d
	Urge for stool after taking meal	8	6m-1y	04	04	3-28d
Stool	Undigested food particles in stool	7	10d-2m	74	70	10d-3m
	Loose stools 3-4 times in a day, worms passing in stool with mucus < after eating	7,9	5d-6m	302	259	7d-3m
Sleep	Shrieks during sleep	7	1-3m	17	17	1-3m

Name of Drug: Ephedra vulgaris — **Potency: Q, 6, 30**

1	2	3	4	5	6	7
Head	Headache - left side	4	1m-3y	03	03	6m-1y
Eyes	Exophthalmia with stiffness of neck	4	1-3y	02	02	6m-1y
	Darkness before eyes	1,4	2y	04	01	15d
Throat	Pain in throat on swallowing	1,4	15d-2y	05	02	15d
Respiratory System	Dyspnoea with suffocation, with tightness feeling in chest heaviness in left side of chest, tachycardia, restlessness.	1	1y	01	01	30d
Extremities	Oedema of ankles with numbness	4	1m-1y	03	03	4-29d
Generalities	Anaemia with vertigo with tendency to fall down	4	1-6m	02	02	4-29d

Name of Drug: Fagopyrum esculentum — **Potency: 6, 30, 200**

1	2	3	4	5	6	7
Head	Headache-bursting with bending head backward & walking in open air	1,4	3-45d	09	07	7-10d
Eyes	Soreness and itching of eyes, inflammation, redness, swelling	4	3d-6m	156	150	7d-1m
Nose	Coryza with profuse nasal discharge and sneezing with pain in nose, headache, fever	1,4,13	3d-1y	135	131	3d-1m
	Soreness, rawness and crust formation in right nostril with offensive smell from nose on waking from sleep blockage of nose at night	4,9	6d	03	01	7d
Throat	Tonsils swollen with pain and fever	4	6-15d	05	02	6-9d
	Uvula elongated, swollen	4,13	4-15d	07	07	7-14d
	Soreness in throat	4	3-7d	08	08	3-7d
	- with dry cough	4	3d	01	01	3d
	Excoriated feeling in throat with swelling of tonsils	4	7d-1y	89	84	7d-1m
Genitalia Female	Pruritus vulvae with white, yellowish leucorrhoea, offensive	1,4	7d-2m	48	39	9-18d
	Leucorrhoea - thick whitish yellowish with backache, itching & cracks in vagina < applying water	1,4,9	3-7m	07	07	5-15d
	Menses profuse, early	4	6m-2.5y	03	03	3-39d
Back	Stiffness of neck	4	7-14d	03	03	9-12d
Extremities	Itching in arms & legs < evening	1	15d-6m	47	42	1-9m
Skin	Lichen planus, dry scaly eruptions with cracks, bleeding,	1	15d-6m	47	42	1-9m
	itching < night,sweating sun heat	4	5-13m	04	03	2m
	Itching without eruptions	1	15d-6m	23	23	1-9m

Name of Drug: Ferrum picricum **Potency: 6, 30, 200**

1	2	3	4	5	6	7
Vertigo	Vertigo with general weakness and giddiness, imbalance	4	1-10m	04	03	15d-1m
Ear	Otorrhoea - pus like discharge with itching	4	1m	01	01	1m
	Earache.	4	1d-1m	04	02	15d
	Hardness of hearing with humming in ears	4	6m-3y	43	38	1-9m
Larynx	Hoarseness of voice	4	2d-6m	06	06	1-11d
Abdomen	Indigestion with headache < after meals, tongue furred	4	2m-2y	02	02	10-40d
Rectum	Full feeling and pressure in rectum	4	6m-1y	29	25	1-9m
Urinary System	Frequent urine with albumin	4	20d-6m	05	05	6-34d
	Enlarged prostate gland with scanty, frequent urination	4	1m-3y	08	07	20-25d
	Full feeling and pressure in rectum, smarting at neck of bladder & penis	4	6m-1y	29	25	1-9m
Skin	Warts - sago like, multiple	1,4	2m-1y	11	06	7d-1m
Generalities	Feeling of weakness	1	2-20d	08	08	3-18d
	- with anaemia	1	7-20d	03	03	6-18d
	- following change of climate	1	2-10d	05	05	3-6d

Name of Drug: Gallicum acidum **Potency: 6, 30**

1	2	3	4	5	6	7
Head	Pain in head at back of neck	4	3-20s	13	12	3-20d
Mouth	Swelling of parotid glands, bilateral	4	2m	01	01	7d
Nose	Coryza, thick, sticky, yellow discharge	4	10d-1m	06	06	3-20d
Stomach	Loss of appetite	1,4	3-30d	27	23	3-20d
	Sour eructations	4	6-7m	02	02	2-7d

ctum	- unsatisfactory, 2-3 loose stools	4	1m-3y	04	03	7-14d
thra	Burning in urethera while passing urine, scanty, interrupted flow, drop by drop	4,9	6m	04	03	7-14d
ine	Urine pale frequent	4	20-30d	10	09	10-20d
ugh	Cough-dry, spasmodic with scanty expectoration, white yellow, with blood, with dyspnoea < day, night, > expectoration	4	3-6m	14	14	7-15d
	Cough < morning, night	4	3m-6y	02	02	7-15d
	Cough with dyspnoea	4	20d-5m	04	04	15d-1m
pectoration	Much expectoration in the morning > day, at night	4	6m-1y	02	02	4-9m
est	Pain in the upper part of chest on coughing	4	30d	01	01	7d
	- pain right side of chest < coughing, exertion	4	30d	13	13	7-15d
	Pain in chest < by cold, morning, evening with loss of appetite	4	1m-2y	03	02	10-32d
ver	Feverish feeling with chill, giddiness, restlessness and bodyache < evening	4	5m-1y	09	07	7-15D
spiration	Increased sweating at night	4	5m-1y	02	01	15d
kin	Urticaria < morning, > warmth	4	2m	12	06	10d
eralities	Weakness	4	5m-1y	06	05	7-15d
	Bodyache with general weakness	4.	3-6m	01	01	7-15d

ame of Drug: Glycirrhiza glabra **Potency: Q, 6, 30, 200**

1	2	3	4	5	6	7
ose	Coryza with thin nasal discharge	8	3-4d	54	18	3-30d
	- with hoarseness of voice	8	4d	01	01	3d
	- < cold drink, open air, > warmth	8	2-3d	01	01	9d
	Sneezing < morning	8	2m-2y	29	07	7-28d
	Tonsillitis with fever, bodyache < cold drinks	8	2-12d	05	05	15-30d

Rectum	Constipation, stool dry, hard	8	2m	02	01	7-15d
Cough	Cough dry at night	8	3-20d	41	08	7d-1m
Fever	Feverish feeling at night with chill	9	2-5d	16	04	7-10d

Name of Drug: Gymnema sylvestre **Potency: Q, 6, 30**

1	2	3	4	5	6	7
Stomach	Great thirst for cold water	4	7-30d	16	16	7-15d
Bladder	Burning micturition	8	1-2y	06	06	5-31d
Back	Backache with numbness	8	20d-1 1/2y	02	02	3-45d
Genitalia Female	Eruptions with itching	4.9	10-30d	07	07	3-15d
	Leucorrhoea with backache	8	8m-3y	01	01	14-45d
Extremities	Joint pains < change of weather, winter, rest and > exertion	4.7	2y	01	01	15d
	Leg pain with cramps & numbness (Diabetes mellitus)	4.7	2m	01	01	15d
Generalities	Weakness and exhaustion after urination	7	6m-3y	05	05	3m-1y

Name of Drug: Hecla lava **Potency: 6, 30, 200**

1	2	3	4	5	6	7
Face	Facial neuralgia from caries of teeth	4	15d-2m	19	17	15d-3m
Mouth	Pyrrohoea	4	1-3m	04	04	7-20d
	Gum spongy and abscess	4	1-3y	67	64	1-2m
	Offensive breath	4.8	1-3m	23	17	15d-2m
Genitalia Female	White leucorrhoeal discharge < after menses	8	6m	02	01	7d-2m
Neck	Cervical gland enlarged	4	15d-1y	43	39	12d-1y
Extremities	Exostosis of bone	4	2m-3y	10	10	9d-1y
	Nodosities	4	3m-1y	02	02	20-30d
	Necrosis of bone	4	1-2y	04	03	1m-1y

Name of Drug: Holarrhena antidysenterica **Potency: 6, 30, 200**

1	2	3	4	5	6	7
Abdomen	Flatulence with heaviness in abdomen	8	7d-6m	13	12	6d-1m
Rectum	Stool scanty unsatisfactory loose, constipated several times < after meals (Hookworm +ve in stool)	8	7d-2y	11	09	3-10d
Fever	Fever followed by weakness and increased thirst	8	2d	01	01	2d

Name of Drug: Hydrocotyle asiatica **Potency: Q,6,30,200**

1	2	3	4	5	6	7
Mind	Inclination for solitude and indifference	7	7-10d	03	03	4-7d
Head	Headache, heaviness (frontal)	4.7	1y	03	02	15d
Ear	Otorrhoea, right ear with offensive pus like discharge	8	1.5y	01	01	15d
Stomach	Anorexia	7	7d-6m	20	13	7d-1m
Rectum	Ineffectual desire for stool	4	1-9m	10	06	2-25d
Respiratory System	Dyspnoea < exertion, walking, ascending, movement, change of weather, rainy season	8	3-4y	02	02	7-15d
Back	Backache lumbar region < movement	7	2y	03	03	8-25d
Genitalia Female	Pruritus vulvae	4	1-6m	77	73	1-6m
Extremities	Pale patch on hands, face, legs arms, chest without itching	4.7.8	1m-4y	05	03	15d-1m
	Swelling of feet and ankles with pain, tenderness < movement	4	15d-1y	04	03	5030d
	Eczema over thighs, hips, legs scrotum with itching and scratching followed by watery discharge, < summer, change of weather	4	1m-6y	04	02	7-49d

	Vesicular eruptions over fingers with pain and itching	1	8d-2y	12	06	7d-35d
	Deformed brittle nails of fingers	9	6m-12y	08	01	7d-1m
	Pain in left shoulder < winter	4	3d-6y	07	06	6-37d
Skin	Eruptions with hyperpigmentation	4.7.8	3-40	14	07	15d-1m
	- with oozing and bleeding on scratching	4.7.8	3-40	10	04	15d-1m
	- with removal of skin	4.7.8	3-40	10	04	15d-1m
	- with dryness of skin & cracks	4.7.8	3-40	10	04	15d-1m
	- with itching < night, winter	4.7.8	3-40	10	07	15d-1m
	- with bleeding on scratching	4.7.8	3-40	02	01	15d-1m
	- with burning after scratching	4.7.8	3-40	02	01	15d-1m
	Urticarial eruptions with itching on arms and thighs > after bathing in morning, daytime, < evening, and scratching	4.7.8	1d-4y	05	05	15d
	- < heat, > cold	7.9	1m-2y	04	03	7-15d
Generalities	Feeling of extreme weakness and disinclination to do work	8	3d-1m	09	09	4-15d

Name of Drug : Hygrophilia spinosa **Potency: 6, 30, 200**

1	2	3	4	5	6	7
Rectum	Constipation, dry hard	4	2-18d	18	08	5-31d
Urinary System	Colicky pain due to renal calculus	7	2m01y	07	07	10d-9m
	Frequent desire to pass urine with burning	7	15d-1y	15	14	1-9m
Genitalia Female	Leucorrhoea thin, watery	4.7	2m-3y	06	03	15d
Fever	Fever with chill < morning	4	3-15d	12	10	3-20d
Skin	Urticaria with itching with fever, restlessness	7.9	3d-6m	25	18	3-20d
	< heat, > cold application	4.7.9	3d-8y	184	126	3d-6m
	Prickly heat with small red pimples < heat, > cold application	7	5-15d	17	17	7d-1m
	Eruptions small red with burning after scratching with itching < heat, sweating, night, evening, summer, > scratching	4	2d-2m	09	09	7-15d

Name of Drug: Iris tenax **Potency: 6, 30, 200**

1	2	3	4	5	6	7
Eyes	Itching in both eyes with aching in temporal region	1	3-7d	05	05	3-7d
Mouth	Dryness of mouth	4	3-30d	06	06	3-15d
	Stomatitis, dry mouth, burning hot < cold air	1	5d-3m	65	63	7d-3m
Rectum	Pain in ilio-caecel region - with constipation	4	7-20d 128 119	3-9m	08	5-10d
Fever	Fever with chill	8	1-4d	15		

Name of Drug: Jaborandi **Potency: 6, 30, 200**

1	2	3	4	5	6	7
Head	Headache, aching and bursting of whole head with heaviness in eyes, weakness in eyes < reading, exertion, daytime	3.4	1-2m	15	12	15d
	Alopecia (bald spot on scalp)	4.9	20d-4m	62	60	10d-1y
	Dandruff with dryness of skin with itching (itching < night)	4.9	8-9y	38	19	10d-2m
	Falling of hair (< bathing, rubbing and combing, washing of hair)	2.4.9	10d-5y	255	202	15d-2m
	Premature grey hair	9	20d-5y	195	172	20-30d
	Profuse sweating on head, whole body, palms and soles < summer	4	1-6y	05	02	7d
Vertigo	Vertigo with darkness after exertion, using eyes	3	4y	03	01	7-42d
Eyes	Vision impaired with twitching of muscles	4	1-6m	08	04	3-31d
	Bad effects of eye strain	4	2-4m	97	97	15d-3m
	Dim vision	4	3m-1y	49	46	1m-1y
	Lachrymation	4	2-4m	58	58	1m-1y
	White spots before eyes	1	3m-1y	37	33	1m-1y
Face	Pimples on face with itching, with perspiration	1.4.9	2d-1y	86	78	2-4d
	Parotitis (with pain)	4	7d-6m	13	11	3-28d

Genitalia Male	Eruption over male genitals	9	20d-3m	03	03	15-22d
Chest	Palpitation with mild dyspnoea (< exertion)	4	2m	02	02	15d
	Dyspnoea with deep respiration. sweating < night. day	4	1-6m	02	02	3-47d
Perspiration	Profuse sweating	1.2.4	7d-6m	19	17	3-28d
Generalities	Hyperidrosis	4	3m-3y	117	110	3m-1y

Name of Drug : Jacaranda caroba **Potency: 6, 30**

1	2	3	4	5	6	7
Nose	Fluent coryza	4	3-7d	14	10	3-7d
Urethra	Burning during urination with whitish discharge	4	15d	02	02	1w
Genitalia Male	Prepuce swollen with painful phimosis	4	6d-3y	06	06	7d-1y
Back	Rheumatic pain in back & neck muscles with stiffness < movement, > hot fomentation	4	3d-2y	02	02	3-20d
Cough	Dry cough < night	4	7-15d	06	06	7-15d
Extremities	Gonorrhoeal arthritis	4	6m-3y	04	02	3m-1y

Name of Drug : Jalapa **Potency : 6, 30**

1	2	3	4	5	6	7
Mind	Cries all day and night with restlessness	4.9	2-20d	08	06	2-7d
	Child is good all day but screams and is restless all night	4	15d-3m	39	39	7-15d
Nose	Coryza of infants	1	2-5d	06	06	3-5d
Stomach	Loss of appetite	4	3-30d	44	40	3-15d
	Vomiting, while taking anything	4	10-45d	01	01	3-7d
	- curd like < milk feeding	9	2d	01	01	2-5d
Abdomen	Flatulence with distension of abdomen	4	3-90d	76	72	3-25d
	Pain in abdomen umbilical region	4	2-15d	03	02	2-7d
	- with vomiting	8	2-3d	07	07	2d

…um	Diarrhoea with watery stools. pale. greenish. offensive < during dentition. frequent profuse < after eating. drinking milk	4	10-45d	19	12	3-7d
	- swith gurgling sound	4	15d-3m	74	73	2-3d
…ol	Loose stool with mucus. frequent. watery yellowish	1.2.4	2-4d	06	04	3-10d
…k	Backache	8	5d-2y	09	04	7-29d
…emities	Pain in legs and arms < night	8	7d-2y	02	02	6-33d
…est	Pain in chest with coughing < night. morning	8	2-7d	04	04	6-21d
…eralities	Restlessness after stool	1	2-10d	08	08	3-15d

…me of Drug : Juglans regia **Potency: 6,30,200**

	2	3	4	5	6	7
…ind	Sensation as if head is floating in air	4	15d-1m	02	02	1-31d
…ead	Occipital headache < evening. > in open air	4	1-6m	183	183	2-10d
	Headache < after dinner & evening	1	3-20d	04	04	3-10d
…yes	Stye (painful). swelling of eyes. redness & recurrent	4	2-7d	111	109	3-10d
	- on right lower eyelid	9	7d-6y	14	03	5-21d
…ace	Pimples on face	1.2.4.9	7d-6m	45	40	3-35d
	- with itching	1.2.4.9	7d-2m	233	215	3-35d
	- without itching	1.2.4.9	10d-2m	10	09	3-35d
	Acne on face. forehead. painful with itching	4	1-10w	16	13	15-30d
	- oozing pus like discharge	4.1.9	1-10w	136	58	15-30d
	- painful on touch	4.1.9	1-10d	07	07	15-30d
	- dark pigmentation after healing	4.1.9	1y	12	04	15-30d
	- with oily face	4.1.9	2-5m	55	24	15-30d
	Blackheads	4	1m-2y	16	07	7-40d
	Pustular eruptions behind ear with sticky discharge	4	1-6m	113	106	1m-1y

Stomach	Thirst increased	9	3-6m	04	02	7-21d
Abdomen	Flatulence with heaviness in abdomen	1	1y	06	04	7-15d
Rectum	Obstinate constipation, hard stool	4	3-12d	35	21	3-30d
	Bleeding piles	4	7-30d	02	02	3-15d
Skin	Small papular red eruptions with itching < night, change of clothes	1	1-6m	205	198	1m-1y
	Vesicles on upper part of chest with itching < night	9	1-6m	205	198	1m-1y
	Itching < night	4	1-6m	205	198	1m-1y
	Axillary gland painful, indurated, suppurated	4	1-6m	103	96	1m-1y

Name of Drug : Kali muriaticum

Potencies: 6x,12x, 6,30,200

1	2	3	4	5	6	7
Head	Dull aching frontal headache	9	6m-2y	61	35	2-6w
	Itching of scalp due to dandruff	4	3m-1y	111	98	1-6m
Ear	Otorrhoea with thick whitish, offensive discharge	1,4,8,9	3d-3y	67	49	2d-8w
	- with pain	4	2d-3y	332	310	3-9d
	- right ear	4,8	1.5m-7y	03	03	7d
	- left ear with pain & itching	4,8	4m-1y	06	06	15-30d
	Chronic catarrhal condition of middle ear with discharge	4	3m-3y	319	298	1-6m
Hearing	Deafness	1	3m-3y	319	298	1-6m
Nose	Coryza with white thick nasal discharge	8	3-15d	123	82	3-10d
	- thin watery nasal discharge	4,8,7	4m-1y	406	371	15d-1m
	- yellow nasal discharge	4	4m-1y	215	205	15d-1m
	- sneezing frequent with irritation	4,8,9	4m-1y	57	36	15d-1m
	- blockage of nose < night	4,8	1-5y	23	7	15d
	- with post nasal dripping	4,8	1-5y	02	02	1m
	- with headache and pain in ear	4,8	8y	02	02	15d
Face	Acne	4	6d-2y	16	08	2-24d

Mouth	Stomatitis with whitish patches inside the mouth	8	4d-1m	30	22	3-12d
	White coated tongue	4,9	15d-4m	38	27	8d-8w
Throat	Pain in throat following tonsillitis, < swallowing	8	3-10d	06	06	2-10d
	Sore throat < cold, > hot	4	2m-2y	43	22	1-3w
	Tonsils enlarged painful, right, extends to right ear,	6	10d-1y	193	182	1-6m
	- difficulty in swallowing	6	10d-1y	193	182	1-6m
Stomach	Indigestion with nausea & vomiting < fatty food	4	10d-1y	02	02	3-20d
Rectum	Constipation with dry hard stool, with flatulence & heartburn	8	7d-1m	31	27	6-20d
Stool	Stool loose, watery, semisolid	4	3w-2m	37	22	2-3w
Genitalia Female	Leucorrhoea, white, thick, bland discharge	8	10d-1m	05	05	6-20d
Respiratory System	Dyspnoea with cough < night, cold, sweat, rainy season, exertion	4,8	5m-6y	04	04	15d
Cough	Dry cough < night	8	4-10d	03	03	6-11d
	Cough with thick white expectoration	4,8,9	10d-3m	31	28	3-20d
	- with hoarseness	4,8,9	10d	01	01	6d
	Chronic cough with coryza	4	4m-9y	17	17	15d-1m
	Cough with rattling (< night, summer)	4,8	1m-6y	18	18	7-15d
	Cough (< morning)	4,8	1m-6y	07	07	7-15d
	Short cough with dyspnoea < night, sputum white, scanty	4,8	1y	03	03	15d
	Cough with vomiting, white mucoid vomitus	4,8	10m-2y	10	10	15d
	Cough < night	9	3m-2y	186	127	2-4w
	- with thick white expectoration	9	3m-2y	252	224	2-4w
Chest	Ratling of chest	4	4m	24	19	15d-4w
	Pain in chest & abdomen on coughing	4,8,9	6y	36	23	15d-6w
Extremities	Pain in knee with swelling	4	10d-6m	52	43	6-10w
	- < movement	4	15d-3m	05	05	10-20d

	- with exudation	4	10d-6m	20	20	6-30d
	- with numbness of extremities	8	3-6m	41	38	1-6m
Fever	Fever with cough < night, bodyahce, feeling of heat	8	3w-2m	05	05	7d

Name of Drug : Lac caninum

Potencies: 6, 30, 200

1	2	3	4	5	6	7
Head	Vertigo < on standing,	4	8-10m	18	05	7-35d
	< movement of neck,	4	6-15d	02	02	2-29d
	< lying down	4	10-15d	03	03	6-10d
	Headache on alternate side	4	5-15d	14	13	3-10d
	Severe headache with vomiting	1.4	4m	01	01	15d
	Headache-forehead, heaviness with flatulence	4	2m-1y	12	06	7d-1m
	Heaviness of head with darkness before eyes with vertigo < morning, > lying down	2,4	7d-1y	04	02	7-10d
	Headache < sun, at noon	1	1m-2y	11	06	7-28d
	Dull headache	1,2	4-10d	11	09	3-10d
Nose	Coryza with stoppage of nose	1,2	4-10d	08	08	6-10d
	- on alternate side	1,2,4	7-30d	28	17	4-20d
Rectum	Constipation with scanty stool, hard	4	7d-2m	04	04	7-35d
Cough	Cough with yellowish expecto-ration < morning	4	1m-3y	17	11	7-35d
Chest	Violent palpitations	4	10d-6m	07	06	3-12d
Genitalia System	Breast painful and tender	4	4m-5y	07	04	27d
	Menses early profuse with great prostration	1,4,9	10-20d	30	13	8-10d
Back	Pain in nape of neck, stiffness < movement	1,2,8	7d-3m	36	37	3-30d
	Backache	4,8,9	15-45	140	69	7-20d
	Pain in lumbar region < motion, < night, rising from seat, > rest	1,4,9	1m-3y	37	14	15-45d

Extremities	Pain in leg < movement	1.4.9	10d-3m	48	31	6-24d
	- with numbness	1.4.9	15d-1m	04	04	9-18d
	Pain in knee joints < movement	2.4.9	10d-3m	124	79	3-22d
	Shifting pain in joints < exertion	1.2.4.9	20d-3m	102	96	3-30d
	Sciatica right side with numbness < movement	1.4	10d-3y	120	26	7-20d
	Pain in shoulder joints < movement	2.9	1-2m	44	26	7-20d
	Sciatica left side < walking	1.4	1m-2y	03	02	15d
	Numbness of legs and hands	1.4.9	3d-3y	115	86	7-45d
	Pain in joints < night	1.4.9	1-4m	47	22	7-40d
	Pain in heels < movement	4	2m-3y	07	03	7d-1m
	Pain in ankles < movement, > rest	1,2	2m	03	02	7-44d
Sleep	Sleeplessness	2	1m-1y	03	03	14-36d
Generalities	General weakness	4	15d-6m	05	01	5-15d
	Bodyache < night	9	1-3y	19	10	7d-1m

Name of Drug : Lapis alb

Potencies: 6,30,200

1	2	3	4	5	6	7
Head	Headache bursting pain < after meal	4	3m-2y	02	02	8-16d
	Headache occipital, pulsating, throbbing < 4-5 p.m.,open air > music	8	1m-1y	27	24	3m-1y
Stomach	Ravenous appetite	1,4	3m-3y	31	31	5d-1y
Abdomen	Flatulence with heaviness in abdomen > passing flatus	4.	1-5y	02	02	1-3m
	Chronic pain in abdomen, burning, stinging > after meal < empty stomach	4	15d-4y	15	11	5-27d
	Distension in abdomen with gurgling pain < after eating, pressure, > passing stool	4	6m-1y	53	50	3m-1y
Rectum	Stool unsatisfactory	4	1-5y	02	02	1-3m
	Constipation	4	3m-1y	03	02	4-24d

1	2	3	4	5	6	7
Chest	Pain in mammary region, burning and stinging pain	4	3-40d	27	22	7-30d
	Painless cystic swelling in right armpit and groin	4	1.5-10m	02	01	1.5m
Skin	Glandular enlargement	4	6m-3y	59	52	3m-1y

Name of Drug : Magnesia sulphuricum **Potencies: 6x, 6, 30, 200**

1	2	3	4	5	6	7
Vertigo	Vertigo/headache < evening	4	3-30d	08	08	5-15d
Head	Throbbing pain in whole body > pressure and after eating	8	3d-6m	33	29	3d-6m
Mouth	Water brash (with heart burn and acidity)	4,8	7d-1y	04	04	9-22d
Stomach	Biliary colic (with intermittent pain, nausea and vomiting < after eating)	4	3d-1m	06	05	3-24d
	Thirst excessive with frequent urging for urination	4	10d-6m	15	14	6d-6m
Back	Backache < in erect position > with support	4,8	3-6m	28	25	15-60d
Fever	Fever with chill < day time	1	3-24d	12	08	7-30d

Name of Drug : Mangifera indica **Potencies: 3, 6,30,200**

1	2	3	4	5	6	7
Larynx & Trachea	Pharyngitis	4	2-20d	36	29	3-17d
Extremities	Varicose veins	4	15d-3m	05	05	1-3m
Skin	Whitish spot with itching	4	15d-6m	07	05	3-26

Name of Drug : Mentha piperata **Potencies: Q,6,30,200**

1	2	3	4	5	6	7
Head	Headache - frontal, bursting and heaviness < evening	4,9	7d-2m	10	06	7-15d
Face	Small pimples on face with itching	8	15d-3m	08	08	2-40d

1	2	3	4	5	6	7
Nose	Coryza with thin nasal discharge with sneezing and irritation in nose	4,1	1m-1y	29	23	7days
	- < cold, night, winter	4	1m-1y	10	10	7 days
	- with redness of nostrils	4	1m-1y	02	02	7 days
Throat	Pain in throat < swallowing cold water & coughing	4	5-15d	125	116	5-10d
Larynx	Husky voice	4,9	5-45d	17	04	7-15d
	Hoarseness of voice with cough	1	15d-3m	34	33	15d-3m
Cough	Dry cough < from cold, spasmodic	4	3-10d	184	176	4-12d
	Cough with thick white expectoration	1,3,4	3-20d	18	15	3-12d
	Dry cough < night, lying	4,9	3d-1m	89	30	3-30d
	- < morning	4,9	3d-1m	03	03	3-30d
	- < evening, talking	4,9	3d-1m	05	05	3-30d
	- with watering of eyes	4,9	3d-1m	02	02	3-30d
	Cough with dyspnoea < cold air	4	1m-15y	09	08	7d-1m
	Dry cough with itching in throat	4	15d-6m	135	131	15d-3m
	Chest pain on coughing	4	1m	17	13	15-1m
Fever	Feverish feeling < evening	4	3d	13	08	7d

Name of Drug : Mygale lasiodora **Potencies: 6,30,200**

1	2	3	4	5	6	7
Head	Dull headache in frontal region	4	5-30d	22	18	3-7d
Mouth	Tongue, takes out with difficulty	8	1-6m	02	02	3-30d
Face	Spasmodic constriction of facial muscles < night	4	6m-2y	03	03	3m-1y

Name of Drug : Nyctanthes arbortristis **Potencies: 6,30,200**

1	2	3	4	5	6	7
Mouth	White coated tongue	8	10d-2m	31	21	4-25d
	Bitter taste of mouth with nausea and increased thirst	8,9	3d-1m	72	40	4-37d
	Dryness of mouth with increased thirst	8	6d-1m	11	11	2-11d

Stomach	Desire for cold water	9	2-10d	06	02	2-7d
	Bilious vomiting with headache, vertigo and loss of appetite	8	2-3d	02	02	10-11d
	Anorexia	9	2d-1y	21	12	7d-1

Name of Drug : Phyllanthus niruri

Potencies: Q, 30

1	2	3	4	5	6	7
Mouth	Coated tongue	8	1m	02	02	5-15d
Stomach	Anorexia	8	2m	03	03	4d
	Nausea from cold drinks	8	10-20d	14	10	4-10d
Stool	Loose stool with pain in abdomen	8	2-3d	03	03	3d
Genitalia Female	Menses early profuse with dark colour blood and pain in lower abdomen < cold	8	3m-2y	04	03	5-44d

Name of Drug : Saraca indica

Potencies: Q,6,30,200

1	2	3	4	5	6	7
Vertigo	Vertigo with tendency to fall < evening	4,7	15d-2y	03	03	7d
	Darkness before eyes	4,7	15-2y	08	06	15d
Head	Headache temples, heaviness (> rest)	4,7	6y	06	04	15d
	Unilateral headache due to scanty menstruation > free flow of blood, bathing, with nausea and anorexia	3	3m-1y	141	128	2m-1y
Eye	Painful stye on upper eyelid	7	2-4d	04	04	4-7d
Nose	Coryza with thin nasal discharge with sneezing, with headache, heaviness in head, nervousness, loss of smell, thirst	8,4	1-15d	81	77	17-30d
Mouth	Tonsillitis	8	3-7d	04	04	21-26d
Stomach	Anorexia	4,7	2y	10	06	15-30d
	Pain in epigastrium	4	15d-1m	02	01	7-15d
	Desire for sour food	8	1m-1y	04	04	19-23d

Abdomen	Flatulence with distension of abdomen	4,7	7-8y	106	89	30d
	Pain in lower abdomen < during menses	4,7	4m-10y	29	16	7-30d
	Pain in hypochondrium, severe aching and stitching < walking ascending, sitting for long time	4,7	7-8y	03	01	15d
Rectum	Haemorrhoids	7	3d-6m	14	14	6-32d
	- with bleeding	7	3d-3m	09	09	6-28d
	- blind painful	7	7d-6m	05	03	3-20d
	- with itching	7	7d-6m	03	03	4-10d
	- (< fatty and fried food)	7	10d-3m	02	02	10-30d
Genitalia Female	Menses painful irregular	4,7,9	1-2y	169	140	1m
	- profuse	4,7,9	1-2y	13	06	1m
	- painful	4,7,9	1-2y	10	08	1m
	- early	4,7,9	1-2y	15	07	1m
	- scanty, with clots	4,7,9	1-2y	09	04	1m
	Amenorrhoea	4	3m-1y	117	110	2m-1y
Genitalia Male	Seminal discharge with amorous dreams < night	4,7	2,4y	05	04	1m
Chest	Palpitation of heart	7	7-20d	09	06	3-10d
Back	Backache lumbo -sacral region < during menses, walking, lying	4,7,9	2-4y	45	23	7-15d
	Pain in nape of neck < stooping	4,7	2y	02	02	15d
Extremities	Leg pain < walking	4,7	2y	03	03	1m
	Pain in knee joints < movement	4,7	1-3y	03	03	15d
Fever	Feverish feeling with restlessness	4,7	1y	03	03	15d

Name of Drug : Sarsaparilla

Potencies: 6,30,200,1M

1	2	3	4	5	6	7
Head	Headache occipital extending to eyes with stiffness and tension in muscles	4	2m-1y	02	02	2-32d
Mouth	Aphthae with salivation	4	7d-1m	47	44	10d-1m

Urinary	Burning scanty urination	1.4.10.13	3d-2m	29	24	3-18d
	Burning with retention in urine	1.4.10.13	3m	06	06	8-12d
	Burning irritation in urethera	1.4.10.13	10-20d	02	01	3-9d
	Burning urine drop by drop	1.4.9	4d-2m	12	08	8-20d
	Burning during urination	4.9	1m-5y	86	76	7-15d
	Burning frequent urge for urination	1	6m	120	109	7d
	Burning after urination	4	15d-1y	117	108	15d-1m
	Pain in right kidney radiating downwards to	4	3-9m	68	57	1-11m
	- right loin & rt. side of abdomen	1.4	2m-2y	10	07	7-15d
	- unsatisfactory urine & stool	1.4	2m-2y	04	02	7-15d
	- with vomiting < morning > pressure	1.4	2m-2y	01	01	7-15d
	Sand in urine	4	5d-2m	02	01	3-4d
Genitalia Female	Irregular menses with pus like discharge	4	3-6m	04	03	2-21d
Extremities	Rhagades in palms & soles	4	6m-2y	157	147	3-32d
	Lichen planus on hand & soles with dryness, thickening, cracks, itching, burning, bleeding on scratching	1.4	1-5	02	02	15-20d
Skin	Ulceration around the end of fingers	4	15d-6m	29	29	15d-3m
	Summer cutaneous eruptions	4	7d-1m	222	206	15d-3m
	Boils red painful in summer	4	7d-3m	205	193	15d-1m
	Acne	4	6m-1y	109	101	1m-1y
	Dryness & redness of skin < morning and change of weather with itching	1.4	2-8y	09	08	15d-1m
Generalities	Marasmus	4	6-9m	09	09	1m-1y
	Child screams before and passing urine	4	15d-1y	79	74	5d-1y

Name of Drug : Syzygium jambolinum **Potencies: Q,6,30**

1	2	3	4	5	6	7
Vertigo	Vertigo with darkness before eyes	9	1-6y	04	01	7d-1m

Mouth	Dryness mouth < night	4	5-30d	10	10	3-15d
	- with profuse thirst	4.9	15-30d	18	13	3-20d
	Increased thirst and voracious appetite, and frequent urination with debility	8	3-6m	04	04	11-32d
Skin	Old ulcer on skin	4	6-12	02	02	7-20d
Extremities	Burning in palms and soles > cold application	8	2-6m	02	02	16-29d
Generalities	General debility	4.9	1-3m	11	09	3-15d

Name of Drug : Tarentula *cubensis* **Potencies: 6,30,200,1M**

1	2	3	4	5	6	7
Head	Dull headache	4	5-10d	13	13	3-10d
Face	Oily face with pimples < during menses	8	1-2y	02	02	5-40d
Mouth	Painful stomatitis < eating, drinking	8.14	4d-1m	37	30	3-12d
	- on tongue	8.14	4-7d	06	05	3-6d
Stomach	Loss of appetite	4.8	15-30d	11	11	7-25d
	Sour eructations	8	2m-6y	10	07	7d-2m
	Acidity with heartburn < after eating	8	7d-1m	06	03	7d-1m
Stool	Stools 2-3 times, semisolid	8.9	20d-1m	08	02	7-21d
Skin	Red spots on pimples	4	1-6M	21	20	7-20d
	Ulcer on chin with burning, oozing, watery and stinging pain, and bloody discharge	4,8	2-3m	03	03	15d
Cough	Dry cough with sore throat, < rainy season	4.8	1m	09	09	15d
Generalities	General weakness	4.8	1m	08	07	15d

Name of Drug : Tarentula hispanica **Potencies: 6,30,200,**

1	2	3	4	5	6	7
Mind	Aversion for company but wants someone to be present	5	1-3m	18	16	7-30d
	Mental depression < talking > sleep (Restlessness)	8	2-3y	09	05	2-27d

1	2	3	4	5	6	7
Head	Headache forehead with heaviness of eyes and nausea	4,8	4m-1y	02	02	15d
Throat	Pain in throat with soreness on swallowing	8	3-7d	05	05	6-7d
Stomach	Dyspepsia	8	3d-2m	73	62	3-26d
	Thirstlessness	8	2-7	07	07	3-6d
Urinary System	Frequent urination < night	8	5-20d	05	05	15d
Genitalia Male	Seminal emission	4	1-6m	08	06	7-30d
Extremities	Pain in deltoid region < raising arms	8	10d-4m	09	07	3-26d
	- with stiffness of shoulder joint	8	4m	01	01	26d
	Pain in knee joint (< movement)	8	15d-4m	02	02	10-26d
	Numbness of legs	4	10-60d	25	25	3-15d
	Pain in heels < sitting, movement	8	8d-3m	13	08	9-22d
	Cramps in hands with loss of power to write and to hold anything	8	1y	02	02	6-33d

Name of Drug : Tela aranea — **Potencies: 6,30,200**

1	2	3	4	5	6	7
Head	Periodical headache < evening	8	3m-1y	09	09	5-20d
Vertigo	Continuous vertigo & giddiness	8	1-3m	02	02	1-3m
Abdomen	Flatulence with bloated abdomen	8	7-20d	02	02	6-11d
Cough	Dry cough with scanty expectoration < night	8	4-20d	47	40	3-9d
Back	Backache > lying down & bending backward	8	7-15d	02	02	4-10d
Fever	Fever with backache	8	2-6d	10	06	3-5d
	- with profuse thirst	8	3-10d	11	09	3-10d
	- with burning palms & soles	8	2-4d	02	02	2-3d
	- with periodical fever at 3 day interval	8	2-6d	21	18	3-8d

Name of Drug : Terminalia arjuna — **Potencies: Q,6,30,200**

1	2	3	4	5	6	7
Head	Nervousness with restlessness	4.9	7-50d	35	18	3-30d
Vertigo	Vertigo < movement (< morning waking after)	4.9	10-1y	38	26	3-15d
	- with increased hypertension	4.7	1y	02	02	15d
Headache	Headache with heaviness in - with darkness before eyes < night	4.7	1y	04	04	15d
Ear	Ringing in ears with nervousness	7	6m-1y	79	75	15d-1y
Cough	Cough with profuse thick expectoration < at night	8	4-10d	02	02	6-10d
Chest	Angina pectoris< night, walking	4.7	10-30d	11	08	10-30d
	Chest pain left side with weakness	4.7	1y	03	03	15d
	Pericardial pain extends to left shoulder	7	6m-1y	191	179	3m-1y
Urine	Scanty urine	8	10-20d	02	02	4d

Name of Drug : Terminalia chebula — **Potencies: Q,6,30**

1	2	3	4	5	6	7
Vertigo	Vertigo with heaviness in head	7	2-10d	07	07	4-7d
	- with darkness before eyes and palpitation	4.7	1-6m	02	02	1m
	- with dullness	8	1-3y	05	04	7d-1m
	- < sun, motion, > cold air, sleep	7	1-6m	67	62	3m-1y
Head	Headache < sun, throbbing, frontal	7	3-10d	13	13	6-12d
	Headache > cold bath, after sleep, air	7	1-6m	83	76	3m-1y
Mouth	Bitter taste of mouth	4.7.8	2y	87	81	30d
Stomach	Acidity & heart burn	4.7	2m-3y	08	05	15d-1m
	Burning in epigastrium < after eating with sour eructations	4.7	2m-3y	17	13	15d
	Burning with cutting pain with eructations < walking, > after eating	4.7	1y	02	02	15d-1m

Abdomen	Flatulence with heaviness in abdomen	8.4.7.	7-20d	14	13	3-20d
Rectum	Constipation with scanty hard stool with difficulty in evacuation	7.8	7d-7y	41	36	3-20d
	Piles bleeding (Blind painful)	7	1y	85	75	10d-1y
Back	Backache with flatulence < sitting, motion, > lying	4.7	1y	146	131	3m-1y

Name of Drug : Thea chinensis **Potencies: 6,30,200**

1	2	3	4	5	6	7
Vertigo	Vertigo with darkness before eyes	1	6-30d	11	08	3-15d
Head	Throbbing headache > cold application	8	6-10d	02	02	4-10d
	- > hard pressure	4	7-15d	14	10	3-10d
Nose	Coryza with watery nasal discharge < morning	8	3-10d	20	17	3-7d
Stomach	Acidity < after eating	8	3d-6m	20	16	4-28d
	- with sour eructation and heartburn	8	6m	08	08	7d
	- gone feeling in epigastrium	4	1-6m	02	02	15d-1m
	Craving for acid, lemon	4	1-6m	02	02	15d-1m
Rectum	Stool unsatisfactory	8	6m	06	06	15d
Genitalia Female	Soreness and tension in ovarian region	1.8	7-14d	07	05	3-20d
Sleep	Sleeplessness in tea drinkers with nervousness	1	1-6m	02	02	15d-1m
Skin	Eruptions, reddish with itching < sun heat, warmth, tea	1	15d-1y	05	05	5-30d

Name of Drug : Theriodion **Potencies: 6,30,200**

1	2	3	4	5	6	7
Mind	Time passes quickly	4	3-31d	07	06	3-10d
Vertigo	Giddiness	4	10-30d	08	06	3-7d
	Persistent vertigo with nausea and vomiting	8	1-2y	04	03	15-6d

Bursting headache	8	2-10d	04	04	4-7d
Throbbing headache pressure	8	3-20d	09	07	3-18d
- < walking	4	7-30d	34	30	3-10d
- over left eye	4	3-10d	10	10	3-7d
Conjunctivitis with lachrymation	8	5-20d	04	04	6-18d
Lachrymation with profuse bland discharge	8	3-7d	02	02	6-8d
Teeth sensation to cold water	8	7-10d	04	04	22d
Chronic coryza, thick yellow offensive discharge < morning	4	3-20d	35	33	3-15d
Coryza with watery nasal discharge < evening	1	3-7	16	15	3-7d

…of Drug : Tylophora indica **Potencies: 6,30**

1	2	3	4	5	6	7
…m	Haemorrhoids with burning pain	8	7d-1m	05	05	4-10d
…h	Dry cough with rattling sound in chest < evening and morning	8	1m-3y	07	04	7-15d
…iratory …em	Bronchial asthma with profuse cough and expectoration	8	2-3y	04	01	7-30d

…of Drug : Viscum album **Potencies: 6,30,200,1M**

1	2	3	4	5	6	7
…tigo	Giddiness in head with vertigo	4.9.13	4d-6m	30	26	6-24d
	Vertigo < standing > sitting	4.1	3-15d	212	181	3-20d
	- with anxiety	1.4	2y	02	02	15d
…ad	Headache, heaviness in forehead, temple and giddiness	1.4	5-9m	05	03	7-15d
	Headache forehead with vertigo	1.4	3-9m	10	08	7-15d
…yes	Burning in eyes with great irritation & restlessness	8	2-10d	03	03	7-15d
…nitalia …male	Menopause complaints	4	1-2y	79	72	6m-1y
…spiratory …stem	Dyspnoea < exertion, ascending and running	1.4	4m	02	02	15d

Chest	Palpitation with anxiety < motion, > rest	1,4,8	7-8m	16	03	15-30d
Back	Backache lumbosacral region (< changing position, rising from sitting position, exertion)	1,4	5m-10y	10	08	7-15d
	Pain at nape of neck with stiffness and between scapula, radiating to both arms with numbness of fingers (< exertion) > rest	1,4	1m-5y	08	06	7-15d
	Periodical pain from sacrum to pelvis < in bed, with pain in thighs and upper extremities	4	6m-1y	329	307	4m-1y
	Lumbago right sided < movement > pressure	1	6m-1y	329	307	6m-1y
	Pain in neck and dorsal spine	1	1-2y	307	277	6m-1y
Extremities	Tearing pain in shoulder joints < raising hand and movement	4	4d-2m	328	291	3d-1y
	- (with difficulty to take hand back)	-4	d-2m	03	03	3-18d
	Rheumatic pain in joints < night	4	10d-3m	07	06	3-40d
	Rheumatic pain in knee joints	4	15d-3y	51	44	3-46d
	- < movement	4	15d-2y	437	396	3-46d
	- with swelling	4	1m-2y	04	03	3-18d
	Sciatica < walking	4	2m-2y	349	323	3-36d
	Tearing pain in legs < cold and movement	4	10d-2m	11	10	3-26d
	- in left leg < cold damp weather	1,4	8-10y	02	02	15d-1m
	Numbness in right leg < sitting, morning on waking	1,4,	1y	05	05	15d
	Pain in small joints with swelling of fingers < rainy season, morning	1,4	8m-1y	04	04	15-30d
	Pain in left hand with stiffness	1,4	7m	02	02	15d
	Pain alternates in knee and ankle, & in shoulder and elbow	4	6m-1y	117	107	6m-1y
	Cramps in calves	1	6m-1y	124	122	4m-1y
	Rheumatism in obese persons with excessive perspiration	1	6m-1y	224	206	6m-1y
Generalities	Hypotension with slow weak pulse	4	1-3m	193	175	3d-1y
	Weakness with no inclination to do work & tiredness	1,4	1-5y	10	03	15-20d

DRUG PROVING RESEARCH PROGRAMME
(Homoeopathic Pathogenetic Trials)

The Council is carrying out the programme of proving and reproving of drugs since its inception as a priority. ...mphasis is on proving of drugs of indigenous origin and on fragmentarily proved drugs. This work is being ...ed out at following Institutes Units :-

1) Drug Proving Research Unit, Kolkata in West Bengal — since 1979
2) Drug Proving Research Unit, Midnapore in West Bengal — since 1979
3) Drug Proving Research Unit, Ghaziabad in Uttar Pradesh — since 1979
4) Regional Research Institute (H), New Delhi — since 1979
5) Homoeopathic Drug Research Institute, Lucknow in Uttar Pradesh — since 1987

...evements till date

...tocol

A proving protocol (modern methodology) has been formulated by CCRH which is accepted internationaly. ...protocol was published in Vol.76 (1997) of British Homoeopathic Journal (most renowned journal in the field ...omoeopathy in the world).

...ications

Proving data of the drugs proved by the Council is published from time to time for the use of the profession ...the form of monographs or in Quarterly Bulletin. Eight monographs have been published and the proving data ...7 drugs has been published in various issues of the CCRH Quarterly Bulletin.

Monographs of following drugs have been published and include the Drug Standardisation studies involving ...rmacognostical, pharmacological and studies besides the physico-chemical proving pathogenesis & clinically verified ...ptoms.

...) Monographs

1. Abroma augusta folia
2. Aegle folia
3. Kali muriaticum
4. Aegle marmelos
5. Cassia sophera
6. Hydrocotyle asiatica
7. Cynodon dactylon
8. Atista indica

A booklet on Spider Remedies incorporating proving symptoms and clinically verified data is under ...mpilation for publication.

Achievements during the year 2001- 2002

Proving of four drugs (two long proving with code nos. 68 i.e. *Pothos foetidus* & 69 i.e. *Skookum chuck* and two short proving with code nos. 58 i.e. *Agave americana* & 74 i.e. *Pyrus americanus*) were completed during the reporting year. Long proving of two drugs with code nos. 65 & 67 and one short proving with code,no. 71 were also undertaken for the second time during this year at different drug proving centres. Compilation of these drugs is under progress.

DRUG RESEARCH PROGRAMME

troduction

This research programme undertaken by the Council includes studies relating to the survey, collection and dentification of genuine raw drug material. It also includes standardisation studies with regard to the preparation of uality finished products from the genuine raw drugs material.

urvey of Medicinal Plants & Collection

A Survey of Medicinal Plants and Collection Unit was established at Ooty in Tamilnadu in 1979 to conduct urvey of indigenous medicinal plants from South India, collect raw drug samples and supply them to the Institutes nd Units where drug standardisation studies are being conducted, literature survey, collection and preparation of ndex cards, maintaining herbarium and etc.

A research garden for cultivation of medicinal plants especially exotic plants used in Homoeopathy, is being eveloped at Emerald Post, Distt. Ooty, Tamilnadu on 12.70 acres of land acquired on lease from Govt. of Tamilnadu. n this garden *Cineraria maritima*,an exotic plant has been successfully cultivated . Efforts are being made to row more plants.

rief resume of the work done during the years 1979 to March, 2001

The unit since inception(1979) has accomplished the following works.

7,417 field numbers have been collected, 5,943 herbarium sheets have been accessioned and incorporated, index cards of 4,149 homoeopathic medicinal plants prepared and are updated from time to time and supplied 347 raw drug specimens to two Drug Standardisation Units and one Homoeopathic Drug Research Institute for pharmacognostic and physico-chemical studies. It has also mounted 5,359, stitched 5,473 and labelled 5,419 herbarium specimens. *Cineraria maritima* has been planted on 0.75 acres of land and a total of 4,250 plants are being maintained, and germplasm collection of 09 plants in demonstration plots are being maintained and their performance being studied. The medico-ethno botanical cum folklore uses tours, clinical research tours and botanical exploration tours have also been conducted from time to time.

Work done during the year 2001-2002

Two major and two local medicobotanical exploration cum raw drug plant material collection tours have been carried out. Two herbarium consultation tours and and six project assessment tours were also carried out.

1. Identification

Botanical identities of 178 field numbers of herbarium specimens collected from various parts of South India have been made.

2. Herbarium work done

a) 178 herbarium sheets have been identified.

b) 105 herbarium specimens mounted.

c) 660 herbarium specimens stitched.

d) 386 herbarium labels have been written.

e) 165 field numbers had been collected increasing the running field numbers to 7,509 till date.

f) 153 herbarium sheets identified and authenticated according to the field numbers collected

g) 204 herbarium sheets have been accessioned and incorporated.

3. Collection and Supply of Raw Drug Plant Material

11 raw drug plant material have been collected in bulk quantity, processed and despatched to 2 Drug Standardisation Units at Ghaziabad and Hyderabad, and one Homoeopathic Drug Research Institute at Lucknow; and also to Pharmacopoeia Laboratory for Indian Medicine, Ghaziabad, M/s.Bhandari Homoeopathic Laboratories, Faridabad , M/s SBL Private Limited, Sahibabad and Fr. Muller's Charitable Trust, Mangalore.

4. Homoeopathic Medicinal Plants Cultivation Research Garden

Regular planting, deweeding, nursery raising, upkeep and maintenance of the following plants is being done. The status of various plants raised in demonstration plots is as follows :

i) *Cineraria maritima*

Plants present in 0.75 acres	-	4,000 plants
Raw drug plant material in stock	-	20 Kgs.

ii) *Digitalis purpurea*

Total plants present	-	550
Raw drug plant material in stock	-	23 Kgs.

iii) *Achillea millefolium*

Total plants present	-	800 plants
Raw drug plant material in stock	-	16 Kgs.

iv) *Centella asiatica*

Total plants present	-	50 plants
Raw drug plant material in stock	-	5 Kgs.

v) *Viola odorata*

Total plants present	-	300 plants
Raw drug plant material in stock	-	5Kgs.

vi) *Santolina chamaecyparissus* - 500 plants

vii) *Rosamarinus officinalis* - 320 plants

viii) Germ plasm collection of Homoeopathic Medicinal Plants raised and maintained in demonstration plots in research garden and their performance being studied are :

a) *Achillea millefolium*

b) *Anthroxanthum odoratum*

c) *Apium graveolens*

d) *Buxus sempervirens*

e) *Centella asiatica*

f) *Digitalis purpurea*

g) *Eschscholtzia californica*

h) *Oenothera biennis*

i) *Trifolium pratense*

j) *Viola odorata*

4. Papers Published

i) Rajan S.and Suresh Baburaj D .2001. Introduction and Cultivation of Medicinal Plants in Nilgiri, Tamilnadu, South India in Crop Improvement, Production Technology, Trade & Commerce.Vol. 5 (pp.not intimated).

ii) Suresh Baburaj D., S. Rajan and S.John Britto.2001. An extended distribution of Spermacoce latifolia Aubl. (Rubiaceae) and a new record for Tamilnadu, South India. *J. Econ. Tax. Bot.* 25(1): 7-9.

iii) Rajan S.,D. Suresh Baburaj and M. Sethuraman.2000. Indigenous Folk Practices among Paniyas of Nilgiri District of Tamilnadu in India.Journ. Medicinal and Aromatic Plant Sciences. 22/4A & 23/1A: 602-606

iv) Rajan S., M.Sethuraman, D. Suresh Baburaj, and S. Parimala.2002. Ethnozoo-therapy among Irulas of Nilgiris District, Tamilnadu in K. Viswanadha Reddy (Ed.). Cultural Ecology of Indian Tribes, Raj Publishers, Delhi. 222-229

5. Papers Presented in Scientific Seminars

i) D. Suresh Baburaj and Rajan S. 2001. Problems and Perspectivesin Manufacture of Plant Based Homoeopathic Drugs. Abstract at p.66 of Seminar on the Role of Good Manufacturing Practices in the Development of Indian Systems of medicine Drugs at Kolkata on 23rd & 24th April, 2002.

ii) Suresh Baburaj D. 2001. Medicinal Plants Identification & Cultivation for Quality Manufacturing of Homoeopathic Drugs. Presented at the Seminar on Developing an Interaction Between CCRH and Homoeopathic Pharmaceutical Industry held at New Delhi on 27th & 28th September, 2002.

iii) Lectures delivered at the U.G.C. sponsored Refresher Course in Botany for College Teachers at Shri Paramkalyani Centre for Environmental Sciences, Manonmaniam Sundaranar University, Alwarkurichi, Tirunelveli, Tamilnadu on 11th February, 2002.

   a) Literature pertaining to Indian Systems of Medicine.

   b) Aliens & Exotics useful in yhe Homoeopathic System of Medicine found in Nilgiri District, Tamilnadu.

iv) Delivered lecture " Unfolding Vistas of Further Research in Indian Medicinal Plants" in the National Symposium on Advances in Natural Products Chemistry, arranged by Department of Chemistry, St. Joseph's College , Tiruchirapalli on 21st February, 2002.

DRUG STANDARDISATION

Standardisation is essential to ensure quality drugs. It encompasses a series of factors/ measures which influence the quality of Homoeopathic medicines, and which define pharmaceutical uniformity and the source material need to be exactly identified.Standardisation of a drug ensures quality, safety and efficacy of a drug.For drawing standards of Homoeopathic drugs, studies conducted are Pharmacognostical, Physico-chemical and Pharmacological aspects in order to study the various qualitative and quantitative characteristics of drugs and various parameters are adopted for each study.

The Pharmacognostic studies include the macro and microscopical characteristics of raw drugs of vegetable origin. The Physico-chemical analysis helps to detemine the physical and chemical constants of the drug. The Pharmacological spectrum of a drug is ascertained through experimental trials on laboratory animals under standard laboratory conditions which include preliminary estimation of dosage, its efficacy and safety and also the mode of action of homoeopathic drugs. Quality assurance cannot be exercised in the absence of standards. These factors include exact identification and precise definition of source material, execution of each and every preparation step as stipulated in the official Homoeopathic Pharmacopoeia, in process controls, testing and verification of final products, stability through Good Laboratory Practices. Safety and efficacy of a drug can be ensured by conducting/ determining Therapeutic Index and Maximum Extractive Value through well designed in - vivo and in - vitro experimental models.

At present the Council has undertaken drug standardisation studies at three centres viz. Homoeopathic Drug Research Institute, Lucknow; Drug Standardisation Unit, Ghaziabad and Drug Standardisation Unit, Hyderabad. At HDRI, Lucknow drug standardisation work is being undertaken in respect of pharmacognosy, physico-chemical and pharmacological aspects while at DSU, Ghaziabad and DSU, Hyderabad drug standardisation work pertaining only to pharmacognosy and physico-chemical studies are conducted.

Physical Targets Achieved during 2001-2002

Total 8 drugs were assigned for pharmacognostic and physico-chemical studies to DSU, Ghaziabad; DSU, Hyderabad and HDRI, Lucknow.

1. Drug Standardisation Unit, Hyderabad

The unit has conducted pharmacognostic and physico-chemical studies on :

Cicer arietenum, Galinsoga parviflora, Ocimum gratissimum, Oenothera biennis, Plumeria rubra, Trifolium pratense.

2. Drug Standardisation Unit, Ghaziabad

The unit has conducted pharmacognostic studies on :

Cicer arietenum, Eucalyptus tereticornis, Eucalyptus camaldulensis, Galinsoga parviflora, Ocimum gratissimum, Oenothera biennis, Plumeria rubra Trifolium pratense.

Information on medicinal plants for Database has been collected for *Cuminum cyminum*.

3. Homoeopathic Drug Research Institute, Lucknow

The institute has conducted pharmacognostic study on *Prunus domestica* and and physico-chemical studies on *Pterocarpus marsupium* and *Rumex acetosella*.

4. Papers Published

i) J. Raj, A.K.Tiwari, K.P.Singh - Research Publication on Medicinal Plants

   a) Iris germanica

   b) Eclipta alba

   Published in CCRH Quarterly Bulletin Vol.22(3&4)2000 and Vol.23(1&2)2001.

ii) K.P.Singh. Anti-thrombic activity of Crataegus oxycantha Linn. mother tincture in albino mice. Published in CCRH Quarterly Bulletin Vol.23(1&2)2001.

5. Papers Presented in Scientific Seminars

i) Quality Standardization of Drugs in Homoeopathy. Presented by Prof. M. Prabhakar, Project Officer, Drug Standardization Unit, Hyderabad at International Seminar on Medicinal Plants and Quality Standardization held at Chennai in June, 2001.

LITERARY RESEARCH PROGRAMME

Introduction

Updating of scientific literature is important keeping in view its frequent usage as a reference material clinically especially so in the changed scenario with environmental pollution, industrialisation, changing life and styles and ...which has paved way for re-emergence of almost eradicated diseases like Tuberculosis and Malaria and ...gence of quite-a few new diseases. Thus, literature on a particular subject becomes an indispensable tool to ...ment knowledge. And more so in Homoeopathy, where the literature is voluminous and scattered, which ...a times when needed is not available to the clinician. As such the Council has undertaken Literary Research ...long term programme to revise the old literature and compilation of therapeutics.

Project Undertaken

Review and Revision of Kent's (Kunzli's) Repertory in relation to other works - Additions from Boericke's Repertory

Homoeopathic Repertory by J.T. Kent is one such reference book which was compiled in the early 20th ...ry. This is the most popular and frequently used repertory in the clinics all over the world. Since its publication ...large number of drugs have been proved and added in our therapeutics armamentarium. Thus to improve and ...large the scope of Kent's Repertory this project was undertaken by the Council. Of the 37 chapters in Kent's Repertory, 15 chapters have been revised and published. Further work on this project is not being undertaken pending consideration of Scientific Advisory Committee of CCRH.

DOCUMENTATION AND LIBRARY

The Documentation Section came into existence as a part of Headquarters office of the Central Council for Research in Homoeopathy with effect from 1st April, 1980 as the Council also recognised the importance of Documentation Services in the ongoing research programmes. Since then it has expanded and made substantial progress. The main objective of this section is "dissemination of knowledge concerning Homoeopathy". The other objectives are the following:

1. To prepare complete documentation on subjects of interest to the Council and provide them to the Scientists of the Council to update their knowledge.
2. To prepare bibliographies, reference lists and abstracts of scientific articles on Homoeopathy and allied subjects.
3. To keep the records of scientific seminars, symposia, workshops etc. organised by the Council.
4. To provide copies of scientific papers of interest to the Council, according to their availability, to the scientists.

A reference library has also been developed which has a collection of 7,017 books till date both of allied sciences and homoeopathy. It subscribes to 31 journals both Indian and Foreign journals.

Work done during the year 2001-2002

Library

Books

Number of titles accessioned	543
- WHO Publications	13
- Number of books received as complementary	23
- Number of books procured	18
- No. of books transfered from RRI, New Delhi	489
Total Books as on 31.3.2002	7,017

Journals

Number of Journals subscribed	31
- Foreign	05
- Indian	20
- WHO periodicals	06
Number of bound volumes as on 31.3.2002	1,845

Documentation

Information Services

Provided on internet as on demand received from the research scholars

Reprographic Services

- No. of documents whose photocopies have been suupplied	500

Bibliographic lists	04
- Current Health Literature Awareness Services	02
- Medico abstracts (Being updated from time to time)	

Publications

- Quarterly Bulletin Vol.23	2 issues
- CCRH NEWS No. 28	1 issue

Audio Visual

- Total collection of video cassettes	28 different titles

PUBLICATIONS

The Council publishes Quarterly Bulletin wherein technical activities and achievements of the Council are highlighted, CCRH News wherein Council's activities are published, and various Books/Monographs.

Publications during the year 2001-2002

A)	Quarterly Bulletin	:	Vol. 23 (1&2) and (3&4) issues were published. The Vol.23(1&2)2001
B)	CCRH NEWS	:	No. 28.
C)	Booklet printed (New)	:	CCRH - A Bird's Eye View
D)	Pamphlet printed (New)	:	Homoeopathy on Web (this pamphlet gives an outline of the contents of the matter hosted on the website of CCRH)
D)	Pamphlets Reprinted	:	1. Prevention & Treatment of Malaria. 2. Homoeopathy - Myths & Facts 3. Holistic Approach to Homoeopathy. 4. Prevention of Cataract through Homoeopathy. 5. Mother & Child Care through Homoeopathy.
E)	Compendium of Research Papers (New)		This is a compilation of some of the selected articles on the ongoing research programmes of CCRH by the scientists of the Council published in various issues of Quarterly Bulletin and other homoeopathic journals both foreign and Indian.

PROJECTS/SCHEMES ASSIGNED/COMPLETED/CONCLUDED DURING THE YEAR 2001-2002

1. The Council has initiated a collaborative study with Department of Gynaecology & Obstetrics at ESI Hospital, Basai Darapur, Delhi in the cases of Infertility, Dysfunctional Uterine Bleeding and Pelvic Inflammatory Diseases from the year 2001-2002. The cases which do not respond to other methods of treatment/stubborn cases of these problems are referred for Homoeopathic treatment.

2. Proving of four drugs (two long proving with code nos. 68 & 69 and two short proving with code nos.58& 74) were completed during the reporting year. Long proving of two drugs with code nos. 65 & 67 and one short proving with code no. 71 were also undertaken for the second time during this year at different drug proving centres. Since these programmes are carried out under Double Blind Technique, rhe name of the drugs are uncoded after compilation of proving pathogenesis.

3. Compilation of proving data of three drugs namely *Cornus circinata, Tribulus terrestris* and *Ocimum sanctum* has been completed and will be placed before the Scientific Advisory Committee of CCRH for approval. Compilation of other drugs is under process.

4. Pharmcognostic studies on 8 drugs and physico-chemical studies on six drugs assigned during this year have been completed.

FUTURE PROGRAMMES

1. All ongoing research projects as approved/modified by previous Scientific Advisory Committee will continue and to lay stress on ongoing projects from national point of view and to explore or undertaken any other new projects.

2. To take up proving of five drugs (two long provings and three short provings).

3. Pharmacognostic, physico-chemical and pharmacological standards of 8 drugs to be determined.

4. A booklet on Spider Remedies incorporating proving symptoms and clinically verified data is under compilation for publication.

5. The revision of Monograph on *Abroma augusta folia* (published earlier) will be revised incorporating coloured photographs of pharmacognostic studies and clinically verified symptoms.

6. A Checklist of Medicinal Plants used in Homoeopathy is under revision.

LIST OF INSTITUTES / UNITS UNDER CCRH

1. Assistant Director Incharge,
Central Research Institute(H),
Sachivothamapuram,
KOTTAYAM (KERALA) - 686 532.

2. Project Officer Incharge
Regional Research Institute(H),
Nehru Homoeopathic Medical
College & Hospital,
B-Block, Defence Colony,
NEW DELHI - 110 024.

3. Assistant Director Incharge,
Regional Research Institute(H),
CMPH Homoeopathic Medical
College & Hospital,
Irla Naka, Ville Parle,
MUMBAI (MAHARASHTRA) - 400 056.

4. Research Officer Incharge
Regional Research Institute(H),
13/210-A,Club Road,
GUDIVADA (A.P.) - 521 301.

5. Research Officer Incharge
Homoeo. Research Institute(H),
CCRH Building,Marchi Kote Lane,
Labanikhia Chaak,
PURI (ORISSA) - 752 001.

6. Assistant Director Incharge,
Homoeopathic Drug Research
Institute(H),
2, Nabiullah Road, Near City Railway
Station, (Old. Govt. Mohan
Homoeopathic Medical College),
LUCKNOW (U.P.) - 226 018.

7. Project Officer Incharge
Drug Standardisation Unit(H),
O.U.B. 32, Room No.4,
Vikram Puri, Habsigunda,
HYDERABAD (A.P.) - 500 007.

08. Project Officer Incharge
Drug Standardisation Unit(H),
C/o Homoeopathic Pharmacopoeia
Laboratory, C.G.O. Complex,
Near Hapur Chungi,
Kamla Nehru Nagar,
GHAZIABAD (U.P.) - 201 002.

09. Research Officer I/C,
Drug Proving Research Unit(H),
58, Model Town (West)
GHAZIABAD (U.P.) - 201001.

10. Project Officer Incharge
Drug Proving Research Unit(H),
D.N. De Homoeopathic Medical
College and Hospital,
12, Gobinda Khatick Road,
KOLKATA (W.B.) - 700 046.

11. Research Officer Incharge
Drug Proving Research Unit(H),
Midnapore Homoeopathic Medical
College and Hospital,
MIDNAPORE (W.B.) - 721 101.

12. Research Officer Incharge
Clinical Verification Unit(H),
58, Model Town (West)
GHAZIABAD (U.P.) - 201001.

13. Asstt. Research Officer Incharge,
Clinical Verification Unit(H),
Tat Baba Ashram, Gopeshwar,
VRINDABAN (MATHURA)-U.P.-281 121

14. Asstt. Research Officer Incharge,
Clinical Verification Unit(H),
NC-150,Gyatri Mandir Marg,
P.O. Lohia Nagar, Kankar Bagh,
PATNA (BIHAR) - 800 020.

15. Survey Officer Incharge,
Survey of Medicinal Plants
and Collection Unit(H),
112 Govt. Arts College, Campus,
UDHAGAMANDALAM (T.N.) - 643 002.

16. Asstt. Research Officer Incharge,
Clinical Research-cum-
Epidemic Cell, 1, Neem Rose,
Zinsi Chauraha, JAHANGIRABAD,
(BHOPAL)- 462 008

17. Project Officer Incharge
Clinical Research Unit(H),
Centre for Exp. & Med. Surgery,
Institute of Medical Sciences,
Banaras Hindu University,
VARANASI (U.P.) - 221 005.

18. Research Officer Incharge
Clinical Research Unit(H),
Building No. 663/10,
Krishna Colony,
GURGAON.

19. Research Officer Incharge
Clinical Research Unit(H),
Kishore Colony, Plot No.1,
Bhupindra Road,
Near Phathak No.22,
PATIALA (PUNJAB) - 147 001.

20. Research Officer Incharge
Clinical Research Unit(H),
Flat No.5, Nitya Niketan,
SHIMLA (H.P.) - 171 002.

21. Research Officer Incharge
Clinical Research Unit(H),
Hindustan Saw Mills Bld.Bailoor
Road,Mission Comp.
UDUPI (KARNATAKA) - 576 101.

22. Project Officer Incharge,
Homoeo. Res. Instt.for Malaria
Dr. Madan Pratap Khuteta
Rajasthan Homoeopathic Medical
College & Hospital, Station Road,
JAIPUR (RAJASTHAN) - 302 006.

23. Asstt. Research Officer Incharge
Clinical Research Unit(H),
M.B.31, Middle Point,
Mahatama Gandhi Road,
PORT-BLAIR (A&N) - 744 101.

24. Asstt. Research Officer Incharge,
Clinical Research Unit(H),
Door No.6-1-61A, K.T. Road,
TIRUPATHI (A.P.) - 517 507.

25. Asstt. Research Officer Incharge,
Clinical Research Unit(H),
Khalipara, Odal Bakara,
GUWAHATI (ASSAM) - 781 019.

26. Research Officer Incharge,
Clinical Research Unit(H),
No.103/4, Kalakshetra Colony,
30th Cross Street,
(Opp. R.B.I. Staff Quarters),
CHENNAI - 90.

27. Project Officer Incharge,
Clinical Research Unit(H),
Opp. Palce Compound,
Indoor Stadium
Near Shri Govind Jee Temple,
IMPHAL (MANIPUR) -795 001.

28. Asstt. Research Officer Incharge,
Clinical Research Unit(H),
71-72, Rasham Garh Colony,
JAMMU - 180 001.

29. Asstt. Research Officer Incharge,
Clinical Research Unit(T) for
Homoeopathy, Near to Anand Lodge,
Gurudwara Road,
Jagdalpur, Distt. Bastar
(Chattisgarh State) - 494 001.

30. Asstt. Research Officer Incharge,
Clinical Research Unit(T)
for Homoeopathy,
Venghuli Republic Road,
AIZWAL (MIZORAM) - 796 001.

Asstt. Research Officer Incharge,
Clinical Research Unit(T) for Hom.
Qr. No.39 Type-III,Vivek Vihar,
P.O. R.K. Mission, Distt. Pamppur,
ITANAGAR (A.P.)-791 113.

Asstt. Research Officer Incharge,
Clinical Research Unit(T)
for Homoeopathy,
B-1073, Hanuman Street,
BHARUCH (GUJARAT) - 392 001.

Asstt. Research Officer Incharge,
Clinical Research Unit(T) for Hom.
Netaji Subhash Road,
Near Netaji Girls School,
Subhashpally, Siliguri,
Dist. DARJELLING - 734 401

Asstt. Research Officer Incharge,
Clinical Research Unit(T)
for Homoeopathy,
Township, Gurudawara Compound,
Dandeli (KARNATAKA) - 581 325.

Asstt. Research Officer Incharge,
Clinical Research Unit(T)
for Homoeopathy,
C/o M.D.S.A. Chaudhary Ground
Floor Building, Near Diphu Club,
Diphu Bus Stand, Dist.Karbianglong,
P.O. DIPHU H.P.O. (ASSAM) - 782 460.

Asstt. Research Officer Incharge,
Clinical Research Unit
for Homoeopathy, (Encephalitis)
Gorakhpur Mandal Vikas Nigam Ltd.
Bhawan, 1st Floor, Kachehari Road,
(Shastry Chowk)
GORAKHPUR - 273 001.

Asstt. Research Officer Incharge,
Clinical Research Unit (T)
for Homoeopathy,
Sonari Street,
JEYPORE (ORISSA) - 764 001.

38. Asstt. Research Officer Incharge,
Clinical Research Unit(T)
for Homoeopathy,
Moolamattom P.O.
IDUKKI (KERALA) - 685 589

39. Asstt. Research Officer Incharge
Clinical Research Unit(T)
for Homoeopathy,
Circular Road, Near Nepali Gaon-
Sub Post Office,
DIMAPUR - 797 112.

40. Asstt. Research Officer Incharge,
Clinical Research Unit(T)
for Homoeopathy, In front of
Samphel Hotel, Near Sangram Bhawan,
Development Area,
GANGTOK (SIKKIM) - 737 101

41. Asstt. Research Officer Incharge,
Clinical Research Unit(T) for Hom.
Khongjom, Khebaching,
P.O. Wangjing,
Distt. Thoubal, MANIPUR - 795 148

42. Asstt. Research Officer Incharge,
Clinical Research Unit(T)
for Homoeopathy,
Zangasti Road,
LEH (J&K)-194 101.

43. Asstt. Research Officer Incharge,
Clinical Research Unit(T)
for Homoeopathy,
Ist Cross, Mangalakshmi Nagar,
(Behind New Bus Stand
PONDICHERRY - 605 013.

44. Research Officer Incharge,
Clinical Research Unit(T)
for Homoeopathy,
Arsunday, Boreya Road, P.O. Boreya,
RANCHI (JHARKHAND) - 835 240.

45. Asstt. Research Officer Incharge,
Clinical Research Unit (T)
for Homoeopathy,
Building No.37,38, Gandhipuram,
Sendamangalam P.O. Namakkal,
Distt. (TAMILNADU) - 637 409.

46. Asstt. Research Officer Incharge,
Clinical Research Unit(T)
for Homoeopathy,
C/o Shri P. Bose, Temple Road,
SHILLONG (MEGHALAYA) - 793 001.

47. Asstt. Research Officer (H) Incharge,
Clinical Research Unit (T) for
Homoeopathy,
Thakurpalli Road Ker Chowmuhani,
Krishnanagar, P.O. Agartala,
TRIPURA WEST - 799 001.

48. Asstt. Research Officer Incharge,
Clinical Research Unit (T)
for Homoeopathy, Door No.74-19-3,
Enamalakuduru Road, (Lock Road),
Patamata-Krishna Nagar,
Krishna Distt.,
VIJAYAWADA (A.P.) - 520 007.

49. Asstt. Research Officer Incharge,
Clinical Research Unit(T)
for Homoeopathy,
Near Professor's Colony,
P.O. Budharaja Dist. Sambalpur,
(ORISSA) - 768 004.

50. Asstt. Research Officer Incharge,
Clinical Research Unit(T)
for Homoeopathy,
Distt. Chamba,
BHARMOUR (H.P.) -176 315.

51. Research Officer Incharge,
Homoeopathic Treatment Centre,
Room No. 330A - 332, 3rd Floor,
New Building, Safdarjung Hospital,
NEW DELHI - 110 016.

UDIT REPORT ON THE ACCOUNTS OF CENTRAL COUNCIL FOR RESEARCH IN HOMEOPATHY, NEW DELHI FOR THE YEAR 2001-2002

Introduction

The Central Council for Research in Homoeopathy (CCRH) was established on 30th March 1978 under ...cieties Registration Act, 1860. The audit on accounts of the Council has been entrusted under Section 20(1) of ...Comptroller and Auditor Generals (Duties Powers and conditions of Service Act, 1971), for a period 5 years ...m 1998-99 to 2002-2003.

Source of Receipt

The Council is mainly financed by grants-in-aid from the Government of India. During the year 2001-02, the ...uncil received grant of Rs. 7.66 lakh (Rs. 3.71 lakh under Plan Rs. 395 lakh under Non-Plan) from the Ministry ...Health and Family Welfare.

Comments on Accounts

Balance Sheet

Wrong depiction of Assets

The land valuing Rs. 36,38,246/- as shown by the Council under the head Land and Building-Noida; includes ...6,33,816/- for donated land as well. The correct depiction should be as under:

Land and Building

- Noida Rs. 30,04,430/-
- Puri (Donated) Rs. 6,33,816/-

It needs rectification.

Balance sheet and Assets Register shows difference of Rs. 14,062/- under Plan and Non-plan sections

Assets purchased during the year 2001-02 under Plan and Non-plan head as per Assets Register were Rs. ...4,371/- and Rs. 4,60,787/- respectively whereas in the balance sheet it has been depicted as Rs. 30,08,433/- ...Rs. 4,46,725/- respectively. Apparently, the assets purchased under non-plan for Rs. 14,062/- were booked to ...n heads or vice versa. This needs to be looked into

Income and Expenditure Account

Income and Expenditure account overstated by Rs. 4,25,352/- on both sides

An unspent balance of Rs. 4,25,352/- out of grant of Rs. 10,38,000/- received by the Council from the World ...alth Organisation during the year 2001-02 for seminar/workshop was refunded in the same financial year. However,

the Council in their Income and Expenditure account had shown Rs. 10,38,000/- as income as well as expenditure resulting in overstatement of income as well as expenditure by Rs. 4,25,352/-.

4. General Comments

4.1 Improper maintenance of assets register

Balance sheet of the Council shows total assets of Rs. 3,36,70,548.75 as on 31 March 2002. However, this figure could not be verified in audit as the asset register did not show balances under various assets.

4.2 GPF Bank account

Scrutiny of the GPF Balance Sheet of the Council as at 31 March 2002 shows total GPF subscription of Rs. 1,34,02,206/- out of which Rs. 22,316/- was not credited by the bank. This needs reconciliation.

4.3 Depreciation on assets

The assets accounts of the Council depict the book value of acquisition and do not excluder obsolete, unusable, irreparable and condemned assets and also do not take into account depreciation with corresponding reduction of capital account. Therefore, the capital and assets accounts are overstated thereby not giving the correct picture.

4.4 Non-Adherence of Pattern for Investment of G.P. Fund

As per Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, notification dated 12th June 1998, the pattern of investment for incremental creditions by the non-Government provident Funds, Superannuation funds and Gratuity funds shall as under:

1. Central Government securities-25 percent
2. Govt. Securities as defined in Public Department Act or any other negotiable securities guaranteed by Central or State Government 15 percent
3. Bonds/Securities of public financial institutions as specified under Section 4 (a) of the Companies Act, Public Sector Companies as defined in Section 2 (36a) of Income Tax Act 1961 including Public Sector Bank-40 percent
4. Special deposit scheme-20 percent

The scrutiny of Investment Accounts for the year 2001-2002 revealed that the Institute had invested their entire provident fund amounting to Rs. 543 lakh into Fixed Deposits only Thus, the pattern of investment prescribed by the Ministry was not followed by the Institute.

5. Accounting Policies

The Council is required to append to annual account significant accounting policies and 'Notes to Accounts. Significant accounting policies discloses items if any, accounted for on, cash basis, fixed assets and inventory valuation etc. In the Notes to Accounts non-applicability of income tax on the surplus of the Council, exemption from statutory enactments, treatment of contingent liabilities etc. is to be indicated. Such disclosure by the Council will introduce transparency in accounts The Council has not appended the Significant Accounting Policies and 'notes to their accounts', though the Council was informed about it through the audit report for the year 2000-01. The Council should take initiative to add these appendages so that the accounts could be read and certified on this basis and parameters of such disclosures.

...rmat of Accounts

The Council was required to prepare their annual accounts for the year 2001-02 as per the revised common ...t based on the recommendations of the Committee on Papers Laid on the Table of parliament. However, the ...cil had prepared their accounts in the existing format.

...n approval of accounts by the management

The Annual Accounts of the Institute for the year 2001-02 were signed by the competent authority as per the ...ws of the Institute but the same were not approved by the management before submission of audit, as a ...f Resolution/Minutes of the authority approving the accounts was not enclosed with the accounts.

...vious years figures not mentioned in the Accounts

Accounts of the Central Council for Research in Homoeopathy for the year 2001-02 did not contain previous ...ccounts figures. The Council is requested to mention previous years figures also in the Accounts from the ...002-03 onwards.

...n-receipt of replies

The draft separate Audit Report was issued to the organisation for replies on 16.10.2002 but no response ...eceived.

...fect of Audit comments on Balance Sheet, Income and Expenditure Account and Receipt & Payment ...unt

The net impact of the comments given in the preceding paras is that Income and Expenditure Account of the ...il has been overstated by Rs. 4.25 lakh.

Sd/-
Director General of Audit
Central Revenues

New Delhi
...1.2.2003

AUDIT CERTIFICATE

I have examined the Receipts & Payments Accounts/Income & Expenditure Account for the year ended 31st March 2002 and the Balance Sheet as on 31st March 2002 of the Central Council for Research in Homoeopathy, New Delhi. I have obtained all the information and explanation that I have required and subject to the observations in the appended Audit Report, I certify, as a result of my audit, that in my opinion these accounts and Balance Sheet are properly drawn up so as to exhibit a true and fair view of the state of affairs of the Central Council for Research in Homoeopathy, New Delhi according to the best of information and explanation given to me and as shown by the books of the Organisation.

Sd/-
Director General of Audit
Central Revenues

Place : New Delhi
Date : 21.2.2003

CENTRAL COUNCIL FOR RESEARCH IN HOMOEOPATHY

JAWAHAR LAL NEHRU BHARTIYA CHIKITSA AVUM HOMOEOPATHIC ANUSANDHAN BHAWAN
61-65, INSTITUTIONAL AREA, D-BLOCK, JANAKPURI, NEW DELHI-110058

RECEIPT & PAYMENT ACCOUNT FOR THE YEAR ENDING 31.3.2002

Sl. No.	Receipts		Amount 2001-2002	Sl. No.	Payments	2001-2002	Amount
1.	Op.Bal. CCRH (Bank Bal.)				1. Plan (A) GENERAL AREA:		
	Plan	29,29,801.96		i)	Pay & Allowances	1,87,80,714.00	
	Non-Plan	—		ii)	Travelling Allowance	4,24,806.00	
	Impress Advance	1,69,700.00		iii)	Wages	2,93,516.00	
				iv)	Rent	2,04,996.00	
			30,00,501.96	v)	Office expenses	18,13,267.60	
2.	Grant received from Ministry of Health & Family Welfare, New Delhi			vi)	Material & supply	6,35,245.00	
	Plan			vii)	Payment made to Drug Research provers	61,820.00	
	I-General Area	2,73,03,000.00		viii)	Furniture & Fixture	3,02,423.00	
	-Tribal Area	32,48,000.00		ix)	Books	23,743.00	
	-Special Component Plan for			x)	Hospital equipments	21,16,722.00	
	Schedule Caste	65,28,000.00		xi)	Hospital equip.(WHO)	—	
				xii)	Subs. of journals	—	
	-Grant for Seminar	—		xiii)	Seminars/Conference Exhibitions	8,87,114.00	
						—	
				xiv)	Vehicle		
		3,70,71,000.00			Fuel	83,146.00	
	II-Non-Plan	3,95,30,000.00			Repair	43,177.00	
	-Re. Or. Trg. Prog. for N.E. region.	—		xv)	Paid to C.G.H.S.	1,83,295.00	
				xvi)	Publications	2,48,639.00	
				xvii)	Prepaid salary for March, 2002	8,97,528.00	
				xviii)	Cont. advance	26,63,918.00	
			7,66,01,000.00	xix)	L.T.C. advance	—	
3.	Grant recd. from WHO for Seminar/Workshop		10,38,000.00	xx)	T.A. advance	64,000.00	
						2,97,28,069.60	

4. Miscellanous Receipts		
- Interest on advances	1,08,548.00	
- Misc. Receipts	26,374.10	
- Sale of Priced Pub.	15,408.00	
- Sale of Plants	23,550.00	
- Int. recd.on S.B.A/c (Recd. from the Units)	8,103.47	
- Sale of Video Cassettes	---	
		1,81,983.47
5. Cash Receipts against advances		
-Cont.Advance(P&N-Plan)	32,616.00	
-T.A advance	22,776.00	
-L.T.C. advance	9,114.00	
		64,506.00
6. Recoveries against Advances		
Festival advance	2,83,170.00	
Scooter advance	2,62,586.00	
Car advance	2,13,170.00	
Cycle advance	15,075.00	
Flood advance	22,575.00	
Pay advance	41,008.00	
Warm clothing advance	1,050.00	
Computer advance	53,605.00	
Fan advance	1,10,000.00	
		10,02,239.00

(B) TRIBAL SUB-PLAN	
i) Pay & Allowances	18,89,690.00
ii) Travelling allowance	26,086.00
iii) Wages	19,238.00
iv) Rent	81,099.00
v) Office expenses	81,732.00
vi) Material supply	27,327.00
vii) Vehicle - Fuel	6,381.00
- Repair	36,028.00
viii) Prepaid salary for March, 200	1,50,755.00
ix) Hospital equip.	14,685.00
x) L.T.C. advance	14,500.00
xi) Cont. advance	1,15,675.00
(C) SPECIAL COMPONENT PLAN FOR SCHEDULE CASTE	
i) Pay & Allowances	57,39,941.00
ii) Travelling allowane	70,646.00
iii) Wages	14,920.00
iv) Rent	1,22,663.00
v) Office expenses	2,13,447.00
vi) Material & supply	80,665.00
vii) Pre-paid salary for March,2002	3,77,796.00
viii) Hospital equip.	25,000.00
ix) Pur. & Fixture	9,940.00
	66,55,018.00
(D) Exp. on workshop on Rheunateoid arthritis & Interaction between CCRH and Pharmaceutical Industry	
i) Honaraium to staff	4,000.00
ii) TA to participants	4,58,664.00
iii) Office expenses	20,341.00
iv) Material supply	38,011.00
v) Refreshment charges	91,632.00
vi) Amt. refund to WHO	4,25,352.00
	10,38,000.00

7. Other recoveries		
- Income Tax	28,08,511.00	
- GPF Subs. of staff	1,34,02,906.00	
- GIS premium of staff	6,03,148.00	
		1,68,14,565.00
8. Recoveries made from deputationist on a/c of GPF. CGEIS And HB advance etc		1,36,298.00
9. E.M.D. recd. from the firms		1,800.00
10. Individual's L.I.C.		56,523.00
11. P.M.N.R. Fund		41,788.00
12. Final payment of G.I.S.		27,349.00

Total A+B+C+D		3,98,84,283.60
2. Non-Plan		
i) Pay & Allowances	3,08,65,080.00	
ii) Travellig allowance	6,53,454.00	
iii) Wages	2,74,762.00	
iv) Rent	5,29,420.00	
v) Office expenses	8,43,544.00	
vi) Material & supply	3,87,750.00	
vii) Provers	1,87,488.00	
viii) Vehicle		
- Fuel	74,600.00	
- Repair	7,392.00	
ix) Prepaid salary for March,2002	15,71,772.00	
x) Furniture & Fixture	42,354.00	
xi) Hospital equipment	83,691.00	
xii) Cont. to pension fund	25,00,000.00	
xiii) Adances granted		
- Cont. advance	5,22,716.00	
- LTC advance	30,000.00	
- Festival advance	2,92,500.00	
- Scooter advance	4,46,900.00	
- Cycle advance	4,500.00	
- T.A. advance	11,797.00	
- Car advance	1,20,000.00	
- Flood advance	2,500.00	
- Computer advance	2,69,500.00	
- Medical advance	1,10,000.00	
- Pay advance	38,678.00	
		3,98,70,398.00

3. Recovery made from Deputationist on a/c of GPF. GIS. remitted			1.36.298.00
4. Income tax remitted during the year			28.08.511.00
5. GPF remitted for the year			1.34.02.206.00
6. GIS premium paid to LIC			5.59.450.00
7. Individual's L.I.C.			56.523.00
8. Paid to P.M.N.R. Fund			41.788.00
9. Final payment of G.I.S.			27.349.00
10. Closing Balance			
- S.B.I. A/c		21.05,646.83	
- Imp adv(NP)			
- O.B.	1.69.700.00		
granted	6.400.00		
	1.76.100.00		
Less adj.	3.000.00		
		1.73.100.00	22.78.746.83
TOTAL Rs. 9.90.65.553.43		TOTAL........	Rs. 9.90.65.553.43

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDING 31.3.2002

Expenditure		*Amount*	*Income*		*Amount*
1. PLAN (A) GENERAL AREA			1. Grant-in-aid received from the Min. of Health & Family Welfare		
i) Pay & Allowances	1,96.68.598.00				
ii) Travelling Allowance	4,88,082.00		Plan		
iii) Wages	2,93,516.00				
iv) Rent	2,04,996.00				
v) Office Expenses	19,46,037.60		General area	2,73,03,000.00	
vi) Material & Supply	7,04,517.00		Tribal area	32,40,000.00	
vii) Payment made to Drug Research Provers	61,820.00		Special Comp. for S.C.	65,28,000.00	
viii) Subs. to Journals				3,70,71,000.00	
ix) C.G.H.S.	1,83,295.00				
x) Exhibition / Conferences / Seminars	9,17,114.00		Non-Plan	3,95,30,000.00	
				7,66,01,000.00	
xi) Publications	2,48,639..00		Less grant capitalised during the yr.	34,55,158.00	
xii) Vehicle - Fuel	83,146.00				
- Repair	45,040.00				7,31,45,842.00
xiii) Exp. on R.O.T.P.	1,15,797.00				
Total	2,49,60,597.60				
(B) TRIBAL SUB-PLAN			2. Grant recd. from WHO		10,38,000.00
i) Pay & allowance	19,92,592.00				
ii) Travelling allowance	26,086.00				
iii) Wages	19,238.00				
iv) Rent	81,099.00		3. Misc. Receipts (as per the details in receipts and payment account)		1,81,983.47
v) Office expenses	81,732.00				
vi) Material & supply	64,895.00				
vii) Vehicle					
- Fuel	6,381.00				
- Repair	36,028.00				
Total	23,,08,051.00				

(C) SPECIAL COMPONENT PLAN FOR SCHEDULE CASTE		
i) Pay & allowance	61,09,873.00	
ii) Travelling allowance	76,646.00	
iii) Wages	14,920.00	
iv) Rent	1,22,663.00	
v) Office expanses	2,19,987.00	
vi) Material & supply	91,988.00	
vii) Provers	---	
Total	66,36,077.00	
Total A+B+C		3,39,04,725.60
2. Non-Plan		
i) Pay & Allowances	3,25,63,488.00	
ii) Travelling allowance	6,61,158.00	
iii) Wages	2,74,763.00	
iv) Rent	5,29,420.00	
v) Office expenses	9,12,032.00	
vi) Material supply	4,51,029.00	
vii) Prover	1,87,488.00	
viii) Vehicle		
- Fuel	74,600.00	
- Repair	7,392.00	
ix) Amt. tfd. to pension fund	25,00,000.00	
		3,81,61,360.00
3. Expenditure on Workshop (WHO)		10,38,000.00
4. Excess of income over expenditure		12,61,739.87
TOTAL.......		Rs. 7,43,65,825.47

TOTAL....... Rs. 7,43,65,825.47

RECEIPT & PAYMENT ACCOUNT FOR THE YEAR ENDING 31.3.2002 IN RESPECT OF GENERAL PROVIDENT FUND

S.No.	*Receipts*		*Amount*	*S.No.*	*Payments*		*Amount*
1.	Opening Balance Saving Bank Account at S.B.I.		87,845.73	1.	Payment on a/c of GPF advances and withdrawal made during the year		1,28,28,794.00
2.	Amount received from General a/c on account of G.P.F. Subs. of the Staff of the Council		1,34,02,206.00	2.	S.T.D.Rs.purchased during the yr.		1,49,00,000.00
3.	Amount of S.T.D.Rs. matured during the year and encashed		1,01,91,619.00				
4.	Interest recd. on S.T.D.Rs. and S.B. A/c			3.	Closing Balnace		
	S.T.D.R.	44,36,183.79			SB A/c at SBI	3,78,833.29	
	S.B. a/c	12,088.77			Credit yet to be given by the bank	22,316.00	4,01,149.29
			44,48,272.56				
	TOTAL......		Rs.2,81,29,943.29		TOTAL......		Rs.2,81,29,943.29

CENTRAL COUNCIL FOR RESEARCH IN HOMOEOPATHY

BALANCE SHEET AS ON 31.3.2002 IN RESPECT OF GENERAL PROVIDENT FUND ACCOUNT

Liabilities		*Amount*	*Assets*		*Amount*
1. General Provident Fund Capital A/c			1. Investment account (STDRS)		
i) Op. Balance	5.26.11,250.40		Op.Balance	4,95,91,619.00	
ii) Add GPF subscription of the staff	1,34,02,206.00		Less amount of S.T.D.Rs. matured & encashed during the year	1,01,91,619.00	
iii) Add: GPF Subs. of the staff due from general a/c	700.00			3,94,00,000.00	
iv) Add: Int. allowed on GPF a/c of the subs.	50,70,909.00		Add: Amount of STDRS pur. during the year	1,49,00,000.00	5,43,00,000.00
	7,10,85,065.40		2. Amt. of intt. accrued on S.T.D.Rs. but not recd.		
Less withdrawl/adv. during the year	1,28,28,794.00	5,82,56,271.40	Opening Balance	85,51,767.56	
			Added for the yr.	65,18,854.42	
				1,50,70,621.98	
			Less : recd. during the year	44,36,183.79	1,06,34,438.19
2. Reserve and surplus			3. Amt. due from gen a/c on a/c of short tfr. to GPF A/C		
i) Opening Balance	56,33,481.89		Opening Balance	13,500.00	
ii) Intt. recd. during the yr. on SB a/c	12,088.77		Added for the year	700.00	14,200.00
iii) Intt. accrued on STDRs during the year but not recd.	*65,18,854.42*		*4. Closing Balance*		
iv) Credit given by bank			*S.B. A/c at SBI*	3,78,833.29	
			Credit yet to be given the Bank	22,316.00	4,01,149.29
	1,21,64,425.08				
Less Intt. allowed on GPF Accounts of the subscriber	50,70,909.00	70,93,516.08			
TOTAL.....		Rs.6,53,49,787.48	TOTAL......		Rs.6,53,49,787.48

CENTRAL COUNCIL FOR RESEARCH IN HOMOEOPATHY

RECEIPT & PAYMENT ACCOUNT FOR THE YEAR ENDING 31.3.2002 IN RESPECT OF PENSION FUND ACCOUNT

S.No.	Receipts	Amount	S.No.	Payments	Amount
1.	Opening Balance Saving Bank Account at S.B.I. No.19806	9.62.037.72	1.	Pension payment made during the year	12.02.558.00
2.	Amount received during the year from other depts. on a/c of Pension Cont. in r/o Sh. Shakil Ahmed	—	2.	Payments made during the year on a/c of DCRG 7.00.220 Com.value of pen 3.10.428 Leave encash 3.72.940	13.83.588.00
3.	Interest received on SB A/c of Pension Fund.	26.325.19	3.	Amt. paid for immediate relief to Sh. G.D. Tewari	8,000.00
4.	Amount transferred from Gen. A/c to generate the Pension Fund A/c	25.00.000.00	4.	Closing Balance S.D. A/c	8.94.216.91
	TOTAL......	Rs.34.88.362.91		TOTAL......	Rs.34.88.362.91

CENTRAL COUNCIL FOR RESEARCH IN HOMOEOPATHY

BALANCE SHEET AS ON 31.3.2002

Liabilities		Amount	Assets		Amount
1. Capital Fund			1. Assets		
Op. Balance	3.02.37.587.98		a) Furniture & Fixture		
Add Assets created during the year	34.55.158.00		Op. Balanace	49.72.590.42	
			Added during the yr.(Plan)	3.41.347.00	
	3.36.92.745.98		N-Plan	1.96.774.00	
Less: 1. Assets written of during the yr.	6.789.23			55.10.711.42	
2. amount of priced publications sold during the year	15,408.00		Less: written of during yr.	574.54	
		3.36,70,548.75			55.10,136.88
2. Excess of Income over expenditure			b) Office equip.		
Opening Balance	1.04,47.837.30		Op. balance	44,05,052.38	
Added during the yr.	12.61.739.87		Less: written or during yr. during yr.	3,225.49	
		1,17,09,577.17			44,01,826.89
			c) Vehicle		
3. Group Insurance Fund A/c			Op. Balance	22,62,363.55	
Opening Balance	1,04,459.15		Add. pur. during yr.	3.78,396.00	
Add: recd. from LIC	27.349.00				26.40,759.55
	1.31.808.15		d) Priced pulication		
Less: paid during yr.	27.349.00		Op. Balance	4,26,452.98	
		1,04.459.15	Less: sold during yr.	15,408,00	
					4,11,044.98

4. Amount due to GPF from general A/c		
Opening balance	13,500.00	
Add: during the yr.	700.00	
		14,200.00
5. *Earnest Money Deposit*		
CRI, Kottayam	800.00	
Jain Laxmi Book binder	1,000.00	1,800.00

e) Hospital equipments			
Op. Balance	1,14,99,751.89		
Added during the yr.(Plan)	22,64,947.00		
N-Plan	2,49,951.00		
	1,40,14,649.89		
Less: written of during yr.	2,989.20		
		1,40,11,660.69	
f) Books			
Op. Balance	12,74,050.16		
Add. (Plan)	23,743.00	12,97,793.16	
g) Land & Bldg. - Noida		36,38,246.00	
h) Assets donated by WHO		17,59,080.60	
			2,36,70,548.75
2. Advances Recoverable			
i) Travelling allowance			
Op. Balance	99,756.00		
Less adjusted	99,756.00		
	—		
Add granted			
Plan 64,000.00			
N-Plan 11,797.00	75,797.00	75,797.00	

ii) L.T.C. Advance		
Op. Balance	64,645.00	
Less adjusted	64,645.00	
	—	
Add granted during the year (PLAN)	14,500.00	
& Non-Plan	30,000.00	44,500.00
iii) Contingent advance		
Op. Balance	24,56,362.49	
Less adjusted	14,06,107.00	
	10,50,255.49	
Add granted during the year(Plan)	27,79,593.00	
Non-Plan	5,22,716.00	43,52,564.49
iv) Scooter advance		
Op. Balance	7,16,452.00	
Add granted during the yr.	4,46,900.00	
	11,63,352.00	
Less recovered during the yr.	2,62,586.00	9,00,766.00
v) Cycle Advances		
Op.Balance	24,190.00	
Add granted during the yr.	4,500.00	
	28,690.00	
Less recovered during the yr.	15,075.00	13,615.00

vi) Festival Advances		
Op. Balance	63,240.00	
Add Granted during the yr	2,92,500.00	
	3,55,740.00	
Less recovered during the yr.	2,83,170.00	
		72,570.00
vii) Flood Advance		
Op. Balance	26,375.00	
Add granted during the yr.	2,500.00	
	28,875.00	
Less recovered during the yr.	22,575.00	
		6,300.00
viii) Pay Advance		
Op. Balance	2,330.00	
Granted	38,678.00	
	41,008.00	
Less recovered during the yr.	41,008.00	
ix) Computer Advance		
Op. Balance	2,22,500.00	
Add granted during the yr.	2,69,500.00	
	4,92,000.00	
Less recovered during the yr.	53,605.00	
		4,38,395.00

x) Car Advance		
Op. Balance	6,88,820.00	
Add granted during the yr.	1,20,000.00	
	8,08,820.00	
Less recovered during the yr.	2,13,170.00	
		5,95,650.00
xii) Medical Advance		
Op. Balance	95,000.00	
Add granted	1,10,000.00	
Less: adjusted during the yr.	2,05,000.00	
xiii) Warm Clothing Advance		
Opening Balance	1,050.00	
Less recovered	1,050.00	
		65,00,157.49
3. Pre-paid expenses/Salary		
Op. Balance	29,08,595.00	
Less adjusted during the yr.		
Plan	13,59,282.00	
Non-Plan	15,49,313.00	
Add granted during Plan	14,26,079.00	
N-Plan	15,71,772.00	
		29,97,851.00

4. Advance with other Deptts.		
a) Adv.with DAVP		20,000.00
5. Securities (Paid)		
Opening Balance		28.544.00
6. Amount recoverable from staff on a/c of G.I.S. premium		
Op. Balance	48,297.00	
Add during the yr.	5.59,450.00	
	6,07,747.00	
Less: recovered	6,03,148.00	
		4.599.00
7. Amount due from Staff on a/c of N.D.F.		138.00
8. Closing Balance		
CCRH (Bank Bal.)	21,05,646.83	
Imprest Advance		
Op. Balance (NP)	1,73,100.00	
		22,78,746.83

TOTAL..........	Rs.4,55,00.585.07	TOTAL..........	Rs.4,55,00.585.07